RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2016
Despatch Date - 02 July, 2016

अंक - 1 (मासिक) वर्ष - 12 जुलाई, 2016 मूल्य 50/-

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

महेश नवमी विशेष

चहुँ ओर गूँजा

सेवा - सदाचार - त्याग

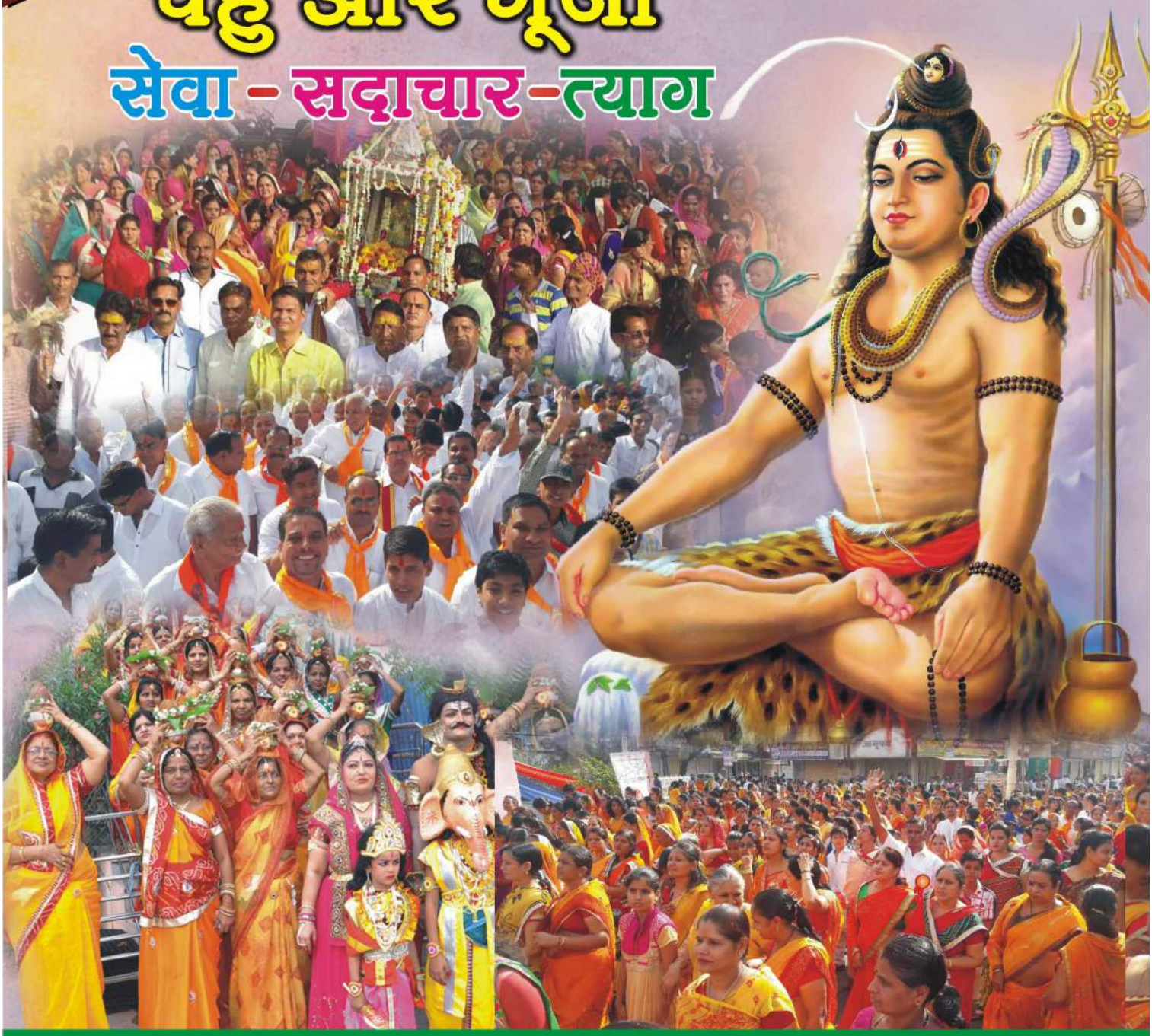

महासभा

छोड़ गया अबूझ प्रश्न...

27 वां सत्र पूर्ण– अब आगे की सोचें

With Best Compliments From

Ritu
Realmart Pvt. Ltd.

Hemraj Jagetia
Chairman
98290 45908

॥ जय महेश ॥

Mudit Jagetia
Director
99285 58201

Ritu Realmart

Office : Roshan Plaza, 2-Ground Floor, Pur Road, Bhilwara (Raj.)
E-mail : hrjagetia@yahoo.com
Residence : "Alpina", C-11, Sastri Nagar, Bhilwara (Raj.)
Phone : 01482-253908

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

» अंक-1 » जुलाई, 2016 » वर्ष-12

प्रेरणास्त्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

♦

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

♦

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

♦

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)

♦

अतिथि सम्पादक
शरद गोपीदास बागड़ी (नागपुर)

♦

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

♦

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

♦

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

♦

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
- PNB A/c. No. : 0459002100043471
  IFSC- PUNB0045900
- ICICI A/c. No. : 030005001198
  IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

समाज के उत्पत्ति पर्व
श्री महेश नवमी
की समस्त समाजजनों को
हार्दिक बधाई.

श्री माहेश्वरी टाईम्स
की सफल **11** वर्षीय शिखर यात्रा
की पूर्णता पर
समस्त विज्ञापन दाताओं, पाठकों
तथा शुभचिन्तकों का आभार
जिनके सहयोग ने
बनाया इसे देश की
शीर्ष सामाजिक पत्रिकाओं में से एक

श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

पद, प्रदर्शन और प्रतिष्ठा

सर्वप्रथम मैं समस्त स्वजनों, प्रबुद्ध पाठकों, सहयोगियों तथा अशीर्वाददाताओं को महेश नवमी पर्व की हार्दिक बधाई देता हूँ, साथ ही यह कामना करता हूँ कि यह महेश नवमी पर्व समाज व संगठन को एक ऐसी राह दिखाए, जिससे समाज का गौरव सूर्य की तरह आलौकित हो। समाज के शीर्ष संगठन अ.भा. माहेश्वरी महासभा का 27वाँ सत्र समाप्त हो चुका है और 28वें सत्र के चुनाव की तैयारियाँ हैं। इसके लिए महासभा की चुनावी बैठक होने वाली है।

श्री अ.भा. माहेश्वरी महासभा की प्रस्तावित बैठक के पूर्व आप सब से महासभा के इस कार्यकाल पर चर्चा करना मैं इसलिए जरूरी समझता हूँ कि आने वाले नए कार्यकाल के लिए हम ऐसी महासभा का गठन कर सकें, जो हमारी अपेक्षाओं को पूरा करे और समाज को उन्नत और उत्कृष्ठता के नए आयाम दे सके। समाज की सर्वोच्च संस्था के सिंहासन पर विराजकर पद को केवल प्रदर्शन का आयाम बना देने से जो दुष्परिणाम हमें मिले हैं, उससे ज्यादा संस्था की प्रतिष्ठा को ठेस लगी है। हमारा समाज देश का ऐसा समाज है जिसकी गतिविधियों पर सभी की निगाह रहती है। ऐसे में संस्था की गरिमा सबसे ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। यदि संस्था को लेकर कोई गलत धारणा बन जाती है तो इसके दुष्परिणाम समाज को दूर तक भुगतने पड़ सकते हैं। आज हालात यही है। इस कार्यकाल में सभापति जोधराज लड्ढा के हाथ कमान सौंपते वक्त समाज ने जो अपेक्षाएँ की थीं और श्री लड्ढा ने जो जो वादे किए थे, दोनों ही पक्षों की अनदेखी हुई है। वे न तो समाज की कसौटी पर खरे उतार पाए और न ही अपनी ओर से ऐसा कुछ कर सके, जिससे समाज को संतोष मिल सके। महासभा का पूरा कार्यकाल बीत गया लेकिन उपलब्धियाँ कुछ दिखाई नहीं देती। जबकि महासभा का इतिहास गवाह है, इस पद पर रहने वाले समाजजनों ने कई बार नया इतिहास रचा है। समाज को नई ऊँचाई दी है। देश में प्रतिष्ठा दिलाई है। समाजजनों को सुविधा और संस्कार दिए हैं। यह परंपरा अब जाकर खंडित होती नजर आ रही है। पद हासिल करने की होड़, सेवा की उत्कंठा नहीं, प्रदर्शन का फलसफा बन गई है, लेकिन इस विचारधारा के साथ पद की दौड़ में आने वालों को यह समझ लेना चाहिए कि पद हासिल करना जितना सरल है, प्रतिष्ठा हासिल करना उतना ही कठिन। प्रतिष्ठा के लिए पद जरूरी नहीं है, लेकिन पद के लिए प्रतिष्ठा अनिवार्य तत्व है। प्रतिष्ठा प्राप्त कर इसे बनाए रखना भी दुरुह है। इसलिए पदों की दौड़ के बीच हमें यह तय करना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि सही चुनाव हो।

महासभा की जोधपुर बैठक के पहले इस मुद्दे को उठाना इसलिए जरूरी हो गया है कि बैठक केवल एकतरफा न रहे। सवालों के साथ उत्तर भी आएंगे, तो एक बार फिर समाज के प्रतिष्ठित पदों पर आसीन होने वालों का चुनाव करने के लिए देशभर में बहस खड़ी होगी। समाज का मंथन निश्चित ही अमृत और विष को अलग करेगा। निश्चित तौर पर इसके अच्छे परिणाम आएंगे। यह बात केवल महासभा के लिए ही नहीं सेवा सदन के चुनावों के परिप्रेक्ष्य में भी कही जा सकती है। चुनाव में अच्छे लोगों को चुनना यदि मतदाताओं की जिम्मेदारी है, तो अच्छे प्रत्याशियों को मैदान में लाना समाज का दायित्व भी। नागनाथ या सांपनाथ में से किसी एक को चुनने की मजबूरी खत्म होना चाहिए। इसलिए आम चुनावों में भी नोटा (इनमें से कोई नहीं) बटन का प्रावधान हो गया है। हमने एक विषय आपके लिए छोड़ दिया है। फैसला आपको करना है।

खैर, महेश नवमी विशेषांक को आप लोगों ने सराहा इसके लिए हृदय से आभार। यह अंक भी आपकी कसौटी पर खरा उतरेगा। यह उम्मीद करते हैं। इस अंक में आप पाएंगे सभी स्थायी स्तंभों के साथ पठनीय, ज्ञानवर्द्धक और रोचक आलेख, कहानी, कविता और भी बहुत कुछ। अपनी प्रतिक्रिया से अवगत कराना न भूलें। धन्यवाद

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

आज का युवा कल का देश का भविष्य

मुंबई में 27 दिसंबर 1956 को स्व. श्री गोवर्धनदास बागड़ी के पौत्र व स्व. श्री जयनारायण मोहता के नाती तथा स्व. श्री गोपीदास व स्व. श्रीमती केसरदेवी बागड़ी के यहाँ जन्मे नागपुर निवासी श्री शरद बागड़ी व्यावसायिक रूप से तो ख्यात पोर्टफोलियो कन्सल्टेंट हैं, लेकिन इसके साथ आपकी ख्याति एक समर्पित व चिंतनशील समाजसेवी के रूप में अधिक है। आपने 1983 में एमकॉम, डीबीएम, आईसीडब्ल्यूए तथा सीए (फायनल) तक शिक्षा प्राप्त कर मैसूर सीमेंट व जयप्रकाश एसोसिट्स के 'सीएंड एफ एजेंट' के रूप में अपने कॅरियर की सफलतापूर्वक शुरुआत की थी। वर्ष 2000 से आप पोर्टफोलियो कन्सल्टेंट तथा शेयर मार्केट के इन्वेस्टर के रूप में अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं दे रहे हैं। शेयर बाजार की विशेषज्ञता को लेकर आपको वर्ष 2015 में मोतीलाल ओसवाल सिक्यूरिटीज लि. द्वारा वेल्थ क्रिएटर ऑफ डिकेड के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समाजसेवा के क्षेत्र में आप श्री बीकानेरी मोहश्वरी पंचायत सदस्य, भारत विकास परिषद उपाध्यक्ष, लायंस क्लब नागपुर के सचिव, रोटरी क्लब के उपाध्यक्ष, जीवन सुरक्षा प्रकल्प के मार्गदर्शक आदि के रूप में सेवा दे रहे हैं। इसके साथ ही विदर्भ सेवा समिति व विवेकानंद केंद्र आदि कई संस्थाओं से भी सक्रिय रूप से सम्बद्ध है। नेशनल लोक अदालत में आप समाजिक कार्यकर्ता के रूप में डिस्ट्रिक्ट जज के साथ पैनल में शामिल हुए थे। गत दिनों लघु उद्योग भारती का नागपुर में एक सफल उद्यमी सम्मेलन आयोजित हुआ था, जिसमें देशभर से 1750 लोग आये। सात केंद्रीय व राज्य मंत्रियों के साथ इसके संयोजक के रूप में आप भी शामिल थे। अभी तक कई संस्थाओं के आयोजनों को आपने मुख्य अतिथि के रूप में गौरवान्वित किया है।

किसी भी देश समाज का भविष्य बच्चों और युवाओं पर होता है। बड़े बुजुर्गों के पास अनुभव होता है तो युवाओं के पास हिम्मत और हौसला। दोनों का सामंजस्य बिठाकर चलना जरूरी है। देश की तुलना एक हरे भरे पेड़ से की जाए तो पेड़ अपनी शाखाओं, फूल, फल पत्तियों के साथ सुंदर लगता है। फूल, फल, पत्तियाँ पेड़ की शान हैं। उसी तरह पत्तियों की शोभा भी पेड़ पर है। एक बार नीचे गिरने के बाद पत्तियाँ सूख जाती हैं। पैरों के नीचे मसल दी जाती हैं। आज के बुजुर्गों व युवाओं को यह समझना बहुत जरूरी है।

हमारे हिंदुस्तान की सभ्यता संस्कृति दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यता रही है। पहले बच्चों को घर से दूर गुरुकुल में शिक्षा दी जाती थी। अमीर-गरीब-राजा-रंक सबके बच्चे गुरुकुल में साथ पढ़ते बड़े होते थे। गुरुजी किसी बच्चे से भेदभाव नहीं करते थे। एकलव्य अर्जुन के साथ पढ़ा। श्रीकृष्ण सुदामा की दोस्ती की कहानी सबने सुनी। इस तरह बच्चों में शुरू से सबसे बराबरी मित्रता का भाव रहता था। कोई किसी को छोटा, बड़ा नहीं समझता था। राजकुमार भी पिता की राजगद्दी संभालने के पहले गुरुकुल में पढ़कर समाज व देश सबको समझता था। आज माता-पिता बच्चे के जन्म के साथ उसे यह समझा देते हैं कि उसे बराबरी वाले बच्चों के साथ ही उठना, बैठना व दोस्ती करना है। स्कूल भी वह अपनी हैसियत से ऊँची में जाते हैं। बच्चों के नाजुक मन पर शुरू से ही अमीर-गरीब, ऊंच व नीच का भेदभाव लाद दिया जाता है। अर्थात हर चीज का बाजारीकरण किया गया। घर में भी बाजारीकरण हो गया। समाजशास्त्र, अर्थनीति कुदरत के कुछ नियम अटल होते हैं व हर जगह लागू होते हैं। एक नियम है मांग और सप्लाई का। घर परिवार में पहले तीन-चार बच्चे होते थे। बचपन से उन्हें एक-दूसरे के साथ शेयर करना सिखना होता था। घर में बड़े भाई के कपड़े और खिलौने छोटे के काम आते थे। बच्चों के नाजुक मन पर बात बहुत छोटी लगती है परंतु नतीजा गंभीर होता है। बच्चा बचपन से चीजे बांटना सीखकर एक-दूसरे की इज्जत करना सिखता था। उसे तेरी-मेरी करना नहीं आती थी। आज सिर्फ एक बच्चा होने से पलड़ा एक तरफ झुक गया है। फायदा नुकसान दोनों होते हैं। अकेली संतान होने से माता-पिता उसे बहुत ज्यादा लाड़-प्यार से पालते व समय से पहले हैसियत से ज्यादा संसाधन देकर खुश रखते हैं। धीरे-धीरे बच्चा जिद्दी व घमंडी होने लगता है। उसे चीजों की कदर नहीं होती। नहीं सुनने का आदी नहीं रहता। उसने जो सोच लिया, मांग लिया उसे मिलना ही चाहिये अर्थात वह धीरे-धीरे स्वार्थी व घमंडी होता जाता है और यह आदत अवगुण जाने अनजाने में उसे घर परिवार के वातावरण से मिलती है। यह एक तरह का स्लो पाइजन है।

आज की पढ़ाई का उद्देश्य सिर्फ डिग्री, अच्छी नौकरी, मोटी सेलरी ही नहीं होना चाहिए। चरित्र निर्माण, परिवार, समाज व देश के प्रति संवेदना, प्रेम व समर्पण तथा सबको साथ लेकर चलने की भावना भी होना जरूरी है, जो धीरे-धीरे खत्म हो रही है। हम जब एक अंगुली किसी की तरफ उठाते है, तो तीन हमारी तरफ भी उठती हैं। इसकी कसूरवार हमारी आज की पीढ़ी है। कुछ सालों से शिक्षा का मकसद ही गलत रहा। कोई भी बदलाव एकदम रातोंरात नहीं हो सकता। कहावत है "Rome was not built in one night" अगर हमें अपने समाज देश को नई दिशा देना है तो पहले गलती कहा कहाँ किस-किस से हुई यह समझना मानना बहुत जरूरी है। मकान बनाने के पहले नक्शा बनाया जाता है, फिर जितना बड़ा मकान बनाना है, उस अनुपात में गड्ढा खोदा जाता है व नींव तैयार की जाती है। उस मजबूत नींव पर मजबूत मकान तैयार किया जाता है।

आज युवाओं को योद्धा की तरह आगे आना पड़ेगा। योद्धा वह होता है जो विपत्ति का सामना करता है। जैसे-जैसे हमारी स्वतंत्रता बुजुर्ग होती जा रही है, वैसे-वैसे देश युवा हो रहा है। आज हर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व युवा कर रहा है। यह अच्छी बात है कि बुजुर्ग होती स्वतंत्रता को एक युवा अच्छी तरह से संभाल सकता है। विश्व के लोग बूढ़े होते जा रहे हैं और हमारा देश युवा हो रहा है। यदि हम युवा शब्द को उल्टा करे तो "वायु" होता है। "वायु" हमारे देश का प्राण है। यदि वायु स्वच्छ है तो स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और मन आनंदित रहेगा। यदि वायु प्रदूषित है तो बीमार कर देगी। प्रदूषित वायु अनेक संकट उत्पन्न कर देगी। जिसके हाथों में समाज के अंतिम पंक्ति की भाग्य रेखा है। वह इस देश का युवा है। आज सबसे बड़ा प्रश्न है कि युवा कैसा होना चाहिए? राष्ट्र, समाज व परिवार को जो स्वास्थ्य रखे। हमें ऐसे युवा की जरूरत है। हमें वायु को प्रदूषणमुक्त बनाने के संकल्प की आवश्यकता है। मनुष्य के लिए सद्गुण महत्वपूर्ण हैं। जिस तरह राष्ट्र के लिए समाज, समाज के लिए व्यक्ति और व्यक्ति के लिए मानवता जरूरी है। उसी तरह एक व्यक्ति के लिए सद्गुणों की जरूरत है। जय महेश।

शरद गोपीदासजी बागड़ी
पोर्टफोलियो कंसल्टेंट व समाजसेवक, नागपुर
अतिथि सम्पादक
Mo. 9325656776, e-mail : sharadbagdi56@gmail.com, sharadbagdi@rediffmail.com

सच्चियाय माताजी

सच्चियाय माताजी बिहानी, अटल, कांसट, करवा, चांडक, डागा, तापड़िया, परतानी, बांगड़, बिड़ला, मालू, मंत्री, भंसाली, रांधड़, राठी, लखोटिया, लढ़ा, सारड़ा एवं सिकची खांप की कुल देवी है।

माताजी का मन्दिर राजस्थान में जोधपुर जिले के छोटे से कस्बे ओसियां में स्थित है। ओसियां जोधपुर से लगभग 65 किमी दूर हैं। मंदिर भूमितल से लगभग 125 फीट ऊँची पहाड़ी पर बना हुआ है। मंदिर तक पहुँचाने वाली सीढ़ियों पर नौ तोरण द्वार बने हैं जिन्हें नवदुर्गा के नामों से अलंकृत किया गया है। मंदिर की छत बड़ी ही आकर्षक एवं मनमोहक है। ऐसी मान्यता है कि प्रतिमा पहाड़ी से प्रकट हुई थी। मुख्य शिखर पर ध्वजादण्ड के पास सोने का कलश स्थापित है जिसमें घृत भरा हुआ है। मंदिर के सामने महामंडप में हवन-कुंड बना हुआ है, ऊपर सोलह पुतलियों की छवि दिखाई पड़ रही है। मन्दिर प्रांगण में भगवान शिव का मंदिर भी बना हुआ है।

माता का मंदिर पश्चिमाभिमुख है। यहाँ यात्रियों के ठहरने के लिये धर्मशाला व अतिथिगृह बने हुए है।

संवत् 2026 वैशाखसुदी 11 को ग्रामवासियों के सहयोग से माताजी मंदिर के पुजारियों के साथ पुजारी (स्व.) जुगराजजी पुत्र श्री. सदासुखजी सेवक की देखरेख व निर्देशन में मुख्य मंदिर सहित सूर्य मंदिर, विष्णु मंदिर, गजानन्द मंदिर, महादेव मंदिर पर ध्वजा दण्ड चढ़ाये गये। इस शुभ कार्य के बाद इस मंदिर में निर्माण का कार्य आज तक बन्द नहीं हुआ।

यहाँ वर्ष में दो बार नवरात्रि उत्सव मनाया जाता है। जिसमें चैत्र आसोज में कलश स्थापना के साथ ज्वारे उगाये जाते हैं।

माताजी की केशर पूजा होती है। महापूजा अभिषेक होता है जिसमें दंपत्ति भक्तों को स्वयं बैठने का अवसर मिलता है।

नवरात्रि में माताजी को लगने वाले भोग

एकम - लापसी
दूज - खाजा, मगज-खीर,रसगुल्ला, केला
तीज - मीठा चावल (बीणज), अनानास
चौथ - बेसन चक्की, पपीता, खुरमाणी
पाँचम - गुड़ का हलवा, सेवक, गुलाब जामुन
छङ्ग - लापसी, सेव
सातम - दाल की चक्की, अंगूर
आङ्गम- नौ प्रकार की मिठाई- खीर पूड़ी, लापसी, खाजा, मगद हलवा, नव प्रकार के फल, नव प्रकार की नमकीन का भोग लगता है

होम अष्टमी का हवन अष्टमी को आसोज व चैत्र नवरात्रि में परंपरानुसार रात्रि 9 बजे से डेड़ बजे के मध्य होता है। मंदिर पर लाल रेशमी ध्वजा भी चढ़ाई जाती है।

आरती- चैत्र सुदी 1 से आसोज बदी अमावस्था तक सुबह 8:30 बजे, आसोज सुदी 1 से चैत्र बदी अमावस्था तक सुबह 9 बजे व शाम को सूर्यास्त के 20 मिनिट बाद होती है। रात्रि में पटमंगल के बाद मंदिर रात्रि में नहीं खुलता, नवरात्रि में 10 बजे तक मंदिर खुला रहता है।

वर्तमान में ओसियां सच्चियाय माता मंदिर परिसर में पुराने मंदिरों के साथ सन् 1976 में ट्रस्ट स्थापना के बाद मुख्य श्री सच्चियाय माता मंदिर के चारों तरफ परकोटे में नवदुर्गा के नौ भव्य मंदिर पुरानी कलात्मक कलाकारी के साथ दानदाताओं द्वारा ट्रस्ट की देखरेख में बनवाए है।

कैसे पहुँचे

ओसियां जोधपुर - जैसलमेर रेल मार्ग पर तथा जोधपुर - ओसियां - फलौदी - रामदेवरा - जैसलमेर सड़क मार्ग पर स्थित है। दिल्ली, मुम्बई तथा जयपुर से जोधपुर तक के लिये सीधे विमान सेवा उपलब्ध है। दिल्ली - जैसलमेर इन्टरसिटी ट्रेन, जोधपुर - जैसलमेर ट्रेन पैलेस ऑन द व्हील्स द्वारा भी यहाँ तक पहुँच सकते है। राईकाबाग रोडवेज स्टैण्ड से हर 30 मिनिट में ओसियां के लिये तथा पावटा चौराहे से हर 30 मिनिट में ओसियां के लिये बसें उपलब्ध है।

महेश नवमी की सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ

अजय काबरा
संयुक्तमन्त्री (उत्तरांचल)
अ.भा. माहेश्वरी महासभा
098390-49109

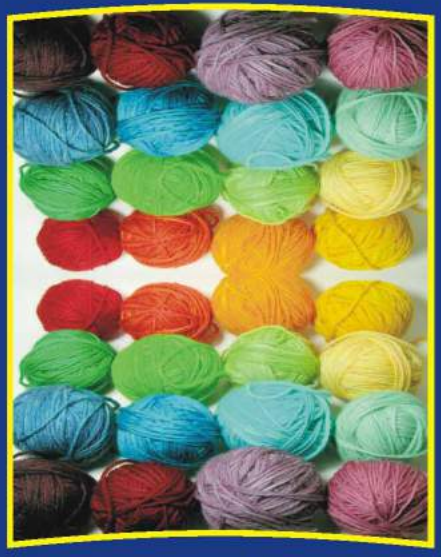

माहेश्वरी वूलेन्स

कारपेट वूलेन यार्न व्यवसायी

35-36, रिंग मार्केट, प्रथम तल, रजपुरा, भदोही-221401 (उ.प्र.)

गलीचा हाऊस प्रा.लि.

रोड नं. 4, महिपालपुर एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110037

GALICHA HOUSE PVT. LTD.

अखिल काबरा
(CA, CS)
मो. 073764-67309

E-mail : **info@victoriacarpet.in.**, Website : **www.victoriacarpet.in**

swasan group

your bed is the biggest cause for asthma and allergies

wake up !!!

protect your bed, protect your health

do you know ?

- the major reason for asthma, allergies, skin problem, breathing problem, snoring, eczema etc. are dust mites
- the biggest source for dust-mites is your bed
- there are approximate 20 lakh dust-mites in an unprotected mattress
- body sweat, skin flakes, body fluids, odd spills like water, tea etc., help in breeding

Why now in india ?

- the conventional indian system of sun - drying mattress on terraces and periodically changing cotton fibres is the best disinfecting method for your mattress. But with the upgradation of our mattress to rigid foam, spring, coir mattress-disinfection is not possible. Added to that, is the drop in our immunity levels, thanks to our new life style.

presenting for the first time in india

SLEEPSAFE®

hypo-allergenic mattress protector

An estimated 20 lacs dust mites can thrive in an unprotected mattress.

A major cause of allergies and asthma is the dust mite and the greatest single source of dust mites is an unproteced mattress.

s-guard hygiene membrane is waterproof, keeping your mattress dry and free of stains

Protection from dust and spills significantly extends the mattress life - keeping it fresh for years

welcome to a **dust-free** sleep zone

Manufactured in india by
Shubhswasan India Pvt. Ltd.
9/32 Branson Garden Street,
Kilpauk, Chennai - 600 010
Tel : 91-44-25324115, 25324496, 26414472
E-mail : shubhswasan@gmail.com
www. sleepsafe.in
Customer Care : 0 91500 39860

Warm Regards
K.G. Baheti
Suraj Baheti

Available in leading mattress stores across India

बागड़ी बने लायंस सचिव व भाविप उपाध्यक्ष

नागपुर। लायंस क्लब ऑफ नागपुर की वर्ष 2016-17 के लिए कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें शरद गोपीदास बागड़ी सचिव नियुक्त हुए। भारत विकास परिषद में भी बागड़ी नए वर्ष के लिये उपाध्यक्ष नियुक्त हुए। श्री बागड़ी रोटरी क्लब नागपुर ईलाइट के उपाध्यक्ष, बीकानेरी माहेश्वरी पंचायत के सदस्य, जीवन सुरक्षा प्रकल्प मार्गदर्शक, लघु उद्योग भारती, कैफ, विवेकानंद केंद्र, विदर्भ सेवा समिति सदस्य तथा केंद्रीय मानवाधिकार परिषद के ब्यूरो चीफ के रूप में सेवाएं भी दे रहे हैं।

जीवन संस्कृति का विमोचन

कोलकाता। गत 15 मई को जीवन संस्कृति पुस्तक का विमोचन समाजसेवी जयदेव कासट एवं लक्ष्मीनारायण राठी जोधपुर के करकमलों से सम्पन्न हुआ। समस्त कासट परिवार एवं माहेश्वरी समाज के गणमान्य सदस्य विमोचन के समय उपस्थित थे। विधाननगर माहेश्वरी सभा की अध्यक्षा रेनू कासट ने इस पुस्तक में माहेश्वरी समाज के जन्म-विवाह एवं मृत्यु आदि के समस्त रीति रिवाजों का बड़े ही सुंदर तरीके से उल्लेख किया है।

जिला माहेश्वरी महिला मंडल का सम्मान समारोह सम्पन्न

जोधपुर। जिला माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष उमा बिड़ला ने अपने कार्यकाल की समाप्ति के पूर्व उत्कृष्ट कार्य करने वाली सभी सदस्याओं को मोमेंटो भेंटकर सम्मानित किया। सचिव छाया राठी ने बताया कि सभी सदस्याओं ने भी श्रीमती बिड़ला के कार्यों की प्रशंसा में सम्मान- पत्र भेंट किया। पत्रवाचन वरिष्ठ साहित्यकार हरिप्रकाश राठी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में 'माहेश्वरी एकता' पत्रिका के सम्पादक राजेश गिलड़ा भी मौजूद थे।

समाज के नवीन पदाधिकारी चयनित

राधेश्याम नवाल

गिरीश पुंगलिया

चंद्रप्रकाश मालू

हैदराबाद। माहेश्वरी समाज दिलसुखनगर की साधारण सभा का आयोजन कोत्तापेट स्थित राजधानी फंक्शन हॉल में हुआ। इसमें वर्ष 2016-17 के लिए संस्था की नई कार्यकारिणी का गठन हुआ। अध्यक्ष गोपाल सोमाणी व मंत्री प्रकाश लड्ढा ने बताया कि सर्वसम्मति से द्विवार्षिक सत्र 2016-18 के लिए पदाधिकारियों का चयन किया गया। इसमें राधेश्याम नवाल अध्यक्ष, राजेश लोया व बद्रीविशाल मालाणी उपाध्यक्ष, गिरीश पुंगलिया मंत्री, श्यामसुंदर राठी व आनंद इन्नानी सहमंत्री, चंद्रप्रकाश मालू कोषाध्यक्ष, घनश्याम बजाज संगठन मंत्री, नारायणदास आसावा प्रचार मंत्री तथा सीताराम रांदड़ व गोवर्धनलाल राठी संरक्षक नियुक्त किए गए।

महिला मंडल का गठन

नीलिमा चाण्डक

सरिता नबीरा

काटोल। स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा माहेश्वरी महिला संगठन का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष नीलिमा चांडक, उपाध्यक्ष राजश्री भूतड़ा व रेखा भूतड़ा, सचिव सरिता नबीरा, सह सचिव अलका नबीरा, अरुणा बिसानी, कोषाध्यक्ष लता टावरी, प्रचार-प्रसार मंत्री वंदना नबीरा, सांस्कृतिक मंत्री सुधा राठी, श्वेता भूतड़ा, हेमा दरक व वीणा चांडक तथा संगठन मंत्री आशा बिसानी चुनी गई।

फादर्स डे पर 13 साहित्यकारों का होगा सम्मान

भीलवाड़ा। जिले की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था 'खिलते फूल' द्वारा 'स्वर्गीय रामजस सोड़ाणी स्मृति संस्थान' के सौजन्य से 13 साहित्यकारों को 'स्वर्गीय रामजस सोड़ाणी स्मृति प्रबुद्ध साहित्यकार पुरस्कार' से सम्मानित किया जाएगा। समारोह भीलवाड़ा में विश्व फादर्स-डे के अवसर पर आगामी 19 जून को आयोजित होगा। स्वर्गीय श्री सोड़ाणी स्मृति संस्थान के ट्रस्टी अनिल सोड़ाणी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय भजन गायिका डॉ. सुमन सोनी एवं खिलते फूल के अध्यक्ष कवि सुरेश भाटी के माध्यम से गठित 7 सदस्यीय चयन समिति ने इस सम्मान के लिए प्रख्यात साहित्यकारों का चयन किया है।

"मुश्किल वक्त का
सबसे बड़ा सहारा है-
'उम्मीद' !!
जो एक प्यारी सी
'मुस्कान' देकर
कानों में धीरे से कहती है-
'सब अच्छा होगा' !!"

श्री माहेश्वरी बने लोकायुक्त

महू। उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश उमेश कुमार माहेश्वरी को म.प्र. शासन द्वारा उप लोकायुक्त नियुक्त किया गया। इसके साथ उच्च न्यायालय ग्वालियर खंडपीठ का कार्यभार त्यागते हुए श्री माहेश्वरी ने राष्ट्रपति को अपना त्याग पत्र प्रेषित किया। श्री माहेश्वरी को पद की शपथ लोकायुक्त जस्टिज पी.पी. नावलेकर ने दिलवाई। इसी दिन जस्टिस श्री नावलेकर का कार्यकाल भी समाप्त हो गया। अतः वर्तमान में लोकायुक्त का प्रभारी श्री माहेश्वरी को ही सौंपा गया है।

|| राम || || राम || || राम || || राम || || राम || || राम || || राम || || राम || || राम || || राम ||

|| प्रथम पुण्यतिथि ||

कीर्तिशेष सौ. अंजूदेवी धर्मपत्नी श्री घनश्याम लाहोटी

गच्छीपुरा – जयपुर – पूना

अवतरण – २ दिसंबर १९६६ महाप्रयाण – १८ जून २०१५

"आपके स्नेह से महका था घर, प्रेम पल्लवित एक परिवार
मधुर मनोरम भावुक छवि आपकी, श्रध्दा भक्ति परोपकार
धर्म सर्मपित त्याग तपस्या, पुण्य भावना सादा जीवन उच्च विचार
पिछले बरस अचानक एक क्षण, छोड़ गयीं जब तुम संसार
भीगी पलकें लिये ढूंढते तुमको, हर आंगन और घर-द्वार
निश्छल निर्मल परम आत्मा को, हम नमन करते रहेंगे बारम्बार !"

आपकी पावन पुण्यस्मृति पर सभी स्नेहीजनों एवंम मित्र परिवारों के साथ
भावपूर्ण श्रध्दांजलि अर्पित करते हैं।

पति – **घनश्याम लाहोटी** (कार्यकारी मंडल सदस्य, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा, पूना)
देवर – **विष्णु, रवि** देवरानी – **सौ. रेखा, सौ. चंदा**
पुत्र – **अभिषेक, ऋषि, आश्रय** पुत्रवधू – **सौ. श्रध्दा** पौत्र – **सारांश**
पुत्रियाँ – **सौ. अभिलाषा बजाज, सौ. रेणु तापडीया** दोहीता – **ध्रुव बजाज**
कु. रुची, कु. आस्था, कु. श्रध्दा
दामाद – **विवेक बजाज (मुंबई), विशाल तापडिया (पूना)**
भ्रातागण – **बद्रीनारायण, राधेश्याम, अशोककुमार, राजकुमार कासट (बोरावड)**

प्रतिष्ठान : **मार्बल पॉईंट,** तिरुपती कॉम्प्लेक्स, धनकवडी पेट्रोल पंप के पास, पुणे–सातारा रोड, पुणे ४३.

|| राम || || राम || || राम || || राम || || राम || || राम || || राम || || राम || || राम || || राम ||

बाहेती बने रेलवे सलाहकार

इंदौर। ख्यात सामाजिक कार्यकर्ता ईश्वर बाहेती रेलवे सलाहकार समिति सदस्य चुने गये। राजनीतिक क्षेत्र में श्री बाहेती भाजपा से भी सक्रिय रूप से सम्बद्ध हैं। सभी स्नेहीजनों ने इस नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त किया।

जाजू बनी जिला अध्यक्ष

उज्जैन। सक्रिय समाजसेवी कृष्णा जाजू उज्जैन जिला माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष सर्वानुमति से निर्वाचित हुई। संगठन की यह बैठक महिदपुर में आयोजित हुई थी।

हैदराबाद (आंध्रप्रदेश) में 'श्री माहेश्वरी टाईम्स'

में समाचार, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए संपर्क करें -

लक्ष्मीनारायण काकाणी

क्षेत्रीय प्रतिनिधि (हैदराबाद)

मो- 093900-73380

"बहुत देखा जीवन में
समझदार
बनकर,
पर खुशी हमेशा
पागल
बनने पर ही मिलती है।"

समाज ने की औंकारेश्वर में सेवा

खरगोन। माहेश्वरी जिला सभा एवं सनावद माहेश्वरी समाज के संयुक्त तत्वावधान में उज्जैन में आयोजित सिंहस्थ महाकुंभ के अवसर पर औंकारेश्वर में एक माह तक अन्न सेवा क्षेत्र का आयोजन किया गया। इसका समापन समाज के सामूहिक भोज के साथ हुआ। सतत एक माह चले इस प्रकल्प में श्रद्धालुओं को मात्र 10 रुपए में भोजन प्रसादी करवाई गई। इस अवसर पर अतिथि के रूप में एडीजी (पुलिस) विपिन माहेश्वरी, एम.के. अग्रवाल कलेक्टर खंडवा, महेंद्रसिंह सिकरवार एसपी खंडवा उपस्थित थे। भीषण गर्मी में समाज के अजमेरा परिवार एवं चांडक परिवार (बुलडाणा बैंक) द्वारा निरंतर आर.ओ. का शीतल जल यात्रियों को उपलब्ध करवाकर समाज को गौरवान्वित किया गया। इस सेवा प्रकल्प संचालन में चंद्रप्रकाश मंत्री, अनिल पलोड़, महेश परवाल, कांतिलाल पलोड़, ब्रजमोहन गट्टाणी, विवेक मंत्री, प्रवीण दुजारी, अमेय परवाल, श्याम मूंदड़ा, ओम मूंदड़ा, द्वारिका परवाल, पुरुषोत्तम अजमेरा सहित माहेश्वरी महिला मंडल का सहयोग रहा। जिलाध्यक्ष लक्ष्मीकांत राठी ने बताया कि करीब 30 हजार श्रद्धालुओं द्वारा इसमें प्रसादी ग्रहण की गई। डॉ. राजेंद्र पलोड़ ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्ति करते हुए कहा कि पश्चिमांचल अध्यक्ष महेश तोतला एवं प्रकाश बाहेती की प्रेरणा से यह संभव हुआ।

छत्तीस महिलाओं ने की छत्तीसगढ़ यात्रा

जैसलमेर। स्थानीय समाज की 36 महिलाओं ने बिना किसी पुरुष को साथ लिए अकेले ही चंपारण व छत्तीसगढ़ की यात्रा करके श्री ठाकुरजी की झारी भरने की मनोकामना पूरी की। माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष पुष्पा चांडक, माहेश्वरी समाज सहमंत्री पुष्पा केला, निर्मला सूदा, मंजू बिसानी व अन्य महिलाओं ने ही सारा कार्यभार संभाला। यह यात्रा नारी शक्ति का बहुत बड़ा उदाहरण बनी, जिसमें 36 में से 30 से भी अधिक महिलाएं तो 50 वर्ष से अधिक आयु की थीं।

> मनुष्य कितना भी गोरा क्यों ना हो
> परंतु
> उसकी परछाई सदैव काली होती है...!!

गायत्री बिड़ला अध्यक्ष व सीता जागेटिया सचिव

गायत्री बिड़ला

शीला जागेटिया

भीलवाड़ा। काशीपुरी वकील कॉलोनी क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला मंडल की गत दिनों आजाद नगर माहेश्वरी भवन में बैठक हुई। इसमें नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष गायत्री बिड़ला, सचिव सीता जागेटिया एवं कोषाध्यक्ष दिव्या सोनी को मनोनीत किया गया। इस अवसर पर नगर महिला संगठन की पदाधिकारी भी उपस्थित थीं। सुमन सोनी द्वारा गत वर्ष की गतिविधियों की जानकारी दी गई। अध्यक्ष श्रीमती बिड़ला ने कार्यकारिणी का विस्तार किया। इसमें उपाध्यक्ष मधु काबरा व सीमा सोनी, सहसचिव रेणु सोमानी, सांस्कृतिक मंत्री मीनाक्षी मूंदड़ा, प्रचार प्रसार मंत्री ललिता राठी व संध्या नुवाल तथा संरक्षिका सुधा बिहानी, बसंता बल्दवा, सीमा मंडोवरा, सुमन सोनी, उर्मिला सोनी व शशि बाला मूंदड़ा मनोनीत की गईं।

पुरुषोत्तम लखानी बने बैंक अध्यक्ष

मलकापुर। पुरुषोत्तम-गोपालदास लखानी दि मलकापुर अर्बन को-ऑप बैंक लि. के निर्विरोध उपाध्यक्ष चुने गए। वर्तमान में 1100 करोड़ डिपॉजिट व 29 शाखा के माध्यम से यह बैंक अपने ग्राहकों को सेवा दे रहा है। समाज जन एवं स्नेहीजनों ने इनकी उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महेश नवमी के
पावन पर्व की
समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को
हार्दिक शुभकामनाएं

।। जय महेश ।।

केदारमल जागेटिया

(एडव्होकेट)

मो. 98292 42323, 78910 47722

अध्यक्ष - गोपालद्वारा मन्दिर एवं सम्पत्ति ट्रस्ट, भीलवाड़ा
उपाध्यक्ष - भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा
संरक्षक - सोना विकलांग एवं शोध संस्थान, भीलवाड़ा
कार्य. सदस्य - पंचमुखी हनुमान चिकित्सा एवं अनुसंधान संस्थान, चित्तौड़गढ़

शुभेच्छु : केदारमल, सुनित, दिलीप, दीपक, संकल्प, पुलकितएवं समस्त जागेटिया परिवार

निवास :
मोहन मुरली, 1-बी, 11-13, आर.सी. व्यास कॉलोनी, भीलवाड़ा

महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

घनश्यामदास आर. तोषनीवाल

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष - कर्नाटक गोआ माहेश्वरी सभा
न्यासी - श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट
न्यासी - श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र
न्यासी - बाँगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी
न्यासी - कर्नाटक प्रदेश माहेश्वरी सभा ट्रस्ट

विजय टायर्स प्रा.लि.

96-बी, हनचिनल विलेज, पोस्ट अलियाबाद, जिला बीजापुर - 586104, मो. 094481-12881

भगवान श्री महाकालेश्वर की नगरी **उज्जयिनी** को शीघ्र ही नयी सौगात
आप सभी समाज बन्धुओं के सहयोग से बनेगा **प्रदेश का गौरव**

श्री महेश धाम

अंकपात क्षेत्र, उज्जैन (म.प्र.)

इस पुनीत कार्य में सहभागी बनकर पुण्य लाभ कमायें

सम्पर्क : 94251-95934, 94066-19447, 9302220236, 94068-51744

श्री महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट परिवार, उज्जैन

महिला संगठन के चुनाव निर्विरोध संपन्न

इंदौर। माहेश्वरी महिला संगठन संयोगितागंज के चुनाव गत दिनों निर्विरोध संपन्न हुए। निर्वाचन अधिकारी केदार सारडा एवं सहयोगी सुभाष राठी व अश्विन लखोटिया थे। इसमें अध्यक्ष सुनीता लड्ढा, उपाध्यक्ष अलका बाहेती व किरण लखोटिया, मंत्री नीलम काबरा, संयुक्त मंत्री ज्योति काबरा, कोषाध्यक्ष अर्चना लाहोटी तथा संगठन मंत्री नीलिमा असावा चुनी गईं।

माहेश्वरी सभा हावड़ा के चुनाव सम्पन्न

श्यामसुंदर राठी

अशोककुमार भट्टड़

कोलकाता। माहेश्वरी सभा हावड़ा के कार्यकारिणी मंडल के चुनाव गत 5 जून को हावड़ा माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के कार्यालय में हुए। बैठक की अध्यक्षता संरक्षक ओमप्रकाश मल्ल ने की। चुनाव अधिकारी संपत मानधना एवम् बेनीगोपाल जाजू थे। इसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष श्यामसुंदर राठी व मंत्री अशोककुमार भट्टड़ चुने गए। कार्यकारिणी सदस्यों ने ध्वनिमत से यह प्रस्ताव पारित किया कि नये सत्र के पदाधिकारियों एवं कार्यसमिति सदस्यों के चयन का भार नवनिर्वाचित अध्यक्ष व एवं मंत्री को दिया जाए।

> बड़ों से बात करने का तरीका
> आपकी 'तमीज' बताता है ।
> और छोटों से बात करने का तरीका
> आपकी 'परवरिश'।

नागदा स्टेशन पर प्याऊ का संचालन

नागदा। स्थानीय रेलवे स्टेशन पर माहेश्वरी समाज द्वारा गर्मी के मौसम एवं सिंहस्थ महाकुंभ के दौरान आने वाले यात्रियों की जल सेवा के लिए प्याऊ का संचालन किया गया। इसके साथ निःशुल्क चिकित्सा शिविर का भी संचालन किया गया। माहेश्वरी समाज, महिला मंडल व माहेश्वरी सोशल ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में यह कार्य किया गया। प्याऊ का शुभारंभ केंद्रीय मंत्री थावरचंद गेहलोत ने किया। इस अवसर पर माहेश्वरी ट्रस्ट अध्यक्ष गोविंद मोहता, प्रदीप राठी, सतीश बजाज, गोपाल मोहता, अशोक बिसानी, नरेंद्र राठी, मनोज राठी, प्रशांत राठी आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन सचिव घनश्याम राठी ने किया।

नीलगायों के संरक्षण के प्रयास का स्वागत

भीलवाड़ा। केंद्र सरकार द्वारा नीलगाय की हत्या की स्वीकृति देने का विरोध करने एवं अपनी ही सरकार के विरुद्ध जाकर वन्य जीव संरक्षण के लिए आगे आने के केंद्रीय मंत्री एवं पीपुल फॉर एनीमल्स की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती मेनका गांधी के कदम को ऐतिहासिक बताते हुए पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने इसका स्वागत किया है। श्री जाजू ने बताया कि हत्यारे नीलगाय की आड़ में लुप्त होते वन्य जीवों की हत्या कर मीट का बहुत बड़ा धंधा करते हैं। सरकार मीट के धंधे करने वालों को बढ़ावा देने के बजाय नीलगायों के नये आवास स्थल सुरक्षित करने के साथ ही बधियाकरण करने की योजना बनाये। हत्या जैसे घिनौने कार्य करना बंद करे।

अभा युवक-युवती परिचय सम्मेलन

जलगाँव। स्थानीय समाज द्वारा गठित श्री जलगाँव माहेश्वरी विवाह सहयोग समिति द्वारा आगामी 14 एवं 15 अगस्त को अ.भा. विवाह योग्य माहेश्वरी शिक्षित, उच्च शिक्षित युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। समिति अध्यक्ष श्यामसुंदर झँवर ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि यह संस्था का 23वाँ परिचय सम्मेलन होगा। गत परिचय सम्मेलन तथा विवरणिका के माध्यम से अभी तक 400 से ज्यादा प्रत्याशियों के रिश्ते तय हो चुके हैं। आयोजित होने जा रहे इस परिचय सम्मेलन के लिए शुल्क 700 रुपए के साथ आगामी 1 अगस्त तक प्रवेशिका जमाकर पंजीयन करवाया जा सकता है। विवरणिका में पूर्ण पृष्ठ के परिचय के प्रकाशन के लिए शुल्क 5 हजार 100 रुपए जमा करना होगा। पंजीयन शुल्क में भोजन आदि की व्यवस्थाएँ शामिल रहेंगी।

जावंधिया परिवार, ठैनी (बनखेड़ी)

नर्मदा शुगर प्रा.लि.

राजेश जावंधिया
मो. 094259-13000

साळी चौका

विनीत जावंधिया
मो. 094259-12000

रामदेव शुगर प्रा.लि.

अशोक जावंधिया
मो. 094259-23000

बनखेड़ी

किशोर जावंधिया
मो. 094259-16000

शक्ति शुगर प्रा.लि.

विवेक जावंधिया
मो. 094250-41414

गाडरवारा

गगन जावंधिया
मो. 094071-23000

श्रीजी शुगर एंड पावर प्रा.लि.

विवेक जावंधिया
मो. 094250-41414

बैतूल

Manufacturers of : High Quality White Crystal Sugar, Co-Generation of Electricity

E-mail : ramdevsugar@yahoo.com

वैभव जावंधिया
मो. 094071-13000

अनिल जावंधिया

श्रीनाथ ट्रेडर्स

अनाज एवं तिलहन व्यवसायी

फोन : 07576-228730 (दु.)
मो. : 094250-40817

बनखेड़ी (म.प्र.)

मो. : 094259-14000
094250-40817
फोन : निवास
228018, 228445
228528, 228330

जहाँ विश्वास ही परम्परा है

श्रीजी ट्रेडर्स

पिपरिया

E-mail shrinathtraders@sify.com

जय गिरराज राईस एंड एग्रो मिल्स प्रा.लि.

उदित जावंधिया
मो. 081207-14000

खापरखेड़ा

उमंग जावंधिया
मो. 076938-14000

हिमालय बिल्डर्स

वेदांश जावंधिया
मो. 086025-11000

भोपाल

जिला माहेश्वरी सभा की बैठक सम्पन्न

पिपरिया। होशंगाबाद हरदा जिला माहेश्वरी सभा की चुनाव तैयारियों को लेकर बैठक माहेश्वरी सेवा मंडल शोभापुर के तत्वावधान में आयोजित हुई। जिला चुनाव अधिकारी अजय घुरका सचिव माहेश्वरी सेवा मंडल व सहायक चुनाव अधिकारी जिला कोषाध्यक्ष प्रहलाद बंग को बनाया गया। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष श्याम छापरवाल ने की। प्रदेश उपाध्यक्ष घनश्यामदास डागरा, प्रदेश कोषाध्यक्ष, जिला उपाध्यक्ष बालकिशन टावरी, जिला कोषाध्यक्ष प्रहलाद बंग, तेजपालदास गोविंददास जावंधिया ट्रस्ट, होशंगाबाद हरदा जिला माहेश्वरी शिक्षा समिति के कार्यकारी अध्यक्ष विवेक जावंधिया बनखेडी, पूर्व अध्यक्ष मन्नूलाल सांवल शोभापुर, सेवामंडल अध्यक्ष प्रहलाद बाहेती, राकेश लाहोटी, घनश्याम मालपानी, जगमोहन गट्टानी की विशेष उपस्थिति रही। जिला माहेश्वरी सभा की 3 साल की गतिविधियों को लेकर सचिव सुरेश गोदानी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए मथुरा भगवान गिरिराजजी की यात्रा, टेलीफोन डायरेक्टरी दिशा के प्रकाशन के साथ ही जिले की माहेश्वरी समाज की गतिविधियों को विस्तार से बताते हुए आय व्यय प्रस्तुत किया। इटारसी से आए विजय राठी, बनखेड़ी से शिक्षा समिति के कार्यकारी अध्यक्ष विवेक जावंधिया, पूर्व अध्यक्ष मन्नूलाल सांवल, प्रदेशाध्यक्ष घनश्यामदास डागरा, बालकिशन टावरी, अजय घुरका, गिरधरमल्ल, प्रहलाददास बाहेती, पुरूषोत्तमदास सोमानी, धीरज मूंदडा, गणेश कचोलिया आदि ने विचार रखे।

ग्रीष्मकालीन शिविर का हुआ आयोजन

बीकानेर। फॅन इन हॉलीडेज द्वारा आयोजित दस दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन बाल गोविन्दम विद्यालय डागा चौक में हुआ। मिडिया प्रभारी पवन राठी के अनुसार शिविर संचालिका कंचन राठी ने बताया कि समापन अवसर पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इस शिविर में लगभग 90 बच्चों ने भाग लिया। समापन अवसर पर जहां एक ओर शिविर में सीखी गई वस्तुओं का प्रदर्शन किया गया, वहीं शिविरार्थियों ने अपने अनुभव भी शेयर किये। इस शिविर में बच्चों को डांस, पेटिंग, मेहन्दी, सुलेख, पेपर कलिंग आदि की जानकारी दी गई। शिविर से जुड़े सक्रिय सदस्य प्रशांत (पिन्टू) ने बताया कि सम्पूर्ण शिविर में दीक्षा राठी, मेघा दूजारी, प्रियंका बागड़ी व दीक्षा बिन्नाणी ने अपनी सेवाएं दी। शिविर के समापन अवसर पर बच्चों के माता-पिता के अलावा विद्यालय प्रभारी मनोज बिहाणी, नवनीत बागड़ी, नारायणदास दम्माणी, गौरी शंकर, सौरभ चाण्डक आदि कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। समापन अवसर पर भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को उत्साहवर्धन हेतु पुरस्कृत किया गया।

"अपने शब्दों में ताकत डालें आवाज में नहीं,
क्योंकि बारिश से फूल उगते हैं, बाढ़ से नहीं...."

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ

।। जय महेश ।।

Omprakash Gattani
M. 94141 15004

Manish Gattani
M. 98334-50873
M. 93221 28953

Sandeep Gattani
M. 93222 44764
M. 74986 80231

New Con International Pvt. Ltd.
Mfg. of Quality Suttings
Bhivandi (Mumbai)

Sandeep Tex Fab Pvt. Ltd.
Mfg. of High Quality Yarn

Sandeep Niwar Industries
Mfg. All Type High Class Niwar

Office : Opp. Bhadada Bagh, Bhilwara-311001, Ph. 01482-220295 (O)
Factory : Near Mahila Ashram, Bhilwara-311001, Ph. 01482-227491 (F)
Residence : 101, Ashok Nagar, Bhilwara-311001

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ

।। जय महेश ।।

माहेश्वरी युवा संगठन

शास्त्रीनगर भीलवाड़ा-311001 (राज.)

हरिनारायण मोदानी
संरक्षक
98292-51599

कंवरलाल पोरवाल
संरक्षक
94141-12425

शिव नुवाल
संरक्षक
98290-11257

संजय जागेटिया
संरक्षक
94141-15371

सुशील मारोठिया
संरक्षक
94141-12287

राजेन्द्र तोषनीवाल
अध्यक्ष
94605-76526

दिनेश लड्ढा
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
94141-16079

योगेश मुंदड़ा
उपाध्यक्ष
76658-99999

देवकरण तोतला
उपाध्यक्ष
98281-47696

मनोज जागेटिया
सचिव
98294-45392

कमलेश दरगड़
सहसचिव
94602-01385

बनवारी राठी
सहसचिव
94130-55990

सुशील अजमेरा
कोषाध्यक्ष
94141-14905

किशन पोरवाल
संगठन मंत्री
94141-12194

मनोज मंडोवरा
संगठन विधि एवं शिक्षा मंत्री
94138-24505

विशाल माहेश्वरी
सांस्कृतिक मंत्री
85620-90016

अनिल काबरा
प्रवक्ता
98871-38555

संजय डाड
कार्यकारिणी सदस्य
98872-01001

महिला मंडल ने मनाया रंगीलो उत्सव

गंगटोक। हर साल की तरह इस वर्ष भी स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल ने रंगीलो उत्सव का आयोजन केदारेश्वर शिव मंदिर में किया। इस उत्सव में मारवाड़ी महिलाओं व बच्चों के लिए टैलेंट हंट शो का आयोजन किया गया। सचिव रमा सोमानी ने बताया कि कार्यक्रम चार भागों में बांटा गया। इसके अंतर्गत सोलो डांस उम्र 7 से 15 तथा 15 साल से ऊपर, महिलाओं के लिए फूलों से गहने बनाना, 60 और 80 के दशक के जमाने की अभिनेत्रियों की फैंसी ड्रेस स्पर्धा आदि शामिल थीं। रंगीलो उत्सव कार्यक्रम की जज स्वाति सचदेवा और सुजाता पुरोहित थीं। प्रतियोगी में प्रथम और दूसरे स्थान पर रहे प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट व पुरस्कार प्रदान किए गए।

> शब्द उतने ही बाहर निकालने चाहिये
> जिन्हें वापिस भी लेना पड़े
> तो खुद को तकलीफन हो...॥

फेसबुक की मदद से बना दी फिल्म

नईदिल्ली। सोशल मीडिया सूचनाओं के आदान-प्रदान और समीप तथा दूर के मित्रों से बातचीत का एक प्रभावी साधन है। पर इसकी मदद से फिल्म का भी निर्माण किया जा सकता है, यह सिद्ध कर दिखाया है, निर्माता सूर्यप्रकाश जेथलिया ने। उनके दिमाग में यह विचार आया और उन्होंने सामाजिक सरोकार से जुड़ी फिल्म 'मीराधा' का निर्माण भी कर लिया, जो इस वर्ष जुलाई में रिलीज होगी। श्री जेथलिया ने बताया कि इस फिल्म के अभिनेताओं के साथ-साथ इसके गानों के बोल लिखने वाले गीतकारों का चयन भी फेसबुक के माध्यम से किया गया है। इस फिल्म की पूरी शूटिंग राजस्थान के भीलवाड़ा में हुई है। राजस्थान से इसका लगाव जरूर है लेकिन इसका विषय ऐसा है, जिससे हर दर्शक इससे जुड़ा हुआ महसूस करेगा। संदेश देने के साथ-साथ इसमें भरपूर मनोरंजन भी है। श्री जेथलिया ने सरकार से इस फिल्म को कर मुक्त करने की भी मांग की है ताकि सामाजिक संदेश देने वाली ऐसी और फिल्में बन सकें।

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ

।। जय महेश ।।

ललिता शॉ मिल्स

।। जय महेश ।।

इमारती लकड़ी के विक्रेता

हरकलाल काबरा
094133 57933

जय काबरा
075688 77033

पुराना प्राइवेट बस स्टेण्ड, भीलवाड़ा (राज.)
फोन : 01482-241844

Best wishes from MIC

Maheshwaris-in-China

सूर्य मिलन साधना शिविर का आयोजन

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज द्वारा माहेश्वरी स्कूल, तिलक नगर प्रांगण में 10 दिवसीय सन टू ह्यूमैन मेडिटेशन कैंप का आयोजन 20 से 29 मई तक प्रतिदिन प्रातः 5.30 से 8.30 बजे व शाम 6.30 से रात 9 बजे तक किया गया। इसमें समाजजनों नें शरीर, मन और चेतना को शक्तिशाली बनाने की जीवनशैली अपनाने के प्रयोग सीखे। समाज महामंत्री संजय माहेश्वरी ने बताया कि शिविर का शुभारंभ 20 मई को प्रातः 6 बजे समाज अध्यक्ष सत्यनारायण काबरा ने किया। शिविर संयोजक कमल सोमानी ने बताया कि शिविर में आने वाले प्रत्येक साधक को प्रातःकाल साधना के बाद निःशुल्क पौष्टिक नाश्ता एवं शाम को सूर्यास्त पूर्व पौष्टिक भोजन निःशुल्क कराया गया। प्रशिक्षक 'परमालय' के निर्देशन में तैयार 30 प्रकार के पौष्टिक व्यंजनों का 'रसीला महाभोज' 28 मई को दिन में रखा गया जिसमें लगभग 1500 आगन्तुकों ने प्रसाद ग्रहण किया। कई साधकों का दस दिन में वजन कम हुआ और कई दवामुक्त भी हुए। आयोजन में सह-संयोजक जमनादास राठी, भगवान सहाय लड्ढा, सीमा मनिहार, ज्योति हुरकट, ओमप्रकाश मानधना, श्रद्धा काबरा, रजनी माहेश्वरी आदि का विशेष सहयोग रहा। शिविर कोषाध्यक्ष के रूप में श्यामसुंदर जाजू की सेवाएं सराहनीय रहीं।

युवा संघ ने किया एमपीएल 2016 का आयोजन

बैंगलुरु। माहेश्वरी युवा संघ ने एमपीएल 2016 क्रिकेट स्पर्धा का आयोजन गत 29 मई को किया। स्पर्धा में 9 टीमों ने भाग लिया। फाइनल मैच 'फीक्सर्स' और 'सुलतान्स-11' के बीच हुआ। मैच फीक्सर्स ने 9 ओवरों में 58 रन बनाकर ट्रॉफी जीत ली। मुख्य अतिथि बैंगलुरु महापौर बीएन मंजू रेड्डी और मुख्य प्रायोजक सुनील बजाज थे। उन्होंने बैटिंग और बॉलिंग कर इस स्पर्धा के खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। प्रतियोगिता का संचालन अनिरुद्ध राठी, सुमिल अजमेरा, धीरज काबरा एवं प्रतीक हेड़ा ने किया। अंत में माहेश्वरी युवा संघ के अध्यक्ष दुर्गेश काबरा ने मुख्य अतिथि, मुख्य प्रायोजक, बोर्ड प्रायोजक एवं समस्त टीमों का आभार माना। बसंत सारडा, गौरीशंकर सारडा, सुरेश लखोटिया, लक्ष्मीनारायण डागा, दिव्याणी डागा, राजू भूतड़ा, अरविंद, अमित, भावना, विजय, वरुण आदि कई गणमान्यजन मौजूद थे।

कम होती हरियाली ने बढ़ाई गर्मी की प्रचंडता

भीलवाड़ा। पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर सभी विभागों के सरकारी कारिन्दों व स्वयंसेवी संगठनों के पदाधिकारियों से हर वर्ष की भांति फिर खानापूर्ति न करते हुए वास्तविक रूप में कम होती हरियाली के कारण प्रचंड होती गर्मी से निजात पाने के लिए धरती पर ठोस कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पुराने विशालकाय वृक्षों, वन्य जीवों, पशु-पक्षियों, नदियों, तालाबों, कुएं-बावड़ियों में वर्षा के जल को सहेजकर चप्पे-चप्पे पर पौधे लगाकर प्रकृति संरक्षण की प्रतिज्ञा लें। श्री जाजू ने बताया कि सरकार ने 1988 में 33 प्रतिशत भू-भाग को वनो से आच्छादित करने की नीति बनाई थी पर वोटों की राजनीति व इच्छाशक्ति की कमी के कारण प्रदेश में उस समय 13.50 प्रतिशत वनभूमि थी, जो घटकर 9 प्रतिशत रह गई है। वनों की सघनता 0.8 से घटकर 0.2 ही रह गई है।

> "अगर लोग आपकी अच्छाई को
> आपकी कमजोरी समझने लगते हैं
> तो यह उनकी समस्या है, आपकी नहीं?"

।। जय महेश ।।

महेश नवमी के पावन पर्व की
समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को
हार्दिक शुभकामनाएँ

काशीपुरी वकील कॉलोनी
माहेश्वरी महिला संगठन,
भीलवाड़ा

गायत्री बिड़ला
अध्यक्ष
97849 09129

शीला जागेटिया
सचिव
94143 70435

दिव्या सोनी
कोषाध्यक्ष
97833 39313

29/2-ए, काशीपुरी, भीलवाड़ा (राज.)

स्वर्गीय वैकुण्ठवासी श्री रामदयालजी हेड़ा परिवार की ओर से

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को

हार्दिक शुभकामनाएँ

कालूराम रामदयाल हेड़ा

नड़ियाद, गुजरात (गाँव-धमाना, राजस्थान)

M. 94276-10041

NON FERROUS METAL MERCHANT,
COMMISSION AGENT
& COPPER WIRE ROD MANUFACTURER

PRANAV METAL MART

5, GOKUL SHOPPING CENTER, KACCHIWAWAD,
NADIAD - 387001

SHIVAM METALLOYS

SURVEY NO.52 PAKI, NR.SIDDHI VINAKA ESTATE
PIJ ROAD. VILLAGE : TUNDEL. TA : NADIAD. GUJARAT

PROP : SANJAY KUMAR HEDA
M.9712302222

VINAYAK INDUSTRIES

BHARAT HEDA
M.9825036895

DEEPAK HEDA
M.9712914651

PLOT NO.4, S NO.145, NR.HARIOM IND.ESTATE
PIJ ROAD. VILLAGE : TUNDEL. TA : NADIAD, DIST : KHEDA. GUJARAT - 387320
Email : vinayak_industries@ymail.com

पर्यावरण दिवस पर किया पौधारोपण

नागपुर। वर्ल्ड पर्यावरण दिवस पर जेसीस नागपुर वायबरंट द्वारा प्रीसिजन कंपोनंट फैक्ट्री हिंगना रोड में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कंपनी के पूरे प्रांगण में अनार, नीम, तुलसी, नीबु, पीपल इत्यादि पर्यावरण उपयोगी पौधे लगाए गये। कार्यक्रम की अध्यक्षता एडवोकेट मनीष दावड़ा ने की। मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी शरद बागड़ी थे। डॉ. सुरभि पांडे ने श्री बागड़ी का परिचय देते हुए पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। श्री बागड़ी ने पेड़ों की महत्ता बताई। श्रीकांत मोदी ने सदस्यों का आभार माना।

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त
माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ

।। जय महेश ।।

प्रमोद कुमार डाड
94142 20833

दीपक तोषनीवाल
94145 65502

रामस्वरूप तोषनीवाल
94245 45536

Crystal
HARDWARE
A Collection of Quality Hardware

45, Sadar Bazar, Station Road, Bhopalganj,
Bhilwara (Raj.) 311001

खेलकूद एवं प्रतिभा पारिवारिक सम्मान समारोह

चित्तौड़गढ़। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के उपसभापति एवं प्रमुख उद्योगपति रतनलाल नोलखा के मुख्य आतिथ्य में राशमी तहसील के डिंडोली ग्राम के माहेश्वरी भवन में तहसील माहेश्वरी सम्मेलन आयोजित हुआ। खेलकूद एवं प्रतिभा पारिवारिक सम्मान समारोह में समाजजनों से श्री नोलखा ने समाज के उत्कृष्ट छात्रों की शिक्षा में सहयोग, विधवा तथा परित्यक्ताओं को पेंशन एवं बेरोजगार युवकों को रोजगार दिलवाने की दिशा में तन-मन-धन से हर संभव सहयोग प्रदान करने का पुनित कार्य करने का आह्वान किया। समारोह की जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष अशोक काबरा ने अध्यक्षता करते हुए संगठन के कार्यों पर प्रकाश डाला। अतिविशिष्ट अतिथि दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष राधेश्याम सोमानी, दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा कोषाध्यक्ष राधेश्याम चेचाणी, वंडर सीमेंट उपाध्यक्ष राधेश्याम काबरा एवं बिरला सीमेंट उपाध्यक्ष के.बी. जागेटिया, राशमी प्रधान मधुबाला नवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष हरकलाल बसेर, समाजसेवी देवकरण गग्गड़, तहसील अध्यक्ष राधेश्याम सोमानी थे। अंत में वॉलीबाल एवं कबड्डी के विजेता एवं उपविजेता टीमों एवं प्रतिभावान लोगों को प्रशंसा पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। प्रातः 7 बजे खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष अशोक काबरा, प्रधान मधुबाला नवाल, लोकेश लड्ढा आदि ने किया।

सूखा राहत में भेंट की महाप्रसादी की राशि

पुणे। श्री माहेश्वरी बालाजी मंदिर कसबा पेठ संस्था में प्रतिवर्षानुसार ब्रह्मोत्सव संपन्न हुआ। महाअभिषेक में संस्था सदस्य रवींद्र राठी सपत्नीक शामिल हुए। इसके बाद आरती दर्शन तथा प्रसाद वितरण हुआ। इस बार महाप्रसाद को अकाल के कारण स्थगित कर दिया गया। इस राशि में से निजानंद बाबा चैतन्य ट्रस्ट की गौशाला को 11 हजार रुपए और शासन के अकाल निवारण प्रकोष्ठ का लिए 51 हजार रुपए की राशि भेंट कर दी गई। यह जानकारी संस्था अध्यक्ष सुरेश नावंदर ने दी।

"आप आइना हो, आइना बने रहो
फिक्र वो करें जिनकी शक्लें खराब हैं।"

विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन

महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

हार्दिक बधाई एवं मंगलमय कामनाओं के साथ :-

अध्यक्ष	- सज्जनकुमार मोहता	7666994770
वरिष्ठ उपाध्यक्ष	- रामेश्वरलाल काबरा	9579094555
मंत्री	- मदनलाल मालपाणी	9422184911
अर्थमंत्री	- अशोककुमार भंडारी	9422165118
प्रचार-प्रसारमंत्री	- गोपालदास कलंत्री	9422860916
सहमंत्री	- कमलकिशोर माहेश्वरी	9423118775
उपाध्यक्ष पूर्व	- राधाकिसन झंवर	9822567990
उपाध्यक्ष पश्चिम	- रमेशचंद्र चांडक	9423425530
संगठन मंत्री पूर्व	- दामोदर सारडा	9822465495
संगठनमंत्री पश्चिम	- ब्रिजमोहन गांधी	9822724242
प्रचारमंत्री पूर्व	- योगेश नावंदर	9890153766
प्रचारमंत्री पश्चिम	- विजयकुमार टावरी	9422184485
संयुक्तमंत्री पूर्व	- अरूणकुमार भैय्या	9422130531
संयुक्तमंत्री पूर्व	- सागर चांडक	9422808409
संयुक्तमंत्री पश्चिम	- पूरूषोत्तमदास खटोड	9422861371
संयुक्तमंत्री पश्चिम	- अशोककुमार राठी	9370212610
महासभा कार्यसमिती सदस्य	- राजेश चांडक सी.ए.	9823039281

जिला सभा के पदाधिकारी

जिला	अध्यक्ष	सचिव	जिला	अध्यक्ष	सचिव
नागपूर	शिवरतन गांधी	दिनेशकुमार राठी	यवतमाल	अशोककुमार भंडारी	प्रेमरतन राठी
गडचिरोली	रामेश्वरलाल काबरा	पुरूषोत्तमदास टावरी	अमरावती	अशोककुमार सोनी	विजयकुमारभांगडिया
चंद्रपूर	विनोदकुमार मणियार	गोविंदलाल सारडा	अकोला	राजेशकुमार राठी	कांतीलाल काबरा
गोंदिया	राधेश्याम मुंदडा	गिरधरलाल फाफट	वाशिम	शंकरलाल लोहिया	नंदकिशोर केला
भंडारा	पुरूषोत्तमदास सारडा	दिलीप राठी	बुलढाणा	सुभाषचंद्र मंत्री	उदयकुमार सोनी
वर्धा	युवराज भुतडा	मोहन आर. चांडक			

युवा संगठन ने किया हांगकांग व मकाऊ भ्रमण

'ABMYS हांगकांग मकाऊ टूर' 11 से 17 मई - देशभर से 59 लोग हुए शामिल

मुंबई। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा सामाजिक व पारिवारिक रिश्तों में मधुरता व मजबूती के उद्देश्य को लेकर पहली बार अंतरराष्ट्रीय यात्रा 'एबीएमवायएस हांगकांग मकाऊ टूर' का आयोजन 11 से 17 मई तक किया गया। इसमें देशभर के कुल 59 लोग शामिल हुए। शुभारंभ 10 मई को मुंबई एयरपोर्ट से हुआ। देशभर से आए सभी सदस्यों का रात्रि भोजन मुंबई के श्री चपलोत द्वारा आयोजित था। उसके पश्चात सभी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 10 मई रात्रि 1.15 बजे कैथे पैसिफिक द्वारा उड़ान भरी जो 11 मई प्रातः 9.35 बजे हांगकांग पहुंची। इस 7 दिनी यात्रा में सभी हांगकांग के हार्बर प्लाजा में 4 रात्रि व मकाऊ के वेनीशियन होटल में 2 रात्रि रुके। इस दौरान हांगकांग में एक 'गाला डिनर' का आयोजन किया गया। इसमें स्थानीय माहेश्वरी बंधुओं को भी आमंत्रित किया गया। हांगकांग सिटी टूर में गगनछूती इमारतें, स्काई टॉवर, धपीक, डिज्नीलैंड, ओसियन पार्क, मैडम तुसाद म्यूजियम व लटाऊ आईलैंड का भ्रमण किया। लटाउ में भगवान बुद्ध का विशाल स्तंभ व मैडम तुसाद म्यूजियम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मोम के पुतले को देखकर सब रोमांचित हो उठे। सभी लोटस स्क्वेयर, अम्मा मंदिर, गैलेक्सी होटल, कैसिनो का भ्रमण करते हुए मकाऊ टॉवर पहुँचे। यहां कई युवाओं ने दिल की धड़कनें बढ़ाने वाली 233 मीटर ऊंचाई पर स्काई वॉक किया। जिसमें दोनों तरफ बिना रेलिंग से मकाऊ टॉवर के चारों तरफ स्काई वॉक करना था। इस टूर का आयोजन करने में माई ट्रावेलकोम के अनिल लड्ढा का विशेष सहयोग रहा।

डॉ. माहेश्वरी ने परवाल को भेंट की अपनी पुस्तक

जयपुर। पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम परवाल को गत दिनों जयपुर में डॉ. कल्पना माहेश्वरी गुड़गाँव (मूल निवासी-जयपुर) ने अपनी नई पुस्तक 'क्रिएटिवटी एंड इनोवेशन' की प्रति भेंट की। पुस्तक का अवलोकन कर श्री परवाल ने डॉ. माहेश्वरी के प्रयास की सराहना की। उल्लेखनीय है कि डॉ. माहेश्वरी, एमबीए एवं पीएचडी हैं तथा 15 वर्षों से मैनेजमेंट के छात्रों को पढ़ा रही हैं। उनके द्वारा लिखी गई यह पुस्तक मैनेजमेंट के छात्रों के लिए बहुत उपयोगी है। इसका प्रकाशन इंद्रा पब्लिशिंग हाउस भोपाल द्वारा किया गया।

युवा मंडल रायपुर के चुनाव संपन्न

प्रसन्न माहेश्वरी

दीपक लड्ढा

रायपुर। माहेश्वरी युवा मंडल की वार्षिक आम सभा के सर्वसम्मति से चुनाव गत दिनों वृंदावन हॉल सिविल लाइन में हुए। इसमें अध्यक्ष प्रसन्न माहेश्वरी, सचिव दीपक लड्ढा, उपाध्यक्ष आशीष राठी, सह सचिव सुमित मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष संजय मोहता, प्रचार संयोजक राहुल गोदानी, खेलकूद संयोजक शेखर बागड़ी व जयंत मोहता, सांस्कृतिक संयोजक जितेश मेहता व नीलेश मूंदड़ा चुने गए। इसके साथ कार्यकारिणी सदस्य, जनकल्याण समिति एवं ब्लड डोनर समिति के सदस्यों का भी चुनाव हुआ।

"बस इतनी सी बात,
समंदर को खल गई
एक कागज की नाव
मुझपे कैसे चल गई।"

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को

हार्दिक शुभकामनाएँ

डॉ. सरोज बजाज – ब्रजभूषण बजाज

अनुराग, पराग एवं बजाज परिवार

हैदराबाद (भारत) एवं डेट्रायट (अमेरिका)

।। जय महेश ।।

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ

।। जय महेश ।।

बालमुकुन्द काबरा

फोन : 01482-235127

सुरेश काबरा

94141-15617

कमल काबरा

94609-10899

सन्देश काबरा

98287-31311

गौरव काबरा

75971-77777

वैभव काबरा

99283-87444

हार्दिक काबरा

81077-09617

संस्कार काबरा

98284-78783

एवं समस्त काबरा परिवार, भीलवाड़ा (राज.)

काबराजी की दुकान

रामबिलास मथुरालाल एंड कम्पनी

किराना एवं ड्राय फ्रुट्स के व्यापारी

22, सदर बाजार, भीलवाड़ा (राज.)-311001, फोन : 01482-227035 (दु.), 229617 (नि.)

राठी मूक-बधिर स्कूल को 1 लाख की सहायता

अमरावती। स्थानीय श्री बुलिदान राठी मूक-बधिर विद्यालय में बाल वर्ग से 10वीं तक की कक्षाओं में 200 मूक-बधिर विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इन बच्चों के अध्यापन के साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण के द्वारा पुनर्वसन कार्यक्रम भी चलाए जाते हैं। संस्था के सेवा कार्य से प्रभावित होकर संस्था मेहकर एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष श्री अवस्थी ने संस्था के पुनर्वसन कार्य हेतु एक लाख रुपए की सहायता राशि संस्था अध्यक्ष डॉ. गणेश बूब एवं सचिव बंकटलाल राठी को एक कार्यक्रम में भेंट की।

"दो तरह के लोगों से सदैव सचेत रहें...
एक वो जो आपमें वो कमी बताएं
जोआप में है ही नहीं,
दूसरे वो जो आपमें वो खूबी बताते रहें
जो आपमें नहीं है...!"

महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

सुरेश बिड़ला
94133 56203

पंकज बिड़ला
94142 60203

जगदीशचन्द्र डाड- 92148 28183

हिन्दुस्तान टायर ट्रेडिंग

Dealer of Birla & Bridgestone

BIRLA TYRES Unbeatable! BRIDGESTONE

29, ट्रांसपोर्ट नगर, भीलवाड़ा (राज.) - 311001
फोन : 01482-243253

वर्कशाप में विंटेज डोकोपाल प्रशिक्षण

इंदौर। माहेश्वरी महिला संगठन हाईवे क्षेत्र द्वारा दो दिनी समर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। संस्था अध्यक्ष सुषमा मालू ने बताया कि इसमें अनुपयोगी सामग्री को उपयोगी बनाने की विधा 'विंटेज डोकोपाल' का प्रशिक्षण शहर की जानी-मानी आर्टिस्ट तारा मंडोवरा ने दिया। यह एक ऐसा आर्ट है जिसके द्वारा घर के पुराने फर्नीचर, ट्रे, बॉटल्स आदि को अपनी क्रिएटीविटी द्वारा सुंदर बनाकर घर की साज-सज्जा में प्रयोग किया जाता है। मंडल सचिव लता गट्टानी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान करीब 60 महिलाओं एवं युवतियों ने प्रशिक्षण लिया। इसके अतिरिक्त पारूल मंडोवरा ने सभी को पेपर बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम संयोजिका निर्मला मंत्री एवं कुसुम बियानी थीं। मोनिका माहेश्वरी व नीलिमा बियानी ने अतिथियों का स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मान किया। प्रचार सचिव मीना राठी ने आभार व्यक्त किया।

कार्पोरेट क्रिकेट लीग का हुआ आयोजन

वाराणसी। शहर में पहली बार स्थानीय माहेश्वरी क्लब के तत्वावधान में 'कॉर्पोरेट क्रिकेट लीग' का आयोजन 5 से 13 मई तक महमुरगंज स्थित शुभम लॉन में किया गया। शहर के कॉर्पोरेट घरानों की 16 टीमों ने इसमें भाग लिया। हर दिन 12-12 ओवर के दो मैच हुए। शृंखला 'नॉक आउट' आधार पर खेली गई। प्रमुख प्रायोजक एचडीएफसी बैंक व अन्य प्रायोजक स्पोर्ट्स फिट, हाफेले एवं शॉपर स्टॉप रहे। लीग मैचों में जीत हासिल कर भदोही रॉयल्स, स्पोर्ट्स फिट, एचडीएफसी बैंक और जेएमडी के बीच सेमीफाइनल खेले गए। फाइनल में जेएमडी ने एचडीएफसी बैंक को हराकर खिताब अपने नाम किया। भदोही रॉयल्स के सूरज को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज, स्पोर्ट्स फिट के सचेत को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज व जेएमडी के कुलदीप को मैन ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। विजेता जेएमडी को 31 हजार व एचडीएफसी को 21 हजार रुपए के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का संयोजन अध्यक्ष मनीष माहेश्वरी के नेतृत्व में मंत्री आनंद झंवर, क्रीड़ा मंत्री अनुराग सोनी, संयोजक नीलेश चांडक, सौरभ कोठारी, शशांक चांडक, जीतू चांडक, अभिनव सोमानी, चिराग दुजारी, निखिल मूंदड़ा आदि ने किया।

महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

रामनिवास जैथलिया
उपाध्यक्ष
अ.भा. माहेश्वरी महासभा, दक्षिणांचल

Shree Gopal Agencies

Imported Special Quality
Both Side Siliconised
Hawana/White Paper
&
Synthetic Resins

16-E, Kolbhat Lane, Shop-1, Inside-New Bhatia Mahajan Wadi,
Kalbadevi Road, Mumbai - 400 002
Ph. (Off.) 2206-7449, 2201-4676, (Res.) 2542 5202, 2542 5203, Mob. 098204-01616
E-mail : rnj1512@hotmail.com

॥ जय महेश ॥

माहेश्वरी वंशोत्पत्ति दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

माहेश्वरी सभा
माहेश्वरी युवा संघ
माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट
▸▸माहेश्वरी भवन (080-2321 7597)
▸▸माहेश्वरी कन्या छात्रावास (080-2352 7672)

माहेश्वरी महिला मंडल
माहेश्वरी फाउंडेशन
▸▸माहेश्वरी छात्रावास (080-2860 3734)
माहेश्वरी सौहार्द्र को-ऑपरेटिव सोसायटी लि.

3/4, Okalipuram Main Road, Bangalore - 560 021 Phone : 080 - 23127597
E-mail : sabha@msblr.org, Website : www.msblr.org

महेश बैंक की 42वीं शाखा प्रारंभ

हैदराबाद। कोमपल्ली क्षेत्र में महेश बैंक की पूर्णतया वातानूकुलित एवं कम्प्यूटरीकृत 42वीं शाखा का शुभारंभ हुआ। अतिथि के रूप में उपस्थित तेलंगाना विधानसभा सदस्य के.पी. विवेकानंद एवं बालानगर जोन के उपायुक्त डॉ. वाय. साईंशेखर का स्वागत बैंक के चेयरमैन पुरुषोत्तमदास मानधना ने किया। श्री मानधना ने बताया कि अविभाजित आंध्रप्रदेश की नगरीय सहकारी बैंकों के इतिहास में 9 अगस्त 1978 के दिन महेश बैंक ने हैदराबाद की व्यावसायिक हृदयस्थली बेगम बाजार में मात्र 4.40 लाख की शेयर पूंजी एवं 2200 शेयर होल्डर के साथ बैंकिंग व्यवसाय में अपना पहला कदम रखा था। आज इसके 31 हजार से ज्यादा शेयर होल्डर्स तथा लगभग 32.77 करोड़ रुपए की शेयर पूंजी के साथ 42वीं शाखा का शुभारंभ हो रहा है। बैंक के चेयरमैन इमीरेटस रमेशकुमार बंग ने बैंक की कार्यप्रणाली एवं उपलब्धियों से अतिथियों को परिचित कराया। समारोह में बैंक निदेशक मंडल के सदस्य चैनसुख काबरा, श्रीगोपाल बंग, सीए किशनगोपाल मणियार, कृष्णचंद्र बंग, बृजगोपाल असावा, कमलनारायण राठी, ओमप्रकाश जाखेटिया, नंदकिशोर हेड़ा, गोविंद काकाणी, श्रीनिवास असावा के साथ प्रबंधक निदेशक उमेशचंद्र असावा एवं बैंक के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

।। जय महेश ।।

गोपाल तुरक्या

मो. 98292 15543

जिला प्रतिनिधि

मु. श्यामपुरा, तह. मांडलगढ़,

जिला-भीलवाड़ा

मै. तुरक्या कृषि सेवा केन्द्र

तुरक्या वस्त्र भण्डार

फोन : 01489-238508, 238529,

मो. 97846 02840

बद्री विशाल तुरक्या 98293 77663

घनश्याम तुरक्या 97846 02840

डॉ. विमला भंडारी हुईं सम्मानित

सलूंबर। ख्यात साहित्यकार डॉ. विमला भंडारी को 12वें अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मलेन में सृजनगाथा डॉट कॉम की ओर से महिला लेखन के लिए दिए जाने वाले 'सिंधु देवी रथ स्मृति पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। इस दस दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन शिलांग में हुआ। यहाँ अंतरराष्ट्रीय रचनाओं की मंच प्रस्तुति में विमला भंडारी की बाल कहानी का पाठ हुआ। इसके साथ जगन्नाथ बरुआ कॉलेज जोरहाट में कविता पाठ प्रस्तुत किया। उनके कविता संग्रह 'घर धर्मशाला हो गए' का लोकार्पण भी गुवाहाटी कॉलेज में हुआ।

दृष्टिहीन जोड़ों का हुआ अनोखा सामूहिक विवाह

अमरावती। राष्ट्रीय दृष्टिहीन संघ, श्रीकृष्णार्पण सेवा परिवार अमरावती एवं साँई बाबा ट्रस्ट अमरावती के संयुक्त तत्वावधान में दृष्टिहीन 11 युगलों का सामूहिक विवाह समारोह धूमधाम से आयोजित हुआ। इसमें आशीर्वाददाता के रूप में महापौर चरणजीत कौर नंदा, मनपा आयुक्त घनश्याम कासट, राठी मूक-बधिर विद्यालय के सचिव बंकटलाल राठी, सुरेश मूंदड़ा आदि उपस्थित थे। इसमें घनश्यामदास कासट, पुष्पादेवी कासट, विजय भूतड़ा, रामकिशन कासट, श्यामसुंदर कासट, डॉ. जगदीश लड्ढा, नंदकिशोर कासट, राधेश्याम गांधी, मदन मूंदड़ा, डॉ. सत्यनारायण कासट, विनय सारड़ा, अर्चना कासट, रेखा कासट, शांता कासट, सुनीता बागड़ी, रमेशचंद्र दम्माणी, संजय धूत आदि का सहयोग रहा। विवाह में उपस्थित लोगों को दोनों समय का भोजन तथा वर-वधू को कपड़े, कन्यादान में आवश्यक बर्तन सहित अन्य वस्तुएं भेंट की गईं। आयोजन में घनश्यामदास कासट, बंकटलाल राठी, सुरेश मूंदड़ा, शालिनी मूंदड़ा, पुष्पा कासट, रमेश दम्माणी आदि का सहयोग रहा।

"'मुश्किल वक्त' दुनिया का सबसे बड़ा जादूगर है..!! जोएकपल में आपके चाहने वालों के चेहरे से नकाब हटा देता है..!!"

महेश नवमी की
हार्दिक शुभकामनाएं

माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस महेश नवमी के मंगलमय
अवसर पर सभी समाज बंधुओं को
बहुत-बहुत बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं

वैद्यराज रमेश कुमार माहेश्वरी
संयुक्त मंत्री (मध्यांचल)
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा

कार्यालय :
'आयुष्मान' 15, बलवंत ऑर्केड, प्रथम तल, जोन-II, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन : 0755-4271431, 9425005394, 9300132220
E-mail : rkm1551@gmail.com, jamna151@gmail.com

महेश नवमी पर्व की
हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाइयाँ

सुशीला काबरा
राष्ट्रीय अध्यक्ष

कल्पना गगड़ानी
राष्ट्रीय महामंत्री

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन

'अनुभूति' के साथ महिला संगठन की बैठक संपन्न

पुष्कर। अभा माहेश्वरी महिला संगठन के दशम सत्र की पंचम कार्यसमिति की बैठक एवं पश्चिमांचल अधिवेशन 'अनुभूति 2016' का आयोजन गत25-26 मई को पुष्कर में हुआ। मुख्य अतिथि प्रसिद्ध उद्योगपति व समाजसेवी रामपाल सोनी, गोपाल राठी, राष्ट्रीय महामंत्री रामकुमार भूतड़ा के करकमलों से अधिवेशन का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर महिला अधिकार एवं सुरक्षा समिति के तहत प्रकाशित पुस्तिका एवं नेपाल प्रदेश द्वारा प्रकाशित 'जीवन संस्कार' पत्रिका का विमोचन भी किया गया। कार्यसमिति की बैठक में 15 सितंबर तक सभी प्रादेशिक महिला संगठनों एवं 30 जुलाई तक सभी जिलों के चुनाव संपन्न कराए जाने का निर्णय लिया गया। प्रदेशों के चुनाव हेतु राष्ट्रीय संस्था की ओर से पर्यवेक्षकों के नाम तय किए गए। इसी बैठक में सभी प्रदेशों की रिपोर्टिंग फाइल प्रतियोगिता भी आयोजित की गई थी। इसमें प्रथम श्रेणी में महाराष्ट्र, कोलकाता, गुजरात, मप्र व विदर्भ रहे। द्वितीय श्रेणी में आंध्रप्रदेश व नेपाल रहे। प्रोत्साहन पुरस्कार पूर्व मप्र, दक्षिणी राजस्थान को मिले। पश्चिमांचल अधिवेशन के अंतर्गत त्योहारों पर आयोजित नृत्य प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया।

मुलाहिज़ा फरमाइये

मैं उस किताब का आखरी पन्ना था,
मैं न होता तो कहानी खत्म न होती।

सोचा था घर बनाकर बैठूंगा सुकुन से,
पर घर की जरूरतों ने मुसाफिर बना डाला।

सुकुन की बात मत कर ऐ गालिब !
बचपन वाला इतवार अब नहीं आता है।

एक सवेरा था जब हँसकर उठते थे हम,
आज कई बार बिना मुस्कुराए शाम हो जाती है।

कितने दूर निकल गए रिश्तों को निभाते–निभाते
खुद को खो दिया हमने अपनो को पाते–पाते।

लोग कहते हैं कि हम मुस्कुराते बहुत हैं
और हम थक गए हैं, दर्द को छुपाते-छुपाते॥

▸▸ डॉ. नारायण तिवारी, एम.ए., एम.बी.बी.एस., पी.जी.डी., उज्जैन

पर्यावरण सुरक्षा पर बने पोस्टर

पिपरिया। माहेश्वरी सेवा मंडल, माहेश्वरी महिला परिषद व माहेश्वरी युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में महेश नवमी सप्ताह अंतर्गत माहेश्वरी समाज के प्रतीक चिह्न पर रंगभरो, पर्यावरण सुरक्षा, जल, जीवन व जंगल पर पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। आयोजन माहेश्वरी सेवा मंडल अध्यक्ष नरसिंहदारस भट्टर, अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन कार्यसमिति सदस्य शोभा भट्टर, जिला माहेश्वरी सभा सचिव सुरेश गोदानी, माहेश्वरी महिला संगठन जिलाध्यक्ष राजश्री राठी, माहेश्वरी महिला परिषद अध्यक्ष आशा मालपानी, परिषद उपाध्यक्ष बीना मूंदडा, सचिव शोभा पलौड़, युवा संगठन प्रदेश सांस्कृतिक मंत्री नंदकुमार चांडक, युवा संगठन अध्यक्ष राज राठी आदि कई गणमान्यजन मौजूद थे।

छिन्दवाड़ा समाज के चुनाव सम्पन्न

छिंदवाड़ा। स्थानीय माहेश्वरी समाज के त्रैवार्षिक चुनाव 5 जून को फतेहनारायण माहेश्वरी स्मृति भवन में सम्पन्न हुए। चुनाव अधिकारी जगदीश राठी एवं सहचुनाव अधिकारी सतीश राठी थे। इसमें डॉ. सुशील राठी अध्यक्ष, अमित माहेश्वरी सचिव, उपाध्यक्ष प्रकाश जाखोटिया, सहसचिव अनिल माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष आनंद राठी चुने गए। कार्यकारिणी सदस्य शरद पनपालिया व गोपाल चांडक मनोनीत हुए।

हार्दिक बधाई
एवं
शुभकामनाएँ

गणेश काबरा
94141-15002

जो है बेहतर वही है हितकर
आराम तेल

चोट, मोच, सूजन, कमर दर्द, हाथ पैरों में जकड़न एवं वायु दर्दों को कहें ना।
हितकर® आराम को कहें हाँ
www.hitkar.in
GMP CERTIFIED UNIT
अनुभूत एवं आयुर्वेदिक औषधियों के निर्माता
निर्माता : हितकर आयुर्वेद भवन
फैक्ट्री : सेल टैक्स ऑफिस के सामने, अजमेर रोड, भीलवाड़ा
फोन : 01482-220446, मो. : +91 94141 15002
E-mail : hitkarganeshram@gmail.com

With Best Compliments From...

Shyam Sundar Rathi

VIDYA

VIDYA WIRES PVT. LTD.

(An ISO 9001 : 2008 Certified Company)

excellence through experience

- Enamelled Copper Wires & Strips
- Paper Insulated Copper Conductors

(Mica / Nomex / Kraft / Crepe / Fibre Glass / Dauglass / Cotton / Polyester)

- MPCC - Connection Cables
- Bare Copper Wires
- Bunched & Stranded Copper Ropes / Earthing Cable
- Copper Tapes / PVC Copper Tapes

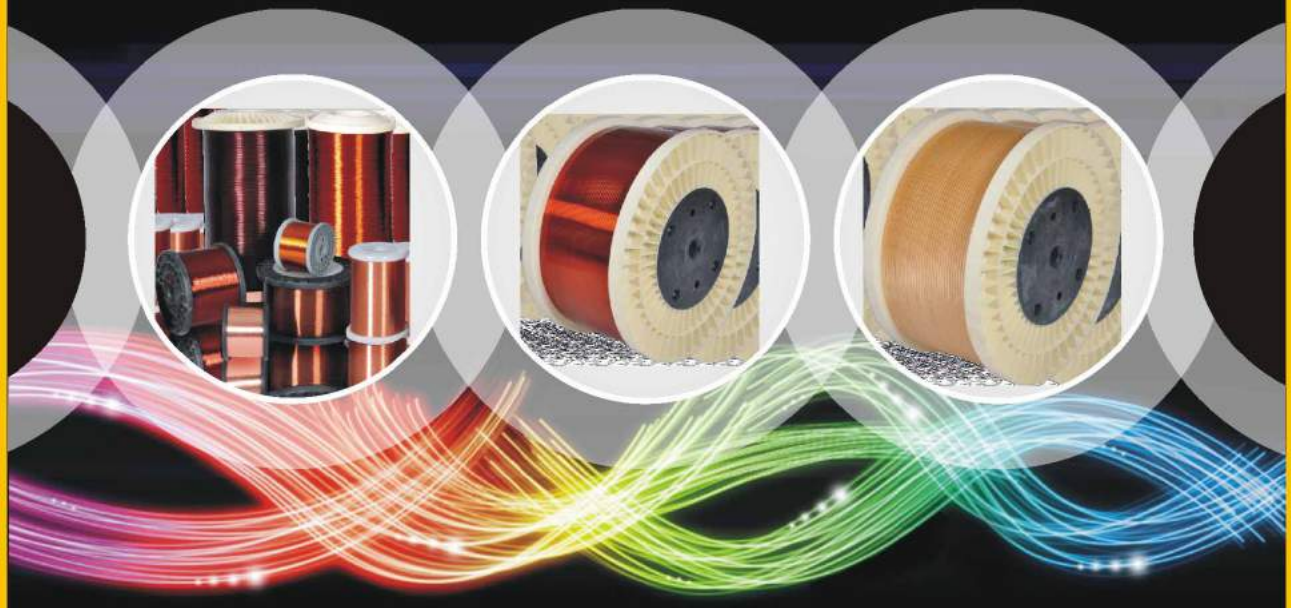

DEALERS ENQUIRIES SOLICITED

Regd. Office & Factory
123, G.I.D.C. Vithal Udyognagar,
Dist. Anand (Gujarat), INDIA
Ph.: +91 9228010700-09, +91 (2692) 236125.
Email: sales@vidyawire.com
www.vidyawire.com

भजन-साधना आनंद से भरपूर रहेगा चातुर्मास

श्री रामस्नेही सम्प्रदाय शाहपुरा के पीठाधीश्वर जगद्गुरु श्री रामदयालजी महाराज भीलवाड़ा में करेंगे चातुर्मास

भीलवाड़ा। अंतरराष्ट्रीय श्री रामस्नेही सम्प्रदाय शाहपुरा के पीठाधीश्वर श्री रामदयाल महाराज का 'भजन-साधना-आनंद' चातुर्मास कुहाड़ा धाम (भीलवाड़ा) में आयोजित होने जा रहा है। इस दौरान कई धार्मिक व सामाजिक आयोजन होंगे। पूज्य आचार्यश्री की चातुर्मास अनुपम शोभायात्रा पधरावणी आगामी 11 जुलाई को प्रातः 8 बजे भीलवाड़ा की सेठ गजाधर मानसिंहका धर्मशाला से छड़ी, चँवर, छत्र, पगमंडे, हाथी-घोड़े, लाव-लश्कर आदि विशेष लवाजमों के साथ नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए श्री रामद्वारा माणिक्य नगर में नवनिर्मित रामद्वारा पहुंचेगी। यहाँ मंगलाचरण के साथ सत्संग धर्मसभा में परिवर्तित होगी। अगले दिन 12 जुलाई को भीलवाड़ा रामद्वारा से प्रातः 8 बजे विशेष लवाजमों सहित आचार्यश्री कुहाड़ा धाम पधारेंगे।

प्रतिदिन होंगे धार्मिक आयोजन

यहां प्रतिदिन धार्मिक आयोजनों के साथ ही पर्व विशेष पर विशिष्ट आयोजन होंगे। इसके अंतर्गत आचार्यश्री राम रसिक संत मंडली की श्रद्धालुओं के साथ पूज्य रामनिवास धाम शाहपुरा से 5 जुलाई को पदयात्रा प्रारंभ होगी जो भीलवाड़ा और कुहाड़ा धाम पहुँचेगी। चातुर्मास के दौरान कुहाड़ा धाम में प्रतिदिन प्रातः 5 से 6 बजे तक रामधुन, प्रातः 8.30 बजे से 9 बजे तक वाणीजी पाठ, रामद्वारा भीलवाड़ा में ही प्रातः 9 से 10 बजे तक आचार्यश्री के प्रवचन, कुहाड़ा धाम में सायं 4 से 6 बजे तक नाम स्मरण तथा सूर्यास्त के समय सूर्यास्त आरती होगी।

ये होंगे विशिष्ट आयोजन

चातुर्मास के दौरान विशिष्ट धार्मिक आयोजन भी होंगे। इसके अंतर्गत श्री रामद्वारा भीलवाड़ा में 19 जुलाई को गुरु पूर्णिमा महोत्सव, 4 से 10 सितंबर तक पूज्य अणभै वाणीजी सप्ताह, 8 सितंबर को दीक्षा पर्व, 3 से 9 अक्टूबर तक पू. वीतराग महाराज की वाणीजी सप्ताह, 6 अक्टूबर प्रातः 8 बजे गोटकाजी महाराज की शोभायात्रा तथा 12 अक्टूबर को चातुर्मास का समापन समारोह आयोजन होगा।

कैसे आयोजन में हों शामिल

इस आयोजन में हर आम श्रद्धालु भी शामिल हो सकते हैं। इसके लिए रामस्नेह संत श्री जगवल्लभरामजी, कार्यवाह भंडारी, महावीर बाल्दी, जगदीश सोमानी, ओमप्रकाश नाराणीवाल से संपर्क किया जा सकता है।

नई सोच... नई शुरुआत... नई दिशा...

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन

आप सभी को सपरिवार स्वजातीय वंशोत्पत्ति दिवस

महेश नवमी

ज्येष्ठ शुक्ल नवमी, 13 जून 2016

के पावन पर्व पर
हार्दिक शुभकामनाएँ.

आइये, हम सभी माहेश्वरी समाज के
उच्चतम आदर्श
सेवा-त्याग-सदाचार
को आत्मसात कर
अपना एवं समाज का
गौरव बढ़ायें।

कमल भूतड़ा
राष्ट्रीय अध्यक्ष

www.abmys.com | email : visionabmys@gmail.com
Toll Free Helpline No. : 1800 3002 8800
Connect on :

Team Yuva Mantra : I am nothing but I can do anything... !!!

नांदुरा तालुका के चुनाव सम्पन्न

घनश्याम मुंधड़ा

ओमप्रकाश राठी

देवेश नवगजे

नांदुरा। स्थानीय तालुका माहेश्वरी समाज के चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हुए। इसमें अध्यक्ष घनश्याम मुंधड़ा, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश राठी, सचिव देवेश नवगजे, कोषाध्यक्ष विजय हरकुट, संगठन मंत्री राजकुमार राठी व सहमंत्री रूपेश राठी चुने गए।

डॉ. सोमानी बने गोंडवाना विद्यापीठ डीन

चंद्रपुर। स्थानीय जनता कॉलेज में कार्यरत डॉ. जुगलकिशोर मूलचंद सोमानी की गोंडवाना विद्यापीठ की वाणिज्य शाखा अधिष्ठाता (डीन) के रूप में महाराष्ट्र के राज्यपाल ने नियुक्ति की है। डॉ. सोमाणी राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विद्यापीठ एवं गोंडवाना विद्यापीठ गड़चिरोली की अनेकों समिति व प्राधिकरणों में भी कार्यरत हैं। उनकी विद्यापीठ अभ्यासक्रमों पर 10 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इसके साथ ही वे अनेक सामाजिक, शैक्षणिक, धार्मिक संस्थाओं से भी सम्बद्ध हैं। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के 24वें सत्र में कार्यसमिति सदस्य, विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के सहसचिव तथा महेश सेवा समिति चंद्रपुर के सचिव भी रह चुके हैं।

बालक गोद लेना है

निज व्यवसायरत निःसंतान 'माहेश्वरी दम्पत्ति' 1 से 2 वर्ष का स्वस्थ गौरा/गेहुँआ बालक गोद लेने के इच्छुक हैं। बालक के बेहतर भविष्य हेतु गोद देने के इच्छुक माता-पिता या अभिभावक बालक का पूर्ण विवरणमय फोटो सहित निम्न पते पर भिजावाएँ-

❀

जगदीशचन्द्र देवपुरा
2 बोहेड़ा बाड़ी, कालाजी गोराजी,
उदयपुर (राज.) - 313001

M. 94614 03601

परम्परा व परिवार पर परिचर्चा

सूरत। माहेश्वरी मुस्कान महिला मंडल की ओर से 'सपने कैसे बनें अपने', 'परंपरा व परिवर्तन के साथ परिवार' प्रोग्राम का आयोजन किया गया। 'समस्या हमारी है, तो समाधान भी हमारे पास हैं' के मुख्य वक्ता जयप्रकाश काबरा मुंबई थे। अतिथि गौरव दुगल सूरत एवं संयोजिका बिमला साबू थी। उमा जाजू व संगीता चांडक ने सहयोगी कलाकारों के साथ मिलकर प्रस्तुति दी।

> "बुरे हैं हम तभी तोजी रहे हैं,
> अच्छे होते तो
> दुनिया जीने नहीं देती।"

महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ.

अर्जुनलाल चेचाणी
मो. 94141 77799

FLYKING

।। जय महेश ।।

Janpriya Air Services
Domestic & International Courier
Railway & Ticket Booking
Asso. : Fly-King, S.S.A.S., Vaya-Seva
Bazar No. 2, Bhilwara (Raj.)
Ph. 01482-226079
E-mail : janpriyaairservice@gmail.com

First Flight®
First Flight Couriers Ltd.

Authorised Business Associate
Janpriya Express Courier
52, Int. Jarniya Kabristhan Cemati Charity Trust,
Gandhi Nagar, Chittor Road, Bhilwara, Jaipur, Rajasthan
E-mail : bhilwaraba2@firstflight.net
Website : www.firstflight.net

Branch Office

Shree Shyam Air Services
15, Shreenath Tower,
Pur Road,Bhilwara (Raj.)
Ph. : 01482-247499
Pankaj Chechani
94141-13299

Janpriya Air Services
9, Murli Textile Tower,
Pur Road, Bhilwara (Raj.)
Ph. : 01482-246919
Motilal Gurjar
94145-76016

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को

हार्दिक शुभकामनाएं

।। जय महेश ।।

राजकुमार काल्या

राष्ट्रीय महामंत्री

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन

Realistic

Life Time Satisfaction

Realistic Projects Pvt. Limited
Realistic Natural Resources Pvt. Limited

Explosives Real Estate Mining
Finance Agro Farming

Basanti Lal Kalya | **Rajkumar Kalya** | **Sumit Kalya**

Station Road, Gulabpura 311021, Distt. Bhilwara (Raj.)
Ph. No. 224203/04, Fax No. 224605 E-mail : rajkumarkalya@yahoo.com
Bhilwara office : 3, Heera-Panna Market, Pur Road, Bhilwara. 311001 (Raj.) Ph. No. 246004

युवा संगठन ने किया महेश वंदना इंस्ट्रूमेंटल वर्जन का लोकार्पण

सूरत। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा हर जिले, शहर, ग्रामीण क्षेत्रों में वंशोत्पत्ति दिवस श्री महेश नवमी को बृहद महोत्सव के रूप में आयोजित करने का आह्वान किया था। इस अवसर पर युवा संगठन ने श्री महेश वंदना के इंस्ट्रुमेंटल वर्जन का लोकार्पण भी किया। आज की इस भागती दौड़ती जिंदगी में इस इंस्ट्रुमेंटल वंदना को खास योग, मेडीटेशन, ध्यान के लिये बनाया गया है। श्री महेश वंदना इंस्ट्रुमेंटल का लोकार्पण कुछ नए तरीके से किया गया था। श्री महेश नवमी के दिन संपूर्ण विश्व में अपने-अपने गांव, शहर, प्रदेश में अपनी पूरी टीम व समाज बंधुओं के साथ मिलकर अपने-अपने स्थान पर इसका भव्य लोकार्पण किया कर एक अनूठा रिकार्ड बनाया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल भूतड़ा को इस प्रकल्प के लिये सभी ने बधाई दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री भूतड़ा महेश नवमी के अवसर पर आगरा आयोजित महेश नवमी महोत्सव कार्यक्रम में सम्मिलित होने भी पहुंचे। कार्यक्रम में युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल भूतड़ा के अलावा महामंत्री राजकुमार भूतड़ा व सेवा सदन के कमल चांडक भी बतौर अतिथि मौजूद थे।

भूतड़ा को महेश रत्न सम्मान

श्री महेश नवमी के ही दिन राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल भूतड़ा को सूरत माहेश्वरी समाज द्वारा सर्वोच्च सम्मान महेश रत्न से सम्मानित किया गया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार श्री भूतड़ा स्वयं महेश नवमी कार्यक्रम में आगरा गए हुए थे। अतः उनके परिवारजनों ने यह सम्मान ग्रहण किया। श्री भूतड़ा के पिता ख्यात उद्योगपति व समाज सेवी रामरतन भूतड़ा ने सम्मान ग्रहण किया।

श्री महेश बचत एवं साख सहकारी समिति लि. संजय कॉलोनी, भीलवाड़ा

संचालक मण्डल

महेश नवमी की
हार्दिक शुभकामनाएं

।। जय महेश ।।

कैलाश चन्द्र मून्दड़ा
अध्यक्ष
92149 15309

रतनलाल सामरिया
मंत्री
90010 97370

।। जय महेश ।।

श्याम सुन्दर समदानी
उपाध्यक्ष
98290 31814

रामनारायण बांगड़
कोषाध्यक्ष
87642 76332

बी.एल. माहेश्वरी
सलाहकार
94610 34950

चान्दमल गट्टाणी
सलाहकार
94138 64177

कैलाशचन्द्र डाड
क्षेत्रीय प्रतिनिधि
94604 20548

छीतरमल लढ़ा
क्षेत्रीय प्रतिनिधि
94686 54321

लक्ष्मीलाल लढ़ा
क्षेत्रीय प्रतिनिधि
94137 68211

मोहनलाल मंत्री
क्षेत्रीय प्रतिनिधि
95097 34711

रामराय गट्टाणी
क्षेत्रीय प्रतिनिधि
98292 72196

बालमुकन्द राठी
क्षेत्रीय प्रतिनिधि
92148 96195

अशोक झंवर
क्षेत्रीय प्रतिनिधि
94141 14645

चन्द्रेश मून्दड़ा
क्षेत्रीय प्रतिनिधि
94146 86397

पता - 130, विद्युत नगर, संजय कॉलोनी, भीलवाड़ा (राज.), फोन : 01482-230881

With Best Compliments From...

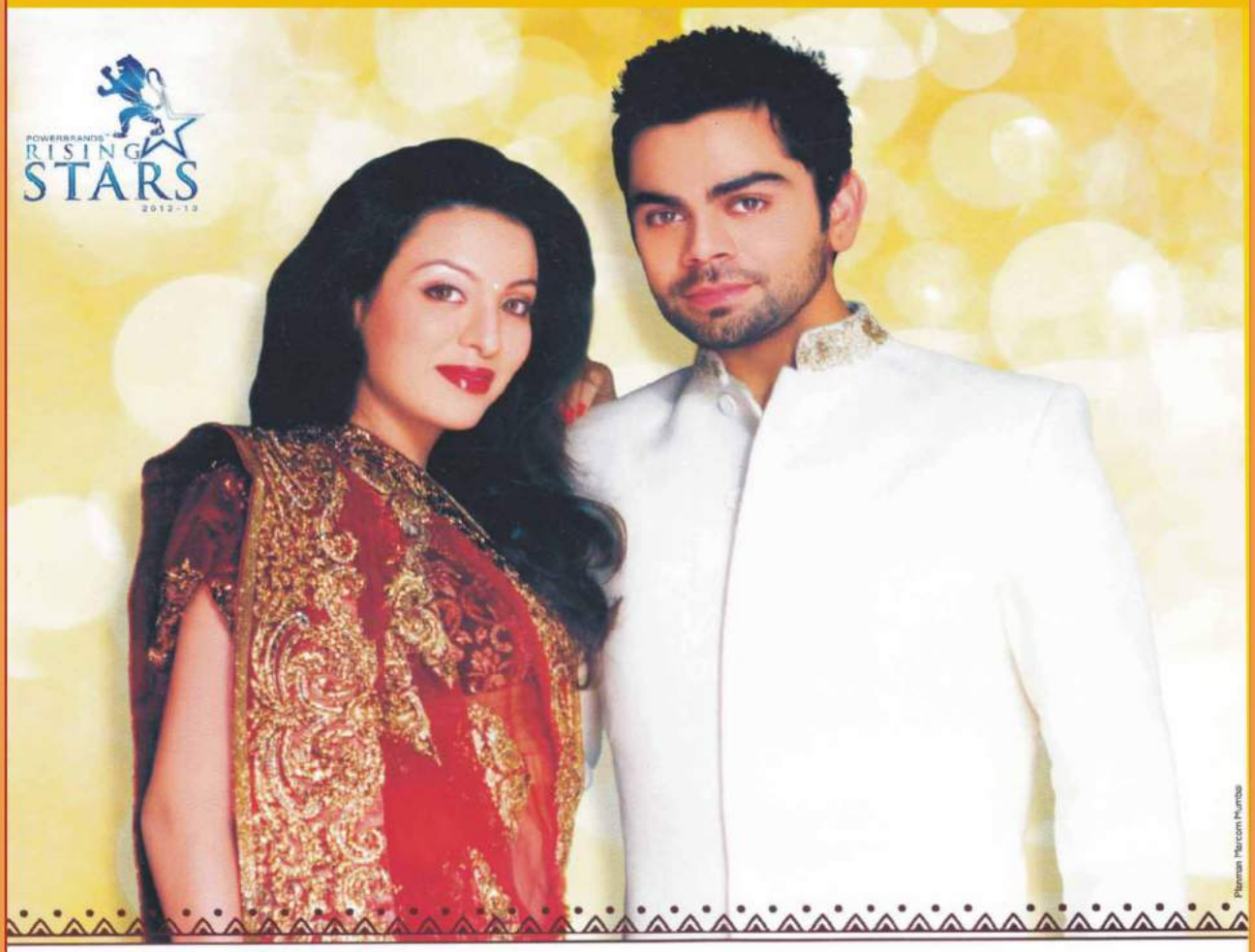

GIFTING

A little thought can give you a special place in someone's mind. A little effort goes a long way in establishing bonds. This festive season give a little thought make a little effort and derive a whole lot of satisfaction with Sangam Suiting Exclusive gift range.

Choose from a wide variety of combo from the trouser length and shirting, premium safari, premium suit length, trouser length packing & suiting packing and many more.

Sangam®
SUITINGS

YOU ARE WHAT YOU WEAR

Available at all leading stores: For more information call +91-1482-304000 Email: fabricssales@sangamgroup.com
www.sangamgroup.com

जैसलमेरिया के सम्मान में काव्य गोष्ठी आयोजित

जोधपुर। साहित्यक संस्थान उड़ान द्वारा डॉ. मदन डागा साहित्य भवन में प्रसिद्ध कवयित्री स्वाति जैसलमेरिया के सम्मान में काव्य गोष्ठी आयोजित की गई। अध्यक्ष मनशाह नायक ने बताया कि जेएमडी पब्लिकेशन दिल्ली द्वारा सूर्यनगर की कवयित्री जैसलमेरिया को भारत की प्रतिभाशाली कवयित्रियाँ के काव्य संकलन में शामिल कर उन्हें भारतीय श्रेष्ठ कवयित्री अलंकरण से नवाजा गया है। अध्यक्षता भाषा भारती गृह मंत्रालय के उप संपादक डॉ. धनेश द्विवेदी ने की। मुख्य अतिथि वरिष्ठ कहानीकार हरिप्रकाश राठी ने जैसलमेरिया के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। विशिष्ठ अतिथि मरू गुलशन के संपादक अनिल अनवर ने संबोधित किया। कवयित्री रजनी अग्रवाल, गीताजंलि व्यास, शादुर खुर्शीद खेराड़ी, अशफाक फौजदार, सुरेंद्र सुकुमार तथा शशिकुमार बिड़ला ने फादर्स डे पर केंद्रित रचनाएं सुनाईं। जैसलमेरिया ने काव्य यात्रा का जिक्र करते हुए उपलब्धियों का श्रेय दादी सास को दिया। नीलम मूंदडा, अल्का जौहरी, अंजू बूब, रामानंद काबरा, ओमप्रकाश भूतड़ा, नीलम भूतड़ा, विवेकानंद शर्मा आदि मौजूद थे।

महेश बैंक ने किया शोभायात्रा का स्वागत

भीलवाड़ा। महेश नवमी पर्व पर प्रातः माहेश्वरी समाज की शोभायात्रा का ए.पी. महेश को-ऑपरेटिव अरबन बैंक, भीलवाड़ा ने सरकारी दरवाजे के यहां स्टॉल व स्वागत द्वार लगाकार तथा सभी माहेश्वरी बंधुओं को आईस्क्रीम खिलाकर स्वागत किया। बैंक से समाजबंधुओं को जोड़ने की अपील करते हुए बैंक से संबंधित फोल्डर भी वितरीत किये गये। स्वागत करने वालों में बैंक के प्रबंधक राजेश जैन, गणेश तिवारी, संगीता हेड़ा, तपन झंवर, संदेश व निधि माहेश्वरी, अतुल नोलखा आदि मौजूद थे।

रूपेश भूतड़ा बने समाज मंत्री

इंदौर। श्री दक्षिण क्षेत्र माहेश्वरी समाज में मंत्री पद के लिए आई आपत्तियों के बाद इस पद को चुनाव अधिकारी द्वारा अमान्य कर दिया गया था। बाद में मंत्री पद हेतु पुनः निर्वाचन करवाया गया। इसमें रूपेश भूतड़ा ने बड़े अंतर से जीत हासिल की।

> एक माचिस की तिली, एक घी का लोटा
> लकड़ियों का ढेर पे, कुछ घण्टेमें राख.....
> बस इतनी-सी है, आदमी की औकात ॥

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ

।। जय महेश ।।

चान्दमल काबरा
98289 12482

कैलाशचन्द्र काबरा 98211 29200 93246 70641 | सुभाष काबरा 98921 19304 | पवन काबरा 99870 05185 | राहुल काबरा 99670 44320 | राज काबरा 82378 94231

अंकित काबरा 87695 87985 | विकास काबरा 94145 04347

एवं

समस्त काबरा परिवार,
पारोली, भीलवाड़ा (राज.)

BALAJI MINERALS & CHEMICALS
Mfrs. & Exporter of Minerals for Paper, Paint, Rubber, Detergent, Glass, Ceramic Industries
Regd. Off: S-14, Apsara Compex, Azad Market, Bhilwara (Raj.)-311001, India
Ph. : 01482-231843, 231918, 222080, Fax : 01482-222080
Factory : Dhanwara Chouraya, Village-Paroli, Teh. Kotri, Dist. Bhilwara (Raj.)
Ph. : 01488-233156
E-mail : kabraraj2@gmail.com, balajimc56@gmail.com, kabrackc72yahoo.com

CREATIVE INTERNATIONAL
Mfr. & Exporter of Plastic Caps, Spouts, Bottles, Crimping Tools & Dies
A/41, Mira Darshan, Opp. Jangid Tower, MTNL Road, Mira Road (East), Dist. Thane-401107 (M.S.), India
Tel : 022 28105141, Fax : 0251 2231354
E-mail : creativeint@mtnl.net.in
subhash@creativeinternational.co.in
Website : www.creativespoutclosure.com

VERTEX CHEM PVT. LTD.
Mfr. & Exporter of Paper, Textile & Leather Chemicals
Off. : 003, Ground Floor, Pancharatna Tower, Opp. Cine Max, Khadakpada, Kalyan (W), Dist. Thane (M.S.)-421301, India
Ph. 0251-2231154, Tel Fax : 0251-2231354
E-mail : vertexchem@vsnl.net, vertexchem1@gmail.com
Website : www.vcplindia.biz

।। जय महेश ।।

With Best Compliments From

A Product of

GOODWILL & SWASTIKA

SUITINGS & SHIRTING

SONA TEXTILES PVT. LTD.

Sales Office

Swastika Chambers Ganesh Mandir Road, Gandhi Nagar, Bhilwara (Raj.)-311001

Works

Village-Badesara Thehsil Shahpura, distt. Bhilwara (Raj.)

Tel. : (O) 01482-246301, 246302, 247021, 247022, Fax : 01482-247023

Shahpura : Tel (F) : 01482-222271] 222084

Bhilwara (Unit II) : Tel (F) : 01482-260828, (Unit III) : Tel (F) : 01482-260368, 260080

E-mail : goodwill1@sancharnet.in

सखी संगठन ने मनाया स्थापना दिवस

अहमदाबाद। माहेश्वरी सखी संगठन अपना 18 वां स्थापना दिवस मना रहा है। इसके अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में नारी तेरे रूप अनेक पर आधारित फेशन शो आयोजित हुआ। इसमें नारी के मां, बच्चा, दादी, पोती व परदादी, पड़पोती आदि सभी रुपों का फेशन शो द्वारा प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में कुल मिलाकर 86 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया, जिसमें 10 महीने से लेकर 78 वर्ष तक की महिलाएं व उनके बच्चे भी शामिल थे। संगठन अध्यक्षा निर्मला सोनी व मंत्री नीलम मालपानी के प्रयासों से यह कार्यक्रम सराहनीय रहा। प्रतिभावान विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। संगठन द्वारा दिग्विजय लायन फाउंडेशन को उनके सिविल हॉस्पीटल के सामने निर्माणाधीन 13 कमरों वाली नवीन बिल्डिंग में एक एसी रूम के निर्माण हेतु तीन लाख रुपए का अनुदान दिया गया। संगठन की अन्य दो सदस्या शांता सोनी तथा विशाखा सारडा ने भी एक-एक कमरे का अनुदान दिया। फाउंडेशन पिछले 40 सालों से सिविल हॉस्पीटल में दाखिल मरीजों के रिश्तेदारों को रहने व भोजन की व्यवस्था टोकन शुल्क पर दे रहा है। इसी संस्था ने अब केंसर, किडनी व हार्ट की बीमारी वाले मरीजों के रहने हेतु इस नवीन बिल्डिंग निर्माण का बीड़ा उठाया है।

> हर बात पर यह सोच-सोच कर की लोग क्या सोचेंगे बहुत से लोग नई सोच विकसित ही नहीं होने देते।

निर्जला एकादशी पर शर्बत वितरण

मेरठ। माहेश्वरी सभा जनपद मेरठ द्वारा निर्जला एकादशी पर्व पर 100 लीटर दूध का शर्बत बनवाकर अपने कार्यालय से वितरीत किया गया। इसमें सत्यनारायण लाहोटी, हरीश भट्टर, अरविंद तापड़िया, नरेंद्र राठी, अनिल राठी, कृष्णकांत राठी, अशोक राठी, राजेंद्र राठी आदि कई समाजजनों का सहयोग रहा।

मार्गदर्शन शिविर का आयोजन

वर्धा। किसी छात्र को 95 प्रतिशत अंक मिलने पर भी उसके माता-पिता को उतनी खुशी नहीं होती क्योंकि वे समझते हैं कि पड़ोसी का बच्चा जब 97 प्रतिशत ला सकता है तो मेरा क्यों नहीं? अभिभावकों को सलाह देते हुए नवनियुक्त जिलाधीश शैलेष नवाल ने कहा कि अपनी इच्छाएं बच्चों पर मत लादिये। श्री नवाल सिविल सर्विसेस मार्गदर्शन शिविर में प्रमुख अतिथि के रूप में विचार व्यक्त कर रहे थे। माहेश्वरी विद्या प्रचार मंडल पुणे के संयोजक डॉ. हरिप्रसाद सोमानी ने संपूर्ण सिविल सर्विस क्षेत्र का खाका प्रस्तुत किया। दीपस्तंभ अकादमी जलगांव के संदीप पाटिल ने पावर पाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से संपूर्ण सिविल सर्विसेस की जानकारी दी। कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रकल्प अधिकारी श्रीनिवास मोहता ने प्रस्तुत की। आभार सचिव गोविंद टावरी ने व्यक्त किया।

महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाओं सहित ...

SOMANI STONE MINERALS

(ISO 9001 : 2008)

All Kind of Sandstone Manufacturer & Exporter

मुकेश सोमानी

अध्यक्ष

श्री शिंगोली श्याम माहेश्वरी धर्मशाला

+91 98284 94295

+91 76651 88555

Website : www.shreejistone.com, www.somanistoneminerals.com

Email: info@shreejistone.com, smsomani.somani@gmail.com

Corporate Office : Malipura Choraha, Bijoliya Indian Sandsstone Quarry Area (311602)

Bhilwara, Rajasthan, India

Shree Ji Villa 10-C-15, R.C. Vyas Bhilwara

।। जय महेश ।।

With Best Compliments From

।। जय महेश ।।

Sandeep Motors

Authorised Dealers For

ASHOK LEYLAND

BAJAJ
Distinctly Ahead

HYUNDAI

Registered Office

Sandeep Motors Private Limited

"Chandan" Leyland Choraha, Gangapur Road, Bhilwara - 311 001
Ph. 01482-246855

Branches

- **Mandal** : N.H.79, Near Mandal Chouraha, Mandal, Bhilwara
- **Chanderiya** : Vil. Putholi, Chanderiya, Chittorgarh (Raj.)
- **Nasirabad** : N.H.79, Vil- Dilwari, Nasirabad, Ajmer (Raj.)
- **Ajmer** : F-228, RIICO Industrial Area Palra, Ajmer (Raj.)
- **Nagaur** : Bikaner Bye pass, Nagour (Raj.)
- **Gulabpura** : NH-79, Near Mayur Mills, Gulabpura, Bhilwara

तीन क्षेत्रीय इकाइयों के चुनाव संपन्न

शिशिर तोषनीवाल

सुनील मानधन्या

मनोज काबरा

दिनेश जाखोटिया

सतीश घुरका

कृष्णकुमार बाँगड़

सुनील लड्ढा

अजय काबरा

रंजन बाहेती

भोपाल। अ.भा. माहेश्वरी महासभा एवं प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के विधान अनुरूप भोपाल जिला माहेश्वरी सभा द्वारा नगर में तीन क्षेत्रीय इकाइयां गठित की गईं। अध्यक्ष श्याम बांगड़ ने बताया कि चुनाव अधिकारी ओमप्रकाश काबरा, संजीव सोमानी एवं संजय काबरा एवं पर्यवेक्षक त्रिलोक जाजू द्वारा तीनों नवगठित इकाइयों के चुनाव संपन्न कराए गए। अ.भा. माहेश्वरी महासभा के संयुक्त मंत्री वैद्यराज रमेशकुमार माहेश्वरी, कार्यसमिति सदस्य गोपाल गोदानी, वरिष्ठ समाजसेवी जीपी सोमानी एवं डॉ. छापरवाल द्वारा तीनों इकाइयों के निर्वाचित पदाधिकारियों को निर्वाचन प्रमाण-पत्र दिए गए। इनमें पूर्वांचल क्षेत्र से अध्यक्ष शिशिर तोषनीवाल, उपाध्यक्ष- प्रदीप छापरवाल, राजेश राठी एवं विकास मूंदड़ा, सचिव सुनील मानधन्या, कोषाध्यक्ष मनोज काबरा, संगठन मंत्री गोपालकृष्ण मूंदड़ा, संयुक्त मंत्री मुकेश झंवर, सुनीत खटौड़ एवं किशोर भूतड़ा तथा प्रचार मंत्री मनीष टावरी चुने गए। मध्यांचल से अध्यक्ष दिनेश जाखोटिया, उपाध्यक्ष मनोज मूंदड़ा, निधिश भुराड़िया तथा प्रशांत लोया, सचिव सतीश घुरका, कोषाध्यक्ष कृष्णकुमार बांगड़, संगठन मंत्री रवींद्र धूत, संयुक्त मंत्री मिलेश राठी, प्रशांत काबरा एवं संजय मालपानी तथा प्रचार मंत्री राकेश झंवर चुने गए। दक्षिणांचल से अध्यक्ष सुनील लड्ढा, उपाध्यक्ष कौशल किशोर बियाणी, संजीव सोमानी एवं रमेश लखोटिया, सचिव संजय काबरा, कोषाध्यक्ष रंजन बाहेती, संगठन मंत्री सुरेश लाहोटी, संयुक्त मंत्री रवींद्र बांगड़ (भोला), उमेश भूतड़ा, भूपेश राठी तथा प्रचार मंत्री प्रभात भट्टर चुने गए।

डाड आईएएस अवॉर्ड के लिए चयतिन

उज्जैन। क्षेत्र के अपर कलेक्टर तथा सिंहस्थ उपमेला अधिकारी गोपाल डाड का शासन की ओर से आईएएस अवॉर्ड के लिए चयन किया गया है। उल्लेखनीय है कि प्रशासनिक पद की व्यस्तताओं के बावजूद श्री डाड समाज को भी अपनी समर्पित सेवा प्रदान कर रहे हैं।

महंत ज्ञानदास महाराज से मिले करनानीजी

कोलकाता। ऐतिहासिक गंगासागर सिथत कपिल मुनि मंदिर के महंत, अयोध्या हनुमान गढी के अध्यक्ष संपूर्ण भारत वर्ष कुंभ मेला के अध्यक्ष महंत श्री ज्ञान दास जी महाराज कपिल मुनि चैरिटेबल के ट्रस्टी श्री घनश्याम करनानी ,प्रतिमा करनानी को आशीर्वाद देते हुए।

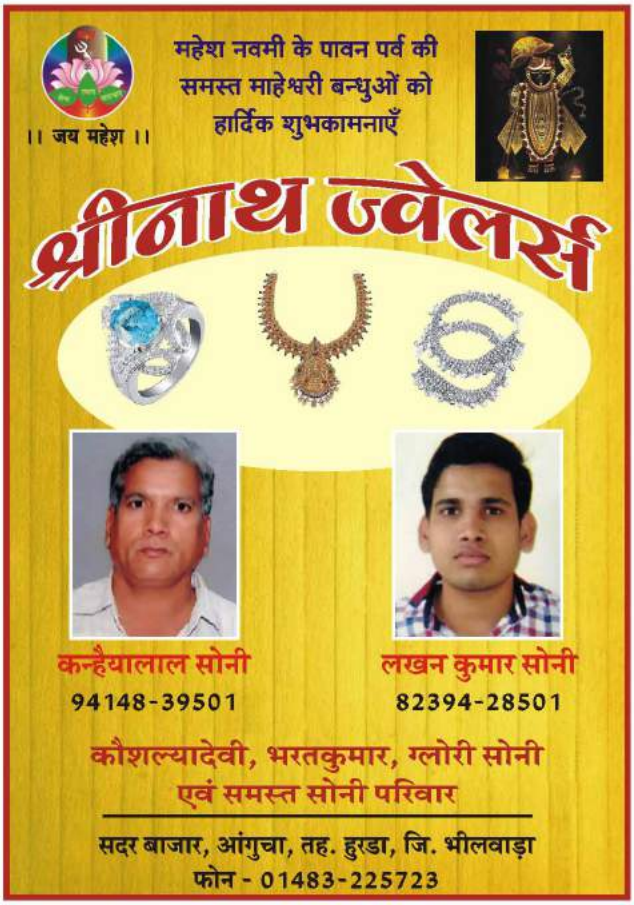

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री महेश सेवा समिति

नेहरू रोड, भीलवाड़ा फोन - 01482-220290, 234404

संचालित संस्थाएं

- श्री महेश शिक्षा सदन उच्च माध्यमिक विद्यालय ☎220290
- श्री महेश इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी ☎234406
- श्री महेश बाल निकेतन ☎235562
- श्री महेश इन्डस्ट्रीयल ट्रेनिंग सेन्टर ☎ 234406
- श्री महेश शिक्षा सदन उच्च प्राथमिक विद्यालय ☎235562
- श्री महेश पब्लिक स्कूल, उच्च माध्यमिक विद्यालय अंग्रेजी माध्यम (ISO 9001-2008 Certified) ☎230722
- माहेश्वरी पब्लिक स्कूल (गर्ल्स) ☎240121

हिन्दी व अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में स्मार्ट क्लासेस की सुविधाएँ एवं प्रोजेक्टर तथा एलसीडी के द्वारा अध्यापन

To be affiliated to C.B.S.E.
To be upgraded to XII

MAHESHWARI PUBLIC SCHOOL (GIRLS)

Sector-G, Near Ram Dham Azad Nagar,
Bhilwara (Raj.), Ph. 240121

राधेश्याम चेचाणी
अध्यक्ष
मो. 9829047693

सोहनलाल कोगटा
संरक्षक सदस्य

कृष्णगोपाल सोनी
उपाध्यक्ष

अनिल कुमार बांगड
उपाध्यक्ष

सत्यनारायण मूंदड़ा
कोषाध्यक्ष

प्रहलादराय हींगड़
सहसचिव

राजेन्द्र कचोलिया
सचिव
मो. 9828056625

दिलीप तोषनीवाल
संचालक सदस्य

दिनेश शारदा
संचालक सदस्य

गोपाललाल सोमानी
संचालक सदस्य

ओमप्रकाश मालू
संचालक सदस्य

रामकुमार जागेटिया
संचालक सदस्य

चन्द्रप्रकाश काल्या
संचालक सदस्य

श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा के साथ धर्मशाला लोकार्पित

धर्मशाला बढ़ाएगी समाज का गौरव

राठी परिवार द्वारा 17 सुसज्जित कमरों के साथ इस भव्य धर्मशाला का निर्माण करवाया गया है। इसका लोकार्पण परिवार की वरिष्ठ चंद्रकला राठी के करकमलों से हुआ। लोकार्पण अवसर पर रामअवतार जाजू इंदौर, मप्र पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा अध्यक्ष महेश तोतला, मानद मंत्री राजेंद्र ईनानी, बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' सहित समाज के कई गणमान्यजन उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि राठी परिवार समाजसेवा में हमेशा ही अपना योगदान देता आया है। सिंहस्थ महापर्व के दौरान लगे मप्र पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा के सेवा शिविर में भी रवींद्र राठी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

स्व. श्री धन्नालाल व स्व. श्री लक्ष्मीनारायण राठी की स्मृति में हुआ धर्मशाला का निर्माण

महिदपुर। प्रतिष्ठित राठी परिवार द्वारा नारायणा रोड पर धनलक्ष्मी परिसर में निर्मित 'धन्नालाल-लक्ष्मीनारायण राठी धर्मशाला' के लोकार्पण समारोह के अवसर पर 9 से 17 जून तक श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया। इसका प्रतिदिन दोपहर 2 से शाम 6 बजे तक बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने लाभ लिया।

इस आयोजन की समस्त व्यवस्थाएँ राठी परिवार की चंद्रकला राठी, राजकुमारी राठी, हरिनारायण-शोभा राठी, नरेंद्र-करुणा राठी तथा रवींद्र-पुष्पा राठी के मार्गदर्शन में हुईं। प्रथम दिवस 9 जून को धर्मशाला का वास्तु पूजन किया गया। इसके साथ धर्मशाला सेवा के लिए लोकार्पित हो गई। इसी के साथ 9 से 17 जून तक उज्जयिनी रामानुजकोट के युवाचार्य युवराज स्वामीश्री माधव प्रपन्नाचार्यजी महाराज के श्री मुख से श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा का हजारों श्रद्धालुओं ने रसपान किया। इसके मार्गदर्शक उज्जयिनी रामानुजकोट पीठाधीश्वर स्वामीश्री रंगनाथाचार्यजी महाराज थे।

धर्म की गंगा से सभी हुए सराबोर

9 जून को वास्तु पूजन के पश्चात स्वामीश्री माधव प्रपन्नाचार्यजी महाराज के श्रीमुख से भागवत कथा शुरू हुई। इसके प्रथम दिवस 10 जून को सुबह भव्य कलशयात्रा निकली। इसमें सैकड़ों महिलाएं शामिल हुईं। कथा के पहले दिन शुकदेवजी के आगमन का प्रसंग प्रस्तुत किया गया। अगले दिन 11 जून को ध्रुव चरित्र तथा विराट सृष्टि क्रम का वर्णन किया गया। 12 जून को श्री प्रहलाद चरित्र व श्री नृसिंह अवतार, 13 जून को वामन अवतार, श्री राम जन्मोत्सव व कृष्ण जन्मोत्सव, 14 जून को श्री बाल लीला, नंद महोत्सव, गोवर्धन पूजा व 56 भोग, 15 जून को श्री रुक्मणि विवाह महोत्सव, 16 जून को श्री सुदामा चरित्र व परीक्षित मोक्ष के पश्चात कथा विश्राम हुआ। इसके पश्चात इसी दिन मंडल पूजन, एकादशी उद्यापन तथा हवन का आयोजन हुआ। 17 जून को मंडल पूजन, हवन एवं महाप्रसादी के आयोजन के कार्यक्रम का समापन हुआ।

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएं

।। जय महेश ।।

।। जय महेश ।।

आर.के. एवं आर.सी. व्यास नगर महेश सेवा संस्थान

भीलवाड़ा (राज.), फोन : 01482-247195

माहेश्वरी भवन की सुविधाएँ

• 2, कॉन्फ्रेंस हॉल • 17 फर्नीचर सहित वातानुकूलित कमरे • भोजनशाला व बर्तन व्यवस्था
• 13 हजार स्के. फीट ग्राउण्ड • डीप फ्रीज • ट्यूबवेल • सायलेंट जनरेटर आदि

नारायण लाल लढ़ा
अध्यक्ष
94141 14435

राधेश्याम चेचाणी
उपाध्यक्ष
70735 43438

मनोहर लाल अजमेरा
सचिव
94149 71181

सुरेश चन्द्र कचौलिया
कोषाध्यक्ष
94147 40082

कृष्णगोपाल सोडानी
सहमंत्री
94141 15181

राजेन्द्र पोरवाल
कार्यकारिणी सदस्य
94620 14959

श्रीनिवास नुवाल
कार्यकारिणी सदस्य
98290 47664

एवं समस्त पदाधिकारी व सदस्यगण

योग प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

मलकापुर। माहेश्वरी नवयुवती मंडल द्वारा 18 से 20 जून तक त्रिदिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया। इसमें मंडल की उपाध्यक्षा राधा राठी ने प्रशिक्षण दिया। योग दिवस पर मंडल अध्यक्ष मोनिका मालपाणी की अध्यक्षता में पतंजलि केंद्र के प्रशिक्षक हरिभाऊ पाटिल एवं अविनाश सराफ के करकमलों द्वारा शिविरार्थियों को सहभागिता के प्रमाण पत्र का वितरण किया गया।

सेवा सदन के दो भवन लोकार्पित

पुष्कर। श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन के प्रधान कार्यालय पुष्कर में नव निर्मित अन्नपूर्णा भवन का लोकार्पण समारोह 19 जून एवं शाखा वृंदावन के राधाकृष्ण भवन का मंगल प्रवेश कार्यक्रम 26 जून को आयोजित किया गया है। अध्यक्ष श्यामसुंदर बिड़ला ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि इसी प्रकार जोधपुर में एम्स हॉस्पिटल के समीप नव निर्मित आरोग्य भवन में 65 कमरे, 15 बैड की डोरमैट्री, कॉन्फ्रेंस हॉल, स्वागत कक्ष, सर्वसुविधायुक्त विशाल सभागार जिसका लगभग 80 प्रतिशत निर्माण कार्य सम्पूर्ण हो चुका है। इस रोगी-सहयोगी सेवा केंद्र आरोग्य भवन का लोकार्पण समारोह 29 जून को श्री शांतेश्वर महाराज अजनेश्वर धाम जोधपुर, श्री पुरुषोत्तमदास महाराज खेड़ापा धाम, श्री रामप्रसादजी महाराज महंत बड़ा रामद्वारा व गौवत्स बालसंत श्री राधाकृष्ण महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित किया जा रहा है।

सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन

राधेश्याम नवाल

दिनेश बियानी

आशा नवाल

नमिता तोषनीवाल

खाचरौद। माहेश्वरी समाज की नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष राधेश्याम नवाल सचिव दिनेश बियानी, उपाध्यक्ष राधेश्याम गगरानी, कोषाध्यक्ष प्रहलाद असावा, संगठन मंत्री बद्रीलाल नवाल व 11 कार्यकारिणी सदस्यों की नियुक्ति की गई। इसी प्रकार माहेश्वरी महिला मंडल की नवीन कार्यकारिणी में अध्यक्ष आशा नवाल, सचिव नमिता तोषनीवाल, उपाध्यक्ष मंजू गगरानी, कोषाध्यक्ष ललिता गगरानी, सह सचिव कोपल मालपानी, संगठन सचिव राधादेवी असावा एवं 11 कार्यकारिणी सदस्यों की नियुक्ति की गई।

"पानी के बिना नदी बेकार,
अतिथि के बिना आंगन बेकार,
प्रेम न हो तो अपने बेकार,
जीवन में गुरु न हो तो जीवन बेकार
इसलिए जीवन में गुरु जरूरी है,
गुरुर नहीं"

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएं

।। जय महेश ।।

नेताजी राखी

यह बन्धन है प्यार का

नवनीत सेल्स

नेताजी सेल्स

- हर प्रकार की फैन्सी राखी, स्टोन, रेशम, जरी, मोती, टेडीबीयर राखी का सम्पूर्ण रेंज।
- हर प्रकार के स्कूल बेग, ट्रावलिंग बेग, ट्रॉवलिंग बेग, ट्रोली बेग, ट्रोली अटेची व लेडिस बेग व पर्स की सम्पूर्ण रेंज।
- सभी प्रकार के प्लास्टिक डिस्पोज़ल कप, गिलास, चम्मच, थाली, कटोरी, पेपर नेपकीन, पतल-दोना, तलने के फ्राईम्स पापड़, दीपावली।
- डेकोरेशन सभी प्रकार के हार, रेशम माला, मोती माला, फ्लावर माला सम्पूर्ण रेंज।
- इमीटेशन ज्वैलरी, हार सेट, साड़ी पिन, बक्कल, अंगूठी, कन्दोरा, बाजूबन्द, बना बटरफ्लाई, रखड़ी, पायल, बिछूड़ी, मंगलसूत्र की सम्पूर्ण रेंज।
- होली के रंग व पिचकारियाँ व खिलौने एवं मनिहारी, कटलरी आईटम की सम्पूर्ण रेंज।

जगदीश प्रसाद सोड़ानी
(नेताजी)
M. 094141-14781
अध्यक्ष, इमीटेशन ज्वैलरी एसोसिएशन, भीलवाड़ा
अध्यक्ष, डिस्पोज़ल व्यापार मण्डल, भीलवाड़ा
अध्यक्ष, विश्वशान्ति सद्भावना धाम व जय गंगा तीर्थ रक्षा समिति, भीलवाड़ा
ट्रस्टी, श्री माहेश्वरी समाज सम्पत्ति ट्रस्ट, भीलवाड़ा
उपाध्यक्ष, श्री भोपालगंज क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा, भीलवाड़ा

नवनीत सोडानी
मो. 94141-12087

।। जय महेश ।।

पियूष सोडानी
मो. 94141-14807

नेताजी भवन, महिला आश्रम रोड, गोदावरी हॉल के सामने, भीलवाड़ा (राज.)

महेश नवमी के पावन पर्व पर सभी माहेश्वरी बन्धुओं को

हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएँ

कमल किशोर चाण्डक

संयुक्त मन्त्री- अ.भा. माहेश्वरी महासभा

कोषाध्यक्ष- श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर

लक्ष्मीनारायण कमलकिशोर चाण्डक

ए-7, मण्डोर मण्डी, जोधपुर (राज.)

दिनेश मशीनरी स्टोर्स

चाण्डक मार्केट, खींवसर (राज.)

माहेश्वरी शिक्षा सहयोग समिति का गठन

अमरावती। शिक्षा में सहयोग हेतु माहेश्वरी शिक्षा सहयोग समिति का गठन किया गया। इसकी नई प्रबंध समिति में अध्यक्ष व्ही.आर. मोहता, उपाध्यक्ष जयगोविंद झंवर, सचिव प्रमोद करवा, सहसचिव शैलेंद्र जाजू, कोषाध्यक्ष दिलीप राठी सर्वसम्मति से चुने गये।

नई कार्यकारिणी गठित

संगरिया (करवा)। स्थानीय माहेश्वरी सभा की नई कार्यकारिणी का गठन अध्यक्ष देवकिशन लखोटिया व उत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के प्रतिनिधि कृष्ण कुमार करवा की उपस्थिति में किया गया। इसमें सर्वसम्मति से पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सीताराम सोमानी को अध्यक्ष व पवन कुमार राठी को उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। इंद्रकुमार पेड़ीवाल व रावतमल लखोटिया को पुनः सचिव व कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया।

> सच्चा व्यक्ति ना तो नास्तिक होता है
> ना आस्तिक होता है
> सच्चा व्यक्ति हर वक्त वास्तविक होता है।

पश्चिमी म.प्र. महिला संगठन की बैठक सम्पन्न

आलीराजपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा पश्चिमी म.प्र. माहेश्वरी महिला संगठन की बैठक का आयोजन किया गया। इसमें मंच पर अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा, पूर्व अध्यक्षा एवं वर्तमान मानव सेवा ट्रस्ट की अध्यक्षा गीता मुन्दड़ा, पश्चिमी म.प्र. माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षा निर्मला बाहेती अन्य आदि उपस्थित थी। जिला संगठन की सदस्याओं द्वारा "बड़ता वैभव-घटता समाज" विषय पर स्वरचित नाटिका का मंचन किया। बैठक में अंधविश्वास व समाजिक कुरुतियों को मिटाने का संकल्प लिया गया। अध्यक्षीय उद्‌बोधन निर्मला बाहेती ने दिया। युवा संगठन अध्यक्ष धर्मेन्द्र सोमानी व राजेश थेपड़िया सहित समस्त सदस्यों का सहयोग रहा। कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी कृष्णकान्त बेड़िया ने बताया कि समाज की इस बैठक में पश्चिमांचल के 18 जिलो की महिलाओं ने भाग लिया। समापन जिला सचिव राजकुमारी सोमानी के आभार प्रदर्शन के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन अयोध्या चौधरी द्वारा किया गया। अतिथि स्वागत व पंजीयन का कार्य जिला कोषाध्यक्ष शकुंतला कोठारी, प्रदेश उपाध्यक्ष चन्द्रकांता सोमानी एवं मंगला थेपड़िया आदि द्वारा किया गया।

।। जय श्री चारभुजा नाथ की ।।

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएं

।। जय महेश ।।

।। जय महेश ।।

शुभम् मिनकेम प्रा. लिमिटेड

आईएसओ 9001 : 2008 प्रमाणित कम्पनी

अधिकृत विक्रेता

ESSAR एवं HMEL पेटकोक

स्टीमकोल, इम्पोर्टेडकोल, लिग्नाईट एवं पेटकोक सप्लायर्स

कार्पोरेट ऑफिस

'बाहेती हाउस', शॉप नं. 5, प्रथम तल, बादल टेक्सटाइल मार्केट, पुर रोड, भीलवाड़ा (राज.) - 311001

फोन : 01482-247784, मो. : 94133 56347, 98290 45784, 94133 57347

E-mail : shubcoal@bsnl.in, shubmcpl@dataone.in, akb56347@gmail.com

Website : shubhamminchem.com

With Best Compliments from

(Established since 1955)

THE WEST COAST PAPER MILLS LTD.

ISO 9001/14001
OHSAS 18001
DNV

(An ISO 9001, ISO 14001 and OHSAS 18001 certified company)

One of the leading manufacturers of Quality Papers
with an annual production capacity of 320000 MT

Type of Paper	:	Main Varieties
Cultural Paper		: Azurelaid : Creamwove : Maplitho : Copier Paper : Natural Greeting
Industrial Paper		: Paper Boards/Cover Paper/Poster Paper : Duplex Boards/Cup Stock Board : High Bright/White Back Duplex Boards : Base Paper for Coating : Machine Glazed (MG)
Specialty Paper		: MICR Cheque Paper : Parchment Paper : Bond Paper

WCPM also manufactures Optical Fibre Cable (OFC) and Control Cables at its Cable Division set up at Mysore. It has also set up 1.75MW Wind Mills at Tamilnadu.

Registered Office & Works:
Bangur Nagar, DANDELI – 581 325, Dist. Uttara Kannada, Karnataka
Ph.: +91 8284 231391-395 Fax: +91 8284 231225, 231 e-mail: pro@westcoastpaper.com, wcpmprodandeli@gmail.com

CORPORATE OFFICE
31, Chowringhee Road (Park Street Crossing), KOLKATA - 700 016
Phones : 033-22656271-78 (8Lines), Fax: 033- 22656242, E-Mail - wcpm.east@westcoastpaper.com

Marketing Offices at:
Mumbai, Chennai, Bengaluru, **New Delhi**

Telecom Cable Division:
Sudarshan Telecom, Plot No.386/387, KIADB, Electronic City, Hebbal Industrial Area, Mysore – 570 016
Ph.: +91 821 2404060 Fax: +91 821 2404061 e-mail: mmaharaj@sudarshantelecom.com

योग दिवस पर लगाया शिविर

वरंगल। माहेश्वरी महिला मंडल ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर 21 से 27 जून तक योग शिविर का आयोजन मारवाड़ी समाज के भवन में किया गया। सुबह रमेश गुरु ने पुरुषों को तथा शाम को सुनीता गुरुमाई ने महिलाओं को योग सिखाया। योग प्रशिक्षकों का पुष्पहार, श्रीफल, शॉल स्मृति चिह्न से सम्मान किया गया। अतिथि जिला सभा अध्यक्ष गोपाल तोषनीवाल, ब्रजगोपाल लाहोटी, श्यामसुंदर जाखोटिया, दामोदर लाहोटी, सुनीता मालाणी, मृदुबाला दरक थीं।

कला अभिरुचि शिविर सम्पन्न

भीलवाड़ा। भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा की ओर से शास्त्रीनगर स्थित भारत विकास भवन पर चल रहे 8 दिनी कला अभिरुचि शिविर का समापन गत दिनों समारोहपूर्वक हुआ। अतिथि गोविंदप्रसाद सोडानी थे। शाखा अध्यक्ष भूपेंद्र मोगरा ने बताया कि शिविर में 250 शिविरार्थियों ने डांस, मेहंदी, ढोलक, मांडना, क्यूलिंग, वैवाहिक गीत, एरोबिक्स, शरबत ठंडाई, हेयर स्टाइल, आइसक्रीम, कार्ड मेकिंग, सेंडविच, मिठाई, स्नैक्स व कूल फलेवर्स बनाना अनुभवी प्रशिक्षकों से सीखा। समापन पर सभी शिवरार्थियों को अतिथियों ने प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए। अंत में सभी को बेजुबान परिंदों के दाना-पानी की व्यवस्था के लिए निःशुल्क परिंडे वितरित किए गए।

राष्ट्रपति से की मुलाकात

गुआंगजो। राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने 24 से 27 मई तक चीन का दौरा किया। उनका पहला पड़ाव सेनगिरीला होटल गुआंगजो रहा। भारतीय दूतावास, बीजिंग में राष्ट्रपति के लिए एक रात के खाने की व्यवस्था की रिसेप्शन और प्रमुख भारतीय चीन भर में रहने वाले लोगों को आमंत्रित किया। मुझे और मेरे भाई दोनों भी रिसेप्शन रात के खाने के लिए आमंत्रित किया गया था। हमने राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी से मुलाकात की।

महिला मंडल ट्रस्ट का गठन

भीलवाड़ा। गत दिनों जिला दरगड़ परिवार महिला मंडल ट्रस्ट का गठन किया गया। चुनाव पुष्पा दरगड़ की अध्यक्षता में सर्वसम्मति से सम्पन्न हुए। इसमें सुमित्रा दरगड़ अध्यक्ष, सुमन दरगड़ मंत्री व शकुंतला दरगड़ कोषाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हुई।

स्वर्ण श्रीयंत्र

सृष्टि का ब्लूप्रिंट

श्रीयंत्र जिस स्थान पर स्थापित किया जाता है, वहाँ सौभाग्य, समृद्धि और शान्ति आकर्षित होते हैं। मॉस्को विश्वविद्यालय में हुए शोध से इस बात की पुष्टि होती है कि श्रीयंत्र के साथ ध्यान करने से मस्तिष्क की तरंगें अल्फा स्तर पर पहुँच जाती हैं - अल्फा स्तर अन्तर्ज्ञान, रचनात्मक, विश्राम व गहरे ध्यान से जुड़े मन की एक अवस्था है। पौराणिक शास्त्रों में श्रीयंत्र को यंत्रराज अथवा यंत्र शिरोमणी भी कहा गया है।

स्वर्ण श्रीयंत्र आध्यात्मिक प्रगति और समृद्धि का प्रतीक है।

स्वर्ण श्रीयंत्र पौराणिक शास्त्रों के अनुसार –

- सटीक संरचना • उपयुक्त वज़न,
- पाँच सकारात्मक धातुओं(24 कैरेट सोने की परत, चाँदी, ताँबा, जस्ता एवं निकल)
- सही रंग और • अंतर्राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता के साथ बनाया गया है।

यह स्वर्ण श्रीयंत्र को पूर्ण प्रमाणिक एवं आदर्श श्रीयंत्र बनाते हैं।

पौराणिक शास्त्रों तंत्रराज तंत्रम्, सौभाग्यलक्ष्म्युपनिषद् , लक्ष्मसागर तथा दक्षिणामूर्तिसंहिता में कहा गया है कि लक्ष्मी, यश, आरोग्य तथा सुख प्राप्ति के लिए श्रीयंत्र सर्वोत्तम साधन हैं।

वे परम भाग्यशाली हैं जिनके जीवन में श्रीयंत्र का साथ है। या यूँ कहें कि जिनका भाग्योदय होना होता है उन्हे सहज ही श्रीयंत्र का साथ मिलता है।

श्रीयंत्र ब्रम्हाण्ड से ब्रम्हाण्डीय ऊर्जा को आकर्षित करता है। अमेरिकी शोध में यह सिद्ध हुआ है कि श्रीयंत्र, पिरामिड से 70 गुना अधिक ऊर्जा आकर्षित करता है। आभा फोटोग्राफी एवं ऊर्जा चक स्केन से यह स्पष्ट है कि श्रीयंत्र की उपस्थिति मात्र से मनुष्य के आभामंडल और सातों ऊर्जा चक्रों में सुधार होता है, जिससे सुख, समृद्धि और आयु में वृद्धि होती है। श्रीयंत्र वास्तु दोषों को भी दूर करता है।

तीन आकारों में उपलब्ध –

पंजीकृत डिज़ाइन

सम्पर्क :

ऋषि-मुनि वैदिक सॉल्युशन

90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.),
दूरभाष : 0734-2526561, 2526761,
मो. 94250 91161

चीन के श्री झँवर ने की राष्ट्रपति से मुलाकात

गुआंगजो। भारत के राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने 24 से 27 मई तक चीन का दौरा किया। उनका पहला पड़ाव सेनगिरीला होटल गुआंगजो रहा। बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास द्वारा यहाँ राष्ट्रपति के एक रात के खाने की व्यवस्था की रिसेप्शन में चीन के प्रमुख भारतीय लोगों को आमंत्रित किया गया। इसमें माहेश्वरी समाज के प्रमुख गिरधर झँवर व उनके भाई भी शामिल थे। इस दौरान उन्हें राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी से मुलाकात करने तथा चर्चा करने का अवसर मिला। उल्लेखनीय है कि श्री झँवर चीन के एक प्रबुद्ध व्यवसायी तो हैं ही साथ ही वहाँ निवास करने वाले भारतीय

समुदाय का प्रतिनिधित्व भी करते हैं। भारत से चीन में व्यवसाय के लिए जाने वाले भारतीयों के वे सच्चे मददगार हैं। समाज सेवा के क्षेत्र में भी श्री झँवर का विशिष्ट योगदान है। वे चीन के कई समाजसेवी संगठनों से सम्बद्ध हैं। इसके अतिरिक्त गत दिनों सम्पूर्ण भारतीय समुदाय को एकत्र कर रक्तदान शिविर का आयोजन किया था। यह शिविर भारतीय समुदाय द्वारा चीन में आयोजित प्रथम रक्तदान शिविर था। इस आयोजन की चीन के सम्पूर्ण मीडिया ने तारीफ की और उसे पर्याप्त कवरेज दिया।

स्वर्ण श्रीयंत्र
सृष्टि का ब्लूप्रिंट

श्रीयंत्र जिस स्थान पर स्थापित किया जाता है, वहाँ सौभाग्य, समृद्धि और शान्ति आकर्षित होते हैं। मॉस्को विश्वविद्यालय में हुए शोध से इस बात की पुष्टि होती है कि श्रीयंत्र के साथ ध्यान करने से मस्तिष्क की तरंगें अल्फा स्तर पर पहुँच जाती हैं - अल्फा स्तर अन्तर्ज्ञान, रचनात्मक, विश्राम व गहरे ध्यान से जुड़े मन की एक अवस्था है। पौराणिक शास्त्रों में श्रीयंत्र को यंत्रराज अथवा यंत्र शिरोमणी भी कहा गया है।

स्वर्ण श्रीयंत्र आध्यात्मिक प्रगति और समृद्धि का प्रतीक है।

स्वर्ण श्रीयंत्र पौराणिक शास्त्रों के अनुसार –
- सटीक संरचना • उपयुक्त वज़न,
- पाँच सकारात्मक धातुओं(24 कैरेट सोने की परत, चाँदी, ताँबा, जस्ता एवं निकल)
- सही रंग और • अंतर्राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता के साथ बनाया गया है।

यह **स्वर्ण श्रीयंत्र** को पूर्ण प्रमाणिक एवं आदर्श श्रीयंत्र बनाते हैं।

पौराणिक शास्त्रों **तंत्रराज तंत्रम्, सौभाग्यलक्ष्म्युपनिषद्** , **लक्ष्मसागर** तथा **दक्षिणामूर्तिसंहिता** में कहा गया है कि लक्ष्मी, यश, आरोग्य तथा सुख प्राप्ति के लिए **श्रीयंत्र** सर्वोत्तम साधन हैं।

वे परम भाग्यशाली हैं जिनके जीवन में श्रीयंत्र का साथ है। या यूँ कहें कि जिनका भाग्योदय होना होता है उन्हे सहज ही श्रीयंत्र का साथ मिलता है।

श्रीयंत्र ब्रम्हाण्ड से ब्रम्हाण्डीय ऊर्जा को आकर्षित करता है। अमेरिकी शोध में यह सिद्ध हुआ है कि श्रीयंत्र, पिरामिड से 70 गुना अधिक ऊर्जा आकर्षित करता है। आभा फोटोग्राफी एवं ऊर्जा चक स्केन से यह स्पष्ट है कि श्रीयंत्र की उपस्थिति मात्र से मनुष्य के आभामंडल और सातों ऊर्जा चक्रों में सुधार होता है, जिससे सुख, समृद्धि और आयु में वृद्धि होती है। श्रीयंत्र वास्तु दोषों को भी दूर करता है।

तीन आकारों में उपलब्ध –

पंजीकृत डिज़ाइन

सम्पर्क :
ऋषि-मुनि वैदिक सॉल्युशन
90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.),
दूरभाष : 0734-2526561, 2526761,
मो. 94250 91161

।। जय महेश ।।

दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा

रामपाल सोनी
निवर्तमान सभापति

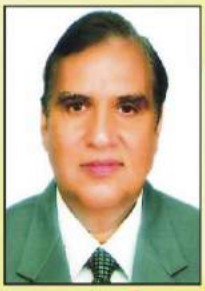

रतनलाल नौलखा
उपसभापति

एस.एन. मोदानी
कार्यसमिति सदस्य

देवकरण गग्गड़
कार्यसमिति सदस्य

राधेश्याम सोमानी
प्रदेश अध्यक्ष

महेश नवमी पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएं

इन्दरलाल छापरवाल
प्रदेश मंत्री

हरकलाल बसेर
उपाध्यक्ष, भदेसर

जानकीलाल मून्दड़ा
उपाध्यक्ष, उदयपुर

राधेश्याम चेचाणी
कोषाध्यक्ष, भीलवाड़ा

ओमप्रकाश तोषनीवाल
संगठन मंत्री, चित्तौड़गढ़

संजय राठी
संयुक्त मंत्री, गुलाबपुरा

राजेश तोषनीवाल
संयुक्त मंत्री, भीलवाड़ा

कैलाशचन्द्र मून्दड़ा
सहमंत्री, भीलवाड़ा

नन्दलाल चेचाणी
सहमंत्री, नाथद्वारा

प्रदेश सभा की विशिष्ट योजनाऐं एवं कार्य

- शिक्षा में उन्नति के लिये प्रदेश सभा द्वारा 1 लाख से कम आय वाले परिवारों के बच्चों को विशेष सहयोग 3.50 लाख।
- 1 लाख से कम आय वाले परिवारों को श्री बांगड़ वेलफेयर सोसायटी के अतिरिक्त विशेष सहयोग ।
- संगठन के सभी कार्यों में अग्रणी एवं सभी योजनाओं को अधिक से अधिक लाभ दो सामूहिक विवाह एवं 6 परिचय सम्मेलन ।
- 230 व्यक्तियों को 260 लाख व्यापार सहयोग ऋण, उच्च शिक्षा में 110 छात्रों को लगभग 14 लाख का सहयोग दिलाया गया ।
- अखिल भारतीय स्तर एवं प्रदेश प्रशासनिक सेवाओं में सहयोग के लिये तत्पर
- अ.भा.मा.महासभा की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करें।

कार्यसमिति सदस्य

अशोक काबरा, रामपाल काबरा, मुकेश गग्गड़, शैलेन्द्र झंवर, विनोद माहेश्वरी, सुभाष काबरा, रामगोपाल सोमानी, अर्जुन मंत्री मुरलीधर गट्याणी, के.एल. समदानी, प्रहलादराय लढ़ा, कन्हैयालाल लाठी, ओमप्रकाश गन्दोड़िया, सत्येन्द्र बिड़ला, मुकेश चेचाणी मुरलीधर गट्याणी, देवीलाल मून्दड़ा, ओमप्रकाश गट्याणी, कैलाशचन्द्र कोठारी, देवेन्द्र सोमानी, बाबूलाल जाजू एवं समस्त कार्यकारी मण्डल

विद्यार्थियों के लिए शिक्षा सहायता योजना शुरू

इंदौर। श्री दक्षिण क्षेत्र माहेश्वरी समाज, द्वारा क्षेत्र के निवासरत माहेश्वरी विद्यार्थियों के लिए शिक्षा सहायता योजना शुरू की गई है। इसके तहत निःशुल्क शिक्षा सामग्री का वितरण शुरू किया गया है। संस्था सचिव रूपेश भूतड़ा ने बताया कि क्षेत्र में निवासरत माहेश्वरी विद्यार्थियों की शिक्षा में किसी प्रकार की रुकावट न आए। इसी बात को ध्यान में रखते हुए समाजजन ने योजना शुरू की गई है। संयोजक शैलेष बिसानी, डॉ. दीप्ति भूतड़ा एवं मनोज लड्ढा ने बताया कि योजना में विभिन्न प्रकार की शिक्षा उपयोगी वस्तुओं को जोड़ा जाएगा। अध्यक्ष कमलकिशोर बाहेती ने विद्यार्थियों योजना का लाभ उठाने की अपील की है। शुभारंभ अवसर पर रामनिवास जैथलिया (उपसभापति- मुंबई), रामअवतार जाजू, सुशीला काबरा, गीता मूंदड़ा, रामेश्वरलाल, अशोक डागा, लक्ष्मण माहेश्वरी, वीणा सोमानी, कल्याण मंत्री, जगदीशचंद्र जाखेटिया, महेशकुमार (कैलाश) बल्दवा, महेशचंद्र काकाणी, नवीन माहेश्वरी, सत्यनारायण मंत्री, अनिल मंत्री, पुष्पेंद्र काकाणी, शैलेंद्र सोनी, सुशील बांगड़, राजेश बिड़ला, विमलचंद बांगड़ आदि मौजूद थे।

समाज के चुनाव सर्वसम्मति से सम्पन्न

हरदा। स्थानीय माहेश्वरी समाज के चुनाव सर्वसम्मति से सम्पन्न हुए। इसमें अध्यक्ष जयप्रकाश राठी, उपाध्यक्ष कृष्णमुरारी बांगड़, उपाध्यक्ष दिनेश राठी, सचिव सुशील राठी, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश हेड़ा, भवन व्यवस्थापक महेश मूंदड़ा, सहसचिव विजय बजाज, सांस्कृतिक सचिव जयकृष्ण चांडक, संगठन मंत्री जुगलकिशोर बांगड़ चुने गए।

योगमय हुआ माहेश्वरी महिला समाज

सूरत। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सुबह 7.30 बजे माहेश्वरी पंचायती भवन में महिला संगठन द्वारा योग शिविर लगाया गया। यहाँ गुरु, गणपति व सरस्वती वंदना को पावर योग नृत्य के साथ विमला भंडारी के निर्देशन में किया गया। प्रारंभ मंत्र ॐ के जाप से किया गया। विभिन्न प्राणायाम कराए गए। अंत में मन शुद्धिकरण हेतु गहन ध्यान व न्यास योग का प्रयोग भी किया गया। संयोजन संगठन अध्यक्ष शारदा मंत्री ने किया। धन्यवाद ज्ञापन बेबी बाहेती ने किया।

> गुस्सा बहुत ही चतुर होता है
> हमेशा कमजोर व्यक्ति पर ही निकलता है।

मंगलमूर्ति भगवान महेश सभी में सद्भावना, सदाचार व स्नेह का संचार करें

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ....

महेश नवमी की हार्दिक बधाई

माहेश्वरी मुस्कान महिला मण्डल, सूरत

सरला मालू
(अध्यक्ष)

वन्दना भण्डारी
(सचिव)

With Best Compliments From :

NATHMAL DALIYA

EX. VICE PRESIDENT AKHIL BHARTIYA MAHESHWARI MAHA SABHA
EX. CHAIRMAN MAHESHWARI BOARD
14-5-371/A, BEGUMBAZAR HYDERABAD-500012
TELANGANA
PH. No. : 9440059378, 040-24744437

DINESH AND CO.

KISHANGUNJ, HYDERABAD
TALANGANA
PH No. : 9849016301, 040-24600678, 66732083, 66752083

SMW GRANITES LLP

MFG OF GRANITE
WARANGAL/ KHAMMAM.
TALANGANA
PH No. 9866579485

SUGNA GARDENS

ATTAPUR HYDERABAD
TELANGANA
PH No. 9000007037

हर तरफ 'जय महेश' के जयकारे

सम्पूर्ण माहेश्वरी समाज के समाज का उत्पत्ति पर्व महेश नवमी पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर निकली शोभायात्रा के माध्यम से समाज क एकता व उसकी संस्कृति ने जमकर रंग बिखेरे। महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता ने समाज की प्रतिभाओं को भी सामने लाने का एक मंच प्रदान किया

आगर मालवा। महेश नवमी पर गाजे-बाजे के साथ 3 रथ और उनमें शोभायमान भगवान महेश की झांकी नगर में शोभायात्रा के साथ निकाली गई। सभी समाजजन ड्रेस कोड में शामिल हुए। अनेक जगह पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। शोभायात्रा के समापन पर माहेश्वरी भवन में भगवान महेश के पूजन, आरती, वंदना पश्चात वर्षभर तक महिला मंडल द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। माधव गोशाला में सभी समाजजन की उपस्थिति में समाज के तीनों संगठनों के अध्यक्षों के तुलादान पश्चात सामूहिक भोज माहेश्वरी भवन में हुआ। अतिथि गोपाल डाड अपर कलेक्टर व उपमेला अधिकारी सिंहस्थ उज्जैन, राजेंद्र ईनाणी बागली मानद मंत्री मप्र पश्चिम माहेश्वरी महासभा, प्रोफेसर रामकिशन सोमानी शिक्षाविद् व साहित्यकार थे। नंदकिशोर मालानी शिक्षाविद् इंदौर, जयप्रकाश राठी अध्यक्ष महेशधाम ट्रस्ट उज्जैन, नवल माहेश्वरी कोषाध्यक्ष महेशधाम ट्रस्ट, श्रीनिवास राठी इंदौर, चतुर्भुज माहेश्वरी-अध्यक्ष कक्का इंटरनेशनल स्कूल नलखेड़ा विशेष रूप से मौजूद थे। रक्तदान करने वाले समाजसेवियों व युवा संगठन द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं तथा मेधावियों को सम्मानित किया गया।

नलवर (गुलबर्गा)। स्थानीय समाज द्वारा महेश नवमी पर्व माहश्वेरी समाज प्रमुख भंवरीलाल तोषनीवाल, ओमप्रकाश बजाज, प्रकाश तोषनीवाल, गोविंद बजाज, रवि तोषनीवाल, घासीराम काकाणी, हनुमानदास सोनी, रामनिवास बजाज, श्रीगोपाल टवानी आदि की उपस्थिति में मनाया गया।

बैंगलुरु। महेश नवमी महोत्सव का आयोजन माहेश्वरी भवन में किया गया। शुभारंभ माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष बसंतकुमार सारडा, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के चेयरमैन श्रीकिशन राठी, माहेश्वरी फाउंडेशन के चेयरमैन गौरीशंकर सारडा, माहेश्वरी युवा संघ की उपाध्यक्षा भावना बियानी, माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष कृष्णा डागा, वरिष्ठ सदस्य महावीरप्रसाद काबरा एवं पूरणचंद्र गट्टानी द्वारा किया गया। 'महेश वंदना' कार्यक्रम में समाज के बच्चों द्वारा नृत्य की प्रस्तुति दी गई। वयोवृद्ध सम्मान में हरिदास मालू एवं सौभाग्यवती मालू का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। चित्रकला, निबंध, लिखावट, फैंसी ड्रेस स्पर्धा के विजेताओ व मेधावियों का सम्मान भी किया गया।

जैसलमेर। माहेश्वरी नवयुवक मंडल के नेतृत्व में महेश नवमी उत्सव की शुरुआत शोभा यात्रा से हुई। इसमें सबने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कई झाँकियां, भजन कीर्तन, कलश लिए बालिकाएँ व महिलाएँ शोभायात्रा के मुख्य आकर्षण थे। माहेश्वरी नवयुवक मंडल जैसलमेर की जोरदार तैयारियों के बीच शोभायात्रा माहेश्वरी सेवा सदन पहुँची। यहाँ विचित्र वेश भूषा, मेहंदी, रंगोली व अन्य प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। पुरस्कार वितरण समारोह में 150 से ज्यादा प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। उसी के साथ एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। महेश नवमी के उपलक्ष्य में पिछले एक महीने से नवयुवक मंडल की तरफ से स्पर्धाओं का आयोजन हुआ। इसमें विजेताओं को पुरुस्कृत किया गया।

महेश नवमी के पर्व पावन अवसर पर
सभी माहेश्वरी बन्धुओं को हमारी हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीकांत भूतड़ा
मो.9414152776

रामकुमार भूतड़ा
महामंत्री
अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा
मो. 9414153043

अमित भूतड़ा
मो.9414415579

कमला ग्रेनाईट इण्डस्ट्रीज

जी-101,रिक्को इण्ड.एरिया तृतीया चरण,जालौर (राजस्थान)
फोन-02973-223956,224043 फैक्स -02973-225376

सहयोगी प्रतिष्ठान

श्रीकान्त ग्रेनाईट्स
जी-100, रिक्को इण्ड.एरिया
तृतीया चरण,जालौर
फोन -02973-224043,
मो.9414152776

आर.के. ग्रेनाईट्स
जयपुर बाईपास रोड,
मदनगंज-किशनगढ़
फोन -01463-250530
मो.9829180971

आर.के. ग्रेनाईट्स
जी-98-99, रिक्को इण्ड. एरिया,
तृतीया चरण, जालौर
फोन-02973-225376, 225377
मो. 9414415579

दिग्विजय ग्रेनाईट्स
जी-221, रिक्को इण्ड. एरिया,
तृतीया चरण,जालौर
फोन-02973-225088,
224198

अहमदाबाद। माहेश्वरी समाज एवं माहेश्वरी युवा मंडल द्वारा महेश नवमी के पावन पर्व पर क्रेझी क्रिकेट प्रतियोगिता, रक्तदान शिविर, मैराथन, वॉकेथॉन, बैडमिंटन, चित्रकला, हस्तकला प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया था। 12 जून को समाज के स्नेह मिलन गोठ का आयोजन सुबह 8 से शाम 8 बजे तक किया गया। मुख्य अतिथि नागपुर निवासी अखिल भारतीय माहेश्वरी सभा के पूर्व महामंत्री श्यामसुंदर सोनी एवं स्वागताध्यक्ष श्यामसुंदर सारडा थे।द्वितीय सत्र में औरंगाबाद के वर्ल्ड रिकार्ड होल्डर गौरव भंडारी और पुना निवासी मांटू गर्ग ने अपने विशेषज्ञता की प्रस्तुति दी। 13 जून को निकली शोभायात्रा में समाजजन बड़ी संख्या में शामिल थे। मंडल अध्यक्ष सी.ए. किरण मणियार ने सफल नेतृत्व किया।

> लोगों को बोलने के लिये प्रेरित करना चाहते हो
> तो इतना स्पष्टकर दो कि
> 'खामोशी' का मतलब है- 'सहमति...'

भुवनेश्वर। माहेश्वरी समाज के स्थापना दिवस 'महेश नवमी' पर उत्कल प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन की ओर से राज्य के विभिन्न स्थानों पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। प्रदेशिक युवा संगठन मंत्री दिनेश करनाणी ने बताया कि बालेश्वर, बारीपदा, भद्रक, ब्रह्मपुर, मालकानगिरि व बरगढ़ आदि में रक्तदान शिविर लगाए गए। इन शिविरों में करीब 350 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। कटक एवं राउरकेला में भी इसी तरह के शिविर लगाकर 170 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। माहेश्वरी समाज के स्थापना दिवस महेश नवमी के अवसर पर जिला माहेश्वरी सभा की ओर से 13 जून को स्थानीय डाकरा विभीषण महादेव मंदिर में महेश नवमी उत्सव मनाया गया। शाम के छह बजे भगवान महेश और हनुमान की प्रतिमा का पूजन और आरती की गई और सुंदरकांड पाठ आयोजित किया गया। अंत में महादेव की आरती के बाद प्रसादी का वितरण हुआ। विष्णुनारायण मल, अध्यक्ष घनश्याम पेड़िवाल, लालचंद मोहता, माणिकचंद मूंधड़ा, दाऊ करणानी, सुनील मूंधड़ा आदि का सहयोग रहा।

महेश नवमी

के पावन पर्व पर सभी सामाजिक बन्धुओं को

हार्दिक शुभकामनाएँ

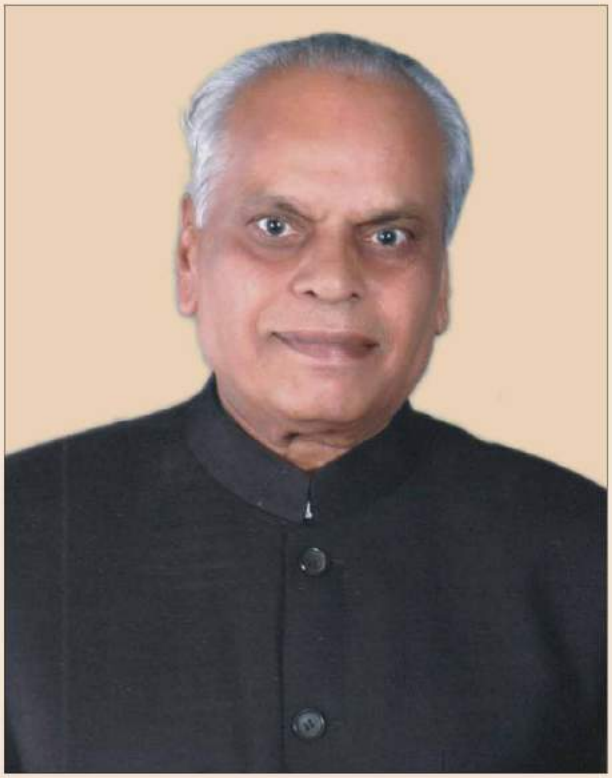

रामनिवास राठी

पूर्व उपसभापति, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

माहेश्वरी ऑफ द ईयर - 2012

35, न्यू क्लॉथ मार्केट, अहमदाबाद (गुज.) , मो. 098250-66687

e-mail : rbrathi35@yahoo.com

नागपुर। नगर माहेश्वरी सभा ने महेश नवमी पर्व धूमधाम से मनाया। पूर्व व पश्चिम नागपुर से रैली निकाली गई, जो मध्य नागपुर में मिलकर एक हो गई। दामोदर पूनमचंद मालू परिवार, डॉ. योगेश साबू परिवार, रतनलाल लाहोटी परिवार, शिवभगवान काबरा परिवार द्वारा स्वागत किया गया। गिरिराज कोठारी परिवार, रमेश गोविंद मंत्री परिवार आदि द्वारा स्वागत किया। दोनों रैली का समागम यशवंत स्टेडियम में हुआ। मुख्य अतिथि नागपुर जिलाध्यक्ष शिवबाबू गांधी थे। दूसरे चरण में शाम 7.30 बजे वसंतराव देशपांडे सभागृह में ग्वालियर से आए चंद्रमोहन नागोरी की प्रमुख उपस्थिति में रंगारंग कार्यक्रम हुए। नगर माहेश्वरी सभा अध्यक्ष रमेश मंत्री, सचिव राजेश बजाज, मुख्य अतिथि चंद्रमोहन नागोरी, संयोजक सोमप्रकाश मंत्री, महिला समिति अध्यक्ष सुनंदा लड्ढा आदि उपस्थित थे। शाम का मुख्य आकर्षण 'पंचतत्व पंचामृत' लघु नाटिका व 90 मेधावियों का सम्मान था।

वर्धा। महालक्ष्मी इस्पात देवली के वर्धा विभाग के अध्यक्ष राधेश्याम लड्ढा माहेश्वरी मंडल द्वारा आयोजित महेश नवमी उत्सव की शोभायात्रा के विशेष अतिथि थे। माहेश्वरी भवन से शोभायात्रा आरंभ हुईं। मार्ग प्रवेश द्वार व आकर्षक रंगोलियां से सजे थे। दरक, केला तथा चितलांग्या परिवार की ओर से शोभायात्रा का विशेष स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन किया प्रकल्प अधिकारी संजय मोहता ने व आभार प्रदर्शन सचिव हर्षा टावरी ने किया। अध्यक्ष हरगोविंद टावरी एवं सचिव गोविंद टावरी ने अतिथि स्वागत किया।

SAMSUNG Zamil Air Conditioners Azure ONIDA LG Tecumseh INALSA Home Appliances IFB HAVELLS Micromax VIDEOCON

shubham ELECTRONICS

Deals in
LFD T.V.	LED TV	AIR Conditioners
Microwave Oven	Washing Machines
Refrigerators	Food Processors
Water Heaters
All Types of Electronic Kitchen Appliances

9, Mahesh Colony, Near Dr. M.P. Agarwal, Bhilwara (Raj.)
Ph.: 01482-224101, 94146-17061, 94138-24101 (M)

।। जय महेश ।। महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ ।। जय महेश ।।

शान्तिलाल कन्हैयालाल इन्द्रमल अभिमन्यु शिवप्रकाश गोपाल विजेन्द्र गोविन्द अविनाश

एवं समस्त खटोड़ परिवार- रायपुर, अहमदाबाद, भीलवाड़ा

TATA TEA

छोटी पत्ती
दे कड़कपन

बड़ी पत्ती
दे स्वाद

पेश है टाटा टी प्रीमियम.
जो हर पैक में दे, दो प्रकार की
पत्तियों का अनोखा मिश्रण.
इसकी छोटी पत्तियां दे कड़कपन,
जो जगाए जोश; और इसकी बड़ी पत्तियां दे
स्वाद, जो दे बेहतरीन ताज़गी.

संगरिया (हनुमानगढ़)। स्थानीय माहेश्वरी सभा, युवा संगठन व महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय महेशोत्सव आयोजित किया गया। इसके तहत 12 जून को प्रतिभा सम्मान समारोह व सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा 13 जून को भगवान शिव के रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। पंचायती धर्मशाला में आयोजित सांस्कृतिक समारोह की शुरुआत सभा अध्यक्ष सीताराम सोमानी, युवा संगठन अध्यक्ष महेश लखोटिया व महिला मंडल अध्यक्ष सरोज राठी द्वारा की गई। 13 जून को श्रीराम पंचायती मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चारण से भगवान शिव का अभिषेक व पूजन करवाया गया। कार्यक्रम में माहेश्वरी सभा अध्यक्ष सीताराम सोमानी, उपाध्यक्ष पवन राठी, सचिव इंद्रकुमार पेड़ीवाल, कोषाध्यक्ष रावतमल लखोटिया, पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल सोमानी आदि उपस्थित थे।

गंजबासौदा। माहेश्वरी समाज द्वारा हितकारिणी धर्मशाला में भगवान शिव का पूजन-अभिषेक कर महेश नवमी मनाई गई। पं. संजय पाठक द्वारा भगवान शिव की पार्थिव प्रतिमा बनाई गई थी। पूजन के बाद समाज के सभी लोगों ने सामूहिक आरती की।

भोग प्रसाद का वितरण किया गया। समाज के अध्यक्ष कैलाश माहेश्वरी व रामनारायण पलोड़ आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

बूंदी। श्री महेश नवमी के अवसर पर भव्य शोभायात्रा श्री माहेश्वरी पंचायत संस्थान के तत्वावधान में निकाली गई। सदर बाजार स्थित श्री कल्याणराय मंदिर में संस्थान अध्यक्ष जगदीश जैथलिया व जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष रेवती रमण बिरला ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना कर शोभायात्रा को रवाना किया। शोभायात्रा में पंचायत सचिव विजेंद्र माहेश्वरी, सहसचिव संजय लाठी, उपाध्यक्ष महावीर काल्या व मोहन तोषनीवाल, कोषाध्यक्ष द्वारका जाजू, प्रचार मंत्री नारायण मंडोवरा आदि कई समाजजन शामिल थे। सात दिवसीय कार्यक्रमों का समापन क्रीड़ा, साहित्यिक, आध्यात्मिक व बौद्धिक, सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विजेता व उपविजेताओं को पुरस्कृत कर किया गया। वहीं शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ठ योग्यता प्राप्त करने वाली प्रतिभाओं का भी सम्मान किया गया। समापन समारोह के अतिथि सत्यनारायण माहेश्वरी, अशोक तोतला व सुरेश जागेटिया थे। श्री महेश युवा मंडल के संयोजन में आयोजित चार दिवसीय माहेश्वरी प्रीमियर लीग डे-नाईट क्रिकेट प्रतियोगिता श्री महेश जयंती महोत्सव का मुख्य आकर्षण रही। प्रतियोगिता का जिला शुभारंभ पुलिस अधीक्षक भुवन भूषण यादव ने किया। श्री महेश उत्पत्ति दिवस पर सामान्य चिकित्सालय बूंदी में युवाओं द्वारा 17 यूनिट रक्तदान भी किया गया।

"तन की खूबसूरती एक भ्रम है
पर सबसेखूबसूरत आपकी 'वाणी' है
चाहे तो दिल 'जीत' - चाहे तो दिल को 'चीर' दे"

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ

।। जय महेश ।।

पेट्रोलियम जगत में ६४ वर्ष से आपकी सेवा में

मैसर्स छगनलाल बगतावरमल

अशोक मून्दड़ा
98281 46248

HP

डीलर : हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन

- पेट्रोल, डीजल, ऑयल खरीद के साथ कई आकर्षक योजनाएँ
- योजना के पंजीयन हेतु व्यक्तिगत सम्पर्क आवश्यक
- विभिन्न योजनाओं में से चयन अधिकार उपभोक्ता स्वयं का
- योजना हेतु दोनों पक्षों के बीच इकरार
- औद्योगिक इकाइयों के लिए विशेष ऑफर
- योजना के लिए ई-मेल करें

चित्तौड़ रोड, रेलवे अण्डर ब्रिज के पास, भीलवाड़ा (राज.)-311001
Ph. 01482-240472, E-mail : hp_clbm@yahoo.com

भगवतीलाल मून्दड़ा
(एडवोकेट)
98281 79141

महेश नवमी के पावन पर्व पर समाज बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएं

सीतादेवी तोषनीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट

ट्रस्टी

नेमीचन्द तोषनीवाल

पूर्व अध्यक्ष

वृहत्तर कलकत्ता प्रादेशिक माहेश्वरी सभा

मदनगोपाल माहेश्वरी

विष्णुगोपाल तोषनीवाल

57-ए, बालीगंज सर्कुलर रोड, कोलकाता-700019

फोन- (नि.) 033-24614925, (कार्या.) 22682676

मो. 094332-77426

सीकर। श्री माहेश्वरी समाज प्रन्यास द्वारा महेश नवमी महोत्सव के अंतर्गत 2 दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन माहेश्वरी भवन में किया गया। 12 जून को जैन ब्लड बैंक के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया गया। शिविर में कुल 151 यूनिट रक्तदान हुआ। इसमें अन्य समाज के महिला- पुरुषों ने भी रक्तदान कर सर्वसमाज की एकता का परिचय दिया। दोपहर 2.30 बजे से रुद्राभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें माहेश्वरी बंधुओं ने भगवान महेश का पार्थिव पूजन व रुद्राभिषेक किया। महेश नवमी के दिन प्रातः हवन पूजन के पश्चात प्रातः 8.30 बजे शाही लवाजमें के साथ भगवान महेश की शोभायात्रा निकाली गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अजय प्रभाशंकर मारु थे। अध्यक्षता समाज प्रन्यास अध्यक्ष महेश होलानी ने की। मंचासीन अतिथियों में समाज प्रन्यास संरक्षक सीताराम बियाणी, सचिव राजकुमार धूत, कार्यक्रम संयोजक गोपाल सोमानी, महिला मंडल अध्यक्ष उमा बियाणी, युवा मंच अध्यक्ष दिनेश काबरा व श्रीमती मारू शामिल थी। शोभायात्रा की झांकियों में भाग लेने वाले बालकों, बालिकाओं व महिलाओं का कूपन के आधार पर लॉटरी द्वारा चयन कर पुरस्कृत किया गया।

मालेगांव। महेश नवमी के उपलक्ष्य में माहेश्वरी प्रगति मंडल द्वारा समाज के मेधावी छात्रों और प्रतिभावान समाजजनों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रमुख मार्गदर्शक के रूप में महासभा के पूर्व महामंत्री श्यामसुंदर सोनी उपस्थित थे। महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा अध्यक्ष सतीश चरखा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश ओला, माहेश्वरी सभा के विभागीय अध्यक्ष रामविलासी बूब, डॉ. रामरतन भंडारी आदि अतिथि के रूप में उपस्थित थे। संचालन और आभार प्रदर्शन शीतल मूंधड़ा और मधुसूदन काबरा ने किया। प्रगति मंडल की अगुवाई में महेश नवमी के अवसर पर भगवान महेश की भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। बालाजी मंदिर में महाआरती के साथ शोभायात्रा का समापन हुआ। प्रगति मंडल के कल्पेश हेड़ा, राधेयश्याम काला, महेश मारू, निशांत मंत्री, कृष्णकांत बडालिया, स्वाति जाखोटिया, डॉ. नरेश चांडक, रवींद्र हरकुट, चंदन गगराणा, अमित जाजू मौजूद थे।

कोलकाता। स्थानीय माहेश्वरी सभा द्वारा माहेश्वरी वंशोत्पति दिवस महेश नवमी के उपलक्ष्य में 102 वां महोत्सव मनाया गया।प्रातः भगवान महेश का रुद्राभिषेक राधादेवी-घनश्यामदास दम्मानी द्वारा किया गया। अशोक कुमार चांडक व गोपालदास राठी ने बताया कि सायंकाल आयोजित अभिनंदन समारोह में श्रीलाल लाहोटी का सामाजिक अभिनंदन एवं दाऊलाल कोठारी को विशिष्ट प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया। सभापति हनुमानदास राठी ने सम्माननीय अतिथि प्रेमरतन बागड़ी, हेमंत बांगड, घनश्यामदास दम्मानी आदि का मंच पर स्वागत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों व भजन संध्या का आयोजन हुआ। बड़ी संख्या में इसमें समाजजन उपस्थित थे।

"जिसकी गाढ़ी कमाई,
कभी घर में चिराग रौशन थे,
वो बूढ़ा, मकान के कोने में,
पुराने सामान सा बैठा है।"

भगवान् महेश की कृपा
सेवा, सदाचार व संस्कार के रूप में
सदा समाज पर बनी रहे
इन्हीं शुभकामनाओं के साथ
महेश नवमी की हार्दिक-हार्दिक बधाई.

कृष्णगोपाल गट्टानी
श्रीमती कौशल्या गट्टानी

Oriental Palace Resorts

DESTINATION WEDDINGS | RESORT | RESTAURANT | LUXURY ROOMS

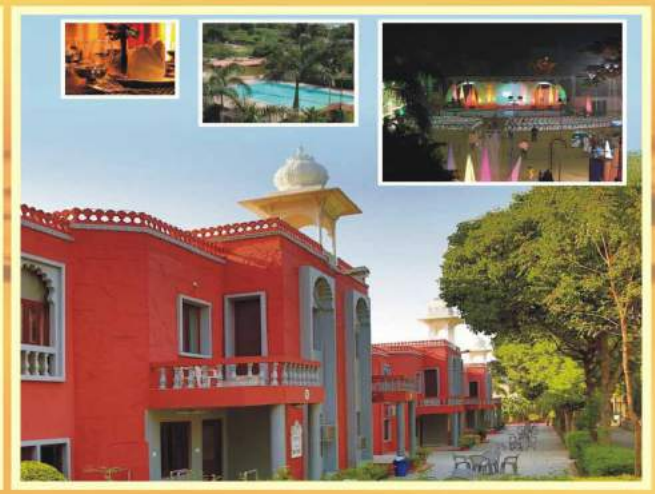

Subhash Nagar, Opp. B.N. College, UDAIPUR (Raj.)
Ph. : +91 294 2412360
E-Mail : bookings@orientalpalaceresort.com
Website : orientalpalaceresort.com

हैदराबाद। श्री माहेश्वरी नवयुवक मंडल एवं महिला मंडल,चप्पल बाजार के तत्वावधान में श्री महेश नवमी महोत्सव का आयोजन पं. नरेंद्र भवन, राजमोहल्ला, काचीगुड़ा में किया गया। मंत्री भरत जाजू ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत रुद्राभिषेक से हुई। प्रभातफेरी के बाद रतनलाल जाजू द्वारा ध्वजारोहण एवं महेश वंदना की गई। सांयकालीन कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष कैलाश काबरा ने मुख्य अतिथि रमेश परताणी, विशेष अतिथि रूपनयन दरक

व समाज बंधुओं का स्वागत करते हुए सभी को महेश नवमी की बधाई दी। विशेष अतिथि का परिचय ओमप्रकाश मंत्री ने दिया। महोत्सव के दौरान मंडल द्वारा वयोवृद्ध समाजजनों का सम्मान किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत गणेश वंदना, महेश वंदना के साथ-साथ नृत्य प्रस्तुत हुए। इस अवसर आयोजित विभिन्न स्पर्धाओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। समर्पित समाजसेवियों का भी सम्मान हुआ।

अमरावती। इस वर्ष भी माहेश्वरी पंचायत की ओर से महेश नवमी उत्सव रजत जयंती वर्ष के साथ मनाया गया। इस अवसर पर लगभग तीन हजार लोगों ने महाप्रसादी का लाभ लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन 9 जून को सुभाष रामकृष्ण राठी के हाथों हुआ। 13 जून तक चले कार्यक्रम में महिलाओं व बच्चों के लिये कई स्पर्धाएं आयोजित की गई। इसमें स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किया गया। महेश नवमी के दिन सुबह 6 बजे समाज की एकता दौड आयोजित हुई। बाद में सुबह 8 बजे पूजा-अर्चना, आरती व प्रसादी वितरण किया गया। शाम को भगवान उमा महेश की भव्य शोभायात्रा निकली। रात्रि 8 बजे रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। विशेष अतिथि रतनलाल अट्टल, सचिव श्री महेश समिति व रामपाल कलंत्री न्यायाधीश जिला उपभोक्ता न्यायालय, अध्यक्ष सुभाष राठी, उपाध्यक्ष जगदीश कलंत्री, सचिव सुरेश साबू, राजेंद्र सोमानी, प्रभा झंवर सहित समस्त कार्यकर्ताओं का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ।

सूरत। माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा सूरत जिला सभा के अंतर्गत आयोजित महेश नवमी पर्व पर प्रातःकालीन शोभायात्रा में माँ अंबे की झांकी प्रस्तुत की गई। इसके साथ संध्याकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम 'भक्ति में शक्ति' नामक एक नृत्य नाटिका माहेश्वरी महिला मंडल (मेन), मुस्कान महिला मंडल व जैसलमेरी महिला ईकाई के संयुक्त प्रयास से प्रस्तुत की गई। अभा माहेश्वरी महासभा के उपाध्यक्ष रामगोपाल मूंदड़ा, भवन समिति के अध्यक्ष किशोर जाजू, जिलाध्यक्ष विनीता काबरा सहित समाज के कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

मधु। स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा महेश नवमी पर्व उल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान नगर में शोभायात्रा निकाली गई। प्लाउडन रोड से शुरु हुई यात्रा सांधी स्ट्रीट, कोतवाली चौक, माणक चौक, मोती चौक होते हुए करीब डेढ़ घंटे के नगर भ्रमण के बाद माहेश्वरी उद्यान पर समाप्त हुई। यहां पर समाज का स्नेह सम्मेलन रखा गया।

"मनुष्य सिर्फ अपने विचारों और संस्कारों से बड़ा बनता है
पैसा तो भिखारी भी कमाता है।"

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त
माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ

।। जय महेश ।।

सुभाषचन्द्र जागेटिया

राकेश जागेटिया
94144-25053

रूपनारायण
तम्बाकू भण्डार

जर्दा, तम्बाकू व बीड़ी के व्यापारी

बाजार नं. 3, भोपालगंज, भीलवाड़ा (राज.)-311001
फोन : 01482-226393

हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई.

मालपाणी उद्योग समूह

MALPANI GROUP

मालपाणी पॅलेस ॲण्ड मालपाणी क्लब ॲण्ड रिसॉर्ट

भंडारदरा रोड, संगमनेर, जि. अ.नगर, फोन - (०२४२५) २२८८५१, ९८८१२ ४६१४४

Malpani Foundation's

DHRUV ACADEMY

K G to XII school affiliated to the CBSE

Phone : 02425 - 260005, 260015 email : info@dhruvacademy.com visit us at : www.dhruvacademy.com

सामाजिक उपक्रम

संगमनेर के सांस्कृतिक धरोहर में चार चाँद लगानेवाला लोकप्रिय आयोजन "संगमनेर फेस्टिव्हल'

सामूहिक विवाहोत्सव' विभिन्न समाजोंको एकसूत्रता की डोर में पिरोनेवाला अभिनव उपक्रम

शहर के विभिन्न भागों में टँकर द्वारा पानी वितरण

निरोगी संगमनेर के लिए 'मच्छर निर्मूलन अभियान'

वृक्षारोपण अभियान से हरे-भरे संगमनेर का स्वप्न साकार

स्वच्छ भारत अभियान में जुटे कर्मचारी

निरोगी एवम् आनंदमय जीवन जीने का मार्ग सिखानेवाले शिविरों का आयोजन

सर्वसुविधा संपन्न अत्याधुनिक कार्डियाक ॲम्ब्यूलन्स द्वारा आपातकालीन सेवा

Giriraj Enterprises, Sangamner-422605, Dist. Ahmednagar (M.S.), INIDIA

अत्तापुर। श्री माहेश्वरी समाज अत्तापुर द्वारा आयोजित महेश नवमी पर्व की अध्यक्षता मनोजकुमार सोमानी ने की। शुभारंभ गोपाल बल्दवा, लालचंद भांगडिया, हरिप्रसाद चांडक, लक्ष्मीनारायण राठी तथा रमेश परतानी के दीप प्रज्वलन से हुआ। स्थानीय डॉक्टरों का स्मृति चिह्नों से सम्मान किया गया। प्रतिभावान विद्यार्थियों को अभिनंदन-पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। बच्चों द्वारा नृत्य व सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए गये। संरक्षक नारायणदास हेड़ा, परामर्शदाता. श्रीनिवास ईनानी, हरिनारायण राठी, अनिल भंडारी, उपाध्यक्ष किशन हेड़ा, नरसिंग दरक, राजेश करवा, आनंद राठी, गोपाल भूतड़ा, मनोज बंग, रमेश गिल्डा आदि का विशेष सहयोग रहा।

"किताब में रखा ज्ञान और दूसरे को दिया धन
काम पड़ने पर न वह विद्या काम आती है
और न वह धन।"

महेश जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

अंकित बांगड़
जिलाध्यक्ष हिन्दु जागरण मंच,
भीलवाड़ा 78910-30000

अनिल कुमार माहेश्वरी
प्रदेश य.उपा. राज. न्यायिक
कर्मचारी संघ 94610-56410

रॉयल दर्जी ROYAL Darjee A COMPLETE STITCHING SOLUTION

Royal Dream Builders
Apne Sapno Ka Aashiyana

ANKIT BANGER GROUP

• Textiles • Retails • Real Estate
• Mining • Food Product

महिला आश्राम स्कूल रोड, कृषि उपज मण्डी चौराहे के पास, निवार फैक्ट्री के सामने वाली गली, भीलवाड़ा

111/ए संजय मित्तल इण्डस्ट्रीयल स्टेट, बिल्डिंग नम्बर 2, मरोल नाका, अंधेरी ईस्ट, मुंबई

लखनऊ। स्थानीय समाज द्वारा महेश नवमी पर्व दो चरणों में मनाया गया। प्रथम चरण में 13 जून को प्रातः कोठी खुनखुन जी चौक, कोणेश्वर महादेव चौक तक शोभायात्रा निकाली गई। मुख्य कार्यक्रम 13 जून को राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। इसमें छोटे बच्चों द्वारा रुद्राष्टक की प्रस्तुति नृत्य नाटिका के रूप में दी गई। महिला मंडल द्वारा सामाजिक विषयों एवं उसके निराकरण से संबंधित लघु नाटिकायें प्रस्तुत की गई। महिला मंडल द्वारा नीम एरां तुलसी के पौधे वितरीत किये गये। रोचक कार्यक्रम प्रश्न मंच का आयोजन हुआ। वैवाहिक जीवन के 50 वर्ष पूर्ण कर चुके युगल दम्पत्तियों व 75 वर्ष के वरिष्ठ समाजजनों को सम्मानित किया गया। सर्वोच्च अंक पाने वाले मेधावी बच्चों को 2100/- रुपये सम्मान राशि से तथा अन्य मेधावी बच्चों को भी पुरस्कृत किया गया।

सिकंदराबाद। माहेश्वरी सेवा संघ, सिकंदराबाद माहेश्वरी महिला संगठन व माहेश्वरी युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय महेश नवमी महोत्सव आयोजित किसा गया। इसमें कई खेल, रचनात्मक, मनोरंजक प्रतियोगिताएँ आयोजित हुईं। संस्था अध्यक्ष गोपाल लाल बंग ने मुख्य अतिथि डॉ. जयप्रकाश मूंदड़ा (विधायक बसमत), रामेश्वरलाल काबरा, भगवती बल्दवा, गोपाल बल्दवा आदि का अभिनंदन किया। संस्था के मंत्री पी.डी. झाखोटिया ने स्वागत भाषण दिया। संस्था द्वारा शैक्षणिक प्रतिभाओं तथा प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। प्रातः 6 बजे से प्रभातफेरी निकाली गई।

महेश नवमी के पावन पर्व पर सभी समाज बन्धुओं को

हार्दिक शुभकामनाएँ

पुरुषोत्तमदास मिमानी

88, बर्तला स्ट्रीट, कोलकाता (प.बं.)-700007

सभी समाज बंधुओं को महेश नवमी की हार्दिक बधाइयां

Transport Contractors & Commission Agents

New **Biyani** Transport Agency

A Unit of New Biyani Transport Agency

Daily Service

»LATUR »BARSHI »OSMANABAD

JUGAL BIYANI

Latur	Osmanabad	Barshi
Sachin Tapadia	Solapur Goods	Valani
Lohoti	Transport	Transport
Compound	Parvez	Agency
9422990011	9890074258	9404800870

H.P. : Unit No. 47-72, New Osmangunj, Hyderabad-12

Tel : 24731843, 24600492 Cell : 9440401158

महेश नवमी के पावन पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएँ

卐 Swastik

Supplying Company

MARRIAGE DECORATORS, UTENSIL'S SUPPLIERS & EXHIBITS SYSTEMS

Anil Lakhotiya

93930-33260, 98490-15470

14-7-362 BEGUM BAZAR, HYDERABAD-500012

Swastik Decor

SERVICES PRIVATE LIMITED

MARRIAGE DECORATORS, UTENSIL'S SUPPLIERS & EXHIBITS SYSTEMS

14-7-362, begum Bazar, HYDERABAD-500012

Tel : 24614196, 93930-33251, 93930-33250

E-mail : swastiksupplying@gmail.com

नीमच। माहेश्वरी समाज में खेलों के प्रति नवजागृति के उद्देश्य से माहेश्वरी महिला मंडल नीमच के तत्वावधान में महेश नवमी पर्व के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय खेलकूद स्पर्धाएं आयोजित हुईं। मंण्डल अध्यक्ष मंजू मंडोवरा व सचिव वंदना मंत्री ने बताया कि इसमें चेयर रेस, लक्की गेम, एक दूजे का बलुन फोड़कर किंग बनना तथा फिल्मी गीतों पर स्पर्धा हुई। साथ ही कार्यकारिणी के लिए लक्की गेम व गुजराती गरबा भी किए गए। उर्मिला दरक, नमिता कालानी, विमला सोनी, सुनीता परवाल, आशा अजमेरा, कीर्ति मंडोवरा, रेखा तोतला, रेणु तातेला आदि का सहयोग मिला।

सीकर। माहेश्वरी युवा मंच द्वारा महेश नवमी महोत्सव के अवसर पर महेश सेवा सप्ताह में सेवा प्रकल्पों का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत पहले दिन 9 जून को श्री गोपीनाथ गोशाला, सीकर में गोसेवा की गई। बीमार व विकलांग गायों की सेवा हेतु माहेश्वरी युवा मंच द्वारा 2 चैन पुलिंग मशीन गोशाला को उपलब्ध कराने हेतु 31 हजार रुपए देने की घोषणा की गई। दूसरे दिन प्रातः 9 बजे सीकर के राजकीय श्री कल्याण अस्पताल में मरीजों को फल, बिस्किट व शीतल पेय का वितरण किया गया। दोपहर 12.30 बजे उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर, सांवली रोड, सीकर में संस्कृत भारती, जयपुर द्वारा चलाए जा रहे संस्कृत प्रशिक्षण वर्ग में भोजन वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। तीसरे दिन परमार्थ आश्रम सीकर में अनाथ बच्चों को भोजन करवाया गया व स्टेशनरी सामग्री, फल एवं बिस्किट वितरित किये गए। अध्यक्ष महेश होलानी, सहसचिव हरिराम सोढ़ाणी, गोपीनाथ गोशाला महामंत्री पन्नालाल सारड़ा, युवा मंच के पवन सोढ़ाणी, विमल सारड़ा, राजकुमार काबरा सहित समस्य सदस्यों का इसमें सहयोग रहा।

हैदराबाद। स्थानीय माहेश्वरी समाज के तत्वावधान में महेश नवमी महोत्सव का आयोजन कोत्तापेट स्थित राजस्थानी फंक्शन हॉल में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्थानीय श्री कन्यका परमेश्वरी मंदिर में भगवान महेश के महाभिषेक के साथ हुई। तत्पश्चात प्रभातफेरी निकाली गई। सायंकाल में आयोजित मंचीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में यशोदा अस्पताल के कैंसर विशेषज्ञ डॉ. सचिन मर्दा उपस्थित थे। अतिथि स्वागत अध्यक्ष राधेश्याम नवाल ने किया। महेश वंदना, गणेश वंदना, नृत्य के साथ कैरम, चेस, बैडमिंटन तथा पुरुषों के लिए क्रिकेट स्पर्धा का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं व प्रतिभावन विद्यार्थियों का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन हनुमान सोमाणी ने किया।

कोलकाता। स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा माहेश्वरी भवन में महेश नवमी कार्यक्रम का शुभारंभ कमल लखोटिया, गणेशदास सादानी, गोपालदास सादानी एवं हरिकिशन मोहता के हाथों भगवान महेश के चित्र पर माल्यार्पण से किया गया। कलाकार दुर्गा कोठारी, अमिताभ माहेश्वरी एवं महेश दम्मानी ने भजनों की प्रस्तुति दी। तत्पश्चात् समाज का सहभोज हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में पुरुषोत्तमदास मिमानी, बुलाकीदास मिमानी, पुरुषोत्तम मूंधड़ा, सुरेश बागड़ी, सुरेंद्र मूंधड़ा, श्रीलाल दम्मानी, शंकर भट्टड़, प्रेमरतन पुगलिया सहित समस्त कार्यकर्ताओं का सहयोग रहा।

महेश नवमी के पावन पर्व पर सभी माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाइयाँ

महावीर प्रसाद अजमेरा

- अध्यक्ष - तहसील माहेश्वरी सभा, हुरड़ा (भीलवाड़ा)
- पूर्व सरपंच - ग्राम पंचायत, भोजरास (भीलवाड़ा)
- पूर्व अध्यक्ष - सरपंच संघ, तहसील-हुरड़ा (भीलवाड़ा)0

M. 094130-53860

WIZWORTH INTERNATIONAL PVT. LTD.
Delhi (NCR) | Borivali (Mumbai) | Gulab Pura (Bhilwara)
M. +91 88266 35000

Sanwariya Industries
Bhojras, Gulab Pura, Bhilwara (Raj.),
Ph. 01483-224596

CA सौरभ अजमेरा
- सहमंत्री, दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन, मो. 090044-96859
- कार्यकारिणी सदस्य, राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन

Ajmera & Ajmera Chartered Accountants
Delhi (NCR) | Borivali (Mumbai) | Gulab Pura (Bhilwara)
Ph. 022-65196859

With Best Compliments From

Babuprasad Khatod
Vice President
A.B. Maheshwari Seva Sadan
Mo. : 098240-37004

B.R. Metal & Alloys
(Guj.) Pvt. Ltd.

Ghanshyam Metal Udyog
F-4, New Madhavpura Market, Nr. Police Commissioner Office Shahibaug Road, Ahmedabad-4
Ph. : (O) 25631971, 25631976, 25631977, (W) 22900074, 22901689 (R) 22865106 Fax (O) 25633960
Email : ridhisidhi1@icenet.net

सभी देशवासियों को महेश नवमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ

बनवारीलाल जाजू
अध्यक्ष- गीता भवन ट्रस्ट, इन्दौर
भू.पू. उपसभापति- अ.भा. माहेश्वरी महासभा

Indore Ice & Cold Storage Pvt. Ltd.
आलू एवं किराना वस्तुओं के संरक्षण हेतु आधुनिक कोल्ड स्टोरेज

Regd. Off. : 115-B, Industrial Estate, Indore (M.P.) - 452005
Cold Storage : A.B. Road, Post-Rajendra Nagar, Indore (M.P.) - 452012
Phone : Cold St. 2330810, 2330564, Regd. **Off. :** 2421014, 2421114
Residence : 2516540-41-42, **E-mail :** indoreice@yahoo.co.in

वरंगल। मूंदड़ा भवन में वरंगल माहेश्वरी समाज द्वारा महेश नवमी पर्व सुबह शोभायात्रा, ध्वजारोहण, शिव अभिषेक तथा अन्नदान के साथ मनाया गया। शाम 6 बजे मंच कार्यक्रम शुरू हुआ। अतिथि सचिन डागा व धनराज बजाज का सम्मान राजस्थानी पगड़ी, शॉल, श्रीफल व चित्रपट देकर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजीव त्रिवेदी का भी सम्मान हुआ। इस अवसर पर जिला परिचय पुस्तिका का विमोचन व माहेश्वरी समाज वरंगल की वेबसाइट का उद्घाटन भी अतिथियों ने किया। अध्यक्ष प्रहलाद सोनी ने सभी का अभिनदंन किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रमेश बंग, जिलाध्यक्ष गोपाल तोष्णीवाल, जिला मंत्री बृजगोपाल लाहोटी, युवा संगठन अध्यक्ष आदित्य बजाज, महिला मंडल अध्यक्ष सुनीता मालाणी आदि ने भी संबोधित किया। वेबसाइट को निःशुल्क रूप से सुनील जाजू ने तैयार किया। इसके लिए समाज ने उन्हें भी सम्मानित किया। पुस्तक विमोचन पर संपादक नवलकिशोर मणियार, सहसंपादक जितेंद्र मूंदड़ा व सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्याम जाखोटिया, नवलकिशोर मणियार व विष्णुकुमार बलदवा ने किया।

महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

।। जय महेश ।।

।। जय महेश ।।

ओमप्रकाश काबरा

M. 94141 15230

अध्यक्ष- भीलवाड़ा क्लॉथ मर्चेण्ट एसोसिएशन, भीलवाड़ा
अध्यक्ष- निःस्वार्थ सेवा संस्थान, भीलवाड़ा
व. उपाध्यक्ष- माहेश्वरी युवा संगठन, भोपालगंज, भीलवाड़ा
महामंत्री- भारतीय जनता पार्टी, व्यापार प्रकोष्ठ, भीलवाड़ा जिला

L.S. INDIA A Station of Suitings & Shirting

Near Bada Mandir, Bhilwara (Raj.), M. 94141 15230

धार। माहेश्वरी समाज ने महेश नवमी पर्व गोशाला में गोमाता के पूजन व घास खिलाकर मनाया। इसके बाद सिद्धनाथ मंदिर में भगवान महेश का अभिषेक, पूजन, आरती की गई। समाज के मेधावियों का पारितोषिक प्रदान कर सम्मान किया गया। महिला मंडल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रदेश कर सलाहकार संगठन संरक्षक महेशचंद्र माहेश्वरी की उपस्थिति में इस अवसर पर संगठन के चुनाव हुए। इसमें सर्वसम्मति से सुभाष माहेश्वरी (गिलड़ा) अध्यक्ष एवं कृष्णकांत झवंर महामंत्री चुने गए। महिला मंडल अध्यक्ष अलका सोमानी एवं सचिव सपना धूत नियुक्त हुईं। युवा संगठन अध्यक्ष रवि माहेश्वरी (परवाल) एवं सचिव जय झंवर बने। समाज ने पुरुषार्थ के लिए जय श्री महेश सोशल ग्रुप गठित किया तथा सर्वसम्मति से महेशचंद्र माहेश्वरी को इस संगठन का अध्यक्ष बनाया।

हापुड़। जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा जिला माहेश्वरी सभा, नगर व महिला संगठन के सहयोग से माहेश्वरी उत्पत्ति दिवस 'महेश नवमी' पर्व धूमधाम से मनाया गया। इसका आयोजन माहेश्वरी मंदिर, आर्य नगर में किया गया। शाम को 21 जोड़ों ने भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया। रुद्राभिषेक के बाद पूरे समाज के लोगों ने प्रसादी का लाभ लिया। आयोजन को सफल बनाने में शरद भट्टर, ऋतुराज कौशिक, गौरव तापड़िया, राकेश, आशीष, प्रशांत, विनीत माहेश्वरी, अंकुर, राहिल, राकेश, आशीष आदि का विशेष सहयोग रहा।

"दिखाई कब दिया करते हैं, बुनियाद के पत्थर,
जमीं में जो दब गये, इमारत उन्हीं पे कायम है।"

McLEOD RUSSEL

Believe in tea

McLEOD RUSSEL INDIA LIMITED

Four Mangoe Lane, Surendra Mohan Ghosh Sarani, Kolkata-700 001

Tel : +91 33 22487100, 22101221, 22489435, **Fax :** + 91 33 22488114, + 91 33 22486824

email. administrator@wmg.co.in, teasales@wmg.co.in

website : www.mcleodrussel.com

ASSAM ESTATES

Addabarie	Behora	Corramore	Dufflaghur	Koomasong	Nilpur	Rajmai
Attabarrie	Bhooteachang	Dehing	Halem	Mahakali	Nya Gogra	Rupajuli
Attareekhat	Bogapani	Dekorai	Harchurah	Margherita	Paneery	Samdang
baghjan	bordubi	Dimakusi	Hunwal	Mijicajan	Pertabghur	Sepon
bargang	Borengajuli	Dirai	Itakhooli	Monabarie	Phillobari	Tarajulie
Beesakopie	Boroi	Dirial	Lepetkatta	Moran	Phulbari	Tezpore &
Behali	Bukhial	Dirok	Keyhung	Namdang	Raidang	Gogra

DOOARS ESTATES

Bhatpara Central Dooars Chuapara Jainti Mathura

PHU BEN TEA COMPANY LIMITED (VIETNAM)

(A Subsidiarya Of Mcleod Russel Limited)

Dan Hung Ha Hoa Phu Tho Van Linh

McLEOD RUSSEL UGANDA LIMITED

Ankole Bugambe Kiko Muzizi Mwenge

GISOVU TEA COMPANY LIMITED (REWANDA)

Gisovu

WM *A Williamson Magor Group Enterprise*

श्रीरामपुर (महाराष्ट्र)। महेश नवमी विविध आयोजन के साथ मनाई गई। इसमें पौधारोपण, रक्तदान शिविर, जल है तो कल है विषय पर चित्रकला स्पर्धा आदि का आयोजन हुआ जिसमें 5 से 40 वर्ष के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सुबह प्रभातफेरी के साथ भगवान महेश की शोभायात्रा निकाली गई। शाम को स्पर्धाओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। महाप्रसादी के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। श्रीरामपुर तालुका माहेश्वरी सभा अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण लड्ढा, सचिव चेतन भूतड़ा, उपाध्यक्ष संदीप बूब, संदीप मूंदड़ा, प्रगति मंडल अध्यक्ष सोमनाथ मूंदड़ा, युवा संगठन अध्यक्ष योगेश करवा, राजस्थानी महिला मंडल अध्यक्ष छाया झंवर, श्रीरामपुर के उपनगराध्यक्ष श्रीनिवास बिहाणी आदि का सहयोग रहा।

ऋषिकेश। महेश नवमी पर्व माहेश्वरी मंडल द्वारा त्रिवेणी घाट पर मनाया गया। अध्यक्ष ओमप्रकाश माहेश्वरी ने इस पर्व की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मीरा बिड़ला माहेश्वरी महिला अध्यक्ष द्वारा सभी बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए गये। महेश वंदना महक राठी ने प्रस्तुत की। प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

हरदा। स्थानीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा 10 से 13 जून तक 4 दिवसीय श्री महेश नवमी महोत्सव का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत योगगुरु कृष्णमुरारी कोठारी के मार्गदर्शन में त्रिदिवसीय निःशुल्क योग शिविर का आयोजन किया गया। इसके साथ ही रक्तदान शिविर, विभिन्न क्रीड़ा, कला तथा सांस्कृतिक स्पर्धाओं का भी आयोजन किया गया जिसमें सभी वर्ग की प्रतिभाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन अवसर पर स्पर्धाओं के विजेताओं व शैक्षणिक प्रतिभाओं का सम्मान तथा सहभोज आयोजित किया गया। इस आयोजन में अध्यक्ष गिरीराज तोतला के नेतृत्व में समस्त पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने सहयोग दिया।

बीकानेर। महेश नवमी पर्व पर बीकानेर में सुबह मंडल कार्यालय में भगवान महेश की पूजा श्रीकृष्ण माहेश्वरी मंडल ने की। बिनाणी बगीची में भगवान शिव का अभिषेक किया गया। बीकानेर माहेश्वरी सभा (शहर इकाई) ने डागा चौक स्थित महेश भवन में रक्तदान शिविर लगाया। संयोजक नवल राठी व सहसंयोजक पवन राठी के साथ मोहित करनाणी, गौरव मूंधड़ा, आशीष तापड़िया, राम तापड़िया, सुनील सारड़ा, पवन दम्माणी, सावन कुमार, लोकेश करनाणी, विमल दम्माणी, रघुवीर झंवर, जगदीश राठी ने सहयोग प्रदान करते हुए 135 यूनिट रक्तदान करवाया।

श्रीकृष्ण माहेश्वरी मंडल, प्रीति क्लब, बीकानेर जिला माहेश्वरी महासभा, शहर सभा बीकानेर, बीकानेर जिला माहेश्वरी युवा संगठन, शहर संगठन बीकानेर, माहेश्वरी महिला समिति बीकानेर, नवयुवक मंडल के तत्वावधान में शाम 5 बजे माहेश्वरी सदन से सचेतन झांकियों की शोभायात्रा निकली जो महेश भवन पहुंची। समाजजन इसमें ड्रेस कोड के साथ शामिल हुए। यात्रा के महेश भवन पहुंचने पर भगवान महेश की महाआरती की गई। रात 8 बजे से श्रीकृष्ण माहेश्वरी मंडल अध्यक्ष नारायण बिहाणी के नेतृत्व में पुगल रोड स्थित माखन भोग, उत्सव कुंज में भजन संध्या व महाप्रसादी का आयोजन हुआ। मंडल अध्यक्ष नारायण बिहाणी ने बताया कि उत्तरी प्रादेशिक माहेश्वरी महिला समिति प्रदेषाध्यक्ष किरण झंवर के नेतृत्व में 'जल ही जीवन है' तथा 'जल संरक्षण का महत्व' विषय पर डॉक्यूमेन्ट्री का प्रदर्शन सरिता चांडक व आशीष तापड़िया द्वारा प्रोजेक्टर से किया गया। भजन संध्या में समाज के प्रमुख गायक कलाकार ताराचद दरगड़, नारायण बिहाणी, गोपाल भट्टड़, भतमाल पेड़ीवाल, प्रियंका बागड़ी ने भजन प्रस्तुत किए।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित
।। जय महेश ।।
सोना सिक्का सुपर फाइन बेसन
।। जय महेश ।।
बसन्त दाल मिल्स
बसन्त कुमार नुवाल
भोपालगंज, भीलवाड़ा (राज.) 311001
फोन - 01482-227892, मो. 098291-14725

।। जय महेश ।।

माहेश्वरी समाज का यह
उत्पत्ति पर्व
नव उत्साह व नवशक्ति
का संचार करे

महेश नवमी महापर्व की
हार्दिक शुभकामनाऐं

सुनील मूँदड़ा

महामन्त्री
अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर
मो. 098299-05529

महेश सहकारी बँक लि., पुणे

मुख्यकार्यालय : ३७२/७३/७४, मार्केटयार्ड, गुलटेकडी, पुणे – ४११०३७.
दुरध्वनी : २४२६३३४१/४२/४३, फॅक्स : ०२० – ६६०२३६५६
Website : www.maheshbankpune.in • E-mail : maheshbank@vsnl.net

आमची वैशिष्ट्ये

- कोअर बँकिंग • एटी ब्रँच बँकिंग • ई-मेलद्वारा खाते उतारा
- बँकेच्या स्थापनेपासून सातत्याने नफा
- रु. १,००,००० पर्यंतच्या ठेवींना विमा संरक्षण
- ग्राहकांना RTGS / NEFT या द्वारे पैसे तातडीने अन्य शहरात पाठविण्यासाठीची किंवा जमा होण्याची सुविधा.
- बँकेच्या एकूण १५ शाखा – पुणे शहरात ११, काळबादेवी रोड, मुंबई येथे १, इचलकरंजी जि. कोल्हापूर येथे १ , लातूर येथे १ व भिवंडी येथे १ शाखा कार्यरत.
- देशभरातील १.२५ लक्ष ए.टी.एम. शी जोडलेली/ बाजारात थेट खरेदीसाठी – रुपे डेबिट कार्ड सुविधा
- आधार लिंकिंग शासकीय अनुदाने जमा होण्याची सोय.
- नेट बँकिंग सुविधा लवकरच उपलब्ध

ठेव व्याजदर

कालावधी	सर्व सामान्य/सहकारी व विश्वस्त संस्था	ज्येष्ठनागरीक
१५ दिवस ते ९० दिवस	६.००%	६.००%
९१ दिवस ते १८० दिवस	७.००%	७.००%
१८१ दिवस ते ३६४ दिवस	७.७५%	७.७५%
१२ महिने ते १८ महिन्यांपर्यंत	८.५०%	९.००%
१८ महिन्यांचे पुढे... २४ महिन्यांपर्यंत	९.००%	९.२५%
२४ महिन्यांचे पुढे... ३६ महिन्यांपर्यंत	८.२५%	८.२५%
३६ महिन्यांचे पुढे	८.००%	८.००%

दि. ३१.०३.२०१६ अखेर

ठेवी – रू. ५८५ कोटी | कर्जे – रू. ३९१ कोटी | सी.आर.ए.आर. – १६.५४% | निव्वळ एन.पी.ए. – ०% | ऑडिट वर्ग – अ

मा. श्री. जुगलकिशोर मालू, चेअरमन | मा.श्री. राजेंद्र का. देशपांडे, मुख्य कार्यकारी अधिकारी | मा. श्री. जुगलकिशोर पुंगलिया, व्हा. चेअरमन

शाखा

नाना पेठ : २६३३६४५५	मार्केटयार्ड : २४२७२२१४	कर्वे रोड : २५४३८८९१	पिंपरी-चिंचवड : २७४७१९९४	सिंहगड रोड : २४६०६४४१
लक्ष्मी रोड : २४४५६८३१	रविवार पेठ : २४४५६८१५	कर्वेनगर : २५४३४८९०	पुणे कॅम्प : २६३३३८६१	औंध : ६५२७२७९१
हडपसर : २६८७८०००/०१	मुंबई : ०२२ – २२४०७५१५	इचलकरंजी : ०२३०-२४३३०३३	लातूर : ०२३८२-२५०४४०	भिवंडी : (०२५२२) २३८१७६

६.१६

नांदुरा। तालुका माहेश्वरी संघटन द्वारा 'महेश नवमी' का दो दिवसीय उत्सव 12 व 13 जून को आयोजित किया गया। दोनों दिन प्रातः 6 बजे श्री बालाजी मंदिर से प्रभातफेरी निकाली गई। तत्पश्चात सुबह 7.30 बजे बालाजी मंदिर में नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजित किया गया। विविध शैक्षणिक परीक्षाओं में विशेष प्रावीण्य प्राप्त विद्यार्थियों का सत्कार किया गया तथा प्रमाण पत्र बांटे गए। इसके पश्चात धर्म जागरण महिला विभाग, अमरावती की प्रमुख नीता कलंत्री द्वारा समाज के ज्वलंत विषय पर प्रबोधन दिया गया। 13 जून को प्रातः 6 बजे स्वच्छता अभियान अंतर्गत नगर के नये बस स्टैंड परिसर में साफ-सफाई की गई। सुबह 7 बजे भगवान महेश की महापूजा की गई। सुबह 10.30 बजे युवा संगठन द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 26 युवकों ने रक्तदान किया। शिव महिम्न पाठ के पश्चात शाम 5 बजे भगवान महेश की शोभायात्रा निकाली गई। शाम 7.30 बजे महाप्रसादी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में तहसील माहेश्वरी संगठन अध्यक्ष विट्ठलदास डागा एवं महेश नवमी उत्सव समिति संयोजक नवलकिशोर राठी के नेतृत्व में सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त हुआ।

महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

कमलेश दरगड़

75682 78385, 94602 01385

संयोजक - श्री आर्दश गोकुल विहार सोसायटी, भीलवाड़ा
सचिव - श्याम विहार सेवा समिति, भीलवाड़ा
सह-सचिव - माहेश्वरी युवा संगठन (शास्त्री नगर),भीलवाड़ा
सह-सचिव - दरगड़ परिवार सतीमाता ट्रस्ट बनेड़ा, भीलवाड़ा
प्रचार प्रसार मंत्री - श्री गणेश बचत एवं साख समिति, भीलवाड़ा

Shree Ganesh Assocites

Sales & Purchase
Converted Plot, Building & Agriculture Properties

Consultency
Home Loan, LIC Of India, Civil Work

Office : Harni Mahadev Road, Bhilwara (Raj.) 311001
Residence : G-102/24, Shyam Vihar (Shashtri Nagar) Bhilwara
E-mail : dargarbhl.2009@rediffmail.com
dargarbhl.2009@gmail.com

बेगमपल्ली। महेश नवमी उत्सव स्थानीय माहेश्वरी भवन में मुख्य अतिथि डॉ. खूबचंद जाखोटिया की उपस्थिति में मनाया गया। आदिलाबाद जिला माहेश्वरी समाज अध्यक्ष मूलचंद चितलांगिया, आं.प्र. माहेश्वरी समाज के उपमंत्री श्यामसुंदर लोया, बेलमपल्ली गौरव अध्यक्ष हरिकिशन सोनी आदि विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अध्यक्षता कमल किशोर सारड़ा ने की। इस अवसर पर 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों का पगड़ी पहनाकर सम्मान किया गया। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। इस उपलक्ष्य में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। अंत में सहभोज का आयोजन किया गया।

हैदराबाद। माहेश्वरी मित्र मंडल बेला गोलीपुरा द्वारा श्री महेश नवमी महोत्सव का आयोजन बेला कॉलोनी स्थित जैन भवन में किया गया। इसमें भगवान महेश-पार्वती की शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें समाजबंधुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मुख्य अतिथि श्यामसुंदर जाजू तथा विशेष अतिथि विनोद बंग थे। कार्यक्रम में किशन लड्ढा, अमृतलाल सारड़ा व वरिष्ठ सदस्य भगवानदास चितलाणी ने भी भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन रमेश सारड़ा ने किया। इस अवसर पर जरूरतमंद विद्यार्थियों को पुस्तकें भी बांटी गईं। सहभोज के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। संस्था अध्यक्ष राहुल कासट, उपाध्यक्ष रामेदव लड्ढा, मंत्री राजेश काबरा, सहमंत्री संजय सारड़ा, कोषाध्यक्ष जय तापड़िया, सदस्य विजय तापड़िया, ब्रजगोपाल लड्ढा, मुरली मनोहर लोहिया, घनश्याम राठी सहित समस्त सदस्यों का सहयोग रहा।

लखनऊ। महेश नवमी उत्सव के अंतर्गत राजस्थानी कल्चर में महिलाओं की झटपट तैयार होना, शिवजी-पार्वती की थीम पर तम्बोला, वन मिनट, बच्चों की वेस्ट सामान से कुछ भी वस्तुएं बनाना व बच्चों की वन मिनट प्रतियोगिता आदि आयोजित की गई। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार भी दिया गया। उसके पश्चात सभी लोगों ने स्वल्पाहार किया। नीना समदानी ने आभार व्यक्त किया। तनु लड्ढा ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

महेश नवमी के पावन पर्व की हार्दिक-हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

।। जय महेश ।।

।श्री: श्रियै नमः।
।।श्रीमते रामानुजाय नमः।।

।। जय महेश ।।

रंगनाथ न्याती
पूर्व उपसभापति
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

मे. रंगनाथ एण्ड कम्पनी
पेट्रोलियम एवं
डिटर्जेन्टस
आगरा-बाम्बे रोड धामनोद-धार
फोन - 222062, 233065

श्री माहेश्वरी ट्रेडर्स
आटोमोटिव एण्ड
इण्डस्ट्रीयल ल्यूब
48, शास्त्री मार्केट, इन्दौर
फोन- 2534276, 2432027

श्री हंस ट्रेडर्स
कॉटन मर्चेन्ट एण्ड
कमीशन एजेन्ट
न्याती निवास, धामनोद-धार
फोन - 233065

श्रीनाथ जीनिंग एण्ड प्रेसिंग फेक्ट्री
आगरा-बाम्बे रोड, धामनोद-धार
फोन - 222262

श्री माहेश्वरी इन्टरप्राईजेस
इदेमित्सु ऑईल
17, शास्त्री मार्केट, इन्दौर
फोन - 2541262, 2543865

अफाईन फार्मूलेशन प्रा.लि.
यू.जी. 3/4, हाईवे टॉवर, इन्दौर
फोन - 4239376, 4098747

AN ISI 9001 : 2008 Company

DIVYA JYOTI INDUSTRIES LTD.

कार्पोरेट ऑफिस : 92/3, सपना-संगीता मेन रोड, आकाशदीप कॉम्प्लेक्स के सामने, इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 0731-4010900-901, फैक्स : 0731-4010902

श्री द्वारिकाधीश विजयते

भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि

द्वारकाधाम

में 'श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट' द्वारा संचालित
अत्याधुनिक सुविधायुक्त एकमात्र माहेश्वरी अतिथि गृह

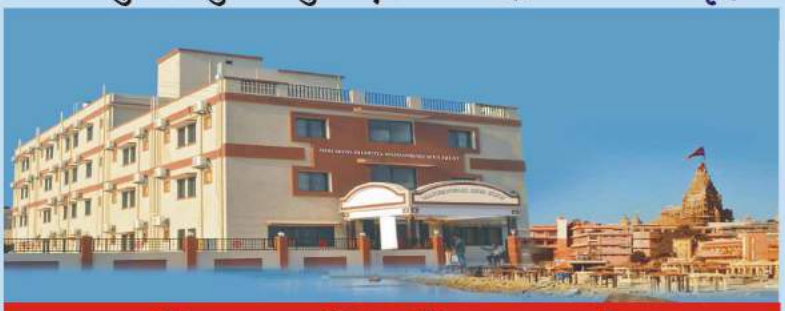

माहेश्वरी सेवा कुंज

21, द्वारकेश पार्क सोसायटी (अम्बुजा प्लाट), नागेश्वर रोड, देवभूमि द्वारका-361335 (गुजरात),
दूरभाष- 02892-235553 / 235554, मो. 097271-22111
E-mail : maheshwarisewakunj@gmail.com

आप अपना आरक्षण ई-मेल अथवा फोन से करवा सकते हैं

उपलब्ध सुविधायें

- ए.सी. व टी.वी. से सुसज्जित 47 डबल बैडरूम (अटैच्ड लैट, बॉथ)।
- 4 फैमिली ए.सी. हॉल (6 व्यक्तियों की क्षमता वाले)।
- अत्याधुनिक किचन के साथ वातानुकुलित भोजनशाला।
- वाई-फाई सुविधा से युक्त पूरा भवन
- विभिन्न मंजिलों पर जाने के लिये दो लिफ्ट की सुविधा।
- स्वच्छ आर ओ पेयजल की सुविधा
- भव्य एयरकंडीशन सत्संग हॉल।
- कार पार्किंग की सुरक्षित व्यवस्था।

श्यामसुंदर कासट (अध्यक्ष)
मो.- 098315-55555

रामस्वरूप जैथलिया (महामंत्री)
मो.- 096490-79999

विनोद कुमार बांगड (कोषाध्यक्ष)
मो. 094142-12835

नागफेम जेसीस द्वारा व्यक्तित्व विकास शिविर का हुआ आयोजन

नागपुर। नागफेम जेसीस द्वारा भारतीय जेसीस के तत्वावधान में राष्ट्रीय व्यक्तित्व विकास शिविर आयोजित किया गया। इसमें राजस्थान, मप्र, छग, व महाराष्ट्र सहित देशभर से आए 300 बच्चों ने भाग लिया। समापन के वेलिडेटरी सेशन कार्यक्रम में राष्ट्रीय चेयरपर्सन राजश्री वर्मा, नागफेम अध्यक्ष वर्षासिंह चंदेल, देवेंद्र पारेख, समाजसेवी शरद बागड़ी, शीतल गांधी आदि मौजूद थे। सुश्री गांधी ने श्री बागड़ी का परिचय दिया तथा शुभांगी बोरकर ने पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। श्री बागड़ी ने अपने उद्बोधन में बच्चों को परिवार में अंहकार पर अंकुश रखकर सामंजस्य बनाकर काम करने की सलाह दी। अतिविशिष्ट पुरस्कार पाने वालों को श्री बागड़ी के हाथों पुरस्कृत किया गया।

चारभुजानाथ मंदिर का मना पाटोत्सव

भीलवाड़ा। संजय कालोनी महिला मंडल के द्वारा चारभुजा मंदिर के निर्माण के 15 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पाटोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें 5 जून को दोपहर में भजन का कार्यक्रम रखा गया। भजन की प्रस्तुति सीमा सोनी के द्वारा दी गई। अध्यक्ष कांता मैलाना ने सभी सदस्यों व भक्तों को धन्यवाद दिया व सचिव अनिता नौलखा ने सभी सदस्यों का तिलक लगाकर स्वागत किया। आशा डाड, मधु लढा, रेणु जागेटिया आदि का सहयोग रहा। 6 जून को प्रातः रामायण पाठ, 7 जून को रात्रि 8 बजे सुंदरकांड पाठ, 8 जून को प्रातः हवन तथा 9 जून प्रातः से अभिषेक एवं हवन चला। इसके पश्चात खड़ेश्वर महाराज के सान्निध्य में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा की समाप्ति के पश्चात भोजन प्रसादी का आयोजन रखा गया, जिसमें सभी धर्मप्रेमीजनों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में चारभुजा सेवा समिति का भी सहयोग प्राप्त हुआ।

राजेश माहेश्वरी का उपन्यास विमोचित

जबलपुर। शहर के उद्योगपति, साहित्यकार एवं चिंतक राजेश माहेश्वरी द्वारा लिखित उपन्यास 'रात 11 बजे के बाद' का विमोचन गत दिनों किया गया। उद्योग जगत से संबंधित रोमांचक घटनाओं पर आधारित इस उपन्यास का प्रकाशन पीएम पब्लिकेशन दिल्ली द्वारा किया गया। इसके पहले भी लेखक की क्षितिज, जीवन कैसा हो व मंचन कविता संग्रह तथा परिवर्तन, वे 72 घंटे, हम कैसे आगे बढ़ें, प्रेरणा पथ आदि कहानी संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। श्री माहेश्वरी परफेक्ट उद्योग समूह, साउथ एवेन्यू मॉल एवं मल्टीप्लेक्स व सेठ मन्नूलाल जगन्नाथ दास चेरिटेबल हॉस्पिटल ट्रस्ट में डायरेक्टर हैं। आप जबलपुर चेंबर ऑफ कॉमर्स एवं इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं एलायंस क्लब इंटरनेशनल के अंतरराष्ट्रीय संयोजक के पद पर भी रहे हैं। इसके साथ ही आपने अमरीका, चीन, जापान, जर्मनी, फ्रांस, इंग्लैंड, सिंगापुर, बेल्जियम, नीदरलैंड, स्विटजरलैंड, हांगकांग आदि देशों की यात्राएँ की हैं।

"'हुनर' सड़कों पर 'तमाशा' करता है और 'किस्मत' महलों में 'राज' करती है।"

With Best Compliments from

Superply

WATERPROOF BWP

ISO 9001

CONFORM TO EUROPEAN STANDARD : EN 13986

KAY Marketing Services Ltd.

Exporter / Importer of Plywood & Multi-Products

Deviprashad Pradeepkumar
Kanak Exim Pvt. Ltd.
Kanak Export India

Distributors of Asarwa Mills

Exclusive Fancy Suiting & Shirting

Address : 78, New Cloth Market, Ahmedabad-380 002, Gujarat, India
Tel : (Off.) 079-2216 8775, 6630 2078, (Resi.) 079-2791 3331, 2791 3846
Mobile : 098240-15506, 093761-17644
E-mail : kanak_exim@yahoo.co.in, naresh@kanakexports.com

हैदराबाद। आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संघटन ने श्री महेश नवमी पर तीन दिवसीय प्रादेशिक गली क्रिकेट का आयोजन किया। संघटन मंत्री दीपक बंग ने बताया कि इसमें शहर के विभिन्न क्षेत्रों से टीमें आईं। कुल मिलाकर 16 टीमें आईं। कार्यक्रम संयोजक रूपेश सोनी व द्वारका असावा ने अध्यक्ष अमित लड्ढा व गोपाल भंडारी के सहयोग में इसे भव्य रूप दिया। कोषाध्यक्ष महेश बजाज, कैलाश मंत्री, श्याम लोया के प्रयासों से दानदाताओं को जोड़ा गया। संचालन अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी समाज के कार्यकारिणी सदस्य विनोद बंग ने किया। रमेशकुमार बंग कार्यक्रम के परामर्शदाता रहे।

> फूल कितना भी सुन्दर हो, तारीफ खुशबू से होती है,
> इंसान कितना भी बड़ा हो, कद्र उसके गुणों से होती है।

नोएडा। माहेश्वरी समाज नोएडा द्वारा 13 जून को महेश नवमी पर्व पर सामूहिक रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। 40 से अधिक परिवारों ने सामूहिक रुद्राभिषेक किया। समाज अध्यक्ष प्रकाश इनाणी ने बताया नोएडा व समीपवर्ती क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर मीठे शीतल पेय की व्यवस्था भी की गई। विभिन्न कार्यक्रमों में समाज सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। संस्थापक आरपी सोनी, अध्यक्ष प्रकाश इनाणी, महासचिव अरविंद सांवल, कोषाध्यक्ष राकेश माहेश्वरी, दिनेश माहेश्वरी, जी.सी. माहेश्वरी, कपिल लखोटिया, दीपक माहेश्वरी, विजय सोनी, सुशील चांडक, आरपी माहेश्वरी, एनके मालपानी, बसंत सोनी, अजीत परवाल आदि मौजूद थे।

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को
हार्दिक शुभकामनाएँ

अशोक भूतड़ा
अध्यक्ष
विक्रमादित्य नागरिक सहकारी बैंक, उज्जैन

अशोक ब्रदर्स
ब्रोकर्स एंड क्लॉथ मर्चेंट

ए-152, विक्रमादित्य मार्केट, उज्जैन (म.प्र.)-456006, मो. 94251 95783

शैक्षणिक एवं कोचिंग संस्थान के समीप स्थित

इन्दौर शहर में

अपने सपने साकार करने के लिए
घर से दूर रहने वाले स्टूडेंट्स के लिए
घर जैसा सर्व सुविधायुक्त
बॉयज़ हॉस्टल

विशेष तौर से उच्च शिक्षा जैसे सीए/सीएस/आईसीडब्लूए/एमबीए/लॉ/इंजीनियरिंग/मेडिकल/प्रशसनिक सेवा कोर्स एवं कोचिंग कर रहे स्टूडेंस के लिए उच्च शिक्षा हेतु समर्पित फ्लोर

प्रथम आएं प्रथम पाएं
प्रवेश प्रारंभ

श्रीमती सीतादेवी जयनारायन जाजू माहेश्वरी बॉयज़ हॉस्टल

रिंग रोड, मूसाखेड़ी एवं तीन ईमली चौराहा के मध्य, पानी की टंकी के सामने, इंदौर

छात्रों की सारी ज़रुरतों का ध्यान बॉयज़ हॉस्टल में

बॉयज़ हॉस्टल में सुविधाएं:

➢ 175 बालकों के निवास हेतु सर्व सुविधायुक्त ए.सी. 80 कमरे (अटेज्ड टॉयलेट) ➢ एक्टीविटी हॉल ➢ सी.सी.टी.वी. कैमरा द्वारा हाई सिक्यूरिटी ➢ अल्ट्रा मॉर्डन किचन एवं डायनिंग हॉल ➢ कम्प्यूटर एवं वाई-फाई युक्त ई-लाईब्रेरी ➢ आधुनिक योगा केन्द्र ➢ कॉन्फ्रेंस रुम एवं ऑडिटोरियम ➢ इंडोर गेम्स ➢ जनरेटर द्वारा 24 घण्टे बिजली बेकअप ➢ हॉस्टल परिसर में ही वॉर्डन निवास ➢ शुद्ध पीने का पानी ➢ डोरमेट्री ➢ मंदिर ➢ 2 हाई स्पीड लिफ्ट एवं कवर्ड पार्किंग सुविधा ➢ मेघावी छात्रों को छात्रवृत्ति ➢ चिकित्सा सुविधा.

हॉस्टल पहुँच मार्ग

हॉस्टल में प्रवेश संबधी पूछताछ एवं विज़िट हेतु
समय प्रात: 11 से सांय 5 बजे

• चेयरमेन: रामअवतार जाजू-98260 44000 • सचिव: सी.ए भरत सारड़ा-0731-2510070 • कोषाध्यक्ष: सी.ए गोपाल न्याती-98260 54126
• निर्माण संयोजक: कृष्णकुमार बिड़ला: 95759 16460 • किशन मूंदड़ा:93292 22851

आवश्यकता है
• असिस्टेंट वार्डन
• मेस सुपरवाइज़र

श्रीमती सीतादेवी जयनारायन जाजू माहेश्वरी हॉस्टल
ए बी माहेश्वरी एज्युकेशनल ट्रस्ट, इंदौर

रिंग रोड, मूसाखेड़ी एवं तीन ईमली चौराहा के मध्य, पानी की टंकी के सामने, इंदौर (म.प्र.)
मोबाइल: 94258 55437 **ई मेल:** sjjmhostel@gmail.com

Deepak

बारीपदा। महेश नवमी के पावन अवसर पर बारीपदा माहेश्वरी परिवार द्वारा श्री सत्यनारायण मंदिर हॉल में महेश नवमी का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम भगवान महेश की पूजा-अर्चना के बाद महिलाओं ने भजनों से समां बांध दिया। अंत में सभी ने प्रसाद सेवन किया। आयोजन में माहेश्वरी सभा बारीपदा के अध्यक्ष कमलकिशोर करनाणी, सचिव श्रीकुमार लड्ढा, मनोज भट्टड़, मानकलाल भट्टड़, बाबूलाल करनाणी, ओमप्रकाश पेड़ीवाल, श्यामसुंदर भट्टड़, जयकिशन भट्टड़, नंदकिशोर करनाणी, रमेश करनाणी, महेश लड्ढा, बाबूलाल भट्टड़, सुंदरलाल करनाणी, मांगीलाल लड्ढा, धीरज लड्ढा आदि का सहयोग रहा।

बरेली। माहेश्वरी महिला समिति द्वारा मारवाड़ीगंज स्थित श्री राधाकृष्ण मंदिर में महेश नवमी उत्सव मनाया गया। शुभारंभ कुमकुम काबरा, सुशीला साबू, रतनदेवी माहेश्वरी, मंजू बियानी, रेखा झंवर द्वारा किया गया। दूसरे दिन शिव स्तुति, रंगारंग एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। अंत में प्रसाद वितरण एवं सामूहिक भोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम का संचालन मंजू बियाणी ने किया। सनत बियाणी, नितिन काबरा, कुमकुम काबरा, रेखा झंवर, रतन देवी माहेश्वरी, सुशीला साबू, शशि साबू आदि का पूर्ण सहयोग रहा।

आगरा। जिला माहेश्वरी सभा द्वारा महेश नवमी पर दो दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 12 जून को सुगम संगीत संध्या सुप्रसिद्ध गायक विजय सोनी कोलकाता की हुई। 13 जून सुबह 7 बजे शोभायात्रा अनुज टावरी के निवास से शुरू होकर हनुमान मंदिर पहुंची। भगवान महेश का रुद्राभिषेक हुआ। इसके बाद माथुर वैश्य महासभा भवन में सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। मुख्य अतिथि रामकुमार भूतड़ा, वरिष्ठ अतिथि कमल भूतड़ा, कमलकिशोर चांडक थे। दीप प्रज्वलन के बाद महेश वंदना हुई। श्री भूतड़ा, श्री चांडक, महेंद्रकुमार डागा, मनोजकुमार दुजारी, गोपाल गोदनी, कांता गगरानी, कुंजबिहारी काहाल्या, कुसुम सांवल का स्वागत किया गया। समाज की महिलाओं व बच्चों ने सुपर मॉम रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। संचालन मनोजकुमार दुजारी ने किया। विशेष सहयोगी राजीव गांधी, सीए संजीव माहेश्वरी, रमेश भट्टर, संजय चांडक, संजीव काहल्या, अनिल चांडक, संदीप मालीवाल, अजय सांवल, चंद्रमोहन चांडक, अशोक चांडक आदि सदस्यों का सहयोग रहा।

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री माहेश्वरी समाज इंदौर जिला

रामेश्वरलाल असावा
अध्यक्ष

लक्ष्मण माहेश्वरी
मंत्री

उपाध्यक्ष- कल्याणमल मंत्री, बसंत खटोड़। **कोषाध्यक्ष-** सत्यनारायण गादिया। **संयुक्त मंत्री-** राजेश सोमानी, विजय कुमार लढ़ा। **संगठन मंत्री-** संतोष साबू।

कार्य समिति सदस्य- प्रहलाद चांडक, सत्यनारायण बाहेती, महेश मूंगड़, कमलेश नवाल, महेश जाजू, नितिन मंडोवरा, पवन लढ़ा, मुनीष मालानी, महेश सी. जाजू, अजय डी. लाहोटी, मुरलीधर नवाल, श्रीकिशन मूंदड़ा, शैलेष सोढ़ानी, अमरचंद सोनी, अमरीश दम्मानी, सुभाष राठी, ओमप्रकाश पसारी, आर.एल. माहेश्वरी, प्रेम बाहेती, कमल लढ़ा, कमल बाहेती, राजेश मूंगड़, अजय सोढ़ानी, श्रीनिवास मालपानी, रामस्वरूप धूत, सूरजनारायण राठी, राकेश काकाणी.

पदेन– गिरधारीलाल सारड़ा, भरत सारड़ा

श्रीमती वीणा सोमानी (अध्यक्ष) श्रीमती प्रमिला भूतड़ा (मंत्री)	रूपेश भूतड़ा (अध्यक्ष) हर्ष राठी (मंत्री)	कु. पूनम लढ़ा (अध्यक्ष) कु. परिधि लढ़ा (मंत्री)
जिला महिला संगठन, इंदौर	जिला युवा संगठन, इंदौर	जिला युवती संगठन, इंदौर

कार्यालय– श्री माहेश्वरी भवन, 108, सीतलामाता बाजार, गौराकुण्ड, इंदौर

॥ श्री हरि ॥

महेश नवमी महापर्व की
हार्दिक शुभकामनाएँ

मनभरी
साड़ियाँ

रामअवतार साबू
पूर्व प्रदेश अध्यक्ष
गुजरात प्रान्तीय सभा
93775 12471

विमलादेवी साबू
पूर्व अध्यक्ष
अ.भा. महिला संगठन

Manbhari® PRINTS

Mfg. of : Fancy Polyester Sarees

M-1277, Ground Floor, Surat Textile Market, Ring Road, SURAT - 2.
Ph.: 0261-2350040, 3262348, 2321331 (R) 3265121, 2463218, 2470348
Fax : +91-261-2321330 Website : www.manbhariprints.com
E-mail : ramavtarsaboo@yahoo.com

SISTER CONCERN

Manbhari® FARMS

An Ideal Party Plot

V.I.P. Road, Near Shyam Mandir, SURAT.

सीडको (नासिक)। माहेश्वरी समाज द्वारा महेश नवमी पर शाम 6 बजे शोभायात्रा निकाली गई। वरिष्ठजनों के सम्मान के अंतर्गत मोतीलाल नावंदर का सपत्नी सहित शाल एवं श्रीफल से सम्मान किया गया। महेश भवन सीडको को 29 हजार रुपए दान स्वरूप में देने वाले मनोज कासट सहित विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। मंच पर सतीश बूब, अलका बूब आदि प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे। महेश चेरिटेबल ट्रस्ट, माहेश्वरी महिला मंडल, माहेश्वरी युवक मंडल, माहेश्वरी युवा मंच, माहेश्वरी किशोरी मंडल, सहित सभी संगठनों का सहयोग रहा।

काटोल। तालुका माहेश्वरी संगठन द्वारा महेश नवमी के उपलक्ष्य में विभिन्न स्पर्धाओं के साथ त्रिदिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 75 वर्ष एवं उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों का शाल एवं श्रीफल से सत्कार भी किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजश्री भूतड़ा, सरिता नबीरा, वंदना नबीरा, लता टावरी, नेहा चांडक, लता टावरी, नेहा चांडक, शिखा भूतड़ा, पायल सांवल आदि का योगदान रहा।

रतलाम। चार दिवसीय महेश नवमी पर्व क्रीड़ा, साहित्यिक, सांस्कृतिक व धर्म अवदान विषयों पर केंद्रित रहा। जे.के. सीमेंट निम्बाहेड़ा के वाईस प्रेसिडेंट आर.के. बजाज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। पश्चिमांचल सभाध्यक्ष महेश तोतला ने कार्यक्रमों की जानकारी दी । जिला अध्यक्ष प्रेमनारायण मालपानी, समाज के संरक्षक कन्हैयालाल सारड़ा व अध्यक्ष माधव काकानी मंचासीन थे। इसमें 10 जून को महिला संगठन द्वारा सुंदरकांड, 11 जून को युवा संगठन द्वारा धीमी सायकल रेस, शतरंज, ड्राईंग स्पर्धा तथा रात्रि में सेवा संगठन द्वारा गायन, वादन, नृत्य, मिमिक्री, तथा कविताओं की प्रस्तुति हुई। 12 जून को युवा संगठन ने 18 वीं बार रक्तदान शिविर आयोजित किया। संध्या को कई मनोरंजक स्पर्धाऐं आयोजित हुईं। 13 जून को प्रातः महेशाभिषेक के पश्चात शोभा यात्रा निकाली गई। कई स्थानों पर चल समारोह का विभिन्न पेय से सत्कार हुआ। स्वच्छता अभियान अंतर्गत संगठन द्वारा सड़क से डिस्पोजल आदि तुरंत साफ किये। माहेश्वरी भवन में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान पारितोषिक वितरण के साथ हुआ। दोपहर व संध्या भोज के साथ समारोह का समापन हुआ। चार्टर्ड अकाउंटेंट एसोसिएशन में चेयरमैन निर्वाचन पर गोपाल राठी का अभिनंदन भी किया गया।

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ

।। जय महेश ।।

राधेश्याम परवाल
94140 61636

प्रदेश अध्यक्ष, पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा
पूर्व संयुक्त मंत्री, अ.भा. माहेश्वरी महासभा
कार्यसमिति सदस्य, अ.भा. माहेश्वरी महासभा
राष्ट्रीय महामंत्री, बैंक ऑफ राजस्थान रिटायर्ड स्टॉफ सोसायटी
डिप्टी जनरल सैक्रेट्री, ऑल इण्डिया बैंक पेंशनर्स एंड रिटायरीज कन्फडरेशन

उमा परवाल
94140 67636

अध्यक्ष, जयपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन
कार्यकारी मण्डल सदस्य, पूर्वोत्तर राज. प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन
कार्यकारी मण्डल सदस्य, अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन
कार्यकारिणी सदस्य, श्री महेश मेडिकल रिलीफ सोसायटी
पूर्व कार्यकारिणी सदस्य, श्री माहेश्वरी महिला परिषद्, जयपुर

निवास - 'परवाल विला', डी-62, वैशाली नगर, जयपुर (राज.) - 302021
फोन : 0141-2351636

स्थापित : 1969 ॥ जय महेश ॥ पंजीबद्ध संस्था

महेश नवमी के पावन पर्व पर

सभी समाजबन्धुओं, बहिनों एवं युवा साथियों को हार्दिक शुभकामनाएं

समाजबन्धुओं के समर्पण का प्रतीक, मानव सेवा को समर्पित,
तीव्र गति से विकास-पथ पर अग्रसर, आप सबकी आस्था का केन्द्र।

श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन

प्रधान कार्यालय :- **पुष्कर - 305022 (राजस्थान)**

फोन : 0145-2772038, 2773128, 2773321, 2772546 टेलीफैक्स : 0145-2773451

शाखाएं : वृंदावन, हरिद्वार, बद्रीनाथ, नाथद्वारा, चारभुजा-गढ़बोर, रामदेवरा, जतीपुरा-गोवर्धन, नाशिक, जोधपुर

- जोधपुर में "एम्स हॉस्पिटल" के समीप सेवा सदन के रोगी सहयोगी सेवा-केन्द्र 'आरोग्य-भवन' लोकार्पित।
- शाखा- नाथद्वारा में भव्य नवीन "श्रीनाथ भवन" का निर्माण कार्य प्रारम्भ।

सेवा-सदन के भावी समारोह

- वृन्दावन में नव-निर्मित "राधाकृष्ण भवन" का लोकार्पण।
- पुष्कर में नव-निर्माणाधीन भव्य भोजनशाला एवं "अन्नपूर्णा भवन" का लोकार्पण।

सेवा-सदन की भावी योजनाएं शिाखा विस्तारान्तर्गत तरुपति एवं जगन्नाथपुरी में योजनाएं प्रस्तावित। शीघ्र ही भूमि क्रय करने हेतु प्रयासरत् है।

भावी योजनाओं में सदैव की भांति पूर्ण सहयोग की आशाओं के साथ -

अध्यक्ष
श्यामसुन्दर बिड़ला

वरिष्ठ उपाध्यक्ष
बाबूप्रसाद खटौड़

महामंत्री
सुनिलकुमार मून्दड़ा

कोषाध्यक्ष
कमलकिशोर चाण्डक

उपाध्यक्ष : शरद मून्दड़ा, अनिल बांगड़, प्रभुलाल काबरा, सत्यनारायण डाड

मंत्री : प्रहलाद शाह, सोहनलाल मून्दड़ा, अमृतलाल मून्दड़ा, कैलाश सोनी

प्रचार-मंत्री : विष्णुगोपाल सोमाणी

कार्यालय-मंत्री : विजयशंकर मून्दड़ा

मलकपेट। माहेश्वरी मित्र मंडल के तत्वावधान में आयोजित श्री महेश नवमी महोत्सव में भगवान महेश की पूजा अर्चना मुख्य अतिथि विष्णुदास सोनी एवं एवं राजकंवर सोनी, विशेष अतिथि कैलाश मणियार, गोवर्धन मरदा, ओमप्रकाश चांडक एवं गोपालदास लखोटिया आदि द्वारा की गई। महोत्सव के अंतर्गत निकाली गई प्रभात फेरी में मंडल अध्यक्ष आनंद लखोटिया, उपाध्यक्ष वेणुगोपाल बजाज, मंत्री जगदीश झंवर सहित बड़ी संख्या में समाजजन शामिल थे।

नीमच। महोश्वरी समाज व समाज के संगठनों द्वारा महेश नवमी पर्व विभिन्न सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों के साथ हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह समाजजनों ने प्रभात फेरी व साईकिल रैली निकाली उसके बाद शाम को भव्य चल समारोह निकाला। इस अवसर पर नवनिर्मित महेश सर्कल का लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में विधायक दिलीपसिंह परिहार, नपाअध्यक्ष राकेश जैन एवं डायरेक्टर गोविंद माहेश्वरी आदि उपस्थित थे।

इंदौर। श्री माहेश्वरी समाज इंदौर एवं समाज की समस्त संस्थाओं के सहयोग से 11 से 13 जून तक महेश नवमी उत्सव मनाया गया। शुभारंभ अवसर पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि समाजसेवी व उद्योगपति वी.डी. राठी थे। विशेष अतिथि के रूप में निगम महापौर मालिनी गौड, माहेश्वरी बोर्ड चेयरमेन रामअवतार जाजू, प्रदेश अध्यक्ष महेश तोतला व भरत सारडा उपस्थित थे। सेवा गतिविधियों में गौ, कुष्ट रोगी व केंसर रोगियों की सेवा की गई। महिलाओं तथा बच्चों के लिये विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन भी किया गया।

॥ जय महेश ॥

महेश नवमी के पावन पर्व पर

सभी समाजबन्धुओं, बहिनों एवं युवा साथियों को हार्दिक शुभकामनाएं

श्यामसुन्दर बिड़ला

मो. : 9414117885, 9649665885

अध्यक्ष : श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर

(शाखाएं : वृन्दावन, हरिद्वार, बद्रीनाथ, नाथद्वारा, चारभुजा, रामदेवरा, नाशिक, जतीपुरा, जोधपुर)

अध्यक्ष : आदर्श शिक्षण संस्थान (विद्या भारती), नागौर अध्यक्ष : श्री पारीक संस्कृत विद्यालय (प्रबन्ध समिति), मेड़तासिटी

फर्म : ❂ सीताराम नथमल बिड़ला, मेड़तासिटी, फोन : 01590-220108 ❂ बिड़ला सिल्क पैलेस, मेड़तासिटी, फोन : 01590- 230885
❂ जोधपुर सेण्ड स्टोन प्रा. लि., जोधपुर, मो. : 9414149737 ❂ इटालियन वर्ल्ड, जोधपुर, मो. : 9414149123

निवेदन :- सभी समाजबन्धु सेवा-सदन की योजनाओं में मुक्तहस्त सहयोग प्रदान कर अपने अर्थ का सदुपयोग करावें।

माहेश्वरी समाज का यह
उत्पत्ति पर्व
नव उत्साह व नवशक्ति
का संचार करे

महेश नवमी महापर्व की हार्दिक शुभकामनाऐं

।। जय महेश ।।

हरियाणा-पंजाब-हिमालय-जम्मू कश्मीर प्रादेशिक माहेश्वरी सभा

अशोक सोमानी
प्रदेशाध्यक्ष

राजेन्द्र कलंत्री
प्रदेश सचिव
093132-68996

पवन होलानी
कार्यसमिति सदस्य

उपाध्यक्ष : रामानंद माहेश्वरी, पी.पी. माहेश्वरी
कोषाध्यक्ष : डॉ. अशोक गोदानी
संगठन मंत्री : बी.के. तापड़िया
संयुक्त सचिव : रतनलाल माहेश्वरी, नरेश माहेश्वरी, सज्जन साबू

website : www.haryanpunjabpradeshiksabha.weebly.com

आगूंचा। माहेश्वरी समाज द्वारा आयोजित महेश नवमी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महावीर अजमेरा, अध्यक्ष तहसील हुरड़ा माहेश्वरी सभा, अध्यक्ष राजेंद्र बजाज हुरड़, माहेश्वरी समाज एवं विशिष्ट अतिथि कृष्णगोपाल सोडानी थे। इसमें मेहंदी, रंगोली, एवं कुर्सी रेस सहित क्रिकेट आदि खेल तथा कई मनोरंजक स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। शैक्षणिक क्षेत्र की प्रतिभाओं को भी पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार समाज के वयोवृद्ध रामप्रसाद सोमाणी, सत्यनारायण सोमाणी, राधेश्याम खाल्पा व परसराम सोनी के हाथों प्रदान किये गये। कन्हैयालाल सोनी आदि ने अतिथियों का साफा पहनाकर स्वागत किया।

रायपुर। महेश नवमी उत्सव के अवसर पर स्थानीय सभा द्वारा आयोजित खेलकूद स्पर्धा का आयोजन 05 जून को माधव राव सप्रे स्कूल ऑडिटोरियम एवं श्री गोपाल मंदिर सदर बाजार के प्रांगण में किया गया। इसमें स्व. श्री सूरज रतन बृहमोहन बागड़ी स्मृति शतरंज स्पर्धा प्रायोजक सुरेशकुमार बागड़ी, स्व. श्री हरिकिशन सादाणी स्मृति कैरम स्पर्धा प्रायोजक शिवरतन सादाणी, स्व. श्री मंगलचंद बागड़ी स्मृति टेबल टेनिस स्पर्धा प्रायोजक नंदकिशोर गिरीराज बागड़ी, बैडमिंटन स्पर्धा प्रायोजक शरदचंद व सुरेश चंद्र बागड़ी के सहयोग से तथा क्विज स्पर्धा का आयोजन किया गया। माहेश्वरी युवा मंडल के प्रसन्न गट्टानी, दीपक लड्ढा, शेखर बागड़ी, अभिषेक राठी, सौरभ बागड़ी, संजय हरिनारायण मोहता आदि का सहयोग रहा।

राजसमंद। जिले के प्रत्येक गांव, नगर, शहर व मुख्यालय पर उत्साह पूर्वक महेश नवमी पर्व मनाया गया। समाज उपयोगी विषयों पर वक्ताओं के व्याख्यान, निबंध, लेखन, कविता पाठ आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम खेलकूद प्रतियोगिताएँ, विशाल शोभायात्रा, सम्मेलन, संगोष्ठियाँ आदि आयोजित की गई। प्रतिभावन छात्राओं को सम्मानित किया गया। जिला सभा अध्यक्ष अर्जुनलाल चेचाणी ने संबोधित किया। विभिन्न स्थानों पर रक्तदान शिविर भी आयोजित किये गये।

> "कर्म इसलिए महत्वपूर्ण है,
> क्योंकि
> धर्म करके भगवान से मांगना पड़ता है,
> जबकि कर्म करने से भगवान को
> खुद ही देना पड़ता है।"

मंगलमूर्ति भगवान महेश सभी में सद्भावना, सदाचार व स्नेह का संचार करें
इन्हीं शुभकामनाओं के साथ

महेश तोतला
(अध्यक्ष)
मो. 98260-13164

हार्दिक बधाई
एवं
शुभकामनाएँ

राजेन्द्र ईनानी
(मानद मंत्री)
मो. 99264-66001

पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा म.प्र.

With Best Compliment From

Anil K. Modani

Seema A. Modani

Sharad Modani

Ashu Modani

Bungalow No. 4, Vrindavan Bungalows-2, Opp. Madhuvan Farm, Thaltej Shilaj Road,
Thaltej, Ahmedabad (Guj.) - 380059
Phone : 079-32442623, Mo. 98985 00755

SIMPLICITY IS THE NATURE OF GREAT SOUL

बालाघाट। स्थानीय माहेश्वरी समाज ने महेश नवमी पर्व पर पुरातत्व शिव साईं मंदिर में सपरिवार महाभिषेक व आरती की। इस अवसर पर प्रश्नोत्तरी व विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। समाज की वरिष्ठ सदस्या देवकीबाई राठी व विद्यावती नत्थानी का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंत में स्वरुचि भोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर टीसी गांधी, निर्मला गांधी, प्रमोद नत्थानी, उर्मिला नत्थानी, रमेश राठी, दुर्गा राठी, राधे माहेश्वरी, निर्मला माहेश्वरी, गौरव माहेश्वरी, गुलाब माहेश्वरी, मनोरमा माहेश्वरी, ललित माहेश्वरी आदि मौजूद थे।

> यदि कोई दुर्बल मानव तुम्हारा अपमान करे
> तो उसे क्षमा कर दो
> क्योंकि क्षमा करना ही वीरों का काम है,
> परंतु यदि अपमान करने वाला बलवान हो
> तो उसको दंड अवश्य दो।

स्कूल में लगाया कम्प्यूटर व प्रोजेक्टर

कोलकाता। बड़ा बाजार क्षेत्र में 50 सालों से माहेश्वरी महिला समिति के अंतर्गत संचालित माहेश्वरी स्कूल माहेश्वरी शिशु विहार में गत 20 जून को समाजसेवी निर्माला मनमोहन मल द्वारा एक कम्प्यूटर व प्रोजेक्टर लगाया गया। इस कार्य में नेमीचंद तोषनीवाल, घनश्याम करनानी का पूर्ण सहयोग मिला। पूर्व में संस्था को शीतल पेयजल की मशीन भी इनके द्वारा दी गई थी। उद्घाटन के समय माहेश्वरी सभा के सभापति हनुमान राठी, उपमंत्री चंदू दम्मानी, भवन मंत्री सुरेश बागड़ी विशेष अतिथि मुकुल मल आदि मौजूद थे। समिति की मंत्री रेखा मिमानी व अध्यक्ष जमुना हेड़ा ने अतिथियों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष लक्ष्मी मूंदड़ा, उपमंत्री राजकुमारी बाहेती, कोषमंत्री सुधा डाड, शिशु विहार संयोजिका शिखा भिरानी, शारदा बागड़ी, सुशीला बागड़ी सहित कई सदस्याएँ मौजूद थीं।

बिंझानी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निर्मित चेन्नई महानगर में आपका आवास

रमा भवन

चेन्नई महानगर देश का एक प्रमुख चिकित्सा केन्द्र है। यहाँ देश के विभिन्न प्रांतों से अनेक वर्गों के बन्धु हृदय, गुर्दे, नेत्र इत्यादि रोगों की चिकित्सा के लिए आते हैं। इन रोगों की चिकित्सा हेतु उन्हें कुछ लम्बी अवधि के लिए भी यहां ठहरना पड़ता है। ठहरने के लिए उचित स्थान की उपलब्धता एक बड़ी समस्या बनकर सामने आती है। यद्यपि यहां अनेक समाजों एवं संस्थाओं की धर्मशालाएं एवं भवन भी हैं लेकिन वे प्राय: सामाजिक कार्यक्रमों के लिए अथवा यात्रियों द्वारा पहले से ही आरक्षित रहते हैं तथा वे केवल 3-4 दिनों के लिए ही उपलब्ध होते हैं। इन सभी बातों को ध्यान में रखकर 'रमा भवन' का निर्माण किया गया है।

बिंझानी चेरिटेबल ट्रस्ट, चेन्नई द्वारा निर्मित यह भवन चेन्नई सेन्ट्रल रेल्वे स्टेशन से केवल एक किलोमीटर की दूरी पर ही, शहर के सबसे व्यस्ततम क्षेत्र साहुकारपेट में स्थित है। इस भवन के इस क्षेत्र में स्थित होने का विशेष लाभ भाषा और भोजन की सुविधा है जो आमतौर पर यहां आए उत्तर भारतीय व्यक्तियों की प्रमुख समस्या होती है।

'रमा-भवन' आपके शीघ्र स्वास्थ्य-लाभ की कामना करते हुए आपकी सेवा-सुश्रुषा के लिए तैयार है।

चेन्नई के हिन्दी भाषी क्षेत्र साहुकारपेट में स्थित 'रमा भवन' में उपलब्ध सुविधाएँ

- 2 कमरों एवं रसोईघर वाले - 4 फ्लैट।
- 2 कमरे (एक वातानुकूलित) एवं रसोईघर वाले - 2 फ्लैट।
- सभी फ्लैट्स के रसोईघरों में गैस एवं आवश्यक बर्तन उपलब्ध।
- 10 व्यक्तियों के ठहरने हेतु एक बड़ा हॉल।
- गरम एवं ठंडे पानी की व्यवस्था।
- टेलीफोन सुविधा उपलब्ध।
- हॉल में टेलीविजन
- केन्द्रीय ऑडियो सिस्टम द्वारा भजन एवं संगीत प्रसारण।

रमा भवन

6, नरसिंहमादासरी लेन, 61, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस रोड के पीछे, (वीरप्पन स्ट्रीट के सामने) चेन्नई-600 079

सम्पर्क कार्यालय

ओरियन्ट चेम्बर्स, 73 आरमिनियम स्ट्रीट, चेन्नई - 600 001

फोन - 044-5227553, 5227024, फैक्स - 91-44-5231570, ई-मेल - orient@eth.net

हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री माहेश्वरी समाज के
प्राकट्य दिवस
श्री महेश नवमी
के पावन अवसर पर
भीलवाड़ा के समस्त बंधुओं को
हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई.

आपके आत्मीय सहयोग के लिये
आत्मीय आभार.

शंकर सोनी
ब्यूरो प्रमुख, भीलवाड़ा
एवं
श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

M. 98281 39404

कृपया इस अंक के बारे में अपनी प्रतिक्रिया अवश्य दें।

महेश नवमी सन्देश

वस्तुतः महेश नवमी पर्व के दिन हमें सामाजिक एरां पारिवारिक दृष्टि से यह विचार करना चाहिए कि गत वर्ष इस पर्व पर लिये संकल्पों में से कितने को पूरा किया और कितने अपूर्ण रहे। समाज जहां शिक्षा एवं व्यावसायिक क्षेत्र में दिनोंदिन प्रगति की ओर अग्रसर हो रहा है वहीं नित नई अनेक समस्याओं से भी ग्रसित हो रहा है। श्रृंखलाबद्ध संगठनों के माध्यम से समस्याओं के निदान हेतु ठोस योजना बना उन्हें अभियान के रूप में प्रारंभ कर वातावरण बनाये जाने का प्रयास अपेक्षित है। केवल भाषणों से इन समस्याओं का निदान नहीं हो सकता। प्रत्येक व्यक्ति एवं परिवार इन समस्याओं के निदान में प्रत्यक्ष रूप से सहभागिता निभाने का संकल्प ले तो हम बहुत कुछ इस हेतु कर सकेंगे।

- रामपाल सोनी
पूर्व सभापति, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

सभी समाजजनों को महेश नवमी महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ। मैंने इस पर्व के लिये "महापर्व" शब्द का उपयोग किया है। वास्तव में आज के दौर में यह प्रासंगिक भी है। आखिर जिस दिन हमारे समाज की उत्पत्ति हुई और हमें नवीन कर्म प्राप्त हुआ, वह दिवस तो हमारे लिये महापर्व है ही और उत्पत्ति स्थल महातीर्थ। समाज को गौरव प्रदान करने के लिए सर्वप्रथम तो हमें इन्हें गौरवान्वित करना होगा।

- देवकरण गग्गड़
कार्यसमिति सदस्य, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष की अनुभूति हुई कि 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' द्वारा महेश नवमी विशेषांक-2016 का प्रकाशन किया जा रहा है। मैं इस अवसर पर श्री माहेश्वरी टाईम्स के समस्त पाठकों एवं माहेश्वरी समाज के समस्त पदाधिकारियों, सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करती हूँ।

- ललिता समदानी
सभापति नगर परिषद, भीलवाड़ा

महेश नवमी के पावन पर्व पर समस्त भारत वर्ष के माहेश्वरी बंधुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए भगवान महेश से मनोकाना करता हूँ कि समाज बंधुओं पर भगवान महेश की असिम कृपा सदेव बनी रहे, समाज हर क्षेत्र में सफलता की ऊँचाइयों को छूए, समाज बंधुओं को प्रतिष्ठा एवं सफलता प्राप्त हो, समाज बंधु सदेव स्वस्थ और प्रसन्नचित्त रहे। समाज बंधुओं की सुख-समृद्धि की शुभकामनाओं के साथ....!

- राजकुमार काल्या
राष्ट्रीय महामंत्री, अ.भा. युवा संगठन

महेश नवमी के पावन पर्व पर भगवान महेश के परिवार की पूजा के साथ-साथ स्मरण करें कि प्राकृतिक रूप से परस्पर शत्रु भाव रखने वाले प्राणी एक साथ रह सकते हैं। भगवान शिव सृष्टि की रक्षा के लिए हलाहल का पान कर सकते हैं, तो हम परिवा व समाज के लिए आर्थिक लाभ व अहंकार का त्याग क्यों नहीं कर सकते हैं? यदि हम यह भाव हमारे मन में जागृत होता है तो ही महेश नवमी का यह उत्सव सार्थक होगा। महेश नवमी हमें नवसृजन शीलता के आलोक से आलोकित करें। महेश नवमी हमारे लिए अनन्त मंगलकारी हो।

- आर.एल. नौलखा, उपसभापति पश्चिमांचल, अ.भा. व. माहे. महासभा

सभी स्वजनों को महेश नवमी पर्व की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ। आइये इस पावन पर्व पर संकल्प लें कि हम समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलेंगे और उनके सर्वांगीण विकास को लक्ष्य बनाऐंगे। याद रखें हमारा समाज अत्यंत सम्पन्न व समर्थ समाज है। यदि हर समर्थ परिवार कुछ ऐसे परिवारों के उत्थान का संकल्प ले ले तो निश्चय ही यह समाज विश्व के सबसे सम्पन्न समाज की श्रेणी में पहुंच जाऐंगा।

- सुभाषचंद्र बहेडिया, सांसद भीलवाड़ा

सभी को महेश नवमी की शुभकामनाऐं देते हुए मैं अनुरोध करना चाहूंगा कि हम अपनी उच्च संस्कृति के आदर्शों पर गौर करें और देखें क्या हम इन आदर्शों का पालन कर रहे हैं? जब हम स्वयं इनका पालन करेंगे तभी अपनी भावी पीढ़ी को प्रेरित कर सकेंगे। अन्यथा संस्कृति क्षरण को किसी अन्य प्रकार से रोकने की बात करना तो बेमानी ही होगी।

- राधेश्याम सोमानी, प्रदेश अध्यक्ष दक्षिणी राज. प्रादे. माहे.सभा

भगवान महेश सभी स्वजनों के जीवन को सुख-समृद्धि से परिपूर्ण करें ऐसी मंगलकामनाऐं। इसके साथ ही सभी से अपील करता हूँ कि वर्तमान दौर के प्रदूषित माहौल से अपनी गौरवशाली संस्कृति की रक्षा अवश्य करें। इसके लिये आपनी भावी पीढ़ी में समाज के ऐसे उच्च संस्कारों का बीजारोपण करें जिससे वे सभी समाजों के लिये आदर्श बन जाऐं।

- जगदीशप्रसाद सोमानी
अध्यक्ष जिला माहेश्वरी सभा, भीलवाड़ा

महेश नवमी पर्व की मंगल कामनाएँ देने के साथ ही मैं सभी से यह अपील करता हूँ कि इस पर्व को संकल्प पर्व के रूप में भी मनाएँ। जब हम समाज व समाज संगठन को मजबूत करने के लिये कृत संकल्पि होंगे तभी इस पर्व की सार्थकता होगी।

- बाबूलाल जाजू
सम्पादकीय सलाहकार, श्री माहेश्वरी टाईम्स

महेश नवमी सन्देश

महेश नवमी पर्व वास्तव में आत्मचिंतन का पर्व है। आइये इस अवसर पर पर हम आत्मचिंतन करें कि जिस समाज ने हमें पहचान दी, नाम दिया और सफलता का मार्ग दिखाया, आखिर हमने समाज के लिये किया क्या है? याद रखें, समाज सेवा न तो स्वार्थपूर्ति का साधन है और न ही समाज पर कोई अहसान बल्कि यह तो समाज के ऋण को उतारने का एक प्रयास मात्र है।

- कैलाश कोठारी
अध्यक्ष, श्री नगर माहेश्वरी सभा, भीलवाड़ा

सभी को महेश नवमी पर्व की शुभकामनाएँ। समाज की पहचान एकता व अखंडता से है। अतः इस पर्व पर शपथ लें कि यदि हमारे कोई मतभेद हैं, तो हम उन्हें भगवान शिव के विषपान की तरह समाप्त करके भी इस एकता को कभी क्षति नहीं पहुंचने देंगे।

- नारायणलाल लड्ढा
अध्यक्ष आर.के. एवं आरसी. व्यास नगर महेश सेवा संस्थान, भीलवाड़ा

सभी समाज संगठनों के कर्णधार इस पावन अवसर पर अवश्य चिंतन करें कि संगठन समाजहित में कई योजनाऐं बनाता है, फिर भी उनका लाभ वास्तविक जरुरतमंद तक क्यों नहीं पहुंच पाता। यदि मात्र इस प्रश्न का उत्तर हमने खोज लिया, तो हम समाज के हर वर्ग को समाज की मुख्यधारा में लाने में सफल हो ही जाऐंगे। तभी संगठन की सार्थकता भी होगी।

- कन्हैयालाल खटोड़
जिला उपाध्यक्ष, भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा

आइये, इस महेश नवमी पर्व को साकार करें। इस पावन अवसर पर लें राष्ट्र व समाज की एकता, अखंडता तथा समृद्धि की शपथ। यह शपथ ही भगवान महेश के चरणों में हमारी सच्ची पुष्पांजलि होगी।

- राजेंद्र तोषनीवाल
अध्यक्ष, माहेश्वरी युवा संगठन शास्त्रीनगर, भीलवाड़ा

महेश नवमी पर्व की सभी को मंगलकामनाऐं देता हुआ भगवान महेश से कामना करता हूँ कि सभी को आपसी द्वेष पर विजय प्राप्त कर परस्पर स्नेह का अमृतपान करने की सामर्थ्य व सद्बुद्धि प्रदान करें।

- मुकेश सोमानी
अध्यक्ष, श्री शिगोली श्याम, माहेश्वरी धर्मशाला

"महेश नवमी पर्व मनाते हुए हम अपने आपके माहेश्वरी होने पर गर्व महसूस कर रहे हैं और ऐसा होना भी चाहिए। याद रखें हम यदि अपने आपका सम्मान नहीं करेंगे तो हमारा सम्मान दूसरा क्यों करेगा। इसी गर्व की भावना का सूत्रपात हमें अपनी भावी पीढ़ी में भी करना होगा। इसके लिये इन्हें राष्ट्र के विकास में दिये गये समाज के योगदानों से अवश्य अवगत करावाऐं।

- राधेश्याम चेचाणी
अध्यक्ष,
श्री महेश सेवा समिति, भीलवाड़ा

सभी स्वजनों को उत्पत्ति पर्व महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ। इसके साथ ही भगवान महेश से प्रार्थना करता हूँ कि सभी के मन में स्नेह, सद्भावना व सामंजस्य का प्रकाश फैलाकर द्वेष, घृणा व अलगाव के अंधकार को समाप्त करें।

- बी.एल. माहेश्वरी
अध्यक्ष संजय कालोनी,
माहेश्वरी समाज संस्थान, भीलवाड़ा

माहेश्वरी वंशोत्पत्ति के रूप में मनाया जाने वाला पर्व "महेश नवमी" हम सभी के लिये कल्याणकारी हो, श्री, यश व आरोग्य दायक हो। हमारी राष्ट्र निष्ठा व सामाजिकता में वृद्धि हो यही प्रार्थना भगवान महेश से करता हूँ।

- कल्पेश सोमनी
अध्यक्ष,
माहेश्वरी युवा संगठन, भीलवाड़ा

महेश नवमी पर्व सिर्फ एक उत्सव नहीं है, बल्कि यह तो एक संकल्पों का पर्व है। आइये इस पर्व पर हम भगवान महेश के बताये आदर्शों पर चलने की शपथ लें और अपने-अपनों को भी इसके लिये प्रेरित करें।

- शांतिलाल डाड
संयोजक,
श्री महेश बचत एवं साख समिति, भीलवाड़ा

सभी स्वजनों को समाज के उत्पत्ति वर्ष महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाऐं। भगवान महेश से कामना करते हैं कि सभी का जीवन सुख, शांति व सद्भावनाओं से परिपूर्ण हो।

मुकेश काबरा
अध्यक्ष,
पुराना शहर माहेश्वरी युवा संगठन, भीलवाड़ा

MDH

Real Masala You Can Trust

With Best Compliments

- Suresh Rathi
- Sharad Rathi

Mahashian Di Hatti Pvt. Ltd.

Tausar Road, Nagaur - 341 001 (Rajasthan)
Phone : 01582-242040, 242343 Resi : 240454
Mob.: +91-9414118181 Fax : 01582-243343

Unit II : RIICO Industrial Area, Bikaner Road, Nagaur (Raj.)
Tel. : 01582-244532 Fax : 01582-243736
e-mail : nagaur@mdhspices.in

खेलों के महाकुंभ से सराबोर हुआ भीलवाड़ा

14 दिनों तक चली खेल स्पर्धाओं में कई राष्ट्रीय खिलाड़ी बने निर्णायक

भीलवाड़ा। स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा गत 6 वर्षों से चली आ रही परम्परानुसार इस बार भी महेश नवमी पर्व के अवसर तक विभिन्न खेल स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। ये स्पर्धाएं सतत 14 दिनों तक चलीं और संपूर्ण भीलवाड़ा शहर इनके माध्यम से माहेश्वरी प्रतिभाओं के खेल कौशल का गवाह बना।

शंकर सोनी, भीलवाड़ा

इस 14 दिवसीय भव्य आयोजन के मुख्य प्रभारी पुष्पेंद्र नुवाल ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा प्रतिवर्ष किया जाने वाला विभिन्न खेल स्पर्धाओं का यह आयोजन समाज के गौरव का प्रतीक बन चुका है। इसका जिला व स्थानीय संगठन नगर युवा संगठन, जिला युवा संगठन तथा महिला मंडल के सहयोग से गत 6 वर्षों से सफलतापूर्वक आयोजन करता चला आ रहा है। इस बार भी सभी कार्यकर्ताओं ने लंबे समय से तैयारियाँ प्रारंभ कर दी थीं। स्पर्धाओं के आयोजन के दौरान भी पूरे 14 दिनों तक सभी कार्यकर्ता समर्पित भाव से व्यवस्था में जुटे रहे। इन सभी के योगदानों से ही यह आयोजन सफल हो पाया।

पुष्पेंद्र नुवाल

ये थे सफलता के कर्णधार

इस आयोजन को सफल बनाने में मुख्य प्रभारी पुष्पेंद्र नुवाल के नेतृत्व में समर्पित कार्यकर्ताओं की एक टीम समर्पित भाव से कार्य कर रही थी। इसमें दिनेश सोमानी, जगदीश लढा, रोशन देवपुरा, राजबहादुर भंसाली, लक्ष्मीलाल लढा, नरेश बाहेती, कैलाश अजमेरा, राजेश सोमानी, राजेंद्र काबरा, कमलेश काबरा, मुकेश सोमानी, अशोक पोरवाल, पुनीत सोमानी, राकेश काबरा, अभिषेक सोमानी, मुकेश काबरा, आरती डाड, भावना मंडोवरा, ज्योति बियाणी आदि शामिल थे।

इस तरह बिखरे खेलों के रंग

वालीबॉल- इस स्पर्धा में 9 टीमों के कुल 81 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इसमें प्रथम मरुधरा माहेश्वरी संस्थान की टीम तथा द्वितीय आर.के.आर.सी. माहेश्वरी सभा रही। इस अवसर पर अतिथि के रूप में रामेश्वरलाल काबरा, देवेंद्र सोमानी, ओम गट्टानी, राधेश्याम सोमानी, सत्येन्द्र बिड़ला, प्रदीप शारदा, बी.एल. माहेश्वरी, प्रहलाद नवाल ओमप्रकाश नाराणीवाल मौजूद थे।

कैरम- इसमें जूनियर एकल में प्रथम- केशव समदानी, द्वितीय शिवांश मूंदड़ा, तृतीय माधव समदानी रहे। जूनियर डबल में प्रथम- हर्षिता झंवर, शिल्वी सोमानी, द्वितीय निश्चय माहेश्वरी व राघव डाड तथा तृतीय केशव समदानी व माधव समदानी रहे। सीनियर एकल पुरुष वर्ग में प्रथम- अनिल झंवर, द्वितीय राजकुमार झंवर तृतीय मोहित काबरा रहे। डबल्स में प्रथम- कैलाश सोमानी व प्रदीप बल्दवा, द्वितीय दिनेश पटवारी व प्रमोद चेचाणी तथा तृतीय अनिल झंवर व बिहारीलाल मेलाना रहे। विभिन्न आयु वर्ग के मुकाबलों में कूल 58 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस अवसर पर जमनालाल बांगड, गोरधनलाल डाड व सत्यनारायण मूंदड़ा अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

वन मिनिट कॅपल गेम- इसमें कुल 14 जोड़ों ने भाग लिया। इनमें प्रथम श्रीमती एवं अंकित लखोटिया, द्वितीय श्रीमती एवं नितेश अजमेरा, तृतीय श्रीमती एवं सुमित सोनी तथा श्रीमती एवं लक्ष्मीकांत राठी

युगल रहे। अतिथि के रूप में लीला राठी, भारती बाहेती तथा अमिता नवाल उपस्थित थे।

क्रिकेट- इसमें कुल 15 टीमों के 225 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इसमें प्रथम बसंत विहार आजाद नगर मा. सभा (कप्तान प्रतीक पटवारी), द्वितीय संजय कॉलोनी (बी.) मा. सभा (कप्तान विकास कोठारी) तथा तृतीय भूपालगंज (बी.) मा. सभा (कप्तान अर्चित तोतला) टीम रही। अतिथि के रूप में राधेश्याम सोमानी, राधेश्याम चेचाणी, राजेंद्र कचोलिया, किशन कोठारी, ललिता समदानी, अनिल बांगड़, डॉ. कैलाश काबरा, राजेंद्र बिड़ला, सुशील नवाल, विजय लड्ढा उपस्थित थे।

बेडमिंटन- इसमें बालक एकल अंडर 15 में प्रथम राहुल राठी, द्वितीय नमन मालानी, तृतीय राघव डाड, बालिका एकल अंडर 15 में प्रथम मिताली चांडक, द्वितीय अमिशी बिड़ला रही। इस स्पर्धा के विभिन्न वर्ग में कुल 86 खिलाड़ियों ने भाग लिया। अतिथि के रूप में किशनगोपाल जाखोटिया, भेरूलाल काबरा, श्यामसुंदर सोमानी सत्यनारायण डाड़, राजेश तोषनीवाल आदि उपस्थित थे।

100 मीटर दौड़- इसके विभिन्न वर्गों में कुल 184 खिलाड़ियों ने भाग लिया। सभी वर्गों में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्रदान किये गये। आयु वर्ग 5 से 11 वर्ष में क्रमशः बालक में प्रथम रुद्र कोकटा, द्वितीय राघव नवाल, व तृतीय सौरभ बिड़ला, बालिका वर्ग में- प्रथम साम्या जागेटिया, आर्या गगरानी व परी लढा, 10 से 17 वर्ष बालक में रितेश पोरवाल, प्रतीक सोनी व राहुल राठी, बालिका में कृतिका राठी, सिमरन बिड़ला, महक हेड़ा क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय रहीं। 18 से 30 वर्ष पुरुष में क्रमशः गौरव जैथलिया, अंकित जागेटिया व विजय अजमेरा, महिला में पल्लवी कचौलिया, मीनल बिड़ला व पूजा झंवर, 31 वर्ष से अधिक पुरुष में कमलेश काबरा, राजेश सोडानी, राकेश शारदा तथा महिला में रेखा मूंदड़ा, नीलम दरगड़, कविता दरगड़ क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहीं। इस दौरान अतिथि के रूप में गोविंद राठी, अरविंद राठी, अनिल झंवर उपस्थित थे।

चेयर रेस- इस स्पर्धा के विभिन्न आयु वर्ग में कुल 132 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इनमें 8 से 15 वर्ष वर्ग बालक में आयुष दरगड़, कुश माहेश्वरी व प्रियांशु काबरा, बालिका वर्ग में कनिका राठी, सुनिधी माहेश्वरी व निष्ठा समदानी, 15 से 31 वर्ष तक पुरुष में अभिनव बंग, राहुल बाहेती व तनुज सोमानी, महिला वर्ग में पूजा झंवर, कनुप्रिया बंग व मीनल बिड़ला क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहीं। 31 वर्ष से अधिक पुरुष वर्ग में प्रथम, द्वितीय व तृतीय राजबहादुर भंसाली, मुकेश सोमानी व बसंतीलाल मूंदड़ा, महिला वर्ग में नीलम दरगड़, सरिता बल्दवा व सुमित्रा बंग रहीं। अतिथि के रूप में दिनेश सोमानी, सत्यनारायण समदानी, प्रमोद डाड व सुनील काबरा उपस्थित थे।

राष्ट्रीय स्पर्धा की तरह स्तरीय निर्णायक मंडल

इन स्पर्धाओं की विशेषता निष्पक्ष व अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार निर्णय होना भी रहीं। इसके लिये आर.सी.ए. पेनल के अम्पायरों द्वारा अम्पायरिंग की गई। जैसे क्रिकेट में हरित सारस्वत, विनोद शर्मा, सुमित मुरारी, नारायण वैष्णव, ईश्वर सुवालका, गजेंद्र सिंह व स्कोरर उस्मान गनी तथा बॉलीबाल में बलवीरसिंह, राजेश खटिक, बृजेश शर्मा, रोशन जोशी, कैलाश जोशी, बैडमिंटन में विनीत शर्मा जैसे राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय खिलाड़ी अम्पायर के रूप में उपस्थित थे।

उत्साह के अद्भुत नजारे

बॉलीबाल में 18 वर्षीय वैभव झंवर ने नेट पर खेलकर सबको आश्चर्यचकित कर दिया। खिलाड़ी के रूप में 62 वर्षीय भेरूदान करवा ने भी भाग लिया। कैरम में 60 वर्ष के लगभग के कैलाश सोमानी व प्रदीप बल्दवा न सिर्फ सबसे अधिक उम्र के खिलाड़ी थे बल्कि उन्होंने प्रथम स्थान भी प्राप्त किया। बैडमिंटन में 55 वर्षीय राजेश मदादा जो इसके प्रभारी भी थे, उन्होंने सिनियर डबल में प्रथम स्थान प्राप्त किया। बैडमिटन गेम रात को 12 बजे तक चलते रहे। इस बार बैडमिंटन में उम्रदराज महिलाओं ने भी भाग लिया। चेयर रेस में सास सुमित्रा देवी अपनी बहु कन्नूप्रिया बंग को साथ लेकर आयी और भाग लिया। नेहा सोमानी ने गर्दन झुकी होने बावजूद भाग लिया व साथ ही दौड़ में भी भाग लिया। जुडवां बहनों रिद्धि-सिद्धि नुवाल ने भी स्पर्धाओं में भाग लिया।

14 दिनों तक भीलवाड़ा में गूँजा 'जय महेश'

31 मई से 13 जून तक चला महेश नवमीं महोत्सव
रक्तदान जीवनदान से लेकर खेल-कला व संस्कृति की भी रही धूम

भीलवाड़ा। श्री नगर माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में 31 मई से 13 जून तक 14 दिवसीय महेश नवमी महोत्सव आयोजित हुआ। इसमें रक्तदान शिविर, महेश अभिषेक, प्रतिभा सम्मान, सांस्कृतिक, खेलकूद तथा रचनात्मक आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ।

शंकर सोनी, भीलवाड़ा

श्रीनगर माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में आयोजित 14 दिवसीय महेश नवमी महोत्सव पुस्तिका का 28 मई को सभा अध्यक्ष कार्यालय पर विमोचन किया गया। अध्यक्ष कैलाश कोठारी ने महोत्सव के तहत होने वाले आयोजनों की जानकारी दी। नगर मंत्री देवेंद्र सोमणी ने बताया कि पुस्तिका विमोचन के मौके पर सभा के संरक्षक रामेश्वरलाल काबरा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओमप्रकाश गट्टानी, जिला मंत्री कृष्णगोपाल जाखोटिया, संयोजक सत्येंद्र बिड़ला सह संयोजक सुरेशचंद कचोलिया आदि पदाधिकारी मौजूद थे।

बच्चों ने बनाई ड्राईंग-महिलाओं ने पहनी फैंसी ड्रेस

महेश नवमी पर्व अंतर्गत महिलाओं की रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आगाज महेश पब्लिक स्कूल में हुआ। कांता मैलाना व मीना तोषनीवाल ने बताया कि बच्चों ने ड्राईंग प्रतियोगिता में खूब रुचि ली एवं महिलाओं ने फेंसी ड्रेस पहनकर अपना दबदबा बताया। वंदना नुवाल व इंद्रा हेड़ा ने बताया कि फेंसी ड्रेस में चेतना जागेटिया प्रथम, पल्लवी लढा द्वितीय व मौनिका मूंदड़ा तृतीय रहीं। ड्राईंग प्रतियोगिता में 5-10 वर्ष आयुवर्ग में स्नेहा सोमाणी प्रथम, नेहल जागेटिया द्वितीय, दिपांशु चांडक तृतीय रही। 11 से 16 वर्ष आयु वर्ग में अवधि बिड़ला प्रथम, हार्दिका माहेश्वरी द्वितीय व अक्षत मैलाना तृतीय रहे। आयोजन में संजय कालोनी, बापूनगर व आर.के. आर.सी. व्यास कालोनी माहेश्वरी महिला मंडल का विशेष सहयोग रहा। फेंसी ड्रेस में जहां 8 महिलाओं ने भाग लिया, वहीं ड्राईंग प्रतियोगिता में 60 से 70 बच्चों ने भाग लिया।

फ्रूट ज्वेलरी -कविता-अन्ताक्षरी के रंग

कला स्पर्धा के अंतर्गत फ्रुट ज्वेलरी बनाओ, उभरता कवि एवं अंताक्षरी प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। लीला मोदी व गायत्री मूंदड़ा ने बताया कि फ्रूट ज्वेलरी के प्रतिभागियों ने विभिन्न तरह के फल एवं सब्जियों से आकर्षक गहने बनाए। इसमें कविता सोमानी प्रथम, चेतना जागेटिया द्वितीय नीलम दरगड़ एवं मीनिता नुवाल तृतीय स्थान पर रही। कीर्ति लोहिया व सीमा सोनी ने बताया कि इसी प्रकार उभरता कवि प्रतियोगिता में मालविका बाहेती प्रथम, शुभि भंडारी द्वितीय एवं आर्ची

महेश नवमी की सभी सामाजिक बन्धुओं को

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

नन्दकिशोर लखोटिया

प्रदेश अध्यक्ष,

कोलकाता माहेश्वरी सभा

मोबाइल - 098301-50693

493/सी/ए, जी.टी. रोड (साउथ)
विवेक विहार, व्ही-ब्लॉक-22, फ्लैट नं. 4-डी, हावड़ा-711102

सबका साथ - सबका विश्वास

टेलेंट सर्च भी हुआ

महोत्सव के दौरान महेश शिक्षा सदन में टेलेंट सर्च स्पर्धा हुई। प्रदीप लाठी, महेश देवपुरा एवं जगदीशप्रसाद कोगटा के मार्गदर्शन में कक्षा 11 व 12 एवं कक्षा छठवीं से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता करीब 1 घंटे चली। बहुविकल्पीय प्रश्नों के प्रति बच्चों ने काफी उत्साह दिखाया।

स्वागत द्वारों से सजा शहर

चौराहा सजावट समिति के मुख्य प्रभारी सुशील मरोठिया ने बताया कि पूरे नगर को महेशमय करने के उद्देश्य से शहर के 18 प्रमुख चौराहों को इस्टमेन चुनरी व लाइटिंग से सजाया गया, जिसमें प्रायोजकों के फ्लेक्स लगाये गये। स्वागत द्वार समिति के प्रमुख प्रमोद डाड ने बताया कि शोभायात्रा मार्ग पर 51 स्वागत द्वार लगाये गये। सभी स्वागत द्वार की साइज एक जैसी थी, ताकि राहगीरों को परेशानी ना उठानी पड़े। स्वागत द्वारों व चौराहों की सजावट से पूरा नगर महेशमय हो गया।

महाप्रसादी के साथ हुआ भव्य समापन

14 दिवसीय आयोजन का समापन रामेश्वर भवन में हुआ। यहां पर माहेश्वरी समाज का महाकुंभ हुआ जिसमें पूरा शहर उमड़ पड़ा। लगभग 15 हजार व्यक्तियों का सामूहिक स्नेहभोज हुआ। स्नेहभोज निर्माण

समाज के गौरव का पूरा शहर बना गवाह

श्री नगर माहेश्वरी सभा भीलवाड़ा के तत्वावधान में 14 दिवसीय महेश नवमी महोत्सव का समापन विशाल शोभायात्रा, भगवान शंकर के अभिषेक व माहेश्वरी 'महासंगम' स्नेह मिलन के साथ हुआ। सभा अध्यक्ष कैलाश कोठारी ने बताया कि केदारमल जागेटिया, छीतरमल बाहेती, रामप्रसाद आगाल व सहयोगियों ने भगवान शंकर का गोपालद्वारा मंदिर में विधि-विधान पूर्वक दुग्धाभिषेक किया गया। महामृत्युंजय के जाप करते हुए जय महेश का उद्घोष किया गया। शोभायात्रा के मुख्य प्रभारी उदयलाल समदानी ने बताया कि धूमधड़ाके गाजे बाजे के साथ विशाल शोभायात्रा निकाली गई। जिसके आगे-आगे थैला माईक, शहनाईवादक, ऊंटगाड़ी, हाथी, 10 घोड़े के बाद विशेष धुन ॐ नमः शिवाय की स्वर लहरियों के साथ 3 बैंड चल रहे थे। आगे पीतवस्त्र पहने महिलाओं का हुजूम चल रहा था। उसके बाद सफेद वस्त्र धारण कर पुरुष चल रहे थे। ॐ नमः शिवाय लिखे दुपट्टे गले में डाल रखे थे। जगह-जगह पुष्पवर्षा से स्वागत हो रहा था। शोभायात्रा मार्ग पर 51 स्वागत द्वार स्वागत के लिये बनाये गये थे। शोभायात्रा का एक छोर गोलप्याऊ पर था तो अंतिम छोर गुलमंडी में चल रहा था। जय महेश के उद्घोष के साथ शोभायात्रा में युवा नारे लगाते चल रहे थे। ढोल नगाड़ों की थाप पर जगह-जगह महिलाएं व पुरुष नाचते-गाते चल रहे थे। शोभायात्रा के अंत में झांकियाँ चल रही थीं। सबसे अंत में भगवान महेश की विशाल तस्वीर रखी गाड़ी चल रही थी। जानकीलाल बहरुपिया भगवान शंकर के रूप में आकर्षक लग रहे थे। जगह-जगह शीतल पेय-शर्बत, शोभायात्रा में चलने वाले स्वजन को दे रहे थे। शोभायात्रा मुख्य मार्गों से होती हुई आजाद चौक पहुंची जहां सभी को प्रसाद के रूप में अल्पाहार के पैकेट वितरित किए गए। शोभायात्रा में पहली बार सात हजार से अधिक स्वजन सम्मिलित हुए। शोभायात्रा में जोधपुर से आये मुख्य अतिथि संदीप काबरा संगठन मंत्री अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महासभा, रामपाल सोनी, रतनलाल नौलखा, ललिता समदानी, राधेश्याम सौमाणी, अनिल बांगड, सत्यनारायण डाड, जगदीश प्रसाद सोमानी, देवकरण गग्गड़, राधेश्याम चेचाणी, बाबूलाल जाजू, प्रहलाद लड्ढा, राजेश तोषनीवाल सहित समाज के पदाधिकारी व क्षेत्रीय सभाओं के सदस्य सम्मिलित थे।

समिति के प्रमुख रमेश नामधराणी के अनुसार 28 टीन घी, 15 बोरी आटा, 18 बोरी शक्कर, 70 टीन तेल आदि सामग्री से 140 हलवाई व सहायकों ने 4 दिन में भोजन तैयार किया। भोजन काउंटर व्यवस्था देख रहे सुभाष बाहेती ने बताया कि लगभग 20 काउंटर लगाये गये जिसमें लगभग 300 युवा साथियों की टीम लगाई गई। पानी की व्यवस्था देख रहे कैदार जागेटिया ने बताया कि आयोजन में इस बार डिस्पोजल का उपयोग नहीं किया गया। अनेक लोग भीड़ में सेल्फी लेते नजर आये। देवेंद्र सोमानी पूरे समय सभी व्यवस्थाओं के बारे में लोगों को जानकारी देते हुए नजर आये। पार्किंग की स्थिति यह थी कि इतना विशाल पार्किंग भी कारों के काफिले से ठसाठस भरा नजर आ रहा था। नगर सभा अध्यक्ष कैलाश कोठारी ने इस एतिहासिक आयोजन के लिए सभी का आभार प्रकट किया।

ये बने दर्शकों के आकर्षण केन्द्र

- घोड़ी का आकर्षण।
- हाथी व घोड़े।
- बैंड वालों का नाच।
- बैलगाड़ी में बैठे शहनाई वादक
- 3 बैंड, सफेद वस्त्र में पुरुष व पीले एक जैसे दुपट्टा ओढ़ी महिलाएँ।
- केदारमल जागेटिया द्वारा बनायी गई वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की झांकी।
- जानकीलाल बहरुपिया द्वारा भगवान शंकर का रूप धारण करना।
- बुजुर्ग व्यक्ति व युवा साथियों का नृत्य
- महिलाओं का कुल्फी खाने का आनंद लेना
- महेश बचत एवं साख समिति द्वारा पुष्पवर्षा करना
- आप पार्टी के रामकुमार जागेटिया व अशोक मूंदड़ा अपनी पार्टी का प्रचार करते हुए
- बैंड में सवार बच्चे
- ब्राह्मण महासभा द्वारा किया गया स्वागत।
- भव्य प्रसाद वितरण।
- महिलाओं एवं पुरुषों द्वारा ज्यूस का वितरण।

रक्तदान महादान का भी अद्भुत संदेश

महेश नवमी पर्व पर जिला एवं नगर युवा संगठन द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर ने सभी को रक्तदान का अद्भुत संदेश दिया गया। महेश नवमी महोत्सव पर माहेश्वरी समाज की ओर से विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इसमें बड़े, युवा, महिलाएँ, युवतियाँ सभी पूरे परिवार सहित जोश से रक्तदान करने पहुंचे। रक्तदान महेश पब्लिक स्कूल में प्रातः 8.30 बजे से सायं 5 बजे तक चला। मुख्य प्रभारी महेश जाजू ने बताया कि इसमें 331 रक्तदाताओं ने तेजगर्मी में रक्तदान किया गया। जिसमें पहली बार 51 महिलाएं रक्तदान करने आगे आई। 12 दंपत्तियों ने रक्तदान किया व 4 पूरे परिवार रक्तदान करने पहुंचे। रामस्नेह ब्लड बैंक की टीम द्वारा रक्त संग्रहण किया गया। रक्तदान शिविर के शुभारंभ के अवसर पर रामपाल सोनी पूर्व अध्यक्ष अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा, आर.एल. नौलखा, राधेश्याम सोमाणी प्रदेशाध्यक्ष दक्षिणांचल माहेश्वरी महासभा, नगर परिषद् चेयरमेन ललिता समदानी, जगदीश सोमाणी, कृष्णगोपाल जागेटिया, रामेश्वरलाल काबरा, ओमप्रकाश गट्टयाणी, देवकरण गग्गड़, प्रहलाद लढा, कन्हैयालाल खटोड़, राधेश्याम चेचाणी, राजेन्द्र कचोलिया आदि उपस्थित थे। शिविर की व्यवस्था में युवा टीम सुबह से ही पूरी मुश्तैदी से लगी हुई थी। जिसमें राकेश काबरा, नवीन काकाणी, कल्पेश सोमानी, क्षितिज सोमाणी, धीरज काबरा, तरुण सोमाणी, प्रवीण झंवर आदि शामिल थे। रक्तदान में युवा संगठन के साथ क्षेत्रीय माहेश्वरी सभाओं का भी पूरा सहयोग मिला।

उत्साह की अनूठी झलक

- राजेंद्र काबरा ने अपनी पत्नी संतोष देवी व पुत्री सुरभि काबरा के साथ रक्तदान किया। श्री काबरा लगभग 40 बार रक्तदान कर चुके हैं।
- राजकुमार मैलाना, अमित मैलाना, भव्या मैलाना व दीपक मैलाना ने एक साथ रक्तदान किया।
- नंदकिशोर बसेर ने अपनी पत्नी सावित्री बसेर के साथ रक्तदान किया।
- कचौलिया परिवार द्वारा सपरिवार रक्तदान किया गया। इसमें अल्पना कचौलिया, लाडदेवी कचौलिया, अक्षत कचौलिया, दिनेश कचौलिया व प्रतीक कचौलिया शामिल थे।
- बल्दवा परिवार के कैलाश बल्दवा, मंजू बल्दवा, सरिता बल्दवा, प्रतीक बल्दवा व शगुन बल्दवा ने रक्तदान किया।
- रुचित दाखेड़ा व माता कुसुम दाखेड़ा ने रक्तदान किया।
- मनोज दरक ने 61 वीं बार रक्तदान अपनी पत्नी रेखादेवी के साथ रक्तदान किया।
- लक्ष्मीदेवी चांडक ने अपनी बहू रेखा चांडक व पुत्री शशि चांडक के साथ किया।
- 44 वर्षीय दिनेश पटवारी द्वारा 62 वीं बार रक्तदान किया गया, वे 18 वर्ष की उम्र से ही रक्तदान करते आ रहे हैं।
- इस बार रक्तदान करने के पिछले सारे रिकार्ड तोड़ दिये गये। इतनी भयानक गर्मी के बावजूद रक्तदानकर्ताओं में भारी उत्साह व उमंग थी। अनेक पदाधिकारियों द्वारा भी रक्तदान किया गया।

चौराहा व मार्ग ''महेश'' के नाम

नगर परिषद् टाउन हाल में आयोजित सांस्कृतिक प्रोग्राम के अवसर पर नगर परिषद सभापति ललिता समदानी द्वारा भीलवाड़ा के कृषि मंडी चौराहे का नाम करण महेश चौराहा, महेश सेवा समिति वाले रोड का ''महेश मार्ग'' व रामेश्वरम भवन जाने वाले रोड का ''रामेश्वरम्'' मार्ग करने की घोषणा की गई।

पर्यावरण दिवस पर बांटी थैली

गोविंदप्रसाद सोडानी और उनके साथियों ने विश्व पर्यावरण दिवस पर लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए कपड़े की थैलियों का वितरण किया।

इस तरह हुआ आयोजन सफल

- कार्यालय समिति के मुख्य प्रभारी राजेंद्र पोरवाल के अनुसार इस कार्यक्रम की तैयारियां लगभग एक-डेढ़ महीने पूर्व से ही शुरू हो गई थी। इसमें समितियों के गठन से लेकर कानूनी व्यवस्थाओं व उन व्यवस्थाओं को मूर्तरूप देने व सुचारू रूप से चलाने हेतु संगठित करना बैठकें आयोजित करना, संबंधित कार्य को अलर्ट करना व अंत में धन्यवाद लेटर देने तक का कार्य कार्यालय के माध्यम से किया गया। इसमें विशेष सहयोग लक्ष्मीनारायण सोमानी का रहा।
- प्रचार-प्रसार समिति के प्रमुख महावीर समदानी के अनुसार शहर को महेश मय करने के उद्देश्य से हर कार्यक्रम का समाचार स्थानीय पेपर में अच्छे तरीके से दिया गया जिससे इस महोत्सव के प्रति उत्साह व उमंग बढ़ी।
- कूपन वितरण के मुख्य प्रभारी गोपाललाल नाराणीवाल के अनुसार क्षेत्रीय संगठनों के सहयोग से 15 दिन पूर्व कूपन से ही वितरीत किये गये। शहर में 17 जगह कूपन वितरण केंद्र बनाये गये। लगभग कुल 13 हजार कूपन वितरीत किये गये। दूसरे समाजों के अध्यक्ष व मंत्री व सरकारी व गैर सरकारी पदाधिकारी, सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों व राजनैतिक व्यक्तियों को भी कूपन के माध्यम से निमंत्रण भेजा गया। इस कार्य में अशोक बिड़ला व सुंदरलाल तुरकिया का विशेष सयोग रहा।
- वित्त समिति के मुख्य प्रभारी ओमप्रकाश गट्टानी के अनुसार इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये धन की कमी नहीं आये इसके लिये शहर के दानदाताओं से धन एकत्र किया गया। इसमें समस्त नगर माहेश्वरी सभा के पदाधिकारियों के साथ रमेश नामधारानी, अनिल बांगड, राजेंद्र बिड़ला, सुरेश बिड़ला, राधेश्याम सोमानी, रमेश राठी व राजेंद्र कोठारी का विशेष सहयोग रहा।

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को
हार्दिक शुभकामनाएँ

।। जय महेश ।।

।। जय महेश ।।

Geeta Shree
Collection

Exclusive Suiting, Shirting
& Suitlength Showroom

Gole Pyiou Chouraha, Bhilwara (Raj.)

Raymond LINEN CLUB BIRLA CENTURY A DIVISION OF CENTURY TEXTILES AND INDUSTRIES LIMITED
DONEAR ARVIND Italian Channel

Sushil Darak
94141-15728

Gaurav Mundra
94686-09013

अनिषा को 92 प्रतिशत अंक

महू। समाज सदस्य दीपक व मीना माहेश्वरी की सुपुत्री अनीषा माहेश्वरी ने सीबीएसई कक्षा 12वीं (कॉमर्स) की परीक्षा 92 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

नुपूर को 93 प्रतिशत अंक

उज्जैन। समाज सदस्य वीरेंद्र गट्टानी की सुपुत्री नुपूर गट्टानी ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का परिचय देते हुए सीबीएसई 10 वीं की परीक्षा 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की। इसमें उन्होंने स्कूल में तीसरा स्थान प्राप्त किया है।

अक्षिता को 96 प्रतिशत अंक

कोटकपूर। समाज सदस्य रेखा व अभिषेक सोमानी की सुपुत्री अक्षिता सोमानी ने सीबीएसई 12वीं की परीक्षा विज्ञान विषय में 96.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की। इसमें उसने जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

आस्था को 9.2 सीजीपीए

अहमदाबाद। शालिनी व सुरेश कुमार लखोटिया की सुपुत्री आस्था लखोटिया ने सीबीएसई द्वारा आयोजित 10 वीं बोर्ड परीक्षा 9.2 सीजीपीए अंकों के साथ उत्तीर्ण की।

ऋषि को 96 प्रतिशत अंक

अकोला। समाज सदस्य गणेशलाल हेडा के पौत्र एवं स्व. श्री रवींद्र सरला हेड़ा के सुपुत्र ऋषि हेड़ा ने महाराष्ट्र राज्य बोर्ड की 10 वीं की परीक्षा 96.20 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर जलगांव खानदेश के महापौर नितिन लड्ढा ने महेश नवमी के अवसर पर उनका अभिनंदन किया।

राष्ट्रीय स्पर्धा में राघव

छिंदवाड़ा। समाज सदस्य प्रदीप व कीर्ति राठी के सुपुत्र राघव राठी ने हरिद्वार में गत दिनों आयोजित इंटर स्कूल नेशनल चैंपियन्स क्रिकेट लीग में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसमें उनकी टीम फाइनल मैच तक पहुंची और रनरअप होने का सम्मान प्राप्त किया।

तृप्ति को 94 प्रतिशत अंक

अमरावती। उद्योगपति विष्णुप्रकाश भौवरीलाल भंडारी की सुपुत्री तृप्ति ने 12वीं की परीक्षा 94 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। तृप्ति ने आलम्पियाड की परीक्षा में गोल्ड मेडल तथा कक्षा 10 वीं की बोर्ड परीक्षा में भी 98.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किये थे।

मयंक 10 सीजीपीए अंक

सिरसा। समाज सदस्य संजय कुमार व सोनिया बागड़ी के सुपुत्र मयंक बागड़ी ने सीबीएसई की कक्षा 10वीं की परीक्षा 10 सीजीपीए (ए प्लस ग्रेड) के साथ उत्तीर्ण की। मयंक बैडमिंटन के श्रेष्ठ खिलाड़ियों में भी अपनी पहचान रखते हैं।

धीरज जेईई एडवांस में चयनित

नोहर। कृष्णादेवी व ओमप्रकाश कलानी के सुपौत्र तथा कल्पना संजय कुमार कलानी के सुपुत्र धीरज कलानी ने आईआईटी की संयुक्त प्रवेश परीक्षा जेईई में अखिल भारतीय स्तर पर 7026 वीं रैंक प्राप्त की।

हर्षा को 97 प्रतिशत अंक

अमरावती। जयकिशन व पदमाबाई राठी की पोती तथा सुरेश व नीता राठी की सुपुत्री हर्षा राठी ने महाराष्ट्र बोर्ड की 10वीं की परीक्षा 97.60 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की।

वृंदा को केवीपीवाय में सफलता

नासिक। समाज की प्रतिभा वृंदा राठी द्वारा विगत दिनों केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (केवीपीवाय-2015) परीक्षा में 260वाँ नंबर प्राप्त कर फैलोशिप की पात्रता प्राप्त की गई। उन्होंने रीजनल मैथेमेटिक ओलंपियाड (आरएमओ) की एमटीएसई में भी महाराष्ट्र राज्य में दसवाँ स्थान प्राप्त किया है। वृंदा राठी नासिक (रोड) के नंदकुमार एवं कृष्णा राठी की सुपुत्री एवं अ.भा. माहेश्वरी महासभा के कार्यसमिति सदस्य मोहन राठी की पौत्री हैं।

सुरभि को 95 प्रतिशत अंक

अमरावती। रामप्रसाद सोनी की पोती व कमलकिशोर सोनी की सुपुत्री सुरभि ने कक्षा 10वीं में 95 प्रतिशत अंक हासिल किये हैं।

राशि को 97 प्रतिशत अंक

थाणे। समाज की प्रतिभा राशि डागा ने केंद्रीय बोर्ड की हायर सेकेंण्डरी परीक्षा 97 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। राशि थाना के सुप्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता ओमप्रकाश तथा कृष्णा राठी की दोहिती तथा माधुरी तथा शैलेशी डागा की सुपुत्री है।

दिशा को 10 सीजीपीए

हैदराबाद। रीता व नरेश कुमार मूंधड़ा की सुपुत्री दिशा मूंधड़ा ने सीबीएसई द्वारा आयोजित 10वीं बोर्ड परीक्षा में 10 सीजीपीए (ए प्लस ग्रेड) अंकों से उत्तीर्ण की।

यश को 10 सीजीपीए

आगरा। पूर्व जिला मंत्री प्रभात कुमार माहेश्वरी एवं ममता माहेश्वरी के सुपुत्र यश माहेश्वरी ने सीबीएसई की कक्षा 10वीं की परीक्षा 10 सीजीपीए के साथ उत्तीर्ण की।

स्वाति व नेहा रहीं अव्वल

स्वाति

नेहा

मुजफ्फरपुर। समाज सदस्य मनोज व मनीषा डागा की दोनों सुपुत्री ने शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त की है। स्वाति ने सीबीएसई दसवीं की परीक्षा फ्रेंच भाषा सहित 10 सीजीपीए अंक के साथ उत्तीर्ण की। इसी प्रकार नेहा ने होम साइंस विषय सहित सीबीएसई 12वीं की परीक्षा 90 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की।

अर्नव को 10 सीजीपीए

उज्जैन। सीबीएसई की कक्षा 10वीं परीक्षा में समाज सदस्य विजय-सोनाली भूतड़ा के सुपुत्र अर्नव भूतड़ा ने 10 सीजीपीए अंक प्राप्त किए। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

संकल्प को 91 प्रतिशत अंक

डोम्बिवली। ठाणे निवासी समाज सदस्य अविता और महेश सोनी के सुपुत्र संकल्प ने 12वीं (विज्ञान) की परीक्षा 91 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की। इसके साथ उन्होंने महाराष्ट्र मेडिकल प्रवेश परीक्षा सीईटी में 183 अंक प्राप्त किए हैं। संकल्प के पिता महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा रोजगार समिति अध्यक्ष भी हैं। इस उपलब्धि पर महाराष्ट्र प्रदेश, थाना जिला तथा डोम्बिवली माहेश्वरी समाज द्वारा संकल्प का अभिनंदन किया गया।

अर्जित को 10 सीजीपीए

नागपुर। महाराष्ट्र के वर्धा जिले में स्थित हिंगणघाट शहर के प्रतिष्ठित उद्योगपति विनयकुमार मोहता के सुपुत्र अर्जित मोहता ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 10 सीजीपीए के साथ उत्तीर्ण की है। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

तरुण को प्रदेश में चौथी रैंक

मेहकर। समाज सदस्य गोपाल गट्टानी के सुपुत्र तरुण गट्टानी ने महाराष्ट्र राज्य बोर्ड की 12वीं की परीक्षा 96.76 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की। इसमें उन्होंने संपूर्ण बुलडाणा जिले में प्रथम, अमरावती संभाग में द्वितीय व महाराष्ट्र राज्य में चौथी रैंक पाई है। इसके साथ तरुण ने सीईटी मेडिकल प्रवेश परीक्षा में भी 200 में से 195 अंक प्राप्त किए और एमबीबीएस में प्रवेश प्राप्त किया है।

यश को 93 प्रतिशत अंक

परतवाड़ा। समाज सदस्य डॉ. किशोर काबरा व डॉ. प्रीति काबरा के सुपुत्र यश ने महाराष्ट्र बोर्ड की कक्षा दसवीं की परीक्षा 93.40 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। इस परीक्षा में उन्होंने गणित में 100 में से 100 अंक प्राप्त किए हैं।

अवनी भूतड़ा को 92 प्रतिशत अंक

उज्जैन। सीबीएसई 12वीं की परीक्षा में विजय-सोनाली भूतड़ा की सुपुत्री अवनी भूतड़ा ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। सभी स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

खुशी को 9 सीजीपीए

उज्जैन। प्रतिष्ठित व्यवसायी किशोर कुमार राठी की पौत्री तथा शैलेंद्र कुमार राठी की सुपुत्री खुशी राठी ने सीबीएसई कक्षा दसवीं की परीक्षा 9 सीजीपीए के साथ उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

गिन्नी को 10 सीजीपीए

मोदीनगर। समाज की प्रतिभा गिन्नी राठी ने सीबीएसई बोर्ड की 10वीं की परीक्षा 10 सीजीपीए के साथ उत्तीर्ण की। गिन्नी डॉ. संजय राठी व भावना राठी की सुपुत्री हैं। इस उपलब्धि पर स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

सोमिल को 9.6 सीजीपीए

उज्जैन। समाज सदस्य कविता-शरद सोमानी के सुपुत्र सोमिल सोमानी ने सीबीएसई की दसवीं बोर्ड परीक्षा 9.6 सीजीपीए अंक के साथ उत्तीर्ण की। उनकी इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष जताया है।

राधेश को 9.8 सीजीपीए

राजगंगपुर (ओडीश)। समाज सदस्य लोकेशकुमार बाहेती के सुपुत्र राधेश बाहेती ने सीबीएसई की दसवीं की परीक्षा 9.8 सीजीपीए के साथ उत्तीर्ण की। उल्लेखनीय है कि राधेश के पिता श्री बाहेती यहां स्थित डालमिया ग्रुप की कंपनी ओसीएल इंडिया लि. में सीनियर जनरल मैनेजर (आपरेशंस) हैं।

मुकुंद को 94 प्रतिशत अंक

नागपुर। सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल सादानी के पौत्र व श्याम-विनीता सादानी के सुपुत्र मुकुंद ने सीबीएसई कक्षा दसवीं की परीक्षा 94.4 प्रतिशंत अंकों के साथ उत्तीर्ण उत्तीर्ण की।

एकता को 97 प्रतिशत अंक

वरंगल। माहेश्वरी समाज वरंगल के सदस्य नंदकिशोर लाहोटी सोलापुर महाराष्ट्र जिले के बार्शी तालुका में कार्यरत हैं। उनकी सुपुत्री एकता लाहोटी ने दसवीं कक्षा की परीक्षा 97.2 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। इसमें उन्होंने 500 में से 486 अंक प्राप्त किए हैं। एकता ने संपूर्ण सोलापुर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

वत्सल को 10 सीजीपीए

उज्जैन। वरिष्ठ समाजसेवी आनंदीलाल-हेमलता गाँधी के दौहित्र एवं अर्पित-सपना राठी के सुपुत्र वत्सल राठी ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा 10 सीजीपीए अंकों के साथ उत्तीर्ण की है।

कई अबूझ प्रश्न छोड़ जाएगा

महासभा का 27वाँ सत्र

अ.भा. माहेश्वरी महासभा का वर्तमान 27वाँ सत्र अपनी समाप्ति की ओर है। वैधानिक रूप से इस सत्र का त्रैवार्षिक कार्यकाल आगामी 30 जून को समाप्त हो रहा है। इस सत्र के लिए पदाधिकारियों के चुनाव 30 जून 2013 को रायपुर (छग) में हुए थे। इसमें कोलकाता के वरिष्ठ समाजसेवी जोधराज लड्ढा के नेतृत्व वाला सहयोग पैनल विजयी हुआ था। इसी के साथ श्री लड्ढा सभापति निर्वाचित हुए। श्री लड्ढा की व्यावसायिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री तथा सामाजिक क्षेत्र में भामाशाह के रूप में रही है। अतः समाज ने बड़ी आशा के साथ उन्हें अपने शीर्ष संगठन का दायित्व सौंपा। उनके नेतृत्व वाला यह सत्र अपने 3 वर्ष तो पूर्ण कर ही चुका है, अब तो चुनाव की तैयारी न होने से विस्तारित भी हो चुका है। इस तरह कम से कम इस सत्र की अवधि साढ़े तीन वर्ष से कम तो नहीं रहेगी। इतनी लंबी अवधि के बावजूद उपलब्धियों को लेकर हर कोई अंगुलियां ही उठा रहा है।

सिर्फ सुप्तकाल को छोड़ दिया जाए तो समाज के शीर्ष संगठन अ.भा. माहेश्वरी महासभा के अभी तक के लगभग हर सत्र ने अपनी उपलब्धियों से इतिहास रचा है। इस सत्रों को इन उपलब्धियों से ही जाना जाता रहेगा, लेकिन वर्तमान 27वां सत्र अपने कई अबूझ प्रश्नों के लिए जाना जाएगा क्योंकि यह सत्र तो ऐतिहासिक उपलब्धियों से लगभग शून्य ही रहा है। बस हैं तो सवाल जो हर कोई करेगा....

क्या वरिष्ठों को अवसर देना गलत?

महासभा के चुनाव के पूर्व भी मुद्दा उठा था कि महासभा के उम्मीदवारों के लिए अधिकतम आयु सीमा तय की जाए। तब समाज के प्रबुद्धजनों व तमाम वरिष्ठों ने विरोध किया था कि समाजहित में यदि कोई वरिष्ठ आगे आता है तो वह अपनी सामर्थ्य और आत्म विश्वास से ही आगे आता है। अतः उन्हें चुनावी प्रक्रिया से बाहर करने का अर्थ है, संगठन से अनुभव के पारस को छीन लेना। अतः जन भावना को देखते हुए इस प्रस्ताव को वापस ले लिया गया। लेकिन इस सत्र ने यह प्रश्न पुनः खड़ा कर दिया है कि क्या इस मुद्दे पर पुनर्विचार नहीं होना चाहिए? वर्तमान सत्र की लगभग पूर्ण अवधि में अपनी उम्र की परेशानियों के कारण श्री लड्ढा सभापति पद की जिम्मेदारियों का निर्वहन न कर सके। इस दौरान वे अधिकांश रूप से इतने अस्वथ्य रहे कि औपचारिक अध्यक्षीय भाषण से ही उन्होंने अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली।

पद का औचित्य क्या है?

अभा माहेश्वरी महासभा में सभापति, उपाध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष आदि पदों की विधान अनुसार ही व्यवस्था दी गई है। इसमें सभापति महासभा का सर्वोच्च पदाधिकारी होता है और वही समस्त बैठकों की अध्यक्षता करते हुए नेतृत्व करता है। महामंत्री सहित समस्त पदाधिकारी सभापति के निर्देशानुसार कार्य करते हैं। लेकिन इस सत्र में ऐसा नहीं हुआ। अपनी अस्वस्था के कारण सभापति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन नहीं कर पाए। ऐसी स्थिति में सभापति पद की जिम्मेदारियों को भी महामंत्री ने निभाने का भरपूर प्रयास किया। इसी का नतीजा है कि महासभा 60 के दशक की तरह निष्क्रिय नहीं हुई। लेकिन इस स्थिति ने एक प्रश्न अवश्य ही छोड़ दिया है कि यदि सभापति दायित्व निर्वहन में असमर्थ हों तो भी क्या उन्हें पद पर बैठाए रखना चाहिए? क्या यह समाजहित में है? यदि महामंत्री ही समस्त दायित्वों का निर्वहन कर सकते हैं तो सभापति पद का औचित्य क्या है? समाज संगठन में तो जिम्मेदारी के पद पर सक्रिय कार्यकर्ता को बैठाया जाता है, न कि रबर स्टाम्प को। यदि इसी तरह नाम के लिए सभापति पद पर किसी को भी उसकी क्षमता देखें बिना आसीन करते रहे तो इस पद की गरिमा ही समाप्त हो जाएगी। ऐसी स्थिति के लिए विधान में संशोधन कर निष्क्रिय पदाधिकारी को वापस बुलाकर उसके स्थान पर नये निर्वाचन की व्यवस्था की जाना चाहिए।

क्या पदाधिकारी की कोई नैतिक जिम्मेदारी नहीं?

समाज संगठन कोई राजनीतिक संगठन नहीं होता। वास्तव में तो चुनाव भी एक औचारिकता मात्र ही होते हैं, अन्यथा लक्ष्य तो समाज की सेवा होता है, न कि कोई पद-प्रतिष्ठा अथवा लाभ। अतः समाज संगठन के पदाधिकारी का सबसे बड़ा लक्ष्य सिर्फ और सिर्फ समाज हित होता है। ऐसे में राजनीति की तरह अविश्वास प्रस्ताव या महाभियोग जैसी स्थिति लाकर किसी पदाधिकरी को पद से हटाना समाज के लिए असम्मानजनक होता है। यहाँ तो पदाधिकारी का नैतिक कर्तव्य होता है कि यदि वह किसी

क्या थीं इस सत्र की प्रमुख घोषणाएँ

- महासभा कार्यकारी मंडल एवं कार्यसमिति द्वारा जो भी समय-समय पर निर्देश मिलेंगे उन्हें पूरा करना मेरा पहला मुख्य कार्य होगा।
- सभी गौरवशाली ट्रस्टों, छात्रावासों, माहेश्वरी मुखपत्र, चिकित्सा सहायता केंद्रों, जिनका संचालन महासभा द्वारा होता है, को अधिक सामयिक और साधन संपन्न बनाना।
- समाज के वरिष्ठजनों, पूर्व पदाधिकारियों एवं भामाशाहों के अनुभवों, विचारों का पूर्ण लाभ उठाते हुए उनकी भावनाओं को पूरा सम्मान मिले, इसका पूरा ध्यान रखना।
- संगठन एवं कार्यकर्ताओं के आपसी मतभेद, दुराव या किसी भी प्रकार के विवाद को सुलझाकर पुनः सामंजस्य बैठाकर संगठन को अधिक मजबूत और सक्रिय बनाने का प्रयास करना।
- युवा पीढ़ी को समाज से और अधिक जोड़ने तथा उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए समयानुकूल योजनाएँ बनाकर लागू करना।
- नयी प्रतिभाओं को आगे लाने के साथ-साथ हमारे मेधावी बच्चों को प्रशासनिक एवं न्यायिक सेवाओं में आगे लाने के लिए उन्हें पूर्ण सहयोग मिले, इसके लिए योजना बनाकर कार्य करना।
- बदलते मौसम में महिलाओं की सार्थक भूमिका का निर्वहन संगठन, परिवार व उद्योग में और अधिक कारगर ढंग से हो, इसके पूर्ण प्रयास करना।
- बढ़ती तलाक समस्या, सगाई संबंध में आ रही समस्या आदि को दूर करने के साथ सामूहिक विवाह के आयोजनों को विशेष प्रोत्साहन दिया जाए, ऐसी योजना तैयार कर लागू करना।
- बालिकाओं की कमी से उत्पन्न समस्या को देखते हुए कन्या भ्रूणहत्या को रोकने के लिए प्रयास एवं जन्म को प्रोत्साहन देने हेतु कार्ययोजना लागू करना।
- समाज का प्रत्येक परिवार प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से महासभा से जुड़े व सुदूर क्षेत्रों के लोगों को महासभा की योजनाओं का लाभ मिले, इस पर पारदर्शिता से कार्य हो, ऐसे प्रयास होंगे।
- हमारे समाज के लोगों की घटती हुई आबादी को रोकने पर चिंतन व उचित मार्गदर्शन।
- समाज के विकास के लिए जरूरी है कि हमारा राजनीतिक क्षेत्र में भी योगदान बढ़े, जिसके लिए अनुभवी लोगों के माध्यम से नये कार्य करना।
- देशभर के बंधुओं के लिए प्रत्येक शहर व क्षेत्र के कार्यकर्ताओं और प्रभावशाली बंधुओं की हेल्पलाइन तैयार करवाना।
- अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा का अपना कोई केंद्रीय भवन नहीं है। प्राथमिकता के साथ हमारी राजधानी दिल्ली में एक विशाल केंद्रीय भवन के निर्माण की योजना बनाकर क्रियान्वित करना।
- यह युग संचार क्रांति का युग है, कम्प्यूटर युग है। ऐसे में संगठन के कार्यों और योजनाओं को वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन बनाकर और भी सरल और सुलभ बनाना।

भी कारण से अपने कर्तव्यों का ठीक से निर्वहन नहीं कर पा रहा है तो अपना पद छोड़ दे, जिससे समाज की गतिविधियाँ प्रभावित न हों। कम से कम महासभा के विधान में प्रत्याशियों की आचार संहिता तय करते समय इस संबंध में अवश्य ही शपथ पत्र लिया जाना चाहिए।

सिर्फ सम्पन्न व्यक्ति ही श्रेष्ठ?

विगत कुछ समय से समाज के शीर्ष पदों पर संपन्न लोगों का ही बोलबाला है। योग्य होते हुए भी आम समाजसेवी को तो नेतृत्व की जिम्मेदारी से लगभग नकार ही दिया गया है। चुनाव में पानी की तरह जो प्रत्याशी पैसा बहाते हैं, उन्हें ही प्रत्याशी के रूप में अवसर मिलता है और समाज के शिखर सिंहासन पर आसीन होने का भी। इसी स्थिति के कारण आम समर्पित समाजसेवी संगठन की मुख्यधारा से दूर जाने लगे हैं। किसी भी तरह सिर्फ पद पर पहुँचने की जैसे होड़ सी लगी है। अतः हर समाजजन अब प्रश्न करने लगा है कि क्या चुनाव प्रणाली में ऐसा सुधार नहीं किया जाना चाहिए कि जिससे वास्तविक सेवा भावना रखने वाले को ही अवसर मिले?

क्या चुनावी घोषणाएं सिर्फ लुभाने के लिए?

वर्तमान स्थिति को देखते हुए ऐसा लगता है कि चुनावी घोषणा-पत्र सिफ चुनाव जीतने का एक हथियार बन चुके हैं। मात्र घोषणा करने में कोई परेशानी नहीं होती और इन्हें पूरी करना या न करना प्रत्याशी की इच्छा पर रहता है। समाज तो इस पदाधिकारियों की इस 'इच्छा' नामक दया पर ही असहाय सा आश्रित रहता है। वर्तमान सत्र में सभापति श्री लड्ढा ने अपने चुनावी घोषणा-पत्र में मुख्य रूप से 16 घोषणाएँ की थीं। इन घोषणाओं का सम्मान करते हुए समाज ने उन्हें अवसर दिया लेकिन कुछ गिनी-चुनी घोषणाओं को छोड़कर कोई भी पूरी नहीं हो सकी। जो घोषणाएँ पूर्ण हुईं उसके पीछे भी बहुत कुछ तो महासभा की टीम का ही योगदान है। क्या ऐसी घोषणाओं को पूर्ण करवाने के लिए कोई नियम नहीं होना चाहिए? अन्यथा ऐसी घोषणाएँ तो समाज के साथ छलावा ही हैं और ये संगठन के प्रति समाज के विश्वास को कमजोर ही बनाएँगी।

क्या हो महासभा में सुधार?

जिम्मेदारी वहन करने का वादा

महासभा का नेतृत्व सिर्फ सम्पन्नता को न देखते हुए समाज के प्रति समर्पण व सेवाभाव के आधार पर तय किया जाना चाहिए। इसके साथ ही यह निर्वाचन प्रक्रिया के प्रारम्भ में ही प्रत्याशियों से अपने पद की जिम्मेदारी वहन करने व ऐसा न करने पर पद छोड़ देने का शपथ-पत्र लेना चाहिए। किसी भी स्थिति में समाज का अहित न हो और उसे योग्य नेतृत्व मिले, यह हम सभी की जिम्मेदारी है।

- विमलादेवी साबू, पूर्व अध्यक्ष, अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

निःसंकोच करें पद का त्याग

आज कल लोग अपने प्रभाव से येन-केन प्रकारेण महासभा का पद प्राप्त कर लेते हैं और उसका दुरुपयोग करते हैं और योग्य व्यक्ति पीछे कर देते हैं जिससे पदाधिकारी को पद के निर्वाचन के पूर्व शपथ सार्वजनिक करना चाहिए कि यदि वह उस पद के साथ न्याय नहीं कर पा रहा है, तो उसे निःसंकोच पद त्याग कर आदर्श स्थापित करना चाहिए। इसमें किसी प्रकार की प्रतिष्ठा नहीं बनना चाहिए। यह पद समाज ने सौंपा है, सम्मान किया है तो उसके साथ न्याय करना चाहिए।

- नारायणलाल दम्मानी, जिला महामंत्री, बीकानेर

नैतिक जवाबदारी समझें

कोई भी पदाधिकारी निर्वाचित होकर आता है, तो स्वयं कर्तव्य पालन की शपथ लेता है। उसमें कहा भी जाता है कि वह समाज के उत्थान के लिए उत्तरदायी रहेगा। अतः यदि वह अपने पद की जिम्मेदारियों का निर्वहन नहीं कर पा रहा है, तो चूंकि वह समाज का नेतृत्व कर रहा है अतः नैतिक कर्तव्य है कि वह समाज के इस पद से अलग हो जाए। यदि वह ऐसा नहीं करता तो समाज की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भी व्यवस्था हो ऐसी स्थिति में कार्यसमिति की नैतिक जिम्मेदारी है कि समाज को गतिशील रखे। पद पर बैठक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी का बोध कराए। समाज के हर व्यक्ति को नैतिक जिम्मेदारी समझकर निर्णय लेना चाहिए।

- गिरिराज चाचा
कार्यकारी मंडल सदस्य, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

स्वतः ही पद छोड़े

यदि समाज के लिये समय नहीं है या इच्छा शक्ति का अभाव है अथवा कोई विवशता हो, तो ऐसे व्यक्ति को समाज में कोई जिम्मेदारी का पद नहीं लेना चाहिये। यदि वह पद ले ले और फिर उसे ऐसा लगे कि वह पद के साथ न्याय नहीं कर रहा है, तो उसे स्वयं ही पद छोड़ देना चाहिये। क्योंकि ये पद कोई यश-लाभ के नहीं होते। पुष्कर माहेश्वरी सेवा सदन की बैठक में भी मैंने यही कहा था। समाज संगठन की सीट कोरम की नहीं बल्कि सेवा के लिये है। यदि ऐसी स्थिति में भी वह स्वयं पद नहीं छोड़ता तो कार्यकारी मंडल का कर्तव्य बनता है कि ऐसे व्यक्ति से इस्तीफा ले या अविश्वास प्रस्ताव लाऐ। ऐसा अविश्वास प्रस्ताव गुटबंदी से ऊपर उठकर भारी बहुमत से पारित होना चाहिये।

- सूर्यप्रकाश लड्ढा
उपाध्यक्ष पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा

कर्तव्य बोध कराना जरूरी

वर्तमान में समाज की स्थिति का आपसी संबंधों पर असर पड़ रहा है। संगठन में जो मजबूती आनी चाहिये न आते हुए वह और कमजोर होता जा रहा है। पद लालसा व झूठी शान के लिये कुछ लोग दूसरों के कंधों पर राजनीति कर रहे हैं। जो सही में समाजसेवी हैं और निःस्वार्थ भाव से समाज सेवा करना चाहते हैं, वे संगठन से दूर होते जा रहे हैं। आवश्यकता तो ऐसे लोगों को पद पर लाने की है। चुनावों से गुटबंदी बढ़ती है। अतः यदि चुनाव की बजाय निर्विरोध चयन हो तो गुटबंदी स्वतः समाप्त हो जाऐगी। यदि कोई व्यक्ति येनकेन प्रकारेण समाज का जिम्मेवार पद ले लेता है और अपने कर्तव्य का पालन नहीं करता, तो उसे उसका कर्तव्य बोध कराना चाहिए।

- नवल राठी, चेन्नई
कार्यकारी मंडल सदस्य, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

सर्वसम्मति से हो चयन

महासभा के आगामी होने वाले चुनाव के सभापति हेतु जो नाम सामने आ रहे हैं, सबसे भलीभांति अवगत हैं। मेरा विचार है कि चुनाव के पूर्व महासभा के प्रबुद्ध लोग एक बैठक रखें, जो महासभा के हित में सोच समझकर सर्वानुमति से निर्णय ले और सभापति का चयन करे। इससे महासभा की गरिमा बढ़ेगी और समाज का कार्य सुचारु रूप से चलेगा। चुनाव में गुटबंदी बढ़ती है। कार्यों में रुकावट आती है। ये हम सभी के अनुभव हैं।

- नथमल डालिया
पूर्व उपसभापति, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

वापस बुलाएँ ऐसे पदाधिकारी को

इस सत्र में जो स्थिति रही उस से समाज 15-20 साल पीछे चला गया। सन् 1960 में भी स्थिति ऐसी ही बनी थी। यदि पद पर बैठा कोई पदाधिकारी किसी कारण वश कर्तव्य पालन नहीं कर पा रहा है तो पहले खुद को चाहिए कि पद त्याग करें। यदि वो पद नहीं छोड़ते तो महासभा के कार्यकारी मंडल की जिम्मेदारी है कि ऐसे व्यक्ति को पद मुक्त करें तथा योग्य व्यक्ति का चयन करें। समाज का नुकसान किसी भी स्थिति में नहीं होना चाहिए।

- जगदीश मूंदड़ा
कार्यकारी मंडल सदस्य, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

कर्तव्यों की शपथ की व्यवस्था हो

किसी पदाधिकारी को यदि ऐसा लगे कि वह अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं कर पा रहा है, तो उसे स्वतः ही इस्तीफा समाज हित में दे देना चाहिए। यदि वह अपनी जिम्मेदारी नहीं समझ पा रहा है, तो उसके परिवार को चाहिए कि उसे पद से मुक्त करवाए। फिर भी वह पद को त्यागता नहीं है, तो संविधान में ऐसी व्यवस्था के लिये संशोधन करना चाहिए। उसे कर्तव्य बोध कराएं नहीं तो उसे पद मुक्त कर देना चाहिए। समाज को ऐसे अयोग्य व्यक्ति की वजह से नुकसान नहीं झेलना चाहिए। चुनाव के पूर्व ही ऐसी शपथ की व्यवस्था होनी चाहिए।

- अजय काबरा
संयुक्त मंत्री, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

असमर्थता में स्वयं छोड़ें पद

एक सामाजिक व्यक्ति जिनको समाज की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यदि वह अपने पद के साथ किसी कारण वश न्याय नहीं कर पा रहा है। तो उसको स्वयं ही वह पद छोड़ देना चाहिए। ऐसी स्थिति में अन्य किसी को अवसर देना चाहिए। यह सम्मानजक होगा।

- गीता मूंदड़ा
पूर्व अध्यक्ष अ.भा. माहेश्वरी महिला मंडल

WITH BEST COMPLIMENTS FROM

THE PACKAGING PEOPLE

Kraft Paper Mill
Shriniwas Board and Paper Pvt Ltd, Dewas

Corrugated Box:
Shree Packers (MP) Pvt Ltd, Ujjain an ISO 9001-2008 Certified Co
Vyanktesh Corrugators Pvt Ltd,Ujjain an ISO 9001-2008 Certified Co
Automatic 3/5 Ply Plant

HDPE Container & Accessories
Arpit Plastics Pvt Ltd, Ujjain
Shriji Polymers Pvt Ltd, Ujjain
Caps & Bottle for Pharmaceuiticals
(President's Award Winning Unit)

Manufacturers of All types of Corrugated Boxes, Dye Cut Boxes, Laminated and Offset Printed Cartons for Domestic & Export for Textile, Cosmetics, Engineering, Automobile, Pharmaceuticals, Food & Beverages , DMF approved facility for Bottles and CR Caps.

Contact Number:0734-2527320-23 Fax Number:0734-2519691
Email:anand@packingpeople.com Website:www.packingpeople.com

कार्यकर्ता हूँ और कार्यकर्ता ही रहूँगा - श्याम सुंदर बिड़ला

समाज की शीर्ष सेवा संस्था अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के वर्तमान सत्र का कार्यकाल समाप्ति की ओर है। संभवतः सितम्बर माह में इसके पदाधिकारियों का चुनाव हो। कार्यकाल की समाप्ति की इस बेला में हमने सेवा सदन अध्यक्ष श्यामसुंदर बिड़ला से चर्चा कर कोशिश की, उनके इस कार्यकाल के अनुभवों को साझा करने की। प्रस्तुत हैं, साक्षात्कार के अंश-

सर्वप्रथम मैं आपके कार्यकाल की शांतिपूर्ण पूर्णता पर आपको बधाई देता हूँ। इसके साथ ही यह भी पूछना चाहूंगा कि वैधानिक रूप से आपके कार्यकाल को पूर्ण हुए और लगभग एक वर्ष होने को है। इस बीच आपने 2 बार अपने कार्यकाल का विस्तार किया। क्या संस्था के हित व प्रजातांत्रिक मूल्यों के अनुसार यह उचित है?

आपकी बधाई के लिये आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। इसके साथ आपने कार्यकाल विस्तार के बारे में जो प्रश्न किया है, तो मैं बताना चाहता हूँ कि यह अवैधानिक नहीं है, बल्कि विशेष परिस्थितियों में संस्था के विधान में ही इसकी व्यवस्था है। मेरे कार्यकाल के कुछ प्रोजेक्ट अधूरे थे, जिन्हें पूर्ण करने के लिये ही कार्यकाल का विस्तार किया गया। प्रथम बार कार्यकारिणी व द्वितीय बार प्रबंध समिति की अनुशंसा से यह विस्तार हुआ।

अब सेवा सदन के चुनाव कब होने वाले हैं? क्या इसमें आप भी अध्यक्ष पद के पुनः उम्मीदवार रहेंगे?

आगामी 11 या 18 सितम्बर को चुनाव की संभावना है। आगामी 7 जुलाई को सेवा सदन की प्रबंध समिति की होने वाली बैठक में चुनाव अधिकारी की नियुक्ति होगी और इसके बाद ही चुनाव तिथि की घोषणा होगी। मैं एकाधिकार का विरोधी हूँ। अतः इस बार के चुनाव में मैं खड़ा नहीं हो रहा हूँ। पिछली बार भी सभी के आग्रह से चुनाव में खड़ा हुआ था अन्यथा मैं तो कार्यकर्ता था, हूँ और यही बनकर काम करते रहना चाहता हूँ।

सेवा सदन के गत सत्र में प्रबंध समिति में 35 वर्ष तथा अध्यक्ष पद के लिये 40 वर्ष न्यूनतम आयु निर्धारित की गई थी, जिसका आपने भी विरोध किया था। क्या आपने अपने कार्यकाल में इन्हें लेकर संविधान संशोधन किया है?

मैंने अपने कार्यकाल में प्रत्याशियों की उम्र को लेकर संशोधन करवाने का प्रयास किया था लेकिन बहुमत की कमी से यह प्रस्ताव स्वीकृत नहीं हो सका। वास्तव में यह संशोधन होना ही चाहिये।

देश के मतदान के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष है, लेकिन सेवा सदन में 21 वर्ष, क्या यह उचित है? इसे लेकर युवा वर्ग भी विरोध जता चुका है। क्या युवाओं को संगठन से जोड़ने के लिये इसमें कोई संशोधन करने का प्रयास भी किया गया है?

देश की राजनीति में चाहे मतदान ही आयु घटाकर 18 वर्ष कर दी गई है लेकिन मेरे विचार में संगठन में तो यह 21 वर्ष ही उचित है। कारण यह है कि समाज संगठन में मतदाता का मानसिक रूप से परिपक्व होना जरूरी है।

आपकी चुनावी घोषणाओं में अधूरी योजनाओं जैसे वृंदावन, तिरुपति, चारभुजा व नासिक भवन आदि को पूर्ण करवाना एवं समस्त भवनों को और अधिक सुविधाजनक बनाना शामिल था। इसमें कितनी सफलता मिली है?

मेरी चुनावी घोषणाएँ लगभग सभी पूर्ण हैं। सभी भवन सज-धजकर तैयार हैं। इनमें सेवा सदन की वेबसाईट के द्वारा ऑन लाईन बुकिंग भी प्रारंभ कर दी गई है। वृंदावन भवन रिपेयर हो चुका है। तिरुपति में भूमि उपलब्ध न होने से भवन निर्मित करना संभव नहीं हो सका। वैसे वहां एक माहेश्वरी भाई के 75 प्रतिशत योगदान से निर्मित भवन है। चारभुजा भवन पूरी तरह तैयार है। नासिक में भूमि के डायवर्शन की कानूनी प्रक्रिया पूर्ण न होने से कोई निर्माण प्रारंभ नहीं हो सका है।

स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में जोधपुर में हॉस्पिटल आपकी भावी योजना में शामिल था। क्या इस दिशा में कोई प्रगति हुई है?

स्वास्थ्य सेवा के लिए जोधपुर में 'आरोग्य भवन' प्रारंभ होने वाला है। इसका भव्य भवन बन कर तैयार हो चुका है, जिसका इसी माह 29 जून को लोकार्पण होने जा रहा है।

शिक्षा क्षेत्र को लेकर भी आपकी घोषणाएँ थीं, जिनमें उदयपुर-जयपुर में हॉस्टल निर्माण तथा उच्च शिक्षा के लिये कोचिंग व कॅरियर गाइडेंस शामिल था। इस घोषणा का क्या हुआ?

इसके लिये प्रयास अंतिम चरण में हैं। अजमेर में विकास प्राधिकरण के माध्यम से 30-40 बीघा भूमि क्रय की जाऐगी। इसमें प्राधिकरण के शिवशंकर हेड़ा का सहयोग प्राप्त हो रहा है। यहां इंजीनियरिंग कॉलेज व होस्टल तथा कोचिंग सेंटर के भवन निर्माण की योजना है।

वृद्धाश्रम पुष्कर के कायाकल्प का क्या हुआ?

वृद्धाश्रम पुष्कर भवन पूर्णतः रिपेयर हो चुका है। वहां पर्याप्त सुविधाएँ हैं। पहले की तुलना में कई अधिक बुजुर्ग इसकी सेवाओं का लाभ ले रहे हैं।

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ

।। जय महेश ।।

माहेश्वरी प्राकोटत्सव पर

श्री नगर माहेश्वरी युवा संगठन एवं जिला माहेश्वरी युवा संगठन

द्वारा आयोजित

रक्तदान शिविर में 331 यूनिट रक्तदान

करवाने पर सम्पूर्ण समाज का हार्दिक आभार

कल्पेश सोमानी
अध्यक्ष
नगर माहेश्वरी युवा संगठन,
भीलवाड़ा
98872 11333

महेश जाजू
मुख्य प्रभारी
94146 77257

राकेश काबरा
प्रभारी
94130 53616

क्षितिज सोमानी
अध्यक्ष
जिला माहेश्वरी युवा संगठन,
भीलवाड़ा
98290 87990

प्रवीण झँवर
प्रभारी
96940 81723

तरुण सोमानी
प्रभारी
98290 93488

नवीन काकानी
प्रभारी
93145 80001

शुभेच्छु

नगर माहेश्वरी युवा संगठन, भीलवाड़ा

मंत्री- धीरज काबरा। **वरिष्ठ उपाध्यक्ष-** रामकिशोर सोमानी। **उपाध्यक्ष-** सुधीर सोनी। **नगर कोषाध्यक्ष-** दिनेश देवपुरा। **सह सचिव-** विजय राठी, सौरभ मणियार। **योजना मंत्री-** प्रकाश झँवर। **क्रीड़ा मंत्री-** कमलेश सोमानी। **सांस्कृतिक मंत्री-** अंकित तापड़िया। **संगठन मंत्री-** आशीष तोतला।**उपाध्यक्ष-** पंकज समदानी, तरुण सोमानी। **संगठन मंत्री-** सुभाष लढ़ा। **सह सचिव-** पवन नुवाल। **प्रवक्ता-** अनुज सोमानी। **रक्तदान प्रभारी-** प्रवीण झँवर। **प्रचार-प्रसार मंत्री-** पुनीत सोमानी। **पर्यावरण मंत्री-** योगेश मूँन्दड़ा। **सदस्य-** आशीष डाड, अनिल काबरा, किशन पोरवाल, सुनील चेचाणी, सुशील भदादा, दीपक तोषनीवाल, सुरेश जागेटिया, पवन मालू, आशुतोष न्याती, सुरेश धमाणी।

जिला माहेश्वरी युवा संगठन, भीलवाड़ा

मंत्री- जगदीशचन्द्र लढ़ा। **कोषाध्यक्ष-** हँसमुख हेड़ा। **वरिष्ठ उपाध्यक्ष-** राघव सोमानी। **उपाध्यक्ष-** भरतकुमार लढ़ा, सुनील कोठारी, सुनील काबरा, शिवप्रकाश खटोड़, सन्दीप सोनी, रामकृष्ण पोरवाल, मनीष सोमानी, सुशील लढ़ा। **मंत्री-** मनीष चेचाणी। **सहमंत्री-** नरेन्द्र मण्डोवरा, प्रकाश मूँदड़ा, मुकेश तोषनीवाल, आजाद लढ़ा, बाबूलाल मण्डोवरा। **सांस्कृतिक-** अनूप माहेश्वरी। **योजना-** महेश मण्डोवरा। **संगठन-** पीयूष बाँगड़। **क्रीड़ा-** मनोज सोमानी, **आईटी-** सुनील सोनी। **रोजगार-** अंकित लखोटिया। **रक्तदान-** महेश जाजू। **चिकित्सा-** राघव कोठारी। **सन्देश-** राकेश गग्गड़। **कॅरियर-** सुनील बाहेती। **पर्यावरण-** सन्दीप पोरवाल। **विधि-** अभिषेक चेचाणी। **प्रवक्ता-** पंकज पोरवाल। **का. सदस्य-** पुनीत सोमानी, मुकेश सोनी, रामप्रकाश सोमानी, मनोज बाँगड़, अनुराग धूत, अरविन्द नामधराणी, शिवप्रकाश सोमानी, चन्द्रप्रकाश डाड, संजय लढ़ा, निलेश डाड, महेश बाहेती, संजय बियाणी, पवन न्याती, सुरेश झँवर, मनीष बिड़ला, विनोद मारु, रामशंकर सोनी एवं समस्त सदस्यगण जिला माहेश्वरी युवा संगठन, भीलवाड़ा (राज.)

हम हर वर्ष समाज का उपत्ति पर्व ''महेश नवमी'' धूमधाम व गर्व के साथ मनाते हैं। लेकिन इसकी पूर्णता तभी है, जब हम अपने उत्पत्ति स्थल के प्रति भी पंचम तीर्थ की तरह श्रद्धावनत हों। लोहार्गल मात्र समाज का उत्पत्ति स्थल नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति व पुराणों में उल्लेखित एक अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक पर्यटन स्थल भी है।

माहेश्वरी समाज का उत्पत्ति स्थल

लोहार्गल

पौराणिक मतानुसार लोहार्गल वह स्थल है, जहां भगवान महेश ने हमारे पूर्वजों को शाप मुक्त कर उन्हें वैश्य धर्म प्रदान किया था। अतः यह स्थल समाज का उत्पत्ति स्थल माना जाता है। पूर्व में यह विकास से कोसों दूर था, लेकिन श्री माहेश्वरी टाईम्स के आह्वान व अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन के प्रयासों से अब अत्यंत गौरवशाली रूप लेता जा रहा है। युवा संगठन द्वारा इस स्थल का विकास करते हुए भव्य भवन का निर्माण किया गया है। यह विकास यात्रा सतत जारी है। इसे गौरव प्रदान करने व समाजजनों को ''लोहार्गल'' के महत्व से अवगत करवाने के लिये प्रतिवर्ष लोहार्गल भवन निर्माण समिति द्वारा जयपुर के समाजसेवी प्रदीप बाहेती के नेतृत्व में सूर्य सप्तमी के अवसर पर लोहार्गल दर्शन यात्रा का आयोजन भी किया जाता है।

सृष्टि के साथ हुई थी उत्पत्ति

सृष्टि की स्थापना के साथ ही लोहार्गल की भी उत्पत्ति मानी जाती है। पुराणों के अनुसार सृष्टि के प्रारंभ में इसका नाम 'ब्रह्म हृदय', त्रेतायुग में 'शंख पद्म' व द्वापर से अब तक इसका नाम 'लोहार्गल' प्रचलित है। लोहार्गल में ही भगवान परशुराम ने इक्कीस बार क्षत्रियों का नाश करने का प्रायश्चित करने के लिए भगवान शिव का आह्वान कर यज्ञ किया था। यज्ञ स्थल पर ही यह कुंड है इसीलिए यह सूर्य का ऊर्जा क्षेत्र है। सूर्य कुंड एवं सूर्य मंदिर के साथ यहां पर मलयकेतु पर्वत भी है। यह सुमेरू पर्वत का पोता है। ब्रह्मारिद नाम का चौबीस कोस में फैला हुआ यह अमृत कुंड यहां पर स्थित था, जिसमें स्नान करने पर मोक्ष की प्राप्ति हो जाती थी। यमराज द्वारा भगवान विष्णु से प्रार्थना करने पर उनके आदेश से मलयकेतु पर्वत उड़कर यहां आया और उस अमृत कुंड को ढंग दिया। ऐसी किंवदंती है कि आज भी कई बार उस पहाड़ में से गायों के रंभाने और ऋषि-मुनियों के मंत्रोच्चार की आवाजें सुनाई देती हैं। इसी पर्वत पर जयंत ने काक का रूप धारण कर माता सीता के पैर में चोंच मारी थी और भगवान श्रीराम ने तिनके का बाण बनाकर जयंत पर छोड़ा था। अभी भी मान्यता है कि पहाड़ी के उस क्षेत्र में कौए कभी नहीं दिखते हैं। इनके अलावा यहां मालकेतु मंदिर, बनखंडी, ज्ञानवाणी, भीमकुंड, द्रौपदी कुंड, रघुनाथजी का मंदिर, शिवगौरा मंदिर आदि दर्शनीय स्थान हैं।

सूर्य कुंड में गले थे पूर्वजों के शस्त्र

लोहार्गल वर्तमान में एक छोटी सी बस्ती है जो तीन ओर से अर्बुदाचल पहाड़ियों से घिरी हुई है। इन्हीं में मालकेतु पर्वत भी है जो हिमालय का पुत्र माना जाता है। यह मालकेतु पहाड़ लोहे की अर्गला के समान है, इसीलिए इस तीर्थ का नाम लोहार्गल पड़ा। यहां शिव मंदिर के पास एक छोटा सा कुंड है, जिसमें किसी पहाड़ी झरने का पानी मंद गति से आता रहता है। यह कुंड सूर्यकुंड कहलाता है। इसका शिव पुराण व स्कंध पुराण में भी उल्लेख मिलता है। इस कुंड के पानी में किसी भी धातु को गला देने की अपूर्व शक्ति है। स्थानीय जानकार इसमें रोगनाशक तत्व भी मानते हैं। महाभारत में इस कुंड में भीम की गदा गलने के प्रसंग व माहेश्वरी जाति की उत्पत्ति की कथा में राजपूत सामंतों के हथियार गलने की बात के पीछे यही कारण रहा होगा। प्रचलित मान्यताओं के अनुसार भगवान महेश ने इसी स्थान पर हमारे पूर्वजों से हथियार लेकर उन्हें तराजू और बाट प्रदान किये थे। वे हथियार जिस कुंड में डाल दिए गए थे यही वह सूर्यकुंड है। इसका महत्व इसी से जाना जाता है कि यहां आम दिनों में प्रतिदिन 800 से 1000 श्रद्धालु स्नान हेतु आते हैं। भादवा की नवमी से अमावस्या तक स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की कुल संख्या 5 से 7 लाख तक पहुंच जाती है। वैशाख की पूर्णिमा को सुबह से लेकर रात्रि तक चलने वाले स्तत स्नान में 1 से 2 लाख श्रद्धालु स्नान करते हैं।

कैसे पहुंचें लोहार्गल

लोहार्गल का महत्व समाज के लिये पंचम तीर्थ की तरह है। अतः लोहार्गल दर्शन के बिना किसी माहेश्वरी की तीर्थ यात्रा पूर्ण नहीं हो सकती। लोहार्गल राजस्थान के झुंझूनू जिले में स्थित एक ग्राम है। यहां सड़क मार्ग से जयपुर से सीकर होते हुए पहुंचा जा सकता है। जयपुर से सीकर 115 कि.मी. दूर है। यहां तक स्टेट हाईवे-2 सी से पहुंचा जा सकता है। यहां से बीकानेर मार्ग पर 16 कि.मी. दूर लोहार्गल स्थित है। ट्रेन से जाने के लिये सीकर तक ट्रेन रूट है। जयपुर से सीकर के लिये प्रतिदिन सुबह 6 से रात्रि 9 बजे तक के बीच 7 पैसेंजर ट्रेन उपलब्ध हैं। लोहार्गल में ठहरने के लिये विभिन्न समाज की धर्मशालाएँ भी उपलब्ध हैं।

शिला लेख में ''डीडू वंश'' का उल्लेख

वैसे तो माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति के समय व स्थल के कहीं भी तथ्यपरक प्रमाण नहीं मिलते मगर भोभट तहसील के सोभाली ग्राम में मिले शिलालेख से विक्रम संवत् 703 (सन् 646ई.), मेवाड़ में एकलिंगजी मंदिर के पास लघुलीश में मिले शिलालेख से वि.सं. 1028 (सन् 971) तथा चित्तौड़ पास घाघसा गांव की बावड़ी में मिले शिलालेख में अंकित ''डीडू वंश'' के उल्लेख से माहेश्वरी समाज की उपस्थिति सन् 646 ई. से पूर्व भी ज्ञात होती है मगर कब हुई यह अभी शोध का विषय है। इसी प्रकार पुरातात्विक अवशेषों से डीडवाना व खंडेला को भी उत्पत्ति स्थल समझा जाता है, मगर अभी तक लोहार्गल के पक्ष में पौराणिक व पुरातात्विक साक्ष्य अधिक मिले हैं। महंत श्रीसंतदासजी सूर्य मंदिर सूर्यकुंड के मुख्य पुजारी रहे हैं।

समाज का गौरव बना भव्य लोहार्गल भवन

गुमनामी में खोऐ समाज के उत्पत्ति स्थल लोहार्गल को पुनः समाज के पंचम तीर्थ के रूप में गौरव प्रदान करने का अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन ने जो बीड़ा उठाया था, वह पूर्ण हो चुका है। युवा संगठन ने लोहार्गल से हर समाजजन को जोड़ते हुए यहां भव्य भवन निर्मित करने का संकल्प लिया था। वर्षों के अथक प्रयत्नों से 30 हजार 625 वर्ग फीट में भव्य भवन निर्मित हो चुका है। इसमें विशाल सत्संग भवन, 22 सुसज्जित कमरें, समाज की लायब्रेरी, मंदिर, भोजन कक्ष, रसोई कक्ष, योगा सेंटर व जिम का निर्माण किया गया है। इसके लोकार्पण को लेकर गत 24 जून को ट्रस्टियों की बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में ट्रस्ट अध्यक्ष रमेश तापड़िया, धन संग्रहण समिति संयोजक श्याम सोनी, महामंत्री अशोक ईनानी, निर्माण समिति अध्यक्ष प्रदीप बाहेती, युवा संगठन अध्यक्ष कमल भूतड़ा, महामंत्री राजकुमार कालिया आदि उपस्थित थे। इसमें सर्व सम्मति से लिये गये निर्णयानुसार इस भवन का वास्तु पूजन दीपावली के पूर्व शुभ मुहूर्त में किया जायेगा। इसके पश्चात भव्य लोकार्पण समारोह आयोजित किया जायेगा।

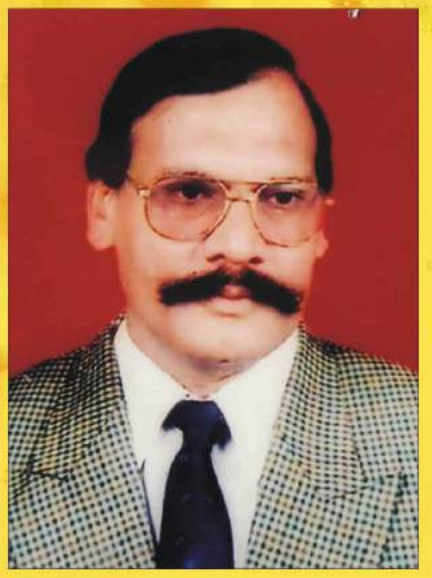

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को
हार्दिक शुभकामनाएँ

।। जय महेश ।।

कृष्णगोपाल जाखेटिया

मंत्री
भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा
मो. 98297-96822

4-बी, 'कंवर कुंज', विद्युत नगर, भीलवाड़ा, (राज.)

डॉ. विवेक चौरसिया

जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह

जल देवता

श्रद्धा व्यास

कृति - **जल देवता**, लेखक - **डॉ. विवेक चौरसिया**, प्रकाशक- **ऋषि-मुनि प्रकाशन**, उज्जैन (मप्र), मो. 94250-91161

जल जीवन है। समूची सृष्टि और हम सब जिन पांच तत्वों से बने हैं, उनमें जल सबसे प्रमुख है। जीवन का पर्याय जल आज लगातार घटता जा रहा है। यूं तो पृथ्वी का करीब 70 फीसदी हिस्सा पानी ही है, जमीन तो महज 30 फीसदी है, लेकिन जो 70 फीसदी पानी है, वह समुद्र का है और खारा है। जीने के लिए पीने के पानी की जरूरत है, जो लगातार घट रहा है। अभी से दुनिया के कई देशों में जलसंकट की आहट सुनाई देने लगी है। माना जा रहा है कि आने वाले अधिकतम 50 साल में इसी रफ्तार से पेजयल के भंडार घटते रहे तो तीसरा विश्व युद्ध पानी के लिए ही होगा। क्योंकि पानी के बगैर दुनिया की सारी रंगत बेमानी है।

सबसे बड़ी चुनौती भारत वर्ष में है। जहां देश के कई हिस्सों में लोग एक मटका पानी लाने के लिए प्रायः रोज कई किमी पैदल चलने की मशक्कत करते हैं। चिंता तब होती है, जब भारत में जहां जल को देवता के रूप में प्रतिष्ठा मिली हुई है, लोग इसके उपयोग के प्रति अभी-भी संवेदनशील और जिम्मेदार नहीं हैं। पानी जरूरी है, लेकिन इसे पैदा नहीं किया जा सकता। वर्षाकाल में जो पानी आसमान से बरसता है, उसी को सहेजकर हम सालभर उपयोग में ला सकते हैं। पुराने जमाने में जल संरक्षण की विधियाँ भी और लोगों में रुचि भी। लेकिन बदलती जीवन शैली में रुचि खत्म होने से विधियाँ भी थीं, जो प्रायः लुप्त होती जा रही हैं। नए युग में जल संरक्षण की जो नई विधियाँ आई हैं, उनके पालन के प्रति समाज अनुत्साहित नजर आता है। सार यह है कि जिस पानी की जरूरत जीने के लिए है, उसकी कमी है, बढ़ती जा रही है। हम पानी के महत्व से परिचित हैं। बावजूद इसके पानी बचाने, समझदारी से इस्तेमाल करने और वर्षा के पानी को संरक्षित करने के प्रति हम सब लापरवाह बने हुए हैं। इस बेपरवाही को तोड़ने, समाज को झकझोरने और पानी का महत्व बताते हुए उसके संरक्षण का आह्वान करती किताब 'जल देवता' बड़ी कीमती है।

यह किताब सन् 2009 में मप्र के उज्जैन शहर में जलसंकट के दौरान लिखे गए लेखों का संकलन है। उस साल इस शहर में पानी की ऐसी मारामार मची कि शासन के प्रतिनिधि को आधिकारिक रूप से 6 लाख की आबादी वाले इस शहर में जल सप्लाई बंद करने का कष्टदायी आदेश देना पड़ा। हाहाकार के बीच बूंद-बूंद पानी कीमती था। तब इस किताब में जो लेख संकलित हैं, वे लिखे गए। नतीजा यह रहा कि इन लेखों में जल के महत्व और उसके सान्निध्य के प्रभाव से न केवल, लोगों की चिंता कम हुई, बल्कि संकट से जूझने का अभूतपूर्व हौसला भी जगा। ये लेख कई स्तरों पर सम्मानित किए गए। इन्हीं लेखों का संकलन जल देवता के रूप में पुस्तककार प्रकाशित हुआ है। वस्तुतः यह छोटे लेख कथा शैली में हैं। इनमें विभिन्न धर्मों में पानी के महत्व पर जो कुछ परंपरा में उपलब्ध है, उनका आधुनिक संदर्भों में विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। पुस्तक में शामिल 123 लेख लघुकथाओं की भांति हैं, जो समग्र भी हैं और अपने आप में एक-एक लेख स्वतंत्र भी। एक लेख पढ़कर भी यदि एक आदमी सालभर में एक मटका पानी बचाता है या सदुपयोग कर एक मटका पानी भी संरक्षित करता है, तो वह आने वाली पीढ़ियों के लिए अपना बड़ा योगदान दे सकता है।

हमारे पूर्वजों ने हमारे लिए हजारों नदियाँ और जलाशय विरासत में छोड़े, लेकिन बीते अधिकतम 50 साल में जिस तेजी से जीवन शैली बदली और प्रकृति के प्रति उपेक्षा का भाव पैदा हुआ, उसी का नतीजा है कि आज पानी की कमी बढ़ती जा रही है। फिक्र यह है कि आने वाली पीढ़ियों के लिए मौजूदा पीढ़ी पीने के पानी का कितना भंडार छोड़ सकेगी, आज के हालात देखकर अंदाज लगाया जा सकता है। आने वाली पीढ़ियाँ हमें कोसे नहीं, वह अपने काम छोड़कर बूंद-बूंद पानी के लिए न संघर्ष करे, न ही बूंद-बूंद पानी मनमानी कीमतों पर पीने के लिए मजबूर हो, इसलिए आज हमें प्रकृति के इस अनमोल उपहार पानी के सदुपयोग और संरक्षण के प्रति जागरूक होना होगा। यह पुस्तक लोगों को जगाने की इसी तरह की एक कोशिश का परिणाम है। 20 वर्ष पत्रकारिता से जुड़े रहे वरिष्ठ पत्रकार डॉ. विवेक चौरसिया ने जलसंकट के दौर में इन लघु लेखों को लिखा था जो उस समय दैनिक भास्कर में प्रकाशित हुए। इनकी उपयोगिता जितनी तब थी, उतनी ही आज है। और इनकी प्रासंगिकता आगे भी बनी रहेगी, क्योंकि ये लेख और जल कथाएँ वेद, उपनिषद, पुराण, कुरान, बाइबिल जैसे ग्रंथों में जल के महत्व पर उपलब्ध उपदेशों से प्रेरित है। हजारों साल से ये महान ग्रंथ सैकड़ों पीढ़ियों को प्रेरित और मार्गदर्शित करते आए हैं। आज जरूरत है इनमें उपलब्ध ज्ञान को वर्तमान की कसौटी पर रखकर अपनाने की। इस पुस्तक के माध्यम से आप अपनाने को जरूर प्रेरित होंगे। पुस्तक ऋषि-मुनि प्रकाशन उज्जैन से प्रकाशित हुई है। ख्यात आर्टिस्ट अक्षय आमेरिया ने इसका सुंदर कवर डिजाइन किया है। 174 पेज की इस पुस्तक में लघुकथाओं के अलावा जल से जुड़े कई मंत्र और कहावतों का संकलन है। प्रूफ की कुछ गलतियों के अलावा पूरी पुस्तक पठनीय और एक दूसरे को उपहार देने जैसी है।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ...

नगर परिषद्, भीलवाड़ा

Green MISSION Clean BHILWARA

- आइये
- आप हम मिलकर
- भीलवाड़ा को
- स्वच्छ हरा-भरा शहर
- बनाने में सहयोग करें ।

प्लास्टिक के कप एवं गिलास का उपयोग न करें एवं
पॉलिथीन बैग्स के स्थान पर कागज, कपड़े, जूट की थैलियाँ उपयोग में लें ।

- भूखण्ड पर मकान निर्माण के साथ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अपनायें।
- एक सद्नागरिक एक वृक्ष लगाकर उसकी देख-भाल करे।
- शहरी जन सहभागी योजना में सहयोग कर अपने मोहल्ले की सार्वजनिक जरूरत जुटायें।
- अपने घर एवं दुकान का कचरा परिषद् के स्वच्छ कर्मी को दें या निर्धारित कचरा डिपो पर ही डालें। नगर को स्वच्छ बनाये रखने में अपना सहयोग दें।
- नगर परिषद् के देय समस्त करों का समय पर भुगतान करें।
- राजकीय/निकाय भूमि पर अनाधिकृत कब्जा व अतिक्रमण न करें।
- विवाह पंजीयन कराकर प्रमाण-पत्र प्राप्त करें।
- अपने परिवार में हुई जन्म-मृत्यु की घटनाओं का पंजीकरण अवश्य करावें। 21 दिन तक निःशुल्क एवं बाद में विलम्ब शुल्क 1/- रुपया मात्र।
- पशु मालिक अपने गौधन को अपने घर में रखकर परिषद् को सहयोग करें।
- नियोजित विकास के लिए आपके सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

रामसिंह पालावत
आयुक्त

ललिता समदानी
सभापति

समस्त पार्षदगण एवं परिषद् परिवार

PANSARI GROUP
AN ISO 9001:2000 CERTIFIED COMPANY

Balaji Ramakishan Pansari
Maheshwari Poly Sacks
Mansarovar Agro Sacks
Mansarovar Agro Sacks Pvt. Ltd.
Pansari Foundation

Regd. Office : 15-2-263, Maharaj Gunj, Hyderabad-500 012 (TS)
Tel (O) 040-24601117, 24741117, 24746543, (R) 040-24611582
Website : www.pansarigroup.com, E-mail : pansarigroup@yahoo.com

Spectrum™
Where service is religion

Govindlal Pansari 9396663639
Gopal Pansari 9394001117
Vishnu Pansari 9133311333

Bhagwan Pansari 9000715550
Nikhil Pansari 9000481117
Neeraj Pansari 9000581117

तथ्यों का आईना

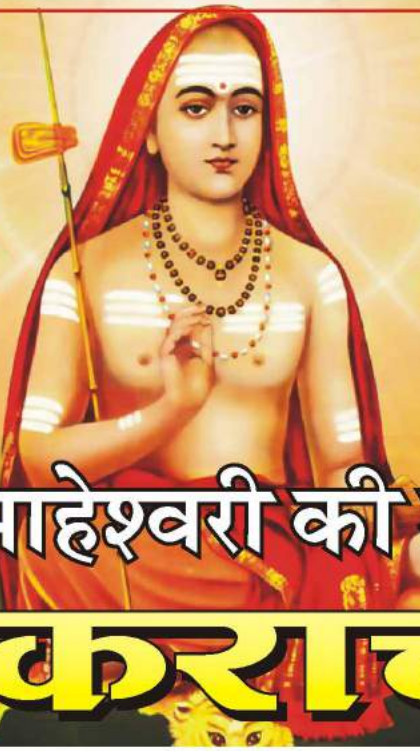

लोक मान्यतानुसार माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति के कारण 'भगवान महेश' शंकर थे। उन्हीं की प्रेरणा से हमारे पूर्वजों ने क्षत्रिय कर्म का त्याग कर वैश्य कर्म स्वीकार किया। इतिहासकार कालगणना के आधार पर भगवान शंकर का अवतार माने जाने वाले शंकराचार्य की प्रेरणा से समाज की उत्पत्ति मानने पर बल देते हैं। आईये जाने आखिर ऐसा क्यों है?

क्या माहेश्वरी की उत्पत्ति के कारण थे शंकराचार्य

श्रुतिस्मृतिपुराणानामालयं करुणालयम्।
नमामि भगवत्पादशङ्करं लोकशङ्करम्॥

पौराणिक व कई जागाओं के मतानुसार माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति सं. 377 की मगसर सुदी 9 को खंडेला ग्राम में हुई थी। उत्पत्ति की कहानी में खंडेला को एक नगर तथा राजा खड़गल सेन की राजधानी बताया जाता है। उनके पुत्र सुजानकुँवर ने जैन धर्म के प्रभाव में आकर ऋषियों के यज्ञ को नष्ट कर दिया था। इससे नाराज होकर ऋषियों ने सुजानकुँवर को उनके 72 उमरावों सहित पाषाण का बना दिया। इनकी पत्नियों की प्रार्थना पर भगवान शंकर ने इन्हें पुनः जीवनदान देते हुए क्षत्रिय से वैश्य धर्म प्रदान किया। माहेश्वरी जाति इन्हीं उमरावों से उत्पन्न है, जो चौहान आदि विभिन्न प्रकार के क्षत्रिय थे। सुजानकुँवर का वंश जागा बन गया। इस तरह माहेश्वरी समाज के इन पूर्वजों ने ढाल-तलवार का त्याग कर कलम और तराजू ग्रहण की और वैश्य बन गए। यह पौराणिक कथा सर्वमान्य है फिर भी इतिहासकार इस पर अंगुली उठाते हैं। इसके पीछे उनके अपने तथ्य है।

खंडेला नामक कोई नगर था ही नहीं

पौराणिक विवेचन में दिया गया है कि उस खंडेला में शक्तिशाली एवम पराक्रमी राजा राज्य करते थे। आसपास के राजा लोग उनकी अधीनता स्वीकार कर चुके थे, नगर की सारी प्रजा सुख एवं शांति से निवास करती थी। उपरोक्त कथन में सत्यांश तनिक भी नहीं मालूम होता है। इसका कारण यह है, खंडेला इतना छोटा ग्राम है कि कभी वह राजधानी रहा होगा, इसमें भारी संदेह है। यदि इतने पराक्रमी राजा वहाँ राज्य करते थे तो इसमें संदेह नहीं होना चाहिए कि उनकी राजधानी एक समृद्धशाली नगर रहा हो और उसके खंडहर या भग्नाशावशेष अभी वहां मौजूद होना चाहिए, जैसा कि प्राचीन नगरों के उपलब्ध होते हैं। मगर खंडेला खाटू को देखने से मालूम होता है कि वह एकदम नवीन और छोटा सा ग्राम है। उसकी प्राचीनता को मानने के लिए एक भी प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। अतएव इससे यह सिद्ध होता है कि कभी भी वहां किसी राजा का राज्य नहीं था और न ही वह किसी की राजधानी ही रहा होगा। अतः सम्भवतः उस समय भी यह ग्राम ही रहा होगा।

उत्पत्ति का काल व शंकराचार्य समकालीन

क्षत्रिय समाज की चौहान, परमार आदि विभिन्न उपजातियों से माहेश्वरी समाज की विभिन्न खांपों की उत्पत्ति मानी गई है, लेकिन इतिहासकारों के मतानुसार संवत् 800 से 1000 के बीच ही क्षत्रिय समाज की उपजातियों का निर्माण हुआ। इसके पूर्व तो क्षत्रियों में उपजाति होती ही नहीं थी। इसके पूर्व सिर्फ चार वर्ण थे। पूर्व के प्राप्त शिलालेखों में इसीलिए सिर्फ क्षत्रिय लिखा मिलता है, उपजाति नहीं। अतः संभव है कि माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति संवत 377 में न होकर संवत 800 से 1000 के बीच ही हुई हो, जो आदि शंकराचार्य का काल था।

आदि शंकराचार्य का काल

भगवान शंकराचार्य का काल निर्णय करना कठिन है। कई लोग इनका समय ईसवीं सन की प्रथम शताब्दी पूर्व मानते हैं और कई इसके बहुत पश्चात यानी आठवीं शताब्दी के बीच। इसमें दूसरी धारणा ही अधिक ठीक लगती है। इसका कारण यह है कि उस समय के पूर्व प्रसिद्ध यात्री हुएनसंग ने अपनी यात्रा विवरण में कहीं भी शंकराचार्य का नाम नहीं दिया है। शंकर ने बौद्ध धर्म के खिलाफ झंडा खड़ा कर उसे विफल किया था। प्रसिद्ध दार्शनिक कुमारियल ने हिंदू धर्म की नींव डाली और भगवान शंकर ने उस पर सुंदर इमारत खड़ी की। ऐसी स्थिति में शंकराचार्य का अवतार यदि हुनएसंग के पहले हो गया होता तो वह अपने यात्रा विवरण में उनका नाम अवश्य देता क्योंकि वह कट्टर बौद्ध धर्मावलंबी था। अपने धर्म पर प्रहार करने वाले का नाम वह कभी भूल नहीं सकता था। अतः मानना करना पड़ेगा कि शंकराचार्य हुएनसंग की यात्रा के पश्चात् हुए।

शंकराचार्य की शंकर अवतार के रूप में मान्यता

आदि शंकराचार्य अपने समय के अत्यंत विलक्षण वेद विद्वान थे। उन्होंने पूरे भारत में भ्रमण कर सनातन वैदिक संस्कृति की गौरव पताका हर जगह फहराई थी। कई पंडितों को वैदिक ज्ञान में पारंगत किया था।

कारण है कि आम मान्यतानुसार विद्वान आदि शंकराचार्य को भगवान शंकर का अवतार मानते थे। इसके साथ ही शास्त्रों में जहां कहीं भी उनका उल्लेख हुआ, वहाँ शंकराचार्य की जगह अधिकांशतः भगवान शंकर ही लिखा मिलता है। यह तथ्य इस बात की पुष्टि करता है कि माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति के कारण भगवान शंकर वास्तव में आदि शंकराचार्य भी हो सकते हैं। कालगणना भी इस तत्थ का समर्थन ही करती है।

कई लोगों को फिर बनाया था सनातनी

आदि शंकराचार्य के प्रादुर्भाव के समय बौद्ध व जैन धर्मों का अत्यधिक विस्तार हो चुका था। वैदिक संस्कृति सिमटकर रह गई थी। ऐसे में आदि शंकराचार्य का प्रादुर्भाव एक युग प्रवर्तक के रूप में हुआ। उन्होंने बौद्धाचार्य मंडन मिश्र सहित कई बौद्ध व जैन धर्म के आचार्यों को शास्त्रार्थ में पराजित कर उन्हें भी सनातन धर्म की परंपरा में शामिल कर लिया था। शंकराचार्य की प्रेरणा से धर्म परिवर्तन कर जैन व बौद्ध बन चुके कई लोगों ने फिर से सनातन वैदिक धर्म को स्वीकार किया था। आदि शंकराचार्य ने भी अहिंसा का मार्ग ही दिखाया। इन तथ्यों से ऐसा लगता है कि जैन धर्म के प्रभाव में आये सुजानकुँवर तथा 72 उमरावों ने सम्भवतः आदि शंकराचार्य की प्रेरणा से पुनः वैदिक धर्म ग्रहण किया और अहिंसा का पथ अपनाने की इच्छा के कारण उन्हें वैश्य कर्म प्रदान किया गया।

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को
हार्दिक शुभकामनाएँ
।। जय महेश ।।
आधुनिक वस्त्रों की नवीनतम शृंखला
।। जय महेश ।।

Shree Radhey SULZ
CHANGE YOUR LIFE STYLE
SUITING DIVISON
श्रेष्ठ एवं विश्वास का प्रतीक
SHREE RADHEY SILK MILLS
F-67, IInd Floor, RIICO Exten, BILIYA Pur Road, BHILWARA-311001 (Raj.)
PH : 01482-260617, 260417, M : 96725 15000
E-mail-sradheymils@yahoo.co.in

A sulzer Product
Satkar®
SUTINGS - SHIRTINGS
AN ISO 9001: 2000 COMPANY
Sukhasagar Syntherics Pvt. Ltd.
F-67-68-69, RIICO Exten, BILIYA Pur Road, BHILWARA-311001 (Raj.)
Ph. : 01482-260281, 260681, 260981
E-mail : satkarsulz@yahoo.com

Shree Laxmi
SUTINGS - SHIRTINGS
Satkar Synthetics
15-16, NEW CLOTH MARKET, BHILWARA (RAJ.)
TEL.: 01482-224153, 94141-15953
E-Mail : satkarsynthetic@yahoo.com

हार्दिक शुभकामनाएं..........
Dalia's™
High in Quality, Rich in Taste
श्री निवास एंड ब्रदर्स
SRINIVAS & BROTHERS
किराणा एवं सूखे मेवे व सभी किस्म के मुरब्बे तथा अचार एगमार्क शहद उपवन ग्रेड-ए
सच्चा मोती एगमार्क साबुदाना सुपर कोकिला मेहंदी
14-7-371/17, बेगम बाजार, राजाबहादुर बिल्डिंग के सामने, हैदराबाद-500012
फोन-24745570, 24606726, 24615438
e-mail : contact@dalias.in   web : www.dalias.in

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ

।। जय महेश ।।

श्री महेश बचत एवं साख समिति

भीलवाड़ा (राज.)

शान्तिलाल डाड़
संयोजक
094141-12809

दिनेश कुमार काबरा
अध्यक्ष
094130-53315

जगदीश ईनानी
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
099291-06763

मुकेश काबरा
सचिव
098291-09591

रामनिवास लढ़ा
कोषाध्यक्ष
094143-72095

चन्द्रकान्त बाहेती
उपाध्यक्ष
094610-39230

आनन्द बाहेती
उपाध्यक्ष
094143-72310

राकेश सोमानी
वित्तीय सलाहकार
094140-19412

भैरूलाल कचौलिया
संयुक्त मंत्री
098281-34383

धीरज काबरा
संगठन मंत्री
094608-17438

मनोज दरक
प्रचार मंत्री
094142-84278

दिलीप तोषनीवाल
कार्यकारिणी सदस्य
098290-67157

रामेश्वर सोमानी
कार्यकारिणी सदस्य
097991-41881

सुनील बांगड़
कार्यकारिणी सदस्य
098291-61285

बद्रीप्रसाद सोमानी
कार्यकारिणी सदस्य
094133-56377

अशोक बांगड़
कार्यकारिणी सदस्य
098286-79901

मुकेश मालीवाल
कार्यकारिणी सदस्य
094149-23013

मनोज सोनी
कार्यकारिणी सदस्य
098290-59607

रमेश लढ़ा
कार्यकारिणी सदस्य
096802-12001

शिव लाहोटी
कार्यकारिणी सदस्य
092149-10800

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ

।। जय महेश ।।

संजय कॉलोनी माहेश्वरी समाज संस्थान, भीलवाड़ा

।। जय महेश ।।

बी.एल. माहेश्वरी
अध्यक्ष
94610 34950

सत्यनारायण तोषनीवाल
संरक्षक
94149 78687

छीतरमल लढ़ा
संरक्षक
94686 54321

सम्पतलाल समदानी
संरक्षक
94622 40325

प्रहलाद चुवाल
मंत्री
98282 12123

रामप्रसाद सोमानी
उपाध्यक्ष
92143 02380

चन्द्रेश कुमार असावा
उपाध्यक्ष
93521 10320

रतनलाल सामरिया
कोषाध्यक्ष
94142 62411

लक्ष्मीलाल लढ़ा
संगठनमंत्री मंत्री
94137 68211

कृष्णगोपाल बाहेती
संयुक्त मंत्री
94603 51160

चन्द्रेशकुमार मूँदड़ा
संयुक्त मंत्री
94146 86397

अशोक कुमार झँवर
प्रवक्ता
94141 14645

कैलाशचन्द्र मूंदड़ा
कार्यकारिणी सदस्य
99284 60555

घनश्याम पोरवाल
कार्यकारिणी सदस्य
94615 32024

जगदीश देवपुरा
कार्यकारिणी सदस्य
94603 53561

राकेश माहेश्वरी
कार्यकारिणी सदस्य
92510 30350

बालमुकुन्द गंदोड़िया
कार्यकारिणी सदस्य
92526 06935

राकेश असावा
कार्यकारिणी सदस्य
97850 19364

भागचन्द बाँगड़
कार्यकारिणी सदस्य
99295 15900

बाबूलाल पोरवाल
कार्यकारिणी सदस्य
94227 58183

ओमप्रकाश असावा
कार्यकारिणी सदस्य
94134 85014

रामस्वरूप मूँदड़ा
कार्यकारिणी सदस्य
94609 88811

राजेन्द्र गंदोड़िया
कार्यकारिणी सदस्य
98296 11799

सुनील पोरवाल
कार्यकारिणी सदस्य
94605 79989

अशोक कुमार हींगड़
कार्यकारिणी सदस्य
94138 23698

दिनेशचन्द्र मंत्री
कार्यकारिणी सदस्य
96721 71766

महावीर लढ़ा
कार्यकारिणी सदस्य
98290 47109

शिवलाल बाल्दी
कार्यकारिणी सदस्य
81074 15500

अरविन्द पोरवाल
कार्यकारिणी सदस्य
98282 35935

राधेश्याम लढ़ा
कार्यकारिणी सदस्य
99503 37309

रामराय गट्टानी
कार्यकारिणी सदस्य
98292 72196

महावीर चेचाणी
कार्यकारिणी सदस्य
75979 74029

बाबूलाल असावा
कार्यकारिणी सदस्य
94686 55245

रतनलाल राठी
कार्यकारिणी सदस्य
94143 72325

शिव जैसे बनें परिवार के मुखिया

वर्तमान में परिवारों विशेषकर संयुक्त परिवारों में तेजी से बिखराव होता जा रहा है। हम मानें या न मानें लेकिन कहीं न कहीं इसमें परिवार के मुखिया की कमियाँ भी दोषी हैं। यदि वे भगवान शिव को अपना आदर्श बना लें, तो परिवारों का बिखराव हो ही नहीं सकता।

▸▸ सुभाषचंद्र महेश, हापुड़ (उप्र)

संसार में जन्म लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति को एक न एक दिन परिवार का प्रमुख बनना पड़ता है। शिव की पूजा या उपासना करने वाले व्यक्ति यदि श्रेष्ठ परिवार प्रमुख बनने के लिए भगवान शिव के स्वरूप में व्याप्त तद्विषयक गुणों का अवलोकन करें और उन्हें अपने जीवन में अपनाने की चेष्टा करें तो उन्हें एक वरदान की तरह उपलब्धि प्राप्त होगी। शिव तो महादेव हैं। वे गुणों की खान हैं। उनका अनुसरण मनुष्य तो क्या किसी भी लोक के प्राणी नहीं सकते। हम शिव की उपासना करते हैं। हमें उनके गुणों से प्रेरणा लेनी चाहिए और यही कामना करनी चाहिए कि हम सूर्य भले न बन सकें, कम से कम दीपक तो अवश्य बनें, जिससे मन को प्रकाश मिले, दूसरे को प्रकाश मिले और हमारा व्यक्तित्व और चरित्र हमारा मार्गदर्शन करे तो हमारी शिव भक्ति भी सार्थक हो और हमारा मानव जीवन भी।

अपने से ज्यादा अपनों की चिंता

श्रेष्ठ परिवार प्रमुख में सबसे पहला गुण यह होना चाहिए कि वह अपने सुख से अधिक अपने आश्रितों के सुख की चिंता करें और इसके निमित्त त्याग करे। मनुष्य के जीवन में तीन वस्तुएँ सर्वाधिक आवश्यक हैं, रोटी, कपड़ा और मकान। भगवान शिव ने तीनों ही चीजों की समस्त सुविधाएँ अपने परिवार को देकर, स्वयं सात्विक जीवन अपनाया है। उन्होंने परिवार के लोगों के लिए नाना प्रकार के स्वादिष्ट व्यजंनों, बहुमूल्य वस्त्रों और भव्य भवनों की व्यवस्था की है, जबकि उनका अपना आहार बना ऑक, धूतरा, बेलपत्र तथा वस्त्र बना बाघम्बर और निवास स्थान बनी श्मशान भूमि।

सभी को स्नेह के सूत्र में बांधें

जिस परिवार में दिन-रात कलह मची हो, ईर्ष्या, द्वेष, प्रतिस्पर्धा का बोलबाला हो, वह परिवार नरक बन जाता है। स्वर्ग वहां है, जहां एकता और शांति हो। अब देखिए शिव का वाहन बैल, उमा का वाहन सिंह, शिव का कंठहार सर्प, श्रीगणेश का वाहन मूषक और कार्तिक का वाहन है मयूर। सब आपस में एक-दूसरे के पुस्तैनी दुश्मन हैं। मगर वाह रे शिव का प्रताप। सबको प्रेम और एकता के ऐसे धागे में बाँधे रखा है कि आपस में हिलमिल कर रहते हैं। श्रेष्ठ परिवार प्रमुख में परिवार के विभिन्न प्रकृति के सदस्यों को परस्पर अटूट स्नेह के सूत्र में बाँधकर रखने की क्षमता अनिवार्य रूप से होनी चाहिए।

परिवार के लिए पीयें 'विष का घूंट'

शिवजी को विषपान करते हुए जो दिखलाया जाता है, उसका भी संबंध परिवार प्रमुख के गुणों से है। परिवार प्रमुख की जिम्मेदारियाँ पहाड़ की तरह भारी होती हैं। उसे परिवारजनों के गुण-दोषों, अवगुणों, झंझट-झमेलों और तकरार पैदा करने वाली बातों को विष के घूंट की तरह अपने गले में ही अटकाये रखना पड़ती है। यदि इन चीजों को उगल दें तो अनर्थ हो जाएगा। शिव ने समुद्र मंथन के समय उत्पन्न महाभयंकर हलाहल विष को सृष्टि के कल्याण के लिए अपने कंठ में धारण कर लिया और नीलकंठ हो गए थे। परिवार प्रमुख को भी नीलकंठ बनना चाहिए।

स्वयं की प्रकृति बनाएं शांत

परिवार प्रमुख को छोटी-बड़ी बातों के विषय में उचित निर्णय लेने के लिए भी अपने मस्तिष्क को सदा संतुलित, शीतल और स्वस्थ रखना पड़ता है। सर्वमान्य और सर्वोचित निर्णय ठंडे दिमाग से ही लिये जा सकते हैं। महाशिव के मस्तक पर चंद्रमा और गंगा का होना इस बात का संकेत है कि मस्तिक को सदा शीतल रखो। चंद्रमा और गंगाजल दोनों में ही असीम शीतलता है। क्रोध निश्चित ही बुरी चीज है। मगर उसकी भी एक मर्यादा है। अन्याय, उद्दंडता, अनुशासनहीनता और अराजकता का दमन करने के लिए किया गया क्रोध मंगलकारी होता है। परिवार के सदस्यों में यह भय होना चाहिए कि वे उचित आचरण नहीं करेंगे तो उनका स्वामी उन पर रूष्ट होगा, उन्हें दंड देगा। तुलसीदास जी ने भी कहा है 'भय बिनु होहि न प्रीति।' परिवार प्रमुख के स्वभाव में कठोरता और कोमलता का समन्वय होना भी अनिवार्य है।

अपने चरित्र को बनाएं आदर्श

शिव ने काम पर विजय पाकर यह आदर्श सामने रखा है कि परिवार प्रमुख को सदा कामकाजी होना चाहिए। यदि वह कुमार्ग पर चलने लगे, कामी, लम्पट और पतित हो जाए तो समूचे परिवार का चरित्र उसी के अनुरूप होगा। परिवार प्रमुख को अपने आत्मीयजनों को सुमार्ग पर चलने की प्रेरणा देने के लिए स्वयं भी चरित्रवान होना चाहिए।

कुरीतियों का विरोध

शिव ने कुरीतियों का बहिष्कार करने, दीन-हीनों, सेवक-दासों को प्रेम और सादर प्रदान करने का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। अपने विवाह में दहेज न लेकर पर्वतराज की कन्या का वरण किया। देवों और ऋषियों की भांति अपने गणों, भूतों को भी ससम्मान बारात के साथ चलने का अवसर दिया। परिवार प्रमुख को कुरीतियों का विरोधी होना चाहिए। उसे अपने संपर्क में रहने वाले निम्न श्रेणी के व्यक्तियों को भी सम्मान और महत्व देकर अपने बड़प्पन का परिचय देना चाहिए।

परिवार पर हो चिंतन

श्रेष्ठ परिवार प्रमुख बनने के लिए परिवार के हित का सर्वदा गहन चिंतन करना एवं पारिवारिक समस्याओं का समाधान ढूँढने के लिए चित्त को एकाग्र करना आवश्यक है। चित्त की एकाग्रता के लिए 'ध्यान' विशुद्ध भारतीय वैज्ञानिक पद्धति है। भगवान शिव का ध्यानमग्न होना यह प्रकट करता है कि उनका अधिकांश समय परिवार एवं जगत के कल्याण का चिंतन करने में बीतता है।

With Best Compliments From:

Mr R L Nolkha

NITIN

IS / ISO 9001

QMS

CONFIDENCE IN TEXTILES

Tested for harmful substances

Bringing Excellence to life...

The excellence of quality Cotton Yarns and Fabrics coming out of Nitin Spinners' State of the Art manufacturing units is widely accepted by the textile industry of the world to manufacture multitude of products like; High value Apparels & Garments, Under Garments, Terry Towels, Woven Fabrics, Home Furnishings, Carpets, Denim, Industrial Textiles, Medical Textiles, Socks, Mattress Stickings and many more ...

NITIN SPINNERS LIMITED

16-17 KM Stone, Chittor Road, Hamirgarh, Distt. Bhilwara, Rajasthan, INDIA Pin-311025

Ph: 91-1482-286110-113 | Fax: 91-1482-286117 | E-mail: nsl@nitinspinners.com | Website: www.nitinspinners.com

समाजसेवा के अभियान के अंतर्गत श्री माहेश्वरी टाईम्स द्वारा गत 8 वर्षों से प्रकाशित हो रही वैवाहिक डायरेक्टरी 'श्री माहेश्वरा मेलापक' का अगला अंक भी शीघ्र प्रकाशित होगा। हजारों सफल रिश्तों को जोड़ने का इतिहास लिखते हुए 'श्री माहेश्वरी मेलापक-8' फिर लेकर आ रही है, आपके लिए 'दाम्पत्य के मधुर रिश्तों की सौगात'।

दाम्पत्य के मधुर रिश्तों की सौगात फिर लायेगी

श्री माहेश्वरी मेलापक-8

लगभग 8 वर्षों पूर्व श्री माहेश्वरी टाईम्स ने समाज में श्रेष्ठ वैवाहिक रिश्ते जोड़ने में आ रही परेशानियों को दृष्टिगत रखते हुए प्रबुद्धजनों के परामर्श से वैवाहिक डायरेक्टरी 'श्री माहेश्वरी मेलापक' के प्रकाशन की शुरुआत की थी। इसके पीछे लक्ष्य था, व्यावसायिक व्यस्तताओं के कारण सीमित होते संबंधों की स्थिति में एक मित्र की तरह सहयोगी की भूमिका निभाना। श्री माहेश्वरी मेलापक अपने इस उद्देश्य में खरी उतरी भी है। अभी तक श्री माहेश्वरी मेलापक के 7 अंक प्रकाशित हो चुके हैं और ये अंक प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से हजारों सफल रिश्ते जोड़ने का कीर्तिमान स्थापित कर चुके हैं। अभी भी यह यात्रा सतत जारी है, अपने उद्देश्य के 'शिखर की ओर' इसी क्रम में वर्तमान में श्री माहेश्वरी मेलापक 8 की तैयारी है।

सुविधाजनक आकर्षक कलेवर

वैवाहिक डायरेक्टरी में श्री माहेश्वरी मेलापक का प्रकाशन बहुरंगी व अत्यंक आकर्षक कलेवर में होता है। उत्कृष्ट डिजाईनर्स द्वारा डिजाइन कर इसे आकर्षक स्वरूप दिया जाता है। इसके साथ अथक प्रत्यनों से तैयार इसकी तथ्य परक जानकारियों को विभिन्न वर्गों में इस तरह वर्गीकृत किया जाता है कि जिससे कोई भी रिश्ता तलाशना होता है, चुटकियों का खेल। विभिन्न वर्गों के लिए भिन्न-भिन्न रंग के पेज तक निर्धारित होते हैं। जिससे उस वर्ग विशेष पर पहुंचने में अधिक पृष्ठ पलटाने की जरूरत भी नहीं होती है।

आपकी बेटी-हमारी बेटी

श्री माहेश्वरी मेलापक समाज की बेटियों को सदैव स्नेह व सम्मान देती आई है। इसी श्रृंखला में योजना 'आपकी बेटी-हमारी बेटी' के अंतर्गत समाज की विवाह योग्य बेटियों का पंजीयन बिल्कुल निःशुल्क किया जाता है। प्रकाशित हो रही श्री माहेश्वरी मेलापक-8 में भी इस योजना के अनुसार ही विवाह योग्य बेटियों के पंजीयन निःशुल्क ही होंगे। इसके लिए उन्हें कोई शुल्क नहीं देना होगा। मात्र अपनी जानकारी से पूर्ण भरे हुए पंजीयन फॉर्म ही भेजना होंगे। इन जानकारियों के सत्यापन के पश्चात उनका पंजीयन कर दिया जाएगा।

कैसे करवाएं पंजीयन

श्री माहेश्वरी मेलापक में डायरेक्टरी सहित पंजीयन के लिए शुल्क 500/- रुपए देय है। बालिकाओं को कोई पंजीयन शुल्क देय नहीं है। अतः डायरेक्टरी मंगवाने के लिए उन्हें उसके मूल्य 300/- रुपए का ही भुगतान करना पड़ेगा। इस शुल्क को श्री माहेश्वरी मेलापक के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रमांक 31725815057 आईएफएससी कोड एसबीआईएन 0030062 में जमा कर पर्ची की छायाप्रति कार्यालय को पूर्ण भरे हुए बायोडाटा फॉर्म के साथ प्रेषित करनी होगी।

सम्पर्क- 90 विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
फोन : 0734-2526561,2526761, मो. : 094250-91161
E-mail : srimaheshwarimelapak@gmail.com

Stockist for
ZKL, URB, China
Distributor for
China Pillow Block
Manufactures of
Conveyer Rollers, Guide Rollers, Cone Rollers, Rubber Rollers, Drum Pully

With Best Compliments From

SRI BALAJI BEARING CORPN.

(House of all types of Bearings & Manufacturer of Conveyer Rollers)

Sunil Sarda **Sumit Sarda**

5-5-79/G-1G, Sri Srinivasa Commercial Complex, Ranjigunj, Secunderabad (Telangana)-03
Ph. : (O) 040-66381050, M. 9849010850, 9985516422

With Best Compliment From

M/s. Madhusudan Dyg. & Ptg. Mill Pvt. Ltd.

M/s. Sudarshan Tex. Pvt. Ltd.

M/s. Madhusudan Rayons Pvt. Ltd.

M/s. Laxminarayan Ind.

M/s. Sudamo Impex Pvt. Ltd.

रामगोपाल मूंदड़ा

उपसभापति (मध्यांचल), अ.भा. माहेश्वरी महासभा, सूरत
अध्यक्ष, राजस्थान परिषद्, सूरत
पूर्व गुजरात प्रदेश अध्यक्ष, अ.भा. वैश्य महासम्मेलन

madhusudan group

Ad. : 68, Radhey Market, Ring Road, Surat (Guj.) - 395002
Ph. : 0261-3258705 (F), **Fax** : 0261-2311000, 0261-2232012
Mo. : 097370-77777, **E-mail** : ramgopalmundra@gmail.com

''हमारा हृदय, मन और संकल्प एक से हों, जिससे हमारा संगठन कभी-भी न बिगड़े''

With Best Compliment From

Pradeep Boob
M. 098220-25452

M/s. K.R. Boob

(Petrol Pump)
H.P.C.L. Dealer

Dealing in :
Petrol, Diesel, Auto & Industrial Lubricants & Greases

Plot No. P-8, MIDC Ambad, Nashik - 422010
Tel. : 0253-2381278, Dir. 2381753
Telefax : 0253-2381363
e-mail : krboob@gmail.com

वर्तमान दौर में विद्यार्थियों पर माता-पिता की आशाओं का बोझ अत्यधिक बढ़ गया है, जिसके दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। यदि आप अपने लाड़ले की क्षमताओं और उसके भाग्य के अनुसार उसकी दिशा तय करें तो वह सफल होगा। इस मामले में आपका मार्गदर्शन कर सकता है तो, ज्योतिष।

बच्चे की क्षमताओं के अनुसार करें कॅरियर का फैसला

आजकल माता-पिता के लिए वह क्षण बहुत ही मुश्किल होता है, जब उन्हें अपने लाड़ले के कॅरियर को लेकर फैसला करना होता है। उसे कहाँ एडमिशन दिलवाएँ, कौन सा विषय दिलवाएँ, आदि जैसे कई प्रश्न उन्हें बेचैन किए रहते हैं। बस उनका सपना होता है, तो अपने लाड़ले को बहुत सफल व्यक्ति के रूप में देखना। वे उन संघर्षों में अपनी संतान को नहीं देखना चाहते, जिनसे वे स्वयं गुजर रहे हैं। सबसे बड़ी परेशानी होती है, तो इस दुविधा में मार्गदर्शन की। बच्चे की क्षमता के अनुसार दिशा का सही चयन नहीं हुआ तो यही सपना उसके लिए बोझ बन जाता है।

गलत दिशा ही भटकाती है

हर बच्चा अपनी मानसिक क्षमता के अनुसार ही विद्या ग्रहण करता है। माता-पिता को बच्चों की विद्या प्राप्ति के दौरान अनेक कठिनाइयां आती हैं। कई बार बच्चा मेहनत करने के उपरांत भी अच्छे अंकों से उत्तीर्ण नहीं हो पाता। यह सब परेशानी विद्या अर्थात शिक्षा की गलत दिशा चुनने से ही उत्पन्न होती है। यहां माता-पिता से गलती बच्चे की क्षमताओं व पसंद को गलत आंकने के कारण होती है। इस मामले में ज्योतिष एक आयने की तरह काफी कुछ हद तक मार्गदर्शन कर सकता है।

कैसे होता है शिक्षा क्षेत्र का विचार

जन्म कुंडली के चतुर्थ भाव से विद्या का विचार किया जाता है। पंचम भाव बुद्धि, मानसिक क्षमता को दर्शाता है। दशम से विद्याजनित यश का विचार होता है। द्वितीय भाव को प्राथमिकता शिक्षा का घर माना गया है। विभिन्न ग्रहों का विद्या प्राप्त के भिन्न-भिन्न विषयों के लिए विचार किया जाता है। बृहस्पति से वेद वेदांत, व्याकरण व ज्योतिष विद्या का विचार किया जाता है। बुध से वैद्यक, गणित, कानून नीति, सूर्य से वेदांत, मंगल से न्याय, गणित विद्या। शुक्र से गानविद्या, प्रभावशाली व्याख्यान शक्ति एवं साहित्य। चंद्रमा से वैद्य, शनि से अंग्रेजी, या विदेशी भाषा, राहु और शनि से अन्य देशीय विद्या का विचार होता है।

जन्म कुंडली और विद्या के योग

- चंद्र लग्न या लग्न स्थान से पंचम स्थान का स्वामी यदि बुध, शुक्र या बृहस्पति के साथ केंद्र त्रिकोण या एकादश में बैठे हों तो मनुष्य विद्वान होता है।
- यदि किसी जन्म कुंडली में विद्याकारक बृहस्पति और बुद्धिकारक बुध दोनों एकत्रित हों तथा शुभ स्थानों पर बैठे हों तो बालक बहुत बुद्धिमान होता है।
- पंचम स्थान के स्वामी और लग्नेश द्वारा स्थान परिवर्तन का योग बालक की विद्या को यशस्वी बनाता है।
- चतुर्थेश चतुर्थ स्थान, लग्नेश लग्न में हो तो जातक को विद्वान बनाता है।
- बुध स्वगृही तथा उच्च, लग्न से केंद्र या त्रिकोण में हो तो विद्या संपत्ति की प्राप्ति होती है।
- यदि बुध, बृहस्पति और शुक्र नवम स्थान में हो तो जातक प्रसिद्ध विद्वान होता है।
- पंचमेश जिस स्थान में हो और उस स्थान के स्वामी पर शुभ ग्रहों की दृष्टि हो या दोनों ओर शुभ ग्रह बैठे हों, तो जातक तीक्ष्ण बुद्धि का स्वामी होता है।
- यदि पंचम स्थान शुभ ग्रहों से घिरा हो, बुध और बृहस्पति दोष रहित हों, नवांश में भी उनकी स्थिति लाभदायक हो तो जातक तीक्ष्ण बुद्धि वाला होता है।
- यदि पंचमेश छठें, आठवें व बारहवें भाव में हो तो विद्या प्राप्ति में कठिनाइयां होती हैं।
- यदि पंचमेश, बुध, बृहस्पति व शुक्र दुःस्थानगत हों, या अस्त हों तो जातक मंदबुद्धि होता है।
- पंचम स्थान पर पाप ग्रहों की दृष्टि या पाप ग्रहों की उपस्थिति, बुध की छठें, आठवें, बारहवें स्थान की उपस्थिति स्मरण शक्ति को क्षीण करती है और जातक विद्या प्राप्ति नहीं कर पाता है।

बुलडाणा अर्बन को-ऑप.क्रेडीट सोसायटी मर्यादित, बुलडाणा, र.नं. (मल्टीस्टेट)

(संस्था का कार्यक्षेत्र : महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, अंदमान-निकोबार)

मुख्य कार्यालय : सहकार सेतू, हुतात्मा गोरे पथ, बुलडाणा - 443001 (महाराष्ट्र)

भारत की पहिली
ISO-9001 : 2000 व
SA 8000 - 2002 मानांकित

॥ संस्था की वर्तमान स्थिति ॥

कुल जमाराशि : 5502 करोड़ कुल ऋण : 3798 करोड़

कुल सदस्य : 754000 कुल शाखाः 384

कुल गोदाम : 300

गोल्ड लोन 1042 करोड़

कार्यक्षेत्र : **महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, अंदमान-निकोबार, गोवा, आंध्रप्रदेश**

॥ संस्था की योजनाएँ ॥

- पूना में छात्रों के लिए छात्रा निवास।
- उच्च शिक्षा लेने वाले छात्रों के लिए विशेष ऋण योजना।
- तिरुपति (आंध्रप्रदेश) में भक्त निवास। ▸▸ माहुर में भक्त निवास।
- छात्रों के व्यक्तित्व विकास में कामयाब शिविर का आयोजन 2 मई से 30 मई तक किया जाता है।
- बुलडाणा स्थित 125 महिलाओं का छात्रा निकेतन।
- 300 वेअर हाऊस (ग्रेन बँक) ▸▸ बुलडाणा में गोरक्षणधाम

॥ भविष्यकालीन योजनाएँ ॥

- जीवन संध्या स्वर्गाश्रम एवं वेदविद्यालय। ▸▸ शिर्डी भक्तनिवास।

Ph. : 07262-242705, 243705, Website : www.buldanaurban.in, E-mail : buldanaurban@rediffmail.com

वैद्यकीय शिक्षा लेने वाले छात्रों और वैद्यकीय व्यावसायिकों के लिए ऋण सुविधा

बुलडाणा अर्बन चॅरिटेबल द्वारा संचालित, विदर्भ में पहिला निवासी स्कूल

सहकार विद्या मन्दिर एवं कनिष्ठ विज्ञान, वाणिज्य महाविद्यालय (CBSE)

विद्यानगरी, चिखली रोड, बुलडाणा

कक्षा 1ली से 12वीं (विज्ञान शाखा)

विशेषताएँ

- बुलडाणा शहर से 5 कि.मी. के अन्तर पर प्रदूषण रहित वातावरण में 30 एकर विशाल परिसर में आनोखी स्कूल।
- अत्याधुनिक उपकरणों के साथ विशाल पुस्तकालय, पाठशाला, विशाल भोजन कक्ष, इंडोअर और आऊटडोअर स्टेडियम और सुविधाओं से परिपूर्ण कम्प्यूटर लेब।
- पौष्टिक भोजन तथा स्वास्थ्य रक्षा।

Ph. : 07262-242705, 243705

- शिक्षा भ्रमण, आश्वारोहण, पर्वतरोहण, निशानेबाजी, स्विमिंग, कराटे, संगीत, तलवारबाजी और भी बहुत कुछ...।
- भारतीय संस्कृति पर आधारित एक परिपूर्ण शिक्षण, जहाँ आपका पाल्य शिक्षा एवं नैतिक मूल्य का खुद का विकास कर एक आदर्श नागरिक बने।
- छात्रावास : छात्र एवं छात्राओं के लिए स्वतंत्र व्यवस्था।

Website : www.sahakarvidyamandir.in

विनीत

सौ. कोमल झँवर
अध्यक्षा,
बुलडाणा अर्बन, बुलडाणा

राधेश्याम चाण्डक
संस्थापक,
बुलडाणा अर्बन, बुलडाणा

डॉ. सुकेश झँवर
चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर,
बुलडाणा अर्बन, बुलडाणा

10 दर्द का सबब हैं ये सवाल

किसी से भेंट या भेंट करने जाने का अर्थ है, एक दूसरे की परेशानियों को दूर कर खुशियों की वृद्धि करना, न कि किसी के जले पर नमक छिड़कना। अन्यथा ऐसी भेंट रिश्तों को मजबूत करने की जगह उन्हें और कमजोर ही करेंगी। ऐसे ही सवालों में शामिल हैं, ये दस सवाल भी, जिन्हें जहाँ तक हो, पूछने से बचें।

जयकिशन झँवर, कोलकाता

1 रिजल्ट कैसा रहा?

ऐसा कौन है, जिसे रिजल्ट का नाम सुनते ही घबराहट नहीं होती हो, लेकिन भला रिश्तेदारों को इससे क्या फर्क पड़ने वाला। वे कभी भी घर में टपक पड़ते हैं और रिजल्ट को लेकर सवालों की झड़ी लगा देते हैं, दुर्भाग्य से अगर आपका रिजल्ट बुरा आ गया, फिर तो उनके व्यंग्यवाण सहना मुश्किल हो जाता है।

2 तुम्हारा वजन बढ़ गया है?

मोटा कहलाना आखिर किसे पंसद होगा? बावजूद इसके कई रिश्तेदार बार-बार ऐसे सवाल पूछते हैं। हो सकता है, कुछ लोग वाकई में आपकी चिंता करते हो,लेकिन ज्यादातर रिश्तेदारों को आपके चेहरे पर परेशानी देखने में ही आनंद आता है। ऐसे में अगली बार अगर कोई कहे कि आपका वजन बढ़ गया है या फिर मोटे हो गए हैं, तो उन्हें ऐसा मजाकिया जवाब देने के लिए तैयार रहें कि हम खाते-पीते घर के हैं।

3 नौकरी नहीं लगी तुम्हारी?

अगर आपके पास नौकरी नहीं है, या फिर आप नौकरी ढूंढ रहे हैं, तो आपके रिश्तेदार आपको कुछ ज्यादा ही फिक्रमंद नजर आते होंगे। आपकी नौकरी की स्थिति के बारे में पूछताछ करने में वह हमेशा व्यस्त मिलेंगे। ऐसे मामलों में ऐसा लगता है, जैसे आप उनके लिए ही कमाने वाले हैं। इसलिए अब जब भी अगली बार आपसे कोई नौकरी के बारे में पूछें तो यह कहने के लिए तैयार रहें कि पहली ट्रीट आपको ही देगें।

4 दोस्त से कुछ क्यों नहीं सीखते?

कुछ रिश्तेदार इस हद तक चले जाते है कि वे आपकी आपके दोस्त या परिचित के साथ तुलना करने लगते हैं। उनके लिए आप हमेशा के लिए एक मुद्दा बन जाते हैं। जिसकी तुलना वे आपके सफल दोस्त के साथ करते रहते हैं और कहते हैं कि अपने दोस्त से कुछ सीखो, अगली बार तुलना होने से बचने के लिए बेशक अपनी एक अलग पहचान बनाएं।

5 पैसे उधार मिल सकते हैं?

पैसे और रिश्ते को कभी नहीं मिलाना चाहिए। पैसों की वजह से रिश्तों में कड़वाहट आ जाती है। सबसे अच्छी नीति यही बनाएं कि न उधार दें, न लें, खासकर रिश्तेदारों से। रिश्तेदार से उधार लेना यानी खुद को उसके अधीन कर देना और हमेशा उसकी सुनते रहना है। रिश्तेदार को उधार दिया, तो मिलने की उम्मीद न करें।

6 सैलरी कितनी है?

कारण चाहे जो हो, लेकिन भारतीय रिश्तेदारों को अपने प्रिय लोगों की सैलरी के बारे में जानने की इच्छा हमेशा रहती है। वे किसी न किसी बहाने जानना चाहते हैं कि आप कितना कमा रहे हैं? इसके पीछे वजह आपको नीचा दिखाना ही होती है। कुछ रिश्तेदारों को आपको असहज स्थिति में देखना भी अच्छा लगता है।

7 कोई बॉयफ्रेंड/गर्लफ्रेंड है?

भारतीय घरों में एक अलिखित नियम है, जिसके मुताबिक पुरूषों और महिलाओं के विवाह की उम्र तय होती है। इस उम्र के बाद भी शादी नहीं हुई है, तो रिश्तेदारों को एक मुद्दा मिल जाता है, ऐसे रिश्तेदार यह पूछने में जरा भी देर नहीं लगाते कि क्या आपका कोई बॉयफ्रेंड / गर्लफेंड है? मजे की बात यह है कि वे आपसे इस सवाल का जवाब हां में ही सुनना चाहते हैं।

8 साड़ी क्यों नहीं पहनतीं?

अगर आप महिला हैं, तो शायद यह सवाल भी होगा ही कि आप साड़ी क्यों नहीं पहनती/खासतौर से बुजुर्ग रिश्तेदार तो ऐसा जरूर पूछते हैं। आप उनके लिए ताना मारने का विषय बन जाते हैं। उनके नजरिए से महिलाओं को हमेशा भारतीय कपड़े ही पहनने चाहिए और वे उसी में भली लगती हैं।

9 शादी कब कर रहे हैं?

भारत में शादी का मतलब होता है, परिवार को बढ़ाना और सामाजिक चक्र बनाए रखना। आप विवाह की उम्र तक पहुंचते है, तो रिश्तेदारों की ओर से बस यही शब्द बार-बार बोलकर बम फोड़े जाते हैं कि शादी कब कर रहो हो?

10 कब आ रहा है नया मेहमान?

बच्चा कब होगा, इसका अधिकार सिर्फ कपल को है, लेकिन रिश्तेदार कहां चूकने वाले हैं। शादी को साल बीता नहीं कि सवाल चालू "नया मेहमान कब आ रहा है?" खुशखबरी से संबंधित यह सवाल बोझ बनकर रह जाता है।

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ

सादर आमंत्रण

जब भी आएँ मध्यप्रदेश...
तो अवश्य लें दर्शन लाभ

उत्तर भारत के तिरुपति बालाजी
जीरापुरवासा गोविन्दा

निवेदक-

ओमप्रकाश मूँदड़ा

फोन- 07370-275257, 275543,
मो. 094250-37692
वेबसाइट- www.zirapurvasagovinda.com

कैसे पहुँचें

आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ब्यावरा जिले की तहसील है जीरापुर। जयपुर-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित खिलचीपुर से जीरापुर की दूरी है, बीस किलोमीटर। ब्यावरा (म.प्र.) बस तथा रेल मार्ग से जुड़ा हुआ है। इंदौर, भोपाल, कोटा, उज्जैन, ग्वालियर व गुना से सड़क मार्ग से जीरापुर पहुंच सकते हैं।

प्रमुख शहरों से दूरी

- भोपाल से जीरापुर व्हाया- ब्यावरा-राजगढ़।
- कोटा से जीरापुर व्हाया झालरा पाटन/इकलेरा-170 किमी.।
- इंदौर से जीरापुर व्हाया सारंगपुर-160 किमी.।
- उज्जैन से जीरापुर व्हाया मक्सी-सारंगपुर-160 किमी.।
- उज्जैन से जीरापुर व्हाया सुसनेर-150 किमी.।
- ग्वालियर से जीरापुर व्हाया, ब्यावरा-राजगढ़ शिवपुरी-ब्यावरा-365 किमी.।
- ब्यावरा से जीरापुर-62 किमी.।
- पचोर से जीरापुर-50 किमी.।

मारवाड़ी बहुत शांत व मीठी बोली बोलने वाला है। उसकी यह विशेषता ही उसकी पहचान व गरिमा है। लेकिन जब बात मातृभूमि की आन की हो, तो वह चुप नहीं बैठ सकता। आईये देखें कैसे दिया उसने मातृभूमि की निंदा का जवाब....

हरिप्रकाश राठी, जोधपुर
मो. 094141-32483

असल मुनाफा

वह पहली बार मारवाड़ आ रहा था एवं उसने अपने साथियों से मारवाड़ के वैभव के अनेक किस्से सुने थे। उसके एक साथी सौदागर ने तो यहाँ तक कहा कि मारवाड़ के राजा इतने रईस हैं कि आगंतुक सौदागर को कभी निराशा नहीं करते। बहुत वर्ष पूर्व उन्होंने एक सौदागर के सौ कुप्पे खरीद लिए थे। इसी के चलते सौदागर आश्वस्त था कि मारवाड़ के राजा उसे निराश नहीं करेंगे।

भोर होते ही सौदागर ने पेड़ से बंधा घोड़ा खोला, उसकी पीठ थपथपायी, दाना-पानी दिया एवं देखते ही देखते पेड़ के पास रखे इत्र के सातों कुप्पे उसकी पीठ पर लाद दिये। कुछ और सामान जैसे दो पानी के बड़े-बड़े मसक, दो-तीन थैलियाँ जिसमें वो रोजमर्रा का सामान रखता था आदि को भी उसने घोड़े की पीठे के पीछे व्यवस्थित किया एवं पुनः उत्तर की ओर चल पड़ा। चलते ही घोड़ा हिनहिनाया तो होंठों पर प्रसन्नता की रेखा फैल गई। यह अच्छा शगुन था एवं इसका अर्थ आज सारा माल बिकना तय था। उसने कृतज्ञ आँखों से आसमान की ओर देखा, अपने आराध्य का ध्यान किया एवं मन ही मन यह सोचकर प्रमुदित हुआ कि आज यात्रा का अंतिम पड़ाव है।

आसमान से अधिकांश तारे विलुप्त हो चुके थे, बस चार-पाँच तारे रात के अंतिम अवशेषों की तरह यत्र-तत्र टिमटिमा रहे थे। इन्हीं तारों के बीच भोर का तारा उसके मन की आशा की तरह चमक रहा था। दूर क्षितिज से पक्षियों की चहचहाहट भी कानों में आने लगी थी। वो आशान्वित था कि ऐसी ठंडी हवा में रास्ता बिना कठिनाई के पार कर लेगा। वैसे तो भौर हर जगह सुहानी होती है, पर मारवाड़ की हवा के बारे में उसने सुना था कि यहाँ की 'एक हवा सौ दवा' के बराबर होती है। उसे इस कहावत में दम नजर आया हालांकि वह यह सोचकर हैरान था कि थार की भीषण गर्मी में सुबह की हवा ठंडी क्यों होती है?

घोड़े की लगाम को पकड़े अब वह धीरे-धीरे गंतव्य की ओर बढ़ने लगा। मंजिल सामने हो तो गति दोगुनी हो जाती है। वह आधा कोस चला होगा कि उसे कुछ याद आया। वह रुका, लंबे झब्बे की लटकती दो जेबों की दांयी जेब से चांदी की एक डिबिया निकाली, जिसके दो खानों में एक ओर चूना एवं दूसरी ओर जर्दा था। दोनों को बांये हाथ की हथेली पर रखकर दांये अंगूठे से रगड़ने लगा। जर्दा मुंह में रखते ही नई शक्ति का संचार हुआ एवं इस बार उसके चाल की गति और बढ़ गई।

स्वर्ण किरणों का आभूषण पहने सूर्यदेव क्षितिज से ऊपर उठ आए थे। मारवाड़ का राजमहल अब मात्र दो कोस पर था। भला दो कोस भी कोई दूरी है? उसे पता था यह दूरी एक घंटे में पूरी कर लेगा। रात अच्छी नींद आने के कारण वह ताजा लग रहा था। शरीर सौष्ठव भी देखते बनता। वह छह फीट से कम न होगा। छरहरा बदन, मोटी रतनारी आँखें, तीखा नाक, घनी ऊपर की ओर जाती हुई मूंछे, सुघड़ दंतपंक्ति एवं खिंचे लंबोतरे चेहरे से वह सौदागर कम एवं सिपाही अधिक लगता था। झब्बे के नीचे लाल किनारी वाली रेशम की धोती, एक पैर में चांदी का कड़ा, दोनों पांवों में जूतियाँ जिनके आगे का नुकीला हिस्सा ऊपर की ओर मुड़ा था। उसके सिर पर बंधी पगड़ी तथा रेशम की धोती से स्पष्ट आभास होता था कि वह सुदूर मालवा से आया है। तब पगड़ी एवं व्यक्ति का चेहरा-मोहरा ही इस बात की पहचान होता था कि वह किस प्रदेश से आया है।

यह यात्रा उसने बड़ी कठिनाई से तय की थी। देश छोड़े उसे तीस रोज से अधिक हो चुके थे। वह इत्र के बीस कुप्पे लेकर चला था, जिसमें से आधे से अधिक उसने रास्ते में बेच दिये। घोड़े पर भार कम होने के साथ-साथ उसकी यात्रा सुगम होने लगी थी। एक कोस और चलने के पश्चात उसे थकान होने लगी तो उसने घोड़े पर बंधी चमड़े की मसक निकाली, पानी पीया, उसी को ऊँचाकर घोड़े के मुँह में पानी उड़ेला एवं इस बार घोड़े की पीठ के आगे बंधी काठी पर सवार हो गया। काठी पर बैठकर उसने ऊपर जाती घनी मूंछों को ताव दिया एवं

हाथों पर लगा शेष पानी कानों पर लगाया तो कानों की स्वर्ण मुरकियाँ सवेरे की सूर्य किरणों की तरह चमक उठी।

सूरज ऊपर उठ आया था। दिन उगे आधा प्रहर हुआ लेकिन उफ्! अभी से इतनी गर्मी! ऐसी गर्मी तो पहले कभी नहीं देखी। भीषण गर्मी ने उसे बेहाल कर दिया। मारवाड़ में यह अकाल का दूसरा वर्ष था। ढोर तो क्या मिनखों तक के पिंजर निकल आये। रास्ते भर सूखे पेड़ विरक्त वैरागियों की तरह खड़े थे। अनावृष्टि के चलते आम रियाया त्रस्त थी। किसान आंखे फाड़े आसमान की ओर देखते लेकिन इंद्र मानो इस बार भी कोप बरसाने पर आमादा थे। सावन-भादौ सूखा निकल जाय तो क्या उम्मीद बचे? सौदागर ने रास्ते में अनेक जगह मरे जानवर भी देखे थे।

वह पहली बार मारवाड़ आ रहा था एवं उसने अपने साथियों से मारवाड़ के वैभव के अनेक किस्से सुने थे। उसके एक साथी सौदागर ने तो यहाँ तक कहा कि मारवाड़ के राजा इतने रईस हैं कि आगंतुक सौदागर को कभी निराश नहीं करते। बहुत वर्ष पूर्व उन्होंने एक सौदागर के सौ कुप्पे खरीद लिए थे। इसी के चलते सौदागर आश्वस्त था कि मारवाड़ के राजा उसे निराश नहीं करेंगे।

राजमहल आने के पूर्व उसने स्वयं को व्यवस्थित किया, घोड़े से नीचे उतरा एवं मुख्य द्वार तक आया। वह दरबान से पूछने ही जा रहा था कि वह राजा से कब मिल सकता है, तभी यह देखकर चकित रह गया कि स्वयं राजा सामने से दरबारियों के साथ मुख्य द्वार की तरफ आ रहे हैं। उसे मुँह मांगी मुराद मिल गई। उसने आश्चर्य से दरबान की ओर देखा तो उसने धीरे से बताया कि गत एक माह से राजा ने घोड़ा, रथ, सवारी सब छोड़ रखी है। वह इसका कारण जानता, तब तक राजा द्वार

के इतने समीप आ गए कि दरबान चुप सीधा खड़ा हो गया। राजा के माथे पर लहरिया पाग तथा पाग पर सोने का पेच लगा था। चेहरा ऐसा मानो सूर्य का तेज उन्हीं में आकर सिमट गया हो।

राजा मुख्य द्वार तक आये तो सौदागर ने झुककर सलाम किया। पास ही खड़े दरबान की तरह उसने भी 'खमाघणी' कहकर उनका अभिवादन किया। राजा उसे देखकर रुके तो सौदागर ने राजा की प्रशंसा में कसीदे पढ़े, उनकी पीढ़ियों का यशगान किया, फिर बोला, 'बापजी! मैं बहुत दूर मालवा से आया हूँ। आपकी उदारता के वहाँ बहुत चर्चे हैं। इत्र के कुप्पे बेचने आया हूँ। ऐसा इत्र आपको दूर-दूर तक नहीं मिलेगा।'

उसे देखकर राजा गंभीर हुए। उनकी आँखों में शौर्य मिश्रित दीनता झलक आई। कुछ सोचकर उन्होंने सौदागर के कंधे पर हाथ रखा, फिर बोले, 'तुम ठीक कहते हो सौदागर! मालवा के सौदागरों को मैं खूब जानता हूँ। उनका माल भी अच्छा होता है, दाम भी वाजिब लेते हैं एवं बात के धनी होते है।'

अपने वतन की प्रशंसा सुनकर सौदागर की आँखों की चमक दूनी हो गई। ऐसे उदार राजा भला उसे क्यों निराश करेंगे? वह कुछ और कहता उसके पहले राजा ने उसका कंधा हल्के से दबाया और बोले, 'निश्चय ही तुम्हारा इत्र उतना ही अच्छा है जितना तुम कह रहे हो लेकिन मैं मजबूर हूँ। मेरे राज्य में दो साल से अकाल पड़ा है। प्रजा भूखी मर रही हो एवं उसकी आँखों में आँसू हों तो राजा इत्र कैसे लगा सकता है? राजा प्रजा से ही तो है। सौदागर! क्षमा करना! इस बार मैं तुम्हारा इत्र न खरीद सकूंगा और मैं जानता हूँ अगर मैंने इत्र लगाने से इंकार किया तो अन्य दरबारी एवं प्रजाजन भी तुमसे इत्र खरीदने का साहस नहीं कर सकेंगे। इस बार यह इत्र तुम कहीं और जाकर बेच दो। कभी सुकाल हुआ और तुम भीगी पाग आये तो मेरा वादा है इससे दोगुना इत्र मुँह मांगे दामों पर खरीदूँगा।' यह कहकर राजा दरबारियों के साथ आगे निकल गए।

सौदागर का दिल डूब गया। काटो तो खून नहीं लेकिन अब किया क्या जा सकता था? खुली मुट्ठी से बहने वाली रेत की तरह उसके सारे मंसूबे वहीं बिखर गए, चेहरा लटक गया एवं चेहरे पर वही भाव उभर आये जो उसने रास्ते में अकाल से त्रस्त किसानों एवं मजदूरों के चेहरे पर देखे थे। उसने घोड़ा मोड़ा एवं उल्टे पाँव लौट पड़ा। हाँ, इस बार उसकी गति पहले से आधी थी।

राजमहल के नीचे आकर उसने घोड़े को दाना-पानी दिया, वहीं भोजनालय में खाना खाया, दोनों मसक पानी से भरकर घोड़े पर लादे एवं मन ही मन यह बड़बड़ाते हुए आगे बढ़ गया कि वह कहाँ चला आया। उसकी सारी यात्रा एवं मेहनत बेकार हो गई। शहर के परकोटे से वह एक कोस आगे आया तो उसने पीछे मुड़कर देखा। दूर-दूर तक कोई नहीं दिखा तो उसमें दम भर आया। उसकी कुंठा सिर चढ़ बैठी। वह अंड-बंड बकने लगा, 'यह कैसा राजा एवं कैसा राज्य है? नाम बड़े दर्शन खोटे। मारवाड़ियों एवं मारवाड़ के राजा के बारे में तो उसने क्या कुछ नहीं सुना था पर यहाँ तो मामला फुस्स निकला। कितनी उम्मीद लेकर आया था लेकिन यहाँ तो फकीर बसते हैं। यहाँ का राजा भी विचित्र है? भला काल क्या राजमहलों पर पड़ता है? राजकोष क्या कभी खाली होता है? अगर राजा इतना-सा इत्र नहीं ले सकता तो कैसा राजा? राजा तो मणि-माणक, हीरे-जवाहरात एवं जाने क्या-क्या खरीद लेते है? वे तो अपनी रईसी एवं उदारता से ही जाने जाते है। ऐसे राजा किस काम के?' सौदागर भड़ास निकालते हुए जा रहा था कि उसे दूर धूल का गुब्बार नजर आया। धीरे-धीरे यह आकृति स्पष्ट होने लगी तो उसने देखा

कितनी उम्मीद लेकर आया था लेकिन यहाँ तो फकीर बसते हैं। यहाँ का राजा भी विचित्र है? भला काल क्या राजमहलों पर पड़ता है? राजकोष क्या कभी खाली होता है? अगर राजा इतना-सा इत्र नहीं ले सकता तो कैसा राजा? राजा तो मणि-माणक, हीरे-जवाहरात एवं जाने क्या-क्या खरीद लेते हैं? वे तो अपनी रईसी एवं उदारता से ही जाने जाते हैं। ऐसे राजा किस काम के?'

घोड़े पर कोई राहगीर दूर से आ रहा है। सौदागर कुछ देर के लिए वहीं रुक गया। भरा व्यक्ति रीता होने का अवसर ढूंढता है।

उसका अनुमान सही था। घोड़े पर कोई महाजन आ रहा था। उसके चेहरे-मोहरे से ऐसा ही लग रहा था। माथे पर हल्के गुलाबी रंग की पतली पट्टियों वाली पगड़ी थी, ललाट पर वैष्णवी तिलक, कानों में सोने के भारी लोंग एवं गले में पड़े कंठे को देखकर कोई भी कह सकता था कि वह महाजन है।

सौदागर को देखकर महाजन ने घोड़ा रोका। वह भी बहुत दूर से आ रहा था, सोचा दो पल इससे भी बतिया लिया जाय। इसी बहाने वह और उसका घोड़ा सुस्ता लेंगे। मारवाड़ी को तो बात और भात से ही सुकून मिलता है। ऐसा नहीं होता तो उसके शहर में सौ से अधिक हत्थइयाँ क्यों होती जहाँ शाम को लोग मात्र बतियाने के लिए मिलते थे। वह नीचे उतरा तो सौदागर ने पूछा, 'महाजन हो?'

'आपने ठीक पहचाना। इसी मारवाड़ का माहेश्वरी महाजन हूँ।' महाजन की आवाज इतनी मीठी थी मानो बोली में शहद घुला हो। सौदागर की आँखो में प्रश्न देख बात आगे बढ़ाते हुए वह पुनः बोला,' 'देशाटन पर कुछ माह के लिए बाहर गया था, वापस घर लौट रहा हूँ। 'इतना कहकर उसने अपने सफेद झब्बे के बीच बंधे केसरिया दुपपटे को खोलकर पसीना पोंछा एवं पुनः कसकर बांध दिया। थोड़ा नीचे झुककर फिर उसने कमर से बंधी धोती को व्यवस्थित किया। गरमी से वह भी बेहाल था।

महाजन को देखते ही सौदागर की कुंठा हांडी से रकाबी में आ गई। मन का दबा राक्षस विकराल होकर प्रकट हो गया। उसे लगा बनिये को कुछ भी कहो, कर क्या लेगा? वह फिर बड़बड़ाने लगा।

महाजन ने अत्यंत विनम्र स्वर में पूछा, 'आखिर बात क्या है? क्या माल बिका नहीं?'

सत्य प्रगट होते ही सौदागर को पका बालतोड़ छू गया। उसकी बकवाद और तेज हो गई। उसकी व्यथा, उदासी एवं गुस्सा आँखों में उतर आया। स्थिति देखकर महाजन ने पूछा, 'क्या मारवाड़ में किसी ने तुम्हें धोखा दे दिया? लेकिन यह हो नहीं सकता। यहाँ के लोग निष्कपट हैं। वे किसी को धोखा नहीं देते एवं ओछा भी नहीं बोलते। मीठी वाणी, सुंदर खाना एवं अच्छी संस्कृति ही तो यहाँ की पहचान है।' महाजन हंसते हुए बोला।

'वाणी तो मीठी है, पर यहाँ के लोग भीतर से चालाक है। बस जबान के शेर है। डींगे मरवा लो। हवा में गाँठे लगवा लो। टरकाऊ विद्या में तो महारथ है, तुम लोगों की। परदेशियों की तो इज्जत करना सीखा ही नहीं। खैर उनका भी क्या दोष, जैसा राजा वैसी ही तो प्रजा होगी। राजा कंजूस होगा, तो प्रजा भी वैसी

ही होगी। राजा उदार होगा तो प्रजा भी उदार होगी। बहुत किस्से सुने थे मैंने मारवाड़ एवं यहाँ के राजा के लेकिन आज उन्हें भी देख लिया।' सौदागर ने दिल का बुखार क्षणभर में उगल दिया।

इस बार महाजन गंभीर हुआ। उसके माथे पर बल पड़ गए। बात की थाह लेने के बहाने उसने पुनः पूछा, 'अब बताओ भी कि बात क्या है?'

'तुम्हीं बताओ मैं इतने दूर मालवा से आया हूँ। राजे-महाराजे सौदागरों को कभी निराशा नहीं करते। वे जानते हैं, हम ही उनकी प्रतिष्ठा के दूत हैं लेकिन तुम्हारे राजा ने मेरा इत्र खरीदना तो दूर सूंघने तक से मना कर दिया। अकाल का बहाना कर टाल दिया। यह भी कोई बात हुई कि प्रजा मर रही हो तो मैं इत्र नहीं लगा सकता। इतना ही नहीं मुझे यह कहकर आगे बढ़ने से रोक दिया कि मैं नहीं खरीदूंगा तो दरबारी एवं प्रजा भी नहीं खरीद सकते। महाजन! तुमने ठीक कहा यहाँ के लोग मीठा बोलते हैं लेकिन यह नहीं बताया कि उन्हें गुड़ में लपेटकर जहर देना भी खूब आता है। अरे! जो राजा इत्र नहीं खरीद सकता वो और क्या खरीद सकता है? लोग ठीक कहते हैं, डूंगर दूर के भले। अब तो मैं सभी सौदागरों को कह दूंगा कि इस इलाके में नहीं आएं। यहाँ तो ऊँची दुकान फीके पकवान है। मारवाड़ी है, तो थोथे चने पर गाल बहुत बजाते हैं।'

महाजन की आँखें यह सुनते ही लाल हो गई। उसके चेहरे पर पीढ़ियों की आन उतर आई। क्षणभर के लिए उसे लगा मानो आज कोई उसके देश की अस्मिता को ललकार रहा है।

अब उसने मोर्चा संभाला। यह उससे कहीं अधिक उसके प्रदेश की प्रतिष्ठा का प्रश्न था। गुस्सा भीतर निगलते हुए उसने सौदागर के कंधे पर हाथ रखा, एक गहरी सांस ली एवं इस बार तीखी आँखों से देखते हुए सौदागर से पूछा, 'यह कितने कुप्पे हैं?

'सात कुप्पे हैं। इन कुप्पों में ऐसा इत्र भरा है, जो हजार कोस तक ना मिले।' सौदागर ने निःशंक होकर जवाब दिया।

'इन सभी कुप्पों का क्या मूल्य है?' महाजन की आँखें अब व्यावसायिक निपुणता से लबालब थी।

'सौ स्वर्ण मुद्राऐं।' महाजन की बात सुनकर सौदागर की आँखे आशा के दीपों की तरह चमक उठी।

'मात्र सौ स्वर्ण मुद्राऐं! तुम तो अभी अपने इत्र का ऐसा प्रशंसा-पुराण पढ़ रहे थे कि हजार कोस तक ऐसा इत्र नहीं मिलता।' महाजन बोला।

'वह बात तो ठीक है, पर मूल्य तो जो

'वाणी तो मीठी है पर यहाँ के लोग भीतर से चालाक हैं। बस जबान के शेर है। डींगे मरवा लो। हवा में गाँठे लगवा लो। टरकाऊ विद्या में तो महारथ है तुम लोगों की। परदेशियों की तो इज्जत करना सीखा ही नहीं। खैर उनका भी क्या दोष, जैसा राजा वैसी ही तो प्रजा होगी। राजा कंजूस होगा तो प्रजा भी वैसी ही होगी। राजा उदार होगा तो प्रजा भी उदार होगी। बहुत किस्से सुने थे मैंने मारवाड़ एवं यहाँ के राजा के लेकिन आज उन्हें भी देख लिया।'

होगा वही मांगूगा। मैं मारवाड़ी थोड़े हूँ जो एक का चार बनाऊँ।' बात कुछ अधिक कड़वी थी। अतः नजर चुराते हुए उसने ऊपर आसमान की ओर देखा।

सूरज माथे पर चढ़ आया था।

सौदागर की बात महाजन के हृदय में विषतीर-सी लगी, लेकिन वह शांत रहा। आज उसे एक ऐसा सौदा करना था, जो अनमोल हो एवं जिसके बारे में सुनकर उसकी एवं उसके देश की पीढ़िया संदेश लें।

'क्या तुम मुझे अपना इत्र बेचोगे?' इस बार महाजन ने मुस्कुराते हुए पूछा।

'ईश्वर आपका भला करे। क्या तुम सचमुच इसे खरीदोगे? राजा को पता चल गया तो?' सौदागर की आँखें फैल गई। गुस्सा रूई की तरह उड़ गया।

'उसकी तुम चिंता न करो। वह मैं देख लूंगा। म्हारी जोखिम म्हें जाणू।' महाजन बोला।

'तो दो मुझे स्वर्ण मुद्राएँ एवं ले लो इत्र।' सौदागर हैरान था कि मरूभूमि में कल्पवृक्ष कहाँ से चला आया।

महाजन ने अपनी बंडी से एक थैली निकाली एवं सौदागर के हवाले करते हुए कहा,' गिन लो! खरी हैं एवं पूरी सौ स्वर्ण मुद्राएँ है।'

सौदागर ने स्वर्ण मुद्राएँ हाथ मे ली, थैली खोली एवं देखकर चकित रह गया। उसने एक-एक कर उन्हें गिना एक....दो.....तीन एवं अंत में जब सौवीं मुद्रा गिनी तो वह आशांकित हो गया। जहाँ राजा ऐसा हो वहाँ का महाजन बिना मोल-तोल किए यूँ मुद्राएँ दे दे, यह कैसे संभव है? उसने घोड़े की जीन पर बंधी थैली से कसौटी निकाली एवं रगड़कर देखा तो आँखों की चमक दुगुनी हो गई। उसका दिल उछलने लगा। सचमुच वे असली स्वर्ण मोहरें थीं।

'तुम कमाल के साहूकार हो। यह इत्र तुम्हारा हुआ। तुम कहो तो मैं कुप्पों को तुम्हारे घोड़े पर बांध दूं।' सौदागर की आँखों से खुशी टपकने लगी थी।

अब कभी मारवाड़ एवं मारवाड़ के राजा की बुराई नहीं करना। तुमने हमारे राजा को समझा नहीं। उनकी प्रजावत्सलता पर सौ नहीं सहस्त्रों स्वर्ण मुद्राएँ भी न्यौछावर की जाय तो कम हैं। तुम कदाचित नहीं जानते कि जिस इत्र को बेचने के लिए तुम इतनी बातें कर रहे थे उतना इत्र तो मारवाड़ का एक छोटा-सा महाजन अपने घोड़े की पूंछ में उड़ेल देता है।

'ठहरो! अभी सौदा पूरा नहीं हुआ? 'महाजन का गांभीर्य अब शिखर पर चढ़ बैठा। उसकी नस-नस, बोटी-बोटी फड़कने लगी फिर भी वह संयत रहा।'

'अब क्या रह गया महाजन? इत्र तुम्हारा है एवं स्वर्ण मुद्राएँ मेरे हाथ में है।' सौदागर ने कौतुक से पूछा।'

'तुम्हें मेरा एक काम करना होगा?' इस बार बोलते हुए महाजन की आंखें पानीदार हो गई।'

'क्या?' विस्मय में डूबे सौदागर ने पूछा।

'अब तुम इन सातों कुप्पों से इत्र निकालकर मेरे घोड़े की पीठ एवं पूंछ के लंबे बालों में उड़ेल दो।'

'यह क्या कह रहे हैं आप? इत्र क्या घोड़े की पूंछ एवं पीठ पर लगाया जाता है?'

'मैंने इसका मूल्य दिया है, मैं चाहे जो करूँ।' महाजन की तेज आवाज सुनकर सौदागर सकते में आ गया। उसने महाजन की ओर देखा तो उसके तेवर देखकर भांप लिया कि आज जो यह कहे वही करना उचित होगा। जिस सनक में इसने सौदा किया है, उसी सनक में यह सौदा रद्द न कर दे।

सौदागर ने एक-एक कर सारे कुप्पे घोड़े की पीठ एवं पूंछ में उड़ेल दिए। घोड़ा इत्र में नहा गया। इत्र उसके पेट एवं पूंछ से टपकने लगा।

'चलो तुमने जैसा कहा वैसा कर दिया। अब मैं चलूं?' सौदागर आशंकित था कि बनिया कोई नया फितूर न कर बैठे।

सौदागर मुड़ा तो महाजन ने उसके कंधे पर हाथ रखा एवं इस बार चीरती आँखों से देखकर बोला,' अब कभी मारवाड़ एवं मारवाड़ के राजा की बुराई नहीं करना। तुमने हमारे राजा को समझा नहीं। उनकी प्रजावत्सलता पर सौ नहीं सहस्त्रों स्वर्ण मुद्राएँ भी न्यौछावर की जायें, तो कम हैं। तुम कदाचित नहीं जानते कि जिस इत्र को बेचने के लिए तुम इतनी बातें कर रहे थे, उतना इत्र तो मारवाड़ का एक छोटा-सा महाजन अपने घोड़े की पूंछ में उड़ेल देता है। मेरे जैसे एवं मुझसे कई बड़े यहाँ सैकड़ों महाजन है। वे चाहें तो तुम जैसे हजार सौदागर खड़े-खड़े खरीद लें।' महाजन की वाणी आन-मान एवं शान से लबालब थी। उसकी आँखों का तेज देखकर सौदागर दंग रह गया।

उसे काठ मार गया।

वतनपरस्ती का ऐसा जज्बा तो उसने पहले कहीं नहीं सुना।

ऐसा सौदा भी उसने पहले कभी नहीं किया।

घोड़े पर बैठकर सौदागर ने ऐड़ लगाई तो घोड़ा तेजी से भागा।

टापों की आवाज सुनाई देने तक महाजन वहीं खड़ा रहा। वह जब आश्वस्त हो गया कि दूर-दराज तक कोई नहीं देख रहा तो वह घोड़े की पीठ के पिछले हिस्से की ओर आया, वहाँ बंधी म्यान से तलवार निकाली एवं पूरी ताकत के साथ घोड़े की गरदन पर वार किया तो घोड़ा वहीं ढेर हो गया।

मुट्ठी भर रेत उठाकर उसने हाथ साफ किये एवं परकोटे की ओर बढ़ने लगा।

देशाटन पर तो वह पहले अनेक बार गया था, बड़े-बड़े नफे-नुकसान भी देखे पर ऐसा नुकसान पहली बार ही देखा, जिसमें सब कुछ खोकर भी लगा मानो ऐसा एवं इतना बड़ा नफ़ा पहले कभी नहीं हुआ।

यह असल मुनाफा था।

Sumeet INDUSTRIES LIMITED

Manufacturers & Exporters

Aiding **Progress**
Striding towards Success...

Shankarlal Somani
Chairman Cum Managing Director

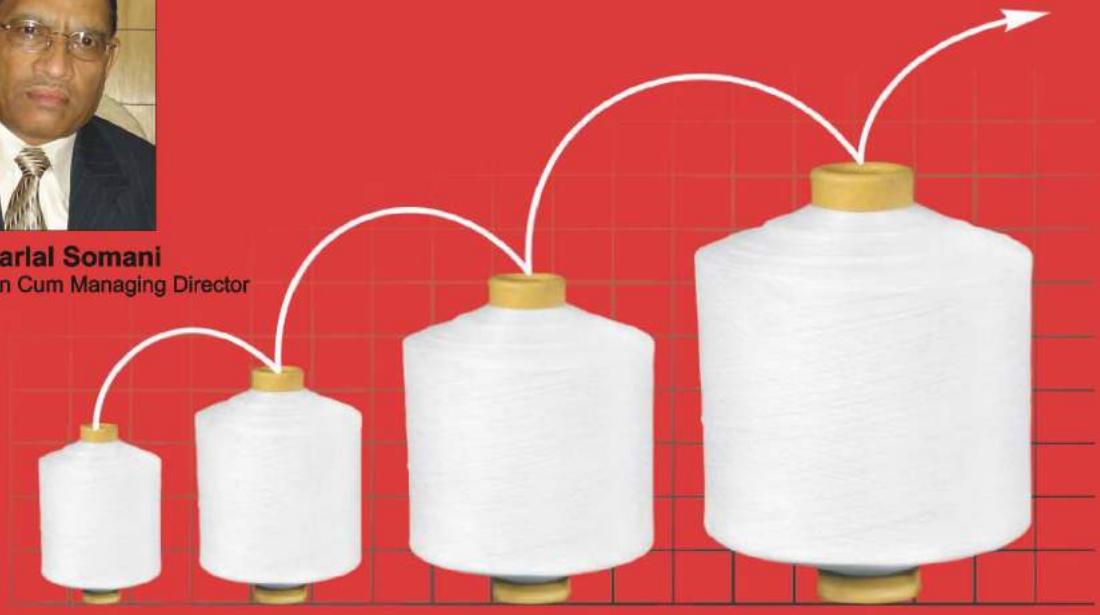

Spinning the Story of Success

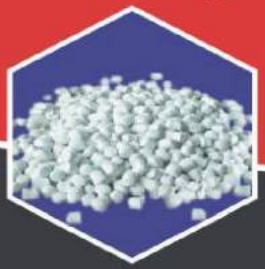

PET CHIPS

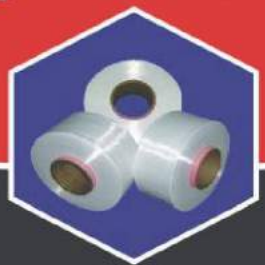

FDY

POY

SUMEET INDUSTRIES LTD. : 504, Trividh Chamber, Opp. Fire Station, Ring Road, SURAT.
Ph. No. 0261 – 2328902, Fax. No. 0261 – 2334189
Email: sumeetindus@yahoo.com Website: www.sumeetindustries.com

महेश नवमी पर्व की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ

तुलसी

• पाईप • फिटिंग्ज् • ड्रिप • स्प्रिंकलर

®Let's nurture the green era..

खेत-खलिहान, गाँव- शहर..

तुलसी पाईप देशभरात..!

पानी की बचत होशियारी में ही समझदारी..!

ड्रिप एवम् स्प्रिंकलर सिस्टम के लिए शासकीय अनुदान* मान्यता प्राप्त

'तुलसी' के उत्पादन: • रिजीड पी.वी.सी. पाईप एवम् फिटिंग्स् • यु-पीवीसी एएसटीएम-डी पाईप एवम् फिटिंग्स् • एसडब्ल्युआर पाईप एवम् फिटिंग्स् • केसिंग पाईप • कॉलम पाईप • मोल्डेड व फॅब्रीकेटेड फिटिंग्स् • ठिबक सिंचाई प्रणाली • एचडीपीई पाईप एवम् फिटिंग्स् • स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली • गार्डन पाईप • स्प्रे पाईप • अनब्रेकेबल घमेला • फ्रूट एवम् वेजीटेबल क्रेटस् • रुफ वॉटर हार्वेस्टिंग

तुलसी एक्सट्रुजन्स लि®

®Let's nurture the green era..

Multi Media FPL /13

रजि. ऑफिस: एन-99/100, एम.आय.डी.सी. एरिया, जलगाँव - 425 003 (महाराष्ट्र) भारत.

ग्राहक सेवा क्र.: +91-257-2210620 फैक्स: 2210052. P.V.C. Div.: 094235 71839, P.E. Div.: 094226 00470, मो.: 094222 92160, 094222 92190

ई-मेल: mkt@tulsigroup.com; contact@tulsigroup.com वेब: http:\\www.tulsigroup.com

परिस्थिति व माहौल सबकुछ बदल गया। लगभग हर समाज ने पुनर्विवाह को सामाजिक मान्यता दे दी। माहेश्वरी समाज तो लगभग 7 दशक पूर्व ही इस पर स्वीकृति की मुहर लगा चुका है। इसके बावजूद पुनर्विवाह किसी चुनौती से कम नहीं है। यदि सफल हुआ तो ठीक अन्यथा अभिशाप बनने में भी देर नहीं लगती। कारण यही है कि समय के साथ हमारी सोच सहीं ढंग से बदल नहीं सकी।

आज भी बहुत बड़ी चुनौती है पुनर्विवाह

▸▸ श्यामसुंदर टावरी, अमरावती

एक समय था जब कन्या के विवाह की चर्चा करते, लेन-देन तय करते-करते अभिभावक थक जाता था। वही समस्या आज लड़कों के विवाह की हो गई है, संबंध तय हो जाने पर भी विवाह तिथि आने तक कटकट बनी रहती है। प्रथम विवाह में इतनी समस्या है तो पुनर्विवाह में कितनी होती होगी, इसकी कल्पना करें। कुंवारी संतानों के संबंध तय करने में और पुनर्विवाह में सामाजिक स्तर पर क्या हाल होते होंगे? सुयोग्य जीवनसाथी मिलना कितना मुश्किल है। एक बार विवाह हो जाने पर नसीब के कारण अकेले रह गए व्यक्ति के जीवन को नवपल्लवित करने के प्रयास करने पड़ते हैं। खुद के नसीब पर भी व्यक्ति विश्वास और श्रद्धा खो बैठता है, तब जीवन दूभर हो जाता है। व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर पुनर्विवाह में उमंग का वह उत्साह नहीं रहता है, किंतु भविष्य के जीवन की व्यवस्था सुधारने के लिए पुनर्विवाह करना पड़ता है। कोई भी व्यक्ति जीवन साथी के बगैर लंबे समय तक समाज में प्रसन्नता से नहीं रह सकता। व्यक्तिगत स्तर पर, पारिवारिक स्तर पर और सामाजिक स्तर पर अकेलापन बहुत कम व्यक्ति सहन कर सकते हैं। इन तीनों स्तरों पर अकेले रह गए व्यक्ति का जीवन श्राप जैसा लगता है।

पुनर्विवाह में कई यक्ष प्रश्न

पुनर्विवाह करने की सबसे बड़ी चुनौती होती है, तलाक आदि के कारणों का जवाब देना। हर कोई ऐसे मामले को संशय से ही देखता है। तलाकशुदा व्यक्ति बाबत सामाजिक विचार उठता है कि ऐसा क्या कारण हो गया, जिस कारण जीवन में या दाम्पत्य जीवन में व्यक्ति को तलाक लेना पड़ा? क्योंकि हमने विवाह को संस्कार माना है। विवाह करार नहीं, शारीरिक, मानसिक, आर्थिक किसी भी प्रकार की चाहे जितनी तकलीफ जीवन में आ सकती है, लेकिन इस बात पर आज भी समाज सहमत नहीं कि तलाक होना चाहिए। सामाजिक जीवन में सुख-दुख और आधि, व्याधि, उपाधियां तो आते ही रहती हैं, एक-दूजे का साथ देना चाहिए। पारस्परिक प्रेम, विश्वास, श्रद्धा और सहनशक्ति दृढ़ होनी चाहिए। शिक्षण बढ़ना चाहिए पर संस्कार कम नहीं होना चाहिए, ऐसी समाज में आज भी मान्यता है। जबकि आज के समय में बदलाव आया है। तलाक और दुर्घटना का प्रमाण दिनों-दिन बढ़ता ही जा रहा है। इसके पीछे अनेक कारण सामने आ रहे हैं। अतः समाज की सोच भी बदल रही है और वे भी पुनर्विवाह की बात स्वीकारने लगे हैं। समाज में इसके विरोध की धार कम पड़ती जा रही है, फिर भी खुले मन से नहीं।

संतान वालों की समस्या अत्यंत गंभीर

संतान रहने वाले व्यक्ति के पुनर्विवाह की बात हो तो मसला और गंभीर हो जाता है। बढ़ी जवाबदारी से जीवन व मन उदास और हताश होने लगता है। ऐसे व्यक्ति का पुनर्विवाह एक बड़ी विकराल समस्या बनते जा रही है। व्यक्ति की औसत आयु बढ़ जाने से शेष बची लंबी आयु में पुनर्विवाह संतान वाले भी करना चाहते हैं, ताकि जिंदगी में आ गया ठहराव दूर किया जा सके। बीती सो बीत गई, अनिवार्य कारणों से ऐसे संजोग उपस्थित होते हैं, दाम्पत्य जीवन को पूर्ण विराम लग जाता है। अकेले में बच्चों का संगोपन सुव्यवस्थित नहीं हो पाता। अतः समाज भी संतान वाले व्यक्ति की पुनर्विवाह की जरूरत समझने लगा है। इसके बावजूद निसंतान व्यक्ति के पुनर्विवाह के मुकाबले संतान वाले व्यक्ति का पुनर्विवाह मुश्किल कार्य है। उसमें भी यदि वह स्त्री हो तो उसके दुःख की सीमा नहीं होती। आज भी ऐसी स्थिति में पुरुष स्वयं चाहे संतानवाला हो किंतु वह स्त्री संतानरहित ही चाहता है। जब संबंध नहीं होता तब मजबूरी में संतानवाली स्त्री से अंतिम विकल्प के रूप में विवाह के लिए तैयार हो जाता है। कारण वर्तमान जीवन की यह जरूरत है, समाज का स्वास्थ्य ठीक रखने के लिये ऐसा करना जरूरी हो गया है। इसमें जरूरी है कि संतानवाली स्त्री की संतानों को भी उत्कृष्टता के साथ जीवन साथी स्वीकार करे। प्रायः संतानों के भविष्य को लेकर ही स्त्री पुनर्विवाह का निर्णय लेती है। लेकिन कई बार ऐसा होता नहीं है।

पहले दोनों हों मानसिक रूप से तैयार

कौन से कारण तलाक हुआ, विधवा/विदुर हुए इसकी सही जानकारी सर्वप्रथम प्राप्त कर लेनी चाहिए। विधवा, तलाकशुदा प्रौढ़ स्त्री को समाज में अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अतः पुनर्विवाह करके सुरक्षित आयुष जीने की तमन्ना स्त्रियां करने लगी हैं और सफल भी हो रही हैं। बच्चे साथ में होने पर जवाबदारी बढ़ जाती है। उनके प्रति दुर्लक्ष्य हुआ तो कोई भी पिता-माता सहन नहीं कर सकते। एक उम्र तक शरीर धर्म की जरूरत भी सभी को रहती है। किसी स्त्री को दोबारा शादी का जोड़ा पहनना बहुत कठित होता है। खासकर जब उसका पहला अनुभव खराब हो या बिछड़ गए जीवनसाथी से अत्यधिक मोह या लगाव हो गया हो। लेकिन सोचिए जिंदगी दूसरा मौका दे रही है, यह कोई छोटी बात नहीं है। अपने को मानसिक रूप से पुनर्विवाह के लिए तैयार करने में पूरा समय लेना चाहिए। एक बार पुनर्विवाह होने पर पहली ससुराल से पत्नी को संबंध रखने पर पूर्ण विराम लगाना चाहिए। पहली ससुराल की तस्वीरों को, उनके द्वारा दिए गए उपहार को सीने से लगाकर रखना पति को दुःख दे सकता है। अतः छोड़ी गई ससुराल का मोह छोड़ देना ही ठीक है। कभी-कभी जब प्रथम विवाह से संतान हो, तब संबंध रखना लाजीमी हो जाता है। अतः इसकी चर्चा पुनर्विवाह तय करने से पहले ही होने वाले पति व परिवार वालों से कर लेनी चाहिए।

सभी माहेश्वरी बन्धुओं को
महेश नवमी पर्व की
हार्दिक मंगलकामनाएँ एवं बधाई

आर.डी. बाहेती
प्रदीप बाहेती

With Best Compliments From...

R.D. Baheti **RDB GROUP** Pradeep Baheti

RDB GROUP

HOTEL ★★★
RDB PALACE *3 Star Facility*
SD-4 A, Kabir Marg, Bani Park, Jaipur-16. Ph. 2208536/7

TATA
RDB Highway Services (P) Ltd.
Telco Authorised Service Station
25 km. N.H. 8,
Hardhyanpura Bagru, Jaipur

RDB LAND DEVELOPERS (P) LTD.
Group Housing, Commercial, Residential Plot & Flats
RDB House, KE-9, Kabir Marg, Bani Park, Jaipur-16

Petrol Pumps At:
- Amer Road, Jaipur # 2635796
- 25 km. N.H. 8, Bagru, Jaipur # 2865196
- Surya Nagar, Tonk Road, Jaipur # 2722970

Regd. Off. : RDB House, KE-9, Kabir Marg, Bani Park, Jaipur - 302016. Ph. No. 2201249, 2202664, 2202798, 2203678, 2206435 • Fax : 0141-2203630, 2207537
E-mail : rdbjpr@datainfosys.net, rdbcars@sify.com ♦ Work Shop : RDB Auto Complex, Bagru N.H. 8, Jaipur. Ph. 2865222, 2865244

Volkswagen. Das Auto.

Volkswagen Ajmer
36, Near Fire Station, Opp. Birla City Water Park, NH - 8, Sanderiya, Ajmer - 305001
Phone: 0145 - 2695186 • Fax: 0145 - 2695286 • Mobile: 9782880000 • Email: sales@vw-rdbcars.co.in

NISSAN SHIFT_ the way you move

Grand **NISSAN**

Call 1800 209 4080 | www.nissan.in

Grand Nissan
RDB GROUP

70/1, Basni Baghela, NH-65, Pali Road, Jodhpur - 342005.
Tel.: 0291-2729888, 9782001750
E-mail : sales@grandnissan.co.in

• Ashok Baheti • Sanjay Baheti • Aditya Baheti • Arjun Baheti • Aayush Baheti

ज्योतिष्मति को आम भाषा में ''मालकंगनी'' कहा जाता है। यों है तो यह अत्यंत सस्ती चीज है, लेकिन यह अपने गुणों में सभी प्रकार के मौजूदा टॉनिकों पर भारी है।

टॉनिकों का टॉनिक ज्योतिष्मति

मालकंगनी एक पौधे के बीज हैं, जो पूरे भारत में सभी जड़ी-बूटी वालों के यहाँ आसानी से मिल जाते हैं। इनमे एक गाढ़ा गहरे पीले रंग का तेल होता है, जो बहुत कड़वा होता है। यह सभी आयुर्वेदिक दवाई बेचने वालों की दुकान पर रोगन मालकांगनी/ मालकंगनी तेल/ ज्योतिष्मती तेल के नाम से मिलता है। मालकंगनी संस्कृत में ज्योतिष्मति– अर्थात जो बुद्धि को चमका दे, कहलाता है। लेटिन- CELASTRUS PANICULATUS नाम से वनस्पति विज्ञान में जाना जाता है। बाजार मे यह बीज व तेल दोनों रूप मे मिलती है। इन दोनों के गुण समान हैं। तेल बहुत कड़वा होता है, इसलिए बीज का ही प्रयोग अधिक किया जाता है। इसके 1 बीज मे 6 छोटे बीज होते हैं। इसलिए जब मात्रा 1 बीज कही जाए तो उसका अर्थ है चने के आकार का बीज, जिसमे 4-6 छोटे बीज हो।

कहाँ कैसे उपयोग

▶▶ आयुर्वेद में जो बुद्धि बढ़ाने वाली दवाइयाँ है, उनमे यह मालकंगनी भी है। विद्यार्थियों के लिए सर्दी मे यह अमृत है। च्यवनप्राश, कोड लीवर आयल आदि कोई भी इसके समान गुण नहीं रखते। प्राचीन वैद्यों ने इसके स्मृति/ याददाश्त/ मेमोरी बढ़ाने वाले गुण की बहुत प्रशंसा की है। दिमाग का अधिक प्रयोग करने वाले अधिक बोलने वाले जैसे अध्यापक, वकील, चिकित्सक आदि को इसका प्रयोग जरुर करना चाहिए. इसका प्रभाव बढ़ाने के लिए इसके साथ साथ शंखपुष्पी चूर्ण का प्रयोग किया जा सकता है

▶▶ डिप्रेशन जैसे मानसिक रोगों में इसका बहुत अच्छा प्रभाव है। इसके जैसे अनेक मानसिक रोगो मे मालकंगनी से तत्काल लाभ होता है। मनोरोग की एलोपैथी दवाइयाँ प्रायः नींद को बढ़ाती है, परंतु यह नींद को सामान्य ही रखती है। इसका प्रभाव बढ़ाने के लिए इसके साथ-साथ शंखपुष्पी चूर्ण का प्रयोग किया जा सकता है

▶▶ नजला जुकाम, बार बार होने वाले जुकाम, मौसम बदलते ही होने वाले जुकाम, पूरी सर्दी में बने रहने वाले जुकाम आदि में यह चमत्कार दिखाती है। जो भी नजले, जुकाम से परेशान है, वे इसका प्रयोग जरूर करें। कुछ दिन प्रयोग करने से 1 साल तक समस्या से मुक्ति पा लेंगे। इसी तरह बार बार होने वाली खांसी तथा मौसम बदलते ही छाती में होने वाला भारीपन भी इससे ठीक हो जाता है।

▶▶ जो व्यक्ति सर्दी मे प्रतिदिन सुबह घर से निकलते है वह इसका प्रयोग जरूर करे। जिसे सर्दी अधिक सताती है, वह भी इसका जादू जरूर देखे। यह शरीर मे सर्दी सहन करने की क्षमता को बहुत अधिक बढ़ा देती है।

▶▶ जो बहुत जल्दी थक जाते है। जिन्हें लगता है आधा दिन काम करने के बाद ही सारा शरीर दर्द कर रहा है, जो बार-बार चाय पीकर थकावट को दूर करने की कोशिश करते हैं, उनके लिए यह आयुर्वेद की संजीवनी बूटी है। 10 दिन प्रयोग करने के बाद शरीर मे थकावट महसूस नहीं होगी।

▶▶ जिन्हे तनाव या नजले या किसी भी कारण से सिर में दर्द रहता है, वह भी इसके प्रयोग से लाभ उठाएं।

▶▶ सर्दी में जिनके पैर ठन्डे हो जाते हैं व रात को सोते समय बिस्तर में भी जल्दी से गर्म नहीं होते वह इसे जरुर लें।

▶▶ सर्दी में जिनके हाथों या पैरों की अंगुलियाँ सुन्न हो जाती हैं, वह भी जरुर प्रयोग करें।

▶▶ सर्दी में जिनके हाथ-पैर या कंधे के छोटे या बड़े जोड़ अकड़ जाते हैं और हाथ पैर मोड़ने में जिन्हें समस्या होती है, वे जरुर प्रयोग करें।

▶▶ मंदबुद्धि बच्चे जिनकी आयु 5 साल से अधिक है, उन्हें सर्दी में मालकंगनी व गर्मी में शंखपुष्पी दूध से दें। इस तरह 2-3 साल देने से बहुत से बच्चे ठीक हो जाते हैं। 5 साल से कम उम्र वालो को केवल शंखपुष्पी दे। बच्चो को दवाई की मात्रा उम्र के अनुसार कम दें।

▶▶ जो व्यक्ति बार बार बीमार होते हैं व कमजोर हैं तथा ज़रा सा चलते ही सांस फूल जाती है, वे भी इसका प्रयोग जरुर करे।

ये न करें इसका उपयोग

इसका उपयोग अविवाहित, स्थायी एनीमिया से ग्रस्त, 1 वर्ष में रक्त स्राव या पीलिया से पीड़ित, अल्सर या एसीडिटी के रोगी, कीडनी व इस्नोफिलिया के रोगी, जो बार-बार मुंह के छाले या खुजली आदि एलर्जी से ग्रस्त हों, गर्भवती स्त्री तथा जिन्हें गहरे पीले रंग का मल आता हो और बार-बार शौच के लिये जाना पड़ता है, वे इसका प्रयोग न करें। इसे 5 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को ही दिया जाऐ।

कैसे करें उपयोग

▶▶ इसके बीज या तेल में से किसी भी चीज को प्रयोग कर सकते हैं, लाभ बराबर है।

▶▶ तेल- 2 से 8 बूंद तक दिन में 2 बार 1 कप गर्म दूध से लें।

▶▶ बीज- इसके बीज लाकर साफ़ कर लें। फिर 100 ग्राम बीज को 2 चम्मच देशी में भून कर पीस ले। इतना ना भूने कि जल जाऐ। पीस कर बंद डिब्बे में रख दे। बच्चों के लिए इसमें बराबर मात्रा में मिश्री मिला दे। आधा चम्मच दिन में 2 बार दूध से ले। जो घर से बाहर रहते हैं, वह पानी से भी ले सकते हैं। यदि गर्मी लगे तो मात्रा कम कर दें। इसके साबुत बीज का भी प्रयोग किया जा सकता है। 1 से 4 बीज तक प्रतिदिन दूध या पानी से 2 समय लें।

▶▶ मालिश-जोड़ों के दर्द , कमर के दर्द, गर्दन जकड़ जाना, रीढ़ की हड्डी की जकड़न, कंधे का ना मुड़ना आदि दर्द में इसके तेल को गर्म करके मालिश करें। मालिश के 2 घंटे बाद तक ठण्डा पानी ना पिऐं।

सेवा, सदाचार एवं त्याग के इस महापर्व
महेश नवमी पर हार्दिक शुभकामनाएँ.

लायंस क्लब्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 323 ई-2 के समस्त लायन साथियों के सहयोग के प्रति

धन्यवाद एवं आभार

सेवा करुणा से

MJF लायन बी. विशाल माहेश्वरी

डिस्ट्रीक्ट गवर्नर 323 ई-2 (2015-16)

खुद को बनाएँ पूर्ण सम्पत्तिवान

सम्पन्नता व संपत्ति का अर्थ हम जानते तो हैं लेकिन वह अधूरा है। इसमें सिर्फ धन-दौलत व चल-अचल सम्पत्ति ही शामिल नहीं है। वास्तविकता में देखा जाऐं तो यह तो सम्पत्ति का एक भाग ही है, शेष तीन भाग फिर भी शेष रहते हैं। इन सभी की जब प्राप्ति होती है, तो ही हम बनते हैं वास्तविक संपत्तिवान व मानव जीवन होता है, सार्थक।

ब्रह्माण्ड नायक ने सृष्टि रचना कर मानव को सर्वोच्च प्राणी बनाया है। मानव सृष्टि की सर्वश्रेष्ठ कृति है। मानव जीवन अनमोल है, दुर्लभ है, यह परमात्मा की अमूल्य देन है। देवता भी मानव योनी प्राप्त करने के लिए लालायित रहते है। कहा भी गया है-

'बड़े भाग्य मानुस तन पावा, सुर दुरलभ ग्रन्थहि गावा।'

प्रत्येक व्यक्ति जन्म से ही कर्जदार होता है। यह कर्ज पाँच प्रकार के होते है - ईश्वर, माता-पिता, परिवार, समाज एवं राष्ट्र का। अतः मानव मात्र का प्रथम कर्तव्य एवं दायित्व है कि माता के अतिरिक्त इन सभी ऋणों से मुक्त हो। व्यक्ति अगर प्रामाणिकता पूर्वक इन ऋणों से मुक्त होने का प्रयत्न करे, तो वह न केवल ऋण मुक्त हो सकता है अपितु नर से नारायण भी बन सकता है। यह जगत कर्म क्षेत्र है। यहाँ कर्म की खेती होती है, जो जैसा बोता है वह वैसा ही पाता है। यहाँ हर्ष भी है व विवाद भी है। कर्मक्षैत्र में कहीं शांति है, तो कहीं संघर्ष, कहीं जीवन है, तो कहीं मृत्यु। अगर व्यक्ति मृत्यु का सदैव स्मरण करता रहे, तो उसे अपने कर्तव्यबोध का ज्ञान स्वतः ही प्राप्त होते रहता है।

क्या हैं जीवन की मूल सम्पत्ति

साधारणतया मानव आर्थिक संपदा को ही सम्पत्ति के रूप मानते है, परन्तु वास्तविक संपत्ति चार प्रकार की होती है-आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं आर्थिक। जिस व्यक्ति के पास इन चारों संपत्तियों का समाविष्ट रहता है, वास्तव में उन्हें ही संपत्तिवान की संज्ञा दी जा सकती है। प्रश्न उठता है इसे प्राप्त कैसे किया जाए? प्रथमतः हमें यह समझना चाहिए कि जो भी हमारे पास है, वह सब प्रभु प्रदत्त है। साथ ही साथ इसमें समाज एवं राष्ट्र का भी परोक्ष-अपरोक्ष रूप से योगदान रहता है। जिस प्रकार व्यक्ति स्वयं की समृद्धि चाहता है, उसी प्रकार उन्हें यह भी प्रयास करना चाहिए कि हमारा राष्ट्र भी समृद्ध हो।

अपनी प्रार्थना का स्वरुप भी बदलें

प्रायः लोग ईष वंदना करते हैं - 'सुख संपत्ति घर आवे, कष्ट मिटे तन का' साथ ही यह भी कहते है - 'तन-मन-धन सब कुछ है तेरा' व 'तेरा तुझको अर्पण क्या लागे मेरा'। वास्तव में व्यक्ति ईश्वर से प्रामाणिकता व आर्तभाव से चाह करता है, तो निश्चित रूप से उसके घर से सुख-संपत्ति आती है। साथ ही साथ अपनी संपत्ति को ईश्वर द्वारा प्रदत्त मानकर अपनी आवश्यकता का उपभोग करते हुए स्वयं की संपत्ति, साधन, समय एवं ज्ञान का कम से कम 5 प्रतिशत समाज एवं राष्ट्र के प्रति निःस्वार्थ भाव से बिना नाम व बिना अपेक्षा के अर्पण करता रहे, तो उसे पांच प्रकार के लाभ प्राप्त होते हैं- स्वयं को संतोष, परिवार में समरसता, बच्चों में संस्कार, धन में अभिवृद्धि एवं समाज में सम्मान। जिस उद्देश्य के लिए मानव जीना चाहता है, अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहता है, वास्तविक संपत्ति अर्जन करना चाहता है, उस सभी का इसमें समाविष्ट है। रहीम ने यहाँ तक कहा कि दान देने में जिसकी रूचि नहीं हो, उसकी समाज में कोई उपयोगिता नहीं होती। ऐसा व्यक्ति धरती का बोझ स्वरूप होता है।

सब के कल्याण की करें कामना

प्रत्येक मानव सुखी रहना चाहता है, आनन्दमय जीवन व्यतीत करना चाहता है और जीवन को सार्थक भी बनाना चाहता है। इन्हें प्राप्त करने के लिए वह दिन-रात दौड़ता रहता है। वह इसलिए दौड़ता है कि मैं संपत्तिवान बनूँ। व्यक्ति इसमें ही सुख, सार्थकता व सम्मान ढूँढता है। इस दौड़ में वह अपने स्वास्थ्य को भी विस्मृत कर बैठता है। अतः हमें भारतीय संस्कृति का अनुकरण कर जीवन यापन करना चाहिए। भारतीय संस्कृति वसुदैव कुटुम्ब की रही है। हम भारतीय सभी वैष्णवजन हैं। इसका भावार्थ है हम दूसरों की वेदना को पहचानें। इसी आधार पर एक भजन की कड़ी है- 'वैष्णव जन तो तेने कहिये, जो पीर पराई जाने रे' व्यक्ति केवल हाड़-मांस का पुतला बनकर ही न रहे अपितु इन्सान बनकर रहना चाहिए। इसलिए कहा गया है- 'किसी के काम जो आए उसे इन्सान कहते हैं। पराया दर्द अपनाये उसे इंसान कहते हैं।' भूख लगे या न लगे स्वाद के वशीभूत होकर खाते रहना है- विकृति, भूख लगने पर खाना है- प्रकृति और भूखे को खिलाकर खाते है वह है- संस्कृति। यही भारतीय संस्कृति है। यह हमारी कृति में ही नहीं शामिल न हो अपितु यह हमारी वृत्ति बन जाय, क्योंकि कृति अस्थायी भी हो सकती है, परन्तु वृत्ति स्थायी रहती है।

समाज की महाराष्ट्र स्थापी आद्य शिक्षा संस्था

माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडळ

स्थापना : १९२१

Applications are invited for MVPM's Maheshwari Scholar - 2016

A Tribute to Academic Excellence

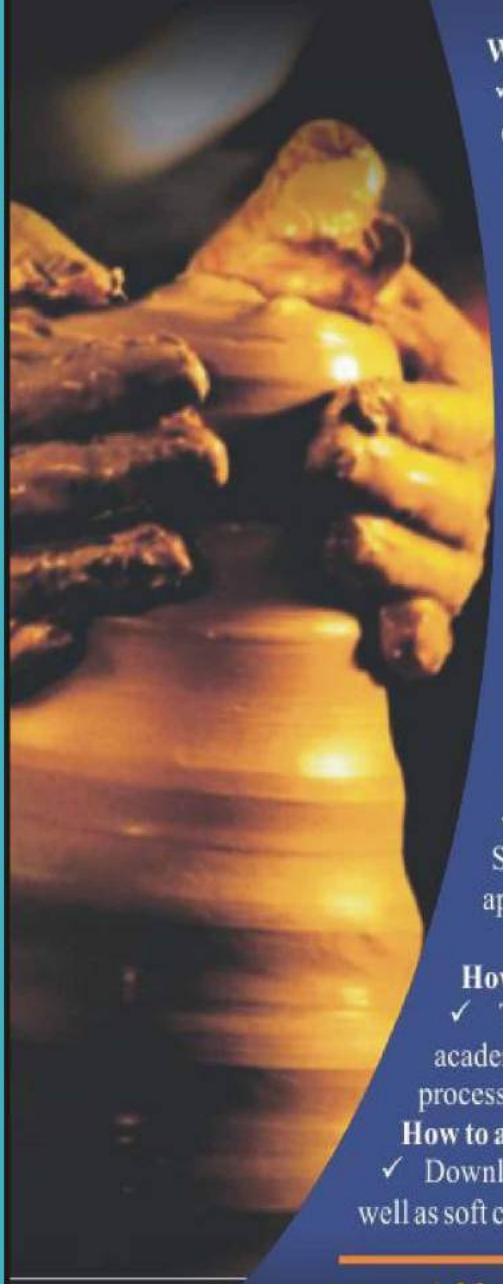

What is the award?

✓ A Gold Medal worth Rs 50,000 to Maheshwari Scholars and a certificate of merit.

✓ A Gold / Silver Medal worth Rs 25,000 to Promising Maheshwari Scholars and a certificate of merit.

Who is eligible?

✓ **Maheshwari students who have completed or are likely to complete their course between 1st October 2015 & 30th September 2016 from following disciplines:**

- BE/B.Tech / B.Arch / ME/M.Tech /M.Arch /MCA
- BDS/MBBS / MDS/MD/MS/ M.Ch / DM
- PGDM/ MBA
- CA/ICWA/CS/ CFA
- Ph.D (any discipline)

✓ Exceptional students with outstanding academic records from other disciplines may also be considered by the management.

✓ **Maheshwari** Candidates who have qualified Civil Services (UPSC) examinations & have been selected for appointment, are also encouraged to apply.

How are awardees selected?

✓ The scholars are supposed to have consistently outstanding academic credentials & are selected through a rigorous selection process carried out by an eminent jury.

How to apply?

✓ Download an application form from MVPM website & send a hard as well as soft copy to MVPM office **latest by 31st October 2016.**

Address for Correspondence

1099 / A, Model Colony, Pune - 411 016. Ph.: +91-20-25671090 / 91

• E-mail: scholar@mvpm.org • URL: www.mvpm.org

अपना व्यक्तित्व हम स्वयं तैयार करते हैं। हमारे हाथ में है कि हम क्या बनें, इंसान या शैतान, बस इसके लिए हमें ही अपने आपको तराशना होगा। जब हम अपने आपको तराशेंगे, तभी बनेगी अपनी इच्छानुसार हमारी मूर्ति...।

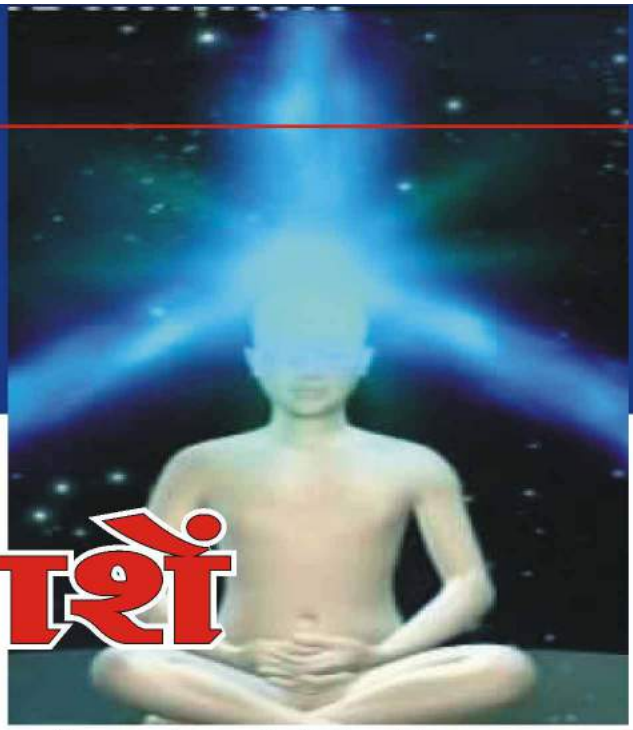

अपने आपको स्वयं तराशें

रामनिवास जैथलिया, मुंबई

आप जिंदगी में बहुत खुश हैं। यह कोई बड़ी बात नहीं। जिंदगी की सच्चाई तो यह है कि आपके कारण, दूसरे कितने लोग खुश हैं? यही सत्य के धरातल पर जीवन की हकीकत है। एक मूर्तिकार से किसी ने पूछा कि तुमने इस पत्थर से प्रभु की सुंदर मूर्ति कैसे बना डाली? तब मूर्तिकार ने कहा कि मूर्ति तो इस पत्थर में पहले से ही थी, मैंने कुछ नहीं किया। मैंने तो केवल अनावश्यक पत्थर को हटा दिया और मूर्ति बाहर आ गई। क्या कभी हमने अपनी जिंदगी की गहराई में झांक कर देखा कि हम कौन हैं व हमारे भीतर भी प्रभु विराजमान हैं। यदि हम भी काम, क्रोध, लोभ, मोह आदि कषायों को अपने जीवन से हटा दें, तो हमें भी प्रभु बनने में देर नहीं लगेगी। किसी ने ठीक ही कहा है कि 'तू ही मूर्तिकार स्वयं और तू ही है पाषाण, तू ही है छैनी, तू ही हथौड़ी, तू कर तेरा खुद निर्माण।'

अपना चरित्र संवारें

हमने घर की सफाई तो कर दी, परंतु मन की सफाई करना भूल गए। हमने घर में अपना सामान तो व्यवस्थित जमा दिया, पर हम अपना व्यवहार व्यवस्थित करना भूल गए। हमने प्रभु की पूजा तो की, पर माँ-बाप का सम्मान करना भूल गए। हमने भगवान का चित्र तो घर में लगा लिया पर, उनका चरित्र अपनाना भूल गए। हमें दीप जलाकर उजियाला करना तो याद रहा-पर मन का अंधेरा मिटाना भूल गए। अब जरा चिंतन करें व संकल्प लें कि भगवान को मनाएंगे व साथ ही उन गुणों को जीवन में अपनायेंगे। हम अपने मानव रूपी शरीर में बैठी आत्मा को परमात्मा बनने से रोकने वाले तमाम अमानवीय प्रवृत्तियों के दानवों का संहार कर स्वयं पर विजय प्राप्त करेंगे। तभी हमारा जीवन सार्थक व सुखमय बनेगा।

अपने कर्त्तव्यों पर रहें अडिग

अब मैं आपका ध्यान समाज के प्रति अपने कर्तव्य पर भी चाहूँगा। कई बार संख्या के बल पर असत्य हावी हो जाता है और असत्य की कुछ समय के लिए विजय भी हो जाती है, लेकिन वह कोई विजय नहीं है। वह समाज के लिए खतरा है। पांडव पांच ही सही, लेकिन सही जीवन का सबसे बड़ा आश्वासन हैं। ये सज्जन लोग, सही वृत्ति के लोग निष्क्रिय न रहें। सज्जनता सक्रिय होनी चाहिए। समाज को दुर्जनों के मुकाबले सज्जनों को निष्क्रियता से ज्यादा नुकसान होता है। अंधकार अपने आप में कोई समस्या नहीं है। दीप जलाने के प्रयासों का अभाव ही समस्या है। अंधकार समस्या है तो उसका समाधान भी होता है। दीया जलाओ। जलो लेकिन दीये की तरह, जिससे सर्वत्र प्रकाश फैले। समाज में चहुँमुखी विकास हो।

लेखक अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा (दक्षिणांचल) के उपसभापति हैं।

सुखद व सफल जीवन का मंत्र

लगाइये तीन फैक्टरी
"ब्रेन में आईस फैक्टरी,
जुबान में शुगर फैक्टरी,
हृदय में लव फैक्टरी,
फिर लाइफ हो जाएगी सेटीसफैक्टरी।

करेले का सूप

सामग्री- करेले 2, अरारोट 1 चम्मच, जीरा आधी चम्मच, तेल आवश्यकतानुसार, पोदिना पाउडर आधी चम्मच, नमक स्वादानुसार, हरा धनिया आधा चम्मच, अदरक बारिक कटा आधा चम्मच, हरी मिर्च बारिक कटी आधी चम्मच, प्याज कटा 1, नीबू का रस 2 चम्मच

विधि- करेले के स्लाइस काटकर नमक लगाएं और आधे घंटे तक रख दें। अच्छी तरह धोकर भूरे होने तक तल लें। पैन में 1 चम्मच तेल गरम करें व जीरे का छोंक लगाएं। प्याज, अदरक, हरी मिर्च डाल कर भूनें। नमक व 4 कप पानी डालें। अरारोट को पानी में घोलकर उबलते पानी में लगातार चलाते हुए डालें जिस से गांठ न पड़ें। करेले भी डाल दें। गाढ़ा होने पर उतार कर पोदिना, हरा धनिया, नीबू का रस डाल कर गरमागरम परोसें।

पूनम राठी
मो. 99700 57423

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है
इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

वर्तमान दौर में सफल वैवाहिक जीवन एक बड़ी चुनौती बन गया है। ताश के पत्तों की तरह रिश्तें बिखरने लगे हैं। वास्तव में देखा जाए तो क्रोध व अभिमान रिश्ते को बिखेरने में अहम भूमिका निभाते हैं। इनके बढ़ने के लिये भवन का अग्नि कोण भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब यह दूषित होता है, तो सोच बिगड़ जाती है और फिर इसका नतीजा होता है पारिवारिक तकरार।

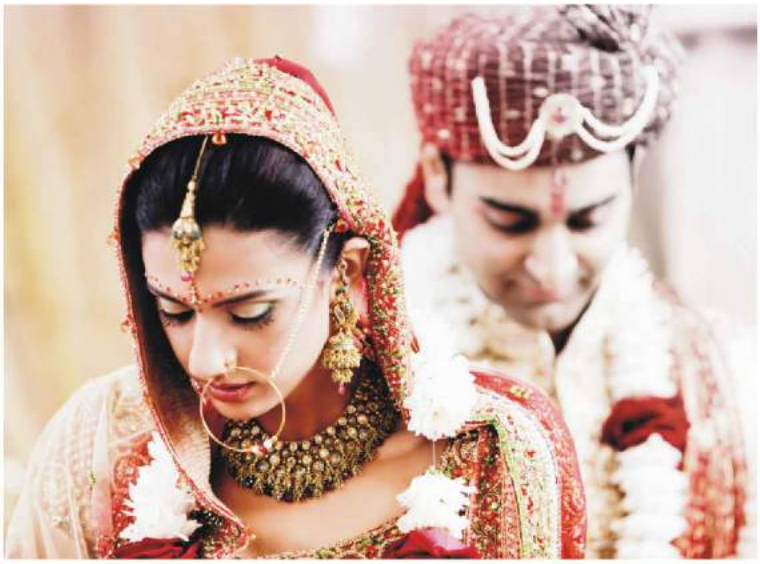

क्यों बिखरता है वैवाहिक जीवन

शादी-विवाह के पहले हर लड़का-लड़की की कामना एवं भावना रहती हैं सारा जीवन जिसके साथ रहना हो वो जीवन साथी कैसा हों? जीवन साथी का प्रवेश मेरे जीवन को महका देवें। जिंदगी भर साथ निभाये। मेरी आकांक्षा और जज्बात की कद्र करे। गृहस्थ की गाड़ी को आगे बढ़ाने के लिए कँधे-से-कँधे मिलाकर चले। जीवन में आपसी संबंध आत्मीयतामय हो, स्वाभिमान की भावना हो, अभिमान की भावना न हो। आर्थिक चकाचौंध में ऐसी आंकाक्षा पैदा न हो कि गृहस्थ जीवन की गाड़ी रूक जाये। सम्मिलित परिवार मे बड़े बुजुर्गो का सम्मान हो एक दूसरे पर समर्पित रहें ऐसे जीवन साथी की हर युवक-युवती कामना करते हैं। गृहस्थ जीवन के दो पहिए हैं, पति और पत्नि। आपस के मधुर संबंध, समर्पित भावनाएँ व सुखद वातावरण, एक दूसरे के भावों को समझना सुखी रहने के ये सब मूल मंत्र है। इस मूलमंत्र के सहयोगी वास्तु शास्त्र के कुछ उपाय बन सकते हैं। गृहस्थ मकान, भूखण्ड या फ्लैट का चयन करता है। मुख्य वास्तु के नियमों का पालन करना चाहिए।

अग्निकोण का रखें विशेष ध्यान

भूखण्ड के अग्निकोण का बड़ा होना या पति-पत्नी का अग्निकोण में शयनकक्ष होना दाम्पत्य जीवन के लिये अत्यंत खतरनाक है। नाम के अनुरूप ही यह उग्रता उत्पन्न करने वाला कोण हैं। जब यह कोण बड़ा हो तो ऐसे भूखण्ड पर निर्मित भवन में निवास करने वालों का स्वभाव अनावश्यक रूप से क्रोधी व चिड़चिड़ा हो जाता हैं। उनकी सोच नकारात्मक हो जाती है और इसका परिणाम होता है, छोटी-छोटी बातों में टकराहट।

शयनकक्ष हो दोषपूर्ण

जब अग्निकोण में दम्पत्ति का शयनकक्ष हो तो उन दोनों के बीच अहं का टकराव होता हैं। विशेष रूप से स्त्रियों में आदेश भाव, क्रोध व अभिमान की वृद्धि हो जाती है। इससे घर का वातावरण अशांत हो जाता है। छोटी-छोटी बातों में तकरार होती है और इनमें भी दोनों में से कोई भी अपनी गलती को स्वीकार करने के लिये तैयार नहीं होता। इसी का नतीजा होता है, दाम्पत्य का बिखराव। अतः अग्निकोण में शयनकक्ष को सर्वाधिक अनिष्टकारी कहा गया है।

जल स्त्रोतों का स्थान

जब जल स्त्रोतों का स्थान अग्निकोण हो, तो अग्निकोण बड़ा होने की तरह ही दुष्प्रभाव दिखाई देते हैं। जल पंच महाभूतों में से एक हैं। अतः जब अग्निकोण में कुआं, बोरिंग या अण्डरग्राउण्ड वाटर टैंक आदि होते हैं, तो इनके जल का उपयोग उपयोगकर्ता पर सीधा प्रभाव डालता है। इससे उनकी सोच नकारात्मक होती जाती है और ऐसे जल स्त्रोत का उपयोग करने वालों में आपसी टकराव की स्थितियाँ दिनों-दिन बढ़ती ही चजी जाती हैं। पिता-पुत्र, भाई-भाई जैसे खून के रिश्तों तक में टकराव की स्थितियाँ निर्मित होती हैं। फिर वर्तमान दौर में तो दाम्पत्य के रिश्ते अत्यंत नाजुक हैं, उनके लिये तो यह जहर की तरह होता है।

सुखी दाम्पत्य के नुस्खे

- यदि किसी पुरूष या महिला के दाम्पत्य सुख में कमी हो तो दोमुखी तथा गौरीशंकर-इन दोनों रूद्राक्षों को धारण करने से वह कमी पूरी हो जाती है तथा दाम्पत्य जीवन में खुशहाली आ जाती है। सुखी वैवाहिक जीवन के लिए प्रतिदिन प्रातः पूजा करते समय शंखनाद भी करना चाहिए।
- यदि पति-पत्नी के मन आपस में न मिलें तो उनका जीवन दाम्पत्य सुख से वंचित हो जाता है। ऐसे में 11 गोमती चक्रों को लाल सिंदूर की डिब्बी में रखकर घर में रखें तो सभी प्रकार के मन के क्लेश दूर हो जाएंगे।
- शुक्रवार को पांच कौड़ियां और एक गोमती चक्र को लाल पंखुड़ियों के साथ रखकर "ऊँ ह्रीं सरू (पति-पत्नी का नाम) वशमानय स्वाहा" मंत्र का एक माला जप नित्य करें तो दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहती है।
- घर में सुख-शांति हेतु पति-पत्नी दोनों मिलकर लाल वस्त्र में मसूर की दाल, रक्त चंदन एवं पांच लघु नारियल बांध लें। फिर हाथ जोड़कर पारिवारिक क्लेश की मुक्ति की प्रार्थना करें तथा धूपादि देकर उस पोटली को गंगा में प्रवाहित कर दें। यह कृत्य 11 मंगलवार तक करें। इससे आपसी तनाव दूर होकर दाम्पत्य सुख की वृद्धि होगी।
- विवाह के पश्चात् जब कन्या की विदाई होने वाली हो तो किसी पीले रंग के धातु के लोटे में गंगाजल लेकर उसमें थोड़ी सी पिसी हल्दी मिलाएं और एक तांबे का सिक्का उसमें डालकर कन्या के ऊपर से 7 बार उसार कर उसके आगे गिरा दें। इस उपाय से उसका दाम्पत्य जीवन सदा सुखी रहेगा।

महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

महेश एजूकेशनल एण्ड चेरिटेबल ट्रस्ट

(अ.भा. माहेश्वरी महासभा के अन्तर्गत)

96-97, प्रथम तल, आकाशगंगा, भिलाई (छ.ग.)

सेठ मीठालाल राठी छात्रावास
एवं
सेठ श्रीकिसन रामप्यारीबाई डागा कन्या छात्रवास

सड़क-2, नरसिंह विहार, कातुल बोड, दुर्ग, भिलाई (छ.ग.)

मोहन राठी (अध्यक्ष)	डी.डी. भूतड़ा (उपाध्यक्ष)	बृजकिशोर सुरजन (मानद मन्त्री)
आर.पी. मोहता (कोषाध्यक्ष)	श्याम सोमानी (सहमन्त्री)	मनोज डागा (सहमन्त्री)

एवं

समस्त न्यासी गण

Net Protector

NP AV

Total Security

PC, Laptop, Tablet, Mobile

Total सुरक्षा

Call :
9272707050 / 9822882566

india antivirus .com

Computerised Horoscope

Most Advanced Mathematical Software in India

Windows based Software

- Accurate Calculations
- Accurate Charts
- Full Screen VIEW Facility
- Use any printer - Dot Matrix or Inkjet or Laser.

Choice of 6 Languages

English
Marathi
Hindi
Gujarati
Kannada
Telugu

Call: 9225664817
020-65601926

Kundali 2012

www.kundalisoftware.com

समाज में लड़कों की तुलना में लड़कियों की संख्या में कमी आई है। इसके बावजूद पहले से भी अधिक चुनौती भरा हो गया, बेटियों का रिश्ता तय करना। आखिर इस समस्या का कारण क्या है, आइये करें चिंतन.....।

▸▸ मनीष होलानी, विदिशा (म.प्र.)

बेटियों के विवाह में बाधा
समस्या या फिर सोच में बदलाव

आजकल नित्य समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं, भाषणों में या फिर सामाजिक चिन्तन शिविर और सामाजिक कार्यक्रम में अतिथियों के उद्बोधन में एक मुद्दा मुख्य रूप से सम्मिलित रहता है कि आज के समय में विवाह योग्य युवतियों के लिए एक सुयोग्य वर एवं परिवार मिलना कठिन कार्य एवं तकदीर का खेल हो गया है।और उसके लिए समाज हितैषी बंधुओं द्वारा कई कारण भी बताये जाते हैं और फिर उन पर समाज को एकत्रित होकर कार्य करने एवं समस्या से निदान के लिए कुछ उपयोगी कदम उठाने का निवेदन एवं आदेश दिया जाता है। लड़कों के विवाह सम्बंध तय होने को भी यही प्रभावित करता है।

स्वयं की उपजी समस्या तो नहीं

मैं तो केवल आप सभी समाज प्रेमियों से केवल एक बात समझना चाहता हूँ कि वाकई में "विवाह योग्य युवती का परिणय आज एक समस्या है या फिर हमारी सोच में आये बदलाव के कारण यह समस्या का रूप ले रही है।" अर्थात् एक छोटा सा उदाहरण है जो कि किसी भी मुद्दे को समस्या या फिर हमारी सोच के द्वारा उत्पन्न समस्या बना सकता है। जैसे किसी स्थान पर पानी की कमी होना एक समस्या है परन्तु हमारे द्वारा करवाये जा रहे पानी के बोर को थोड़ा सा खुदवाकर छोड़ देना और यह सोचना कि पानी आयेगा ही नहीं एक अलग तरह की सोच की समस्या है। उसी तरह आज के अभिभावकों द्वारा अपनी विवाह योग्य लड़की के लिए वर ढूंढना भी थोड़ा-सा बोर करवाकर छोड़ देने जैसा ही है।

घटी व्यवसाय के प्रति सम्मान भावना

हम माहेश्वरी परिवार अधिकतर व्यवसायी होते हैं एवं हमारा व्यवसाय पीढ़ियों तक चलता रहता है या फिर पीढ़ियों से चला आ रहा है एवं हमारे परिवार के नवयुवक (विवाह योग्य) भी अपने पारिवारिक व्यवसाय को ही आगे बढ़ाते हैं, परन्तु आज के समय में एक सामान्य सी बात अधिकाधिक रूप से सामने आ रही है कि कोई परिवार विवाह प्रस्ताव लेकर आता है तो एक ही प्रश्न करते है कि "लड़का अलग से क्या करता है? या फिर केवल व्यवसाय या प्रतिष्ठान पर ही रहता है।" अतः एक विचारणीय बात है कि आज उस विवाह योग्य युवक की आयु 24-25 वर्ष होगी तो क्या वह इस आयु में अपने परिवार से अलग हो जायें या फिर अपने पारिवारिक पीढ़ियों से चले आ रहे व्यवसाय को छोड़ दें और कोई दूसरा काम करने लगें। तो इसका अर्थ तो यह हुआ कि विवाह योग्य युवती (लड़की) भी 24-25 की आयु में अपना रसोई कार्य अलग कर ले। अगर यही व्यवस्था युवतियों के लिए अभिभावकों ने अपने घर में कर दी है तो उनका युवक से यह प्रश्न करना उचित है और अगर नहीं की है, तो जरा फिर सोचें...?

व्यवहारिक ज्ञान की कमी ने भटकाया

चलिए एक ओर प्रचलन की ओर ध्यान दें और वह प्रचलन है, युवतियों की उच्च शिक्षा। उच्च शिक्षा प्राप्त करना कतई गलत नहीं है अपितु शिक्षा तो जीवन को राह दिखाती है और साथ ही उस मार्ग की मार्गदर्शक भी शिक्षा है। लेकिन उस शिक्षा को आज हमने व्यवहारिक, नैतिक और जिम्मेदारीपूर्ण की अपेक्षा केवल किताबी, पुस्तकी, अंकसूची या फिर प्रतिशती शिक्षा बना दिया है। जो हमें जगमगाती हुई अंकसूची और एक भारी भरकम नौकरी तो देती है परन्तु हमें सही गलत का विचार, सही मार्ग चुनने की सोच या फिर पारिवारिक जिम्मेदारी की समझ नहीं दे पा रही है। इसी किताबी उच्च शिक्षा की डिग्री पर डिग्री आजकल की युवतियों लेती जा रही है और अपने जीवन को भी किताबों के जैसा है बेरंग बनाने की सोच अपनाती जा रही है। जैसे एकल परिवार, अपने से दूरिया, सुख दुःख के कार्यक्रमों में अनुपस्थिति और मेलजोल को खत्म करना यह सोच बनती जा रही है।

अहम् बना टकराव का कारण

इस सोच का ही सबसे भयानक पहलू है "अहम की भावना"। पहला अहम तो यह कि मैं उच्च शिक्षित हूँ, तो कम शिक्षित से कैसे विवाह करूँ? फिर चाहे वह एक अच्छे परिवार का युवक हो या फिर अपने पारिवारिक व्यवसाय में व्यस्त युवक हो। दूसरा अहम आता है, शादी के बाद कि हमारी आय तो इतनी है फिर हम क्यों पीछे रहें या फिर पारिवारिक कार्य में व्यस्त रहें। अतः देखा जाये तो शिक्षा के अर्थों को बदलकर हमने अपना नजरिया बदला और इससे उत्पन्न सोच से हमें समस्या का ही सामना करना पड़ रहा है। मैंने अपनी अल्प बुद्धि से केवल इतना ही समझा कि आज युवतियों की शादी के लिए सुयोग्य वर मिलना अगर 25 प्रतिशत समस्या है तो 75 प्रतिशत हमारी सोच में आये बदलाव के कारण उत्पन्न परेशानी। अंत में मैं केवल अभिभावक गणों से निवेदन करता हूँ कि अपनी बेटी को एक उचित अवस्था या उम्र से रिश्तों की अहमियत समझायें, उन्हें परिवार सक मिलाये, एकाकीपन से दूर रखें, आदर सम्मान व हमारे रीति रिवाज बतायें, केवल हमें "अपने आप में गर्व है" कहने से काम नहीं होगा। आज हमारे व्यवसाय की उन्नति या हमारी किटी पार्टी की व्यस्तता से कहीं ज्यादा जरूरी है हमारे बच्चों का भविष्य तथा व्यापार और परिवार में परिवार अधिक महत्वपूर्ण है।

हरिप्रकाश राठी का कथा-संसार

कथा-संग्रह	मूल्य रुपये
अगोचर	100
साँप-सीढी	100
आधार	100
पीढियाँ	100
पहली बरसात	100
माटी के दीये	100
नेति–नेति	100
प्रतिनिधि कहानियाँ	200
हरिप्रकाश राठी की कहानियाँ भाग 1 एवं 2 (समग्र संग्रह)	800
आन द विंग्स आफ कुरजां (कतिपय कहानियों का अंग्रेजी अनुवाद)	200

हरिप्रकाश राठी
सी-136, प्रथम विस्तार, कमला नेहरू नगर
जोधपुर (राज.)
मो. 094141-32483
e-mail : info@sigmaminerals.com

महेश नवमी के पावन पर्व की
समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को
हार्दिक शुभकामनाएँ

।। जय महेश ।।

रामबिलास हरकलाल सोनी (माहेश्वरी)

श्री मोतीलाल गणपतलाल सोनी

- टेंट, कनात, गेट कवर एवं रजाई–बिस्तर का पकड़ा, चद्दर
- साटण, दरी, ताड़सान व साईडवाल का प्रिंटेड कपड़ा
- मेटिंग, पातिया, सूतली, जूट रस्सा, निवार, बेडशीट, बॉस
- पूनम, लाईक्रा, स्पारेज, दाणह एवं सिक्वेन्स का कपड़ा

टेंट संबंधित सभी वैरायटियों के निर्माता व विक्रेता

गणपतलाल सोनी

हरकलाल सोनी
94141-13230

दीपक सोनी
94146-29630

महिला आश्रम स्कूल के पीछे, ICICI बैंक के पास, भीलवाड़ा
फोन : 01482-232340, मो. 93144-13230

महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ.

राजसमन्द जिला माहेश्वरी सभा

अर्जुनलाल चेचाणी
(अध्यक्ष)
स्टेशन रोड, पो. चारभुजा रोड
आमेट, जिला-राजसमन्द (राज.)
मो. 94146 59775

।। जय महेश ।।

नवनीतलाल मंत्री
(मंत्री)
मंत्री ज्वेलर्स, मन्दिर मार्ग,
नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.)
मो. 93527 35402

वरिष्ठ उपाध्यक्ष- राधाकृष्ण निष्कलंक (राजसमन्द), **कोषाध्यक्ष-** सुभाष काबरा (नाथद्वारा), **उपाध्यक्ष-** रामस्वरूप न्याती (कुरज), मूलचन्द काबरा (धनेरियागढ़), **संयुक्त सचिव-** खूबचन्द झँवर (आमेट), हरिभगवान बंग (कांकरोली), **संगठन मंत्री-** नन्दकिशोर देवपुरा (केलवाड़ा), गणेशलाल पोरवाल (कुंवारिया), **प्रचार प्रसार प्रकोष्ठ-** श्यामसुन्दर समदानी (केलवाड़ा), **सदस्य-** जमनालाल मालीवाल (कोटड़ी), शंकरलाल मालीवाल (बामणीयाकलां), मनोहरलाल नागौरी (केलवाड़ा), श्यामलाल सोमानी (नाथद्वारा), भँवरलाल देवपुरा (करोली), भगवतीलाल असावा (कांकरोली), छीतरमल न्याती (कुरज), नन्दलाल लढ़ा (गिलुण्ड), खूबीलाल तोषनीवाल (दरीबा कोटड़ी साइड), जगदीशचन्द्र डाड (देवगढ़), **सलाहकार समिति-** पुष्करलाल लावटी (कुरज), इन्द्रलाल छापरवाल (नाथद्वारा), माधवलाल दरक (केलवाड़ा), सोहनलाल मालीवाल (बामनिया कलां)।

जामुन एक ऐसा फल है जो अपनी मौजूदगी से वर्षा ऋतु के आगमन को सूचित करता है। कारण यही है कि इनके पकने का समय ही बारिश की शुरुआत है। यह अपने साथ मनमोहक स्वाद तो लेकर आता ही है, साथ ही लाता है, स्वास्थ्य का खजाना भी।

कैलाशचन्द्र लढ़ा

काले-काले दिलवाले जामुन

बारिश के मौसम की शुरुआत हो और फलों की दुकानें काले-काले मीठे जामुन से सजी नजर न आएँ, यह हो नहीं सकता। बाहर से काले व अंदर से जामुनी रंग के ये फल अपने आप में स्वाद में बेजोड़ हैं। अंदर का रंग तो इतना आकर्षक है कि इसी के कारण सात रंगों में से एक रंग का नाम जामुनी पड़ गया है। यही कारण है कि कई लोक कथाएँ तक जामुन को लेकर बनी हैं। यह ऐसा फल है जो वर्तमान में धीरे-धीरे लुप्त हो रहा है। अतः इसे सहेजने की जरूरत भी है।

क्या-क्या छिपा है इसमें

सामान्यतः बरसात के मौसम में आने वाला फल जामुन सेहत के लिए बहुत लाभदायक होता है। जामुन अम्लीय प्रवृति वाला होता है, यही कारण है कि जामुन को नमक के साथ खाया जाता है। जामुन में ग्लूकोज और फ्रक्टोज पाया जाता है। जामुन में आयरन, विटामिन और फाइबर भी पाया जाता है। इसमें खनिजों की मात्रा अधिक होती है। इसके बीज में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और कैल्शियम पाया जाता है। जामुन के इन्हीं गुणों के कारण यह रोगों में रामबाण की तरह काम करते हैं

गले के रोगों में जामुन

गले के रोगों में जामुन की छाल को बारीक पीसकर सत बना लें। इस सत को पानी में घोलकर 'माउथ वॉश' की तरह गरारा करना चाहिए। इससे गला तो साफ होगा ही, साँस की दुर्गंध भी बंद हो जाएगी और मसूढ़ों की बीमारी भी दूर हो जाएगी।

खूनीं बवासीर

इसके ताजे, नरम पत्तों को गाय के पाव-भर दूध में पीसकर रोज सुबह पीने से खूनी बवासीर में लाभ होता है। रक्त की कमी, यौन, स्मरण शक्ति एवं शारीरिक दुर्बलता जामुन का रस, शहद, आँवले या गुलाब के रस को बराबर मात्रा में मिलाकर एक-दो माह तक प्रतिदिन सुबह के वक्त सेवन करने से दूर होती है।

उल्टी-दस्त या हैजा

जामुन के एक किलोग्राम ताजे फलों का रस निकालकर उसमें ढाई किलोग्राम मिश्री मिलाकर शरबत जैसी चाशनी बना लें। इसे एक साफ बोतल में भरकर रख लें। जब कभी उल्टी-दस्त या हैजा जैसी बीमारी की शिकायत हो, तब दो चम्मच शरबत और एक चम्मच अमृतधारा मिलाकर पिलाने से तुरंत राहत मिल जाती है।

मधुमेह

जामुन और आम का रस बराबर मात्रा में मिलाकर पीने से मधुमेह के रोगियों को लाभ होता है। जामुन की गुठली का चूर्ण 1-2 ग्राम पानी के साथ सुबह लेने से मधुमेह रोग ठीक हो जाता है।

पेचिश

जामुन की गुठली के चूर्ण को एक चम्मच मात्रा में दिन में दो-तीन बार लेने पर पेचिश में आराम मिलता है। पथरी हो जाने पर इसके चूर्ण का उपयोग चिकित्सकीय निर्देशन में दही के साथ करें।

दांतों, मसूढ़ों से खून

दांतों, मसूढ़ों से खून आता हो, पानी लगता हो, मसूढ़े फूलते हों तो इसके पत्तों की राख को दांतों पर मलने से मसूढ़े मजबूत होते है, दांत चमकीले बन जाते हैं। गला बैठ गया हो, आवाज बेसुरी हो गयी हो, गले में छाले हो गये हों तो इसके पत्ते पानी में उबाल कर उसे थोड़ा ठंडा कर उससे गरारे करें।

रक्तप्रदर

रक्तप्रदर की समस्या होने पर जामुन की गुठली के चूर्ण में पच्चीस प्रतिशत पीपल की छाल का चूर्ण मिलाएं और दिन में दो से तीन बार एक चम्मच की मात्रा में ठंडे पानी से लें।

गठिया

गठिया के उपचार में भी जामुन बहुत उपयोगी है। इसकी छाल को खूब उबालकर बचे हुए घोल का लेप घुटनों पर लगाने से गठिया में आराम मिलता है।

With Best Compliments From

MANTRI

Ginni
Truly Traditional

Manufactured & Paked by

GINNI AGRO PRODUCTS PVT. LTD.

Taluka Kalmeshwar, Dist. Nagpur (MH.)
PH-0712-6648711
Email-feedback@ginniagro.com | Website :www. ginniagro.com

WITH BEST COMPLIMENTS FORM

SHARDA ISPAT LIMITED
(An ISO 9001/2008 company)

Kamptee Road, Nagpur-440026
Phone : 2640071-72-73, Fax : 26641171
Email : silngp@rediffmail.com

SHARDA ISPAT LIMITED
(An ISO 9001/2008 company)

STEEL WITH MORE STEEL IN IT

Dedicated to Quality

कई पीढ़ियों का उद्धार करते हैं वृक्ष

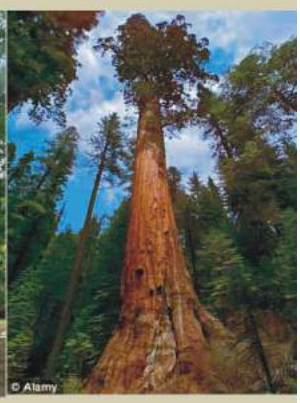

शहरीकरण व औद्योगीकरण के कारण यदि सबसे अधिक किसी ने पीढ़ा भुगती है तो वे हैं वृक्ष। वैसे तो वृक्ष किसी से कभी कुछ लेते नहीं, उनका काम ही हमेशा देना है। फिर भी उनक उपयोगिता की सत्त रूप से अनदेखी ही हुई है। इसी का नतीजा अंधाधुंध पेडों की कटाई है। क्या आप जानते हैं कि मात्र एक पेड़ आपको कितना कुछ दे सकता है?

कहा गया है कि दस कुऐं एक बावड़ी के बराबर, दस बावड़ियाँ एक तालाब के बराबर, दस तालाब एक बेटे के बराबर ओर दस बेटे बराबर है मात्र एक पेड़ के। बेटा यदि लायक निकला तो ही वह आपको ही सुख देगा। लेकिन वृक्ष तो हर स्थिति में सभी के लिए हितकर ही है और वह भी कई पीढ़ियों तक। वह सिर्फ एक पीढ़ी नहीं बल्कि कई पीढ़ियों का उद्धार कर सकता है। इतना ही नहीं क्या आप जानते हैं कि रत्नों की तरह वृक्ष भी आपकी ग्रह दशाओं को सुधारने में योगदान देते हैं।

वृक्ष लगाइए मन चाहा फल पाइए

फल से यहां आशय सेव, अनार, संतरा, आम, अमरूद जैसे फलों से नहीं है। यहां फल से अभिप्राय मन की मुराद, मनोकामना पूरी होने से है। विभिन्न कामनाओं की पूर्ति तथा ग्रहों की शांति का आशय से मनुष्य पन्ना, मूंगा, पुखराज, नीलम आदि रत्न सदियों से धारण करता आया है। किंतु यह रत्न और मणियाँ न केवल काफी महंगी होती है वरन इनमें असली-नकली की परख पहचान भी आम आदमी के लिए आसान नहीं होती। ऐसा भी सुनने में आता है कि कभी-कभी कोई रत्न धारण कर लेने पर बजाय लाभ के हानि भी हो जाती है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में इसका एक सस्ता, सरल और सुलभ विकल्प बताया गया है। कुछ विशेष वृक्षों के लगाने मात्र से वही लाभ मिलता है जो रत्न या मणि विशेष धारण करने से प्राप्त होता है। नारद पुराण में ग्रहों तथा नक्षत्रों का वर्णन आया है। रत्नों का निर्धारण ग्रहों की दशा पर आधारित होता है। प्राचीन ग्रंथों के अनुसार किसी व्यक्ति की ग्रहों की दशा को दृष्टि से रखकर तदनुसार वृक्ष का रोपण करने से वही लाभ प्राप्त होता है जो रत्न या मणि के धारण करने से।

नक्षत्र के आधार पर वृक्ष

किसी विशेष ग्रह दशा की शांति अथवा मनोकामना की पूर्ति के लिए कौन-सा वृक्ष लगाना चाहिए इसका वर्णन शब्द कल्पद्रुम तथा भाव प्रकाश निर्घटु में आया है। उदाहरण के लिए राहु की शांति के लिए दूब तथा केतु के लिए कुश का रोपण लाभकारी है। इसी प्रकार विभिन्न नक्षत्रों के लिए भिन्न-भिन्न पौधों और पेड़ों का निर्धारण किया गया है। जैसा कि विदित है मनुष्य की ग्रह स्थिति तो बदलती रहती है किन्तु जन्म के नक्षत्र से ही राशि निर्धारित होती है। नारद पुराण में जन्मे व्यक्तियों को आम का तथा रोहिणी नक्षत्र में जन्म लेने वालों को जामुन का पेड़ लगाना हितकारी है। इसी प्रकार प्रत्येक नक्षत्र में जन्मे व्यक्तियों के लिए वृक्षों की सूची दी गई है। यह भी आवश्यक नहीं है कि पेड़ अपने घर में ही लगाया जाए। यह आस-पास कहीं भी लगाया जा सकता है। जहां लगाने वाला उसकी उचित देखभाल कर सके। रत्न पुखराज के स्थान पर हल्दी की गांठ धारण करने की सलाह दी जाती है। इसी प्रकार के अन्य विकल्प भी दर्शाते है कि रत्न के स्थान पर वृक्ष अथवा वृक्षों के उत्पाद को उतना ही उपयोगी एवं प्रभावशाली माना जाता है। एक ग्रंथ के अनुसार एक पीपल, नीम, वट वृक्ष दस प्रकार के फूलों के क्षूम (झाड़ी) दो-दो अनार तथा नींबू के क्षुम तथा पांच आम के वृक्ष (कुल 22 वस्पतियाँ) लगाने वाला नरक गामी नहीं होता।

क्या होगा वृक्ष के हत्यारों का

वृक्षों को काटकर, पशुओं की हत्या करके, रक्त का कीचड़ बनाने वाले यतद मार्ग में जाते हैं तो नरक में जाने के लिए और क्या करना चाहिए। यह भी कहा गया है कि ऊंचे बड़े वृक्ष को भी, जो वनों की शोभा और आधार है यदि आवश्यकतानुसार काटना भी पड़े तो उसका सम्मान-पूजा और प्रतिष्ठा करनी चाहिए तथा आज्ञा लेकर ही काटना चाहिए। रामायण में आया है लक्ष्मण जी के मूर्छित हो जाने पर जब वैद्य सुषेण हनुमानजी को संजीवनी बूटी लाने को कहते हैं तो स्पष्ट निर्देश देते हैं कि पूजा करके ही बूटी लाना। आज भी वृद्ध महिलाएं तुलसी दल लेने से पहले हाथ जोड़कर कहती हैं 'तुलसी माता तेरा पत्ता तोड़ू मुझे दोष न देना'।

एक अनुमान के अनुसार एक वृक्ष अपने जीवनकाल में अपने फलों, पत्तियों, जड़ मूल, लकड़ी, रस, वायु के शुद्धिकरण, नमी को बचा रखने व वर्षा लाने में सहायक होने, उपजाऊ मिट्टी की परत को बह जाने से रोकने, पर्यावरण संरक्षण, मरूस्थल की रोकथाम, परिदृश्य को हराभरा और सुंदर बनाए रखने आदि के माध्यम से कई लाख रुपए का लाभ मनुष्य को पहुंचाता है। एक पेड़ अपने औसत पचास वर्ष के जीवनकाल में लगभग साढ़े पांच लाख रुपए की तो ऑक्सीजन ही दे देता है। लगभग साढ़े दस लाख रुपए के बराबर का लाभ वायु प्रदूषण रोक कर हमें पहुंचाता है। हमारी अर्थव्यवस्था में एक पेड़ का योगदान बत्तीस लाख रुपए का आंका गया है।

मौत को आमंत्रण है

वर्तमान दौर में कई गम्भीर बीमारियों की लगभग बाढ़-सी आ गई है। चिकित्सा विज्ञान के विकास के बावजूद ये थमना तो ठीक नियंत्रित भी नहीं हो पा रही हैं। कारण यही है कि हमने इनकी जड़ का समझा ही नहीं। वास्तव में इन्हें नियंत्रित करने का उपाय हमारे ही हाथ में ही है और वह है, मानसिक तनाव को दूर करना।

मानसिक तनाव

आज की भागदौड़ की जिंदगी में मानसिक तनाव सभी के लिए एक अनिवार्य हिस्सा बन गयी है। हकीकत में सायलेंट कीलर नाम की मानसिक तनाव की बीमारी के लिए कम्प्यूटर युग में मानव की बदली जीवन शैली जबाबदार है। शारीरिक श्रम कम होता जा रहा है, मानसिक श्रम बढ़ता जा रहा है। इस तरह स्वयं आदमी बीमारियों को निमंत्रण दे रहा है। मौत की ओर से जाने वाले मानसिक तनाव व अवसाद के वर्क लोड के साथ ही अन्य कई कारण है। विद्यार्थी जीवन में वांछित संस्था में प्रवेश न मिलने, पढ़ाई में अपेक्षित सफलता नहीं मिलने, सुयोग्य नौकरी न मिलने, मनपसंद जीवनसाथी नहीं मिलना, आर्थिक विपन्नता, पारिवारिक कलह, असाध्य बीमारी, आपसी तनाव खटपट, अपने मन मुताबित आशा-आकांक्षाओं का पूरा न होना आदि।

तनाव की कीमत पर आर्थिक उन्नति

विदेशी तथा कुछ देशी कंपनियों तगड़े वेतन के साथ अनेक सुविधाएं उपलब्ध कराती है। उसी के साथ 12 से 18 घंटे काम लेती हैं। परिणाम स्पष्ट है, शारीरिक और मानसिक तनाव बढ़जाता हैं। यह बात सभी जानते हैं पर समझकर समझ नहीं पा रहे। कभी-कभी नौकरी करने वाला विदेश जाने से मना कर देता है या प्रमोशन लेने से इंकार कर देता है, एक कंपनी छोड़कर दूसरे में चला जाता है, कुछ भी न कर पाने पर नौकरी से इस्तिफा भी दे देता हैं, अन्यथा पारिवारिक जीवन ही समाप्त हो जाता है। कईयों के तो तलाक भी होने लगे हैं, नहीं हुए तो घर का वातावरण तनावपूर्ण बना रहता है। इस तरह सायलेंट कीलर तरीके से मानसिक तनाव और बीमारी के शिकार हो जाते है। पैसा गया तो कमाया जा सकता है, स्वास्थ गया तो उसे कमाना हमारे हाथ में नहीं।

काम के घंटों का अनियंत्रित होना

सप्ताह में कहने को 5 दिन काम के होते हैं, प्रत्यक्ष में 7 दिन काम करना पड़ता है। विदेश से नियोक्ता का कब कॉल आयेगा निश्चित नहीं रहता। महीनों सतत जागरण करना पड़ता है, भोजन का समय अनिश्चित हो जाता है। सुबह शाम परिवार के साथ भोजन तथा बच्चों से मिलने का भी समय नहीं मिलता। एक समय तक शरीर-मन साथ देता है और फिर साथ छोड़ने लगता है, पत्नी-बच्चों के सथ बाहर जाने, रिश्तेदारों, मित्रों मिलने के लिए बनाया कार्यक्रम ऐन समय पर रद्द करना पड़ता है। तनावग्रस्त जीवन, तंदुरूस्त स्वास्थ्य और बच्चों के प्रति योगदान आवश्यक है। किन्तु काम के बोझ तले व्यक्ति कुछ नहीं कर पाता। व्यक्ति कभी-कभी प्रमोशन लेने से इंकार भी करता है। ताकि काम का बोझ व जवाबदार ना बढ़े किंतु इस क्षेत्र में स्पर्धा इतनी बढ़गई है कि कोई पीछे नहीं रहना चाहता। इनफेरीयरीटी-सुपीरियारीटी कॉम्प्लेक्स का डर रहता है।

हर व्यस्तता के क्षेत्र में यही स्थिति

कारपोरेट सेक्टर में नौकरी करने वाले ही नहीं पुलिस जैसे महकमें में भी सिपाही व अधिकारियों पर यह बात लागू होती है। बीमारी के शिकार हो जाते हैं। कभी-कभी आत्महत्या या वरिष्ठ अधिकारियों की हत्या तक करने को उद्यत हो जाते हैं। एक बड़ा समूह मानसिक तनाव को साधारण बात समझकर चलता है। मन में शांति की जगह आक्रोश बढ़ने लगता है। श्वासोच्छवास की तकलीफ, हृदय रोग की संभावना बढ़जाती है। मानसिक स्तर पर अवसाद में भी चले जाते है। इस कारण धुमपान, शराब आदि नशे की आदत भी पड़ने लगती है।

कैसे कम करें तनाव

व्यक्ति को खुद को अपनी राह चुनना है। तनाव मुक्त जीवन के लिए हमें स्वयं ही अपनी जीवन शैली सुधारनी होगी। सदा हँसमुख बने रहो। असमय कामकाज के समय थोड़ा समय निकालकर मनोरंजन की प्रवृत्ति रखें। उंचा श्वास लेकर धीमे से छोड़ने की क्रिया करें। रात्रि में नींद पूरी लो। तनावमुक्त होने के लिये दिन में भी आधा घंटा आराम करो। नियमित रूप से व्यायाम करो। सुबह स्वीमिंग, नृत्य, फास्ट चलने का अभ्यास करें। उतावली न करना पड़े इसके लिये पूर्व तैयारी कर के रखने की आद डालें। नकारात्मक विचारों को प्रतिबंध करें। घर, ऑफीस में स्वच्छता, शांतता, शीतलता बनाए रखें। अहंकार छोड़ो, आक्रोश मत करो, भूल जाने की आदत डालो। तनाव अनुभव करने पर अन्य बातों की ओर ध्यान दो। प्रतिदिन सूर्यास्त पूर्व, रात को सोते वक्त गरम पानी से स्नान करो। मनपसंद संगीत सुनने की आदत डालों। बच्चों के साथ बच्चे बनकर खेलो। जीवन साथी, सहकर्मी व घनिष्ठ मित्र से अपने तनाव के कारण को न छुपाऐं। इससे यह बहुत हल्का हो जाऐगा।

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

महंगाई री मार

खम्मा घणी सा हुक्म गरीबी रो आलम देख या बात दिमाग में आ रही है जनता त्रस्त, नेता मस्त। सही है हुक्म दाल, रोटी, सब्जी, फल, घी, तेल, कौनसी चीज सस्ती है। हुक्म अगर केंद्र रे आंकड़े री बात करा तो पिछले साल सुं दाला रा भाव करीब 30 प्रतिशत बढ़गया। अब हुक्म नेता ने तो कोई फर्क नहीं पड़े वे तो भ्रष्टाचारी व रिश्वतखोरी सुं आपरी लग्ज़री रे साथै खुद रे। परिवार रो कोटो पुरो कर देवे पर इन्हों असर आपा जेड़ा आम लोगा पर पड़ जावे जण जेब ढीली होती नजर आवे।

हुक्म थैला भर ने रुपया ले जावा और खाणा-पीणा का मुट्ठी भर सामान लावा। बच्चों री मांग ने तो बहाना बणा ने टाला। सही बात तो आ है हुक्म की आपा त्रस्त और नेता मस्त है। अब मोदीजी ने ही लेलो विदेशों में लच्छेदार भाषण देवे और वाणा भक्त केहवे मोदीजी रे भाषण में तालियां सुं हर देश रा संसद भवन गूंज जावे। अब आप कोई नाम बता दो जो आपाणो देश रो नेता कोई भी देश में ग्यो और उने भाषण सुं तालियां नहीं बाज़ी। हुक्म विदेशी जनता क्यों न ताली बजावे वाणे भारत देश सुं इनकम जो मिळे। अब आपा दुकाना पर नज़र डाला तो स्वदेशी माल री जगह विदेशी माल ज्यादा मिली जद आपा ही वाने प्रोडक्ट रो प्रचार खुले आम करा तो वे भारत रे नेता रे भाषण पर तालियां काई नाच भी कर दे। विदेशी किन्ही सगा नहीं वाणों तो पैसो मां-बाप है जो वाने भारत सुं भरपूर मिले।

खैर आपा बात कर रिया था महंगाई री तो हुक्म आम जनता रो इण दिखावे में बहुत शोषण हुवे। मिट्टी रा बर्तन बणावण वालो कुम्हार ने दो वक्त भोजन नहीं मिले क्योकि चीनी बर्तन रो मार्केट खुल ग्यो । इलेक्ट्रिक आयटम खिलौना पर जापान, चाईना कब्जो कर लियो। देशी फल पर विदेशी फ्रूट ने तवज्जो ज्यादा मिले। नेताओं ने विदेशी आइटम पर रोक लगाने स्वदेशी बिक्री पर जोर देवणो चईजे। आपा आपने देश में ही होशियार हुन भी पंगु बण रिया हां और विदेशी कंपनियां करोडो रुपया बटोर ने ले जा रही है। आपणा देश री तो आपा खाणे पीने री चिज़ा ही इती महंगी कर दी सही कहूँ तो पाणी री बोतल भी लेणी भारी पड़गी दस रुपया री बोतल बीस में बदलगी। म्हे तो नेताजी ने या ही निवेदन करा की आपने आपरे देश री जनता चुणियों है तो देश री जनता तालियां बजावे उन पर ज्यादा ध्यान दो बाहर तो तालियां चंद समय री है क्योंकि भूखी जनता जणे भी बिखरी है तो उन नेता रों या राजा रो नुकसान ही हुयो है या बात रो इतिहास गवाह है।

म्हाणी तो हर नेता ने या ही विनती है खुद रो भलो जनता पर करो ठीक बात है पर जनता रो भले कीकर हुवे उण पर भी विचार करे और वे नियम लागू करे।

- जुगलकिशोर सोमानी, जयपुर

राजिया रा दूहा

सीकर (राजस्थान) में एक बहुत ही गहरी सोच के राजस्थानी कवि हुए है, जिन्होंने अपने प्रिय सेवक 'राजिया' को इंगित कर कवित्व का एक इतिहास बना दिया, इन कवि श्रेष्ठ का नाम था : स्व. किरपा राम जी खिडिया इनके रचित राजस्थानी दोहे गूढ़ अर्थ वाले हैं, पुस्तक का नाम है 'राजिया रा दूहा'.... प्रस्तुत है कुछ बानगी ..

1) अरबां - खरबां आथ सुदतारां विलसै सदा;
सूमां चालै न साथ राई जितरी , राजिया...

अर्थ : दानी तो अरबों - खरबों की संपत्ति का दान करके अपने कुल का नाम अमर करा देता है , परन्तु कंजूस आज के सन्दर्भ में : काले धन के लोभी एक राई के दाने के बराबर भी साथ लेकर नहीं जाएगा (मरेगा)।

2) अ - दतारां घर आय जे करोडां संपत जुड़े;
मोज देण मन माँय रत्ती न आवै , राजिया ....

अर्थ : जो कंजूस होते हैं उनके पास करोड़ों की संपत्ति होने पर भी किसी काम की नहीं (आज के सन्दर्भ में विदेशों में जमा हमारा काला धन)

3) अहला जाय उपाय आछोदी करनी अवर;
दुष्ट किणी ही दे राजी हुवे न , राजिया ....

अर्थ : दुष्ट प्रकृति का व्यक्ति किसी भी प्रकार राजी नहीं होता है , भले ही उनका कितना ही उपकार करो
आज के सन्दर्भ में : .... आप समझ गए न !

4) आछोड़ा ढिग आय आछोड़ा भेला हुवे;
ज्यूं सागर में जाय रले नदी जल, राजिया....

अर्थ : भले व्यक्ति से भला व्यक्ति मिलही जाता है जैसे समुद्र से नदी का मिलन।

महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएं ....

श्री नगर माहेश्वरी सभा, भीलवाड़ा

कैलाश चन्द कोठारी
अध्यक्ष
मो.: 98290-479366

देवेन्द्र कुमार सोमानी
मंत्री
मो.: 94140-29356

रमेश चन्द्र नामधरानी
संरक्षक

रामेश्वर लाल काबरा
संरक्षक

ओमप्रकाश गट्टाणी
व. उपाध्यक्ष

सत्येन्द्र बिड़ला
संगठन मंत्री/संयोजक

श्रीलाल कोगटा
उपाध्यक्ष/सहसंयोजक

अनिल राठी
उपाध्यक्ष

राजेन्द्रप्रसाद बिड़ला
उपाध्यक्ष

हरिराम मंत्री
उपाध्यक्ष

गोपाल नाराणीवाल
कोषाध्यक्ष

केदार गगरानी
संयुक्त मंत्री

दिनेश पेडीवाल
संयुक्त मंत्री

मुकेश कुमार चेवानी
संयुक्त मंत्री

सुरेश चन्द्र बिड़ला
संयुक्त मंत्री

नवरतन मल सोमानी
संयुक्त मंत्री

गोविन्द गन्दोड़िया
संयुक्त मंत्री

राजेन्द्र पोरवाल
कार्यालय मंत्री

एस. एन गग्गड़
सांस्कृतिक मंत्री

पुष्पेन्द्र नुवाल
खेल मंत्री

कृष्ण गोपाल कोठारी
सदस्य

लक्ष्मीनारायण मुन्दड़ा
सदस्य

राजेन्द्र पोरवाल
सदस्य

सुनील राठी
सदस्य

कैलाश चन्द्र मुन्दड़ा
सदस्य

चन्द्र प्रकाश काल्या
सदस्य

कृष्ण गोपाल राठी
सदस्य

कैलाश ईनाणी
सदस्य

प्रमोद डाड
सदस्य

अतुल राठी
सदस्य/चिकित्सा प्र.

रतन लाल पलोड़
सदस्य

ओमप्रकाश चेवानी
सदस्य

विनोद गग्गड़
सदस्य

रामअवतार रांदड़
सदस्य

राजेन्द्र कोठारी
विशेष आमंत्रित

राधेश्याम सोमानी
विशेष आमंत्रित

मनीष बडेड़िया
विशेष आमंत्रित

गोपाल काष्ट
विशेष आमंत्रित

अशोक चेचाणी
विशेष आमंत्रित

सुरेश पोरवाल
विशेष आमंत्रित

राजेन्द्र कचोलिया
विशेष आमंत्रित

नवीन कांकाणी
विशेष आमंत्रित

विनोद गट्टानी
आई.टी. प्रकोष्ठ

बी. बी गुप्ता
प्रोफेशनल सेल

जगदीश कोगटा
शिक्षा प्रकोष्ठ

रमेश राठी
वैवाहिक एवं सहायता प्र.

आर.पी. झंवर
उद्योग एवं व्यापार प्र.

राशिफल

श्री ॐ गं गणपतये नमः

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष- यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा भागदौड़ ज्यादा बनी रहेगी। खर्च अधिक होगा। समय अनुकूल बना रहेगा। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा, पुराने मित्रों से भेंट होगी। शुभ समाचार प्राप्त होगा, सामाजिक एवं धार्मिक कार्य में रुचि रहेगी। तीर्थ यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। माता-पिता से वैचारिक मतांतर बने रहेंगे। जीवन साथी से अनबन रहेगी। साझेदारी में कार्य करना हानिकारक रहेगा। बच्चों के कार्य एवं सफलता से मन में खुशी रहेगी। नये संपर्क से लाभ मिलेगा। पाचन तंत्र से परेशानी बनी रहेगी।

वृषभ- यह माह आपके लिये उन्नति दायक रहेगा। समाज में यश, सम्मान प्राप्त होगा। मित्रों, परिवार के साथ घूमने-फिरने का प्रोग्राम बनेगा, नये संपर्कों से लाभ मिलेगा। संतान सुख प्राप्त होगा। रुका हुआ धन मिलेगा, सम्पत्ति विवाद निपटेंगे। नई योजनाओं पर कार्य करेंगे। रचनात्मक कार्यों में रुचि रखेंगे। पारिवारिक जीवन में कुछ परेशानियाँ आयेगी। कोई भी कार्य करने का सोच-समझकर निर्णय लें। विश्वास करना हानिदायक रहेगा। स्वास्थ्य कुछ नरम-गरम बना रहेगा।

मिथुन- यह माह आपको मिश्रित फलदायक रहेगा। वाहन सुख मिलेगा, मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। अचानक लाभ। शुभ समाचार प्राप्त होगा। बच्चों की उन्नति एवं सफलता से प्रसन्नता मिलेगी। स्थान परिवर्तन के योग हैं। राजकीय कार्यों में सफलता, नये लोगों से परिचय से लाभ होगा। व्यापार में वृद्धि होगी। विद्यार्थी वर्ग को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। शत्रुओं से सावधानी रखें। महिला के सहयोग से लाभ मिलेगा। नये कार्यों में उत्साहवर्धक परिणाम आएंगे। व्यस्तता बढ़ेगी। जीवन साथी का सहयोग मिलेगा।

कर्क- यह माह सुख-समृद्धि दायक रहेगा। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। यात्रा से लाभ होगा, किंतु भागदौड़ अधिक रहेगी। संतान सुख एवं जीवन साथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। व्यापार में यथावत स्थिति रहेगी। विवाद से दूर रहें, शुभ समाचार मिलने से मन प्रफुल्लित होगा। संतान द्वारा लाभ होगा। भाई परिवारजनों से वैचारिक मतांतर बनेंगे। दाम्पत्य जीवन में सुख की कमी रहेगी। सम्पत्ति संबंधी कार्यों में सावधानी बनाये रखें।

सिंह- यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा। यात्रा से लाभ, कार्य में अनुकूलता रहेगी। सुख-समृद्धि बढ़ेगी। विशिष्टजन से भेंट होगी, बड़ों के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। भागदौड़ की अधिकता रहेगी, दाम्पत्य सुख में कमी, जीवन साथी एवं संतान से वैचारिक मतांतर रहेंगे। लंबी यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। मित्रों के सहयोग से रूके कार्य पूर्ण होगें। चोट लगने का भय रहेगा। छात्रवृत्ति मिलने के योग बनते हैं। खर्च की अधिकता रहेगी, राजकीय कार्य में परेशानी उठाना पड़ेगी। नौकरी में भी सफलता मिलेगी।

कन्या- माह आप नये कार्य प्रारंभ करेंगे। आर्थिक लाभ होगा, पराक्रम में वृद्धि होगी। विपरीत योनी की ओर रुझान रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। स्त्री वर्ग से लाभ, स्थान परिवर्तन, नये संपर्क से लाभ होगा। व्यस्तता बढ़ेगी। प्रतियोगिता या साक्षात्कार में सफलता मिलेगी। विलासिता पर खर्च करेंगे। विवाद से दूर रहें। मित्र सहयोग देंगे, जीवन साथी के द्वारा लाभ होगा। मनोरंजन, दिखावे पर खर्च करेंगे। विरोधी आपसे परास्त होंगे। यात्रा के योग रहेंगे। फिर भी जाएंगे नहीं।

तुला- यह माह आपको प्रसन्नता दायक रहेगा। कार्यों में सफलता मिलेगी। भौतिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। रोमांस की ओर रुझान रहेगा। घर में मांगलिक कार्य होंगे। माता-पिता को लेकर चिंता बनी रहेगी। अधुरे कार्य पूरे होंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा। नशे से दूर रहें, मेहमान आएंगे। स्त्री वर्ग से लाभ होगा। अचानक यात्रा होगी। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी, राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक- यह माह आपके लिये शुभ फलदायक रहेगा। धार्मिक कार्यों, उत्सव में सम्मिलित होंगे। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शुभ समाचार मिलेगा। जीवन साथी का सहयोग एवं सभी इच्छाएँ पूरी होंगी। दाम्पत्य सुख प्राप्त होगा। व्यापार में बढ़ोत्तरी होगी। मान-सम्मान मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग को परीक्षा में सफलता मिलेगी। स्थान परिवर्तन। मन प्रसन्न एवं नये सम्पर्क से लाभ होगा। यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। मनोरंजन, घूमने-फिरने पर खर्च करेंगे। जोड़ों में दर्द की परेशानी रहेगी।

धनु- इस माह आपको धन लाभ होगा। शुभ कार्य में खर्च होगा। संतान के कार्यों से मन खुश होगा। जीवन में नया मोड़ आएगा। स्थान परिवर्तन होगा। जीवन साथी के कारण परेशानी बनी रहेगी। नये कार्य प्रारंभ करेंगे। परिवारजनों का पूरा सहयोग मिलेगा। माता के स्वासयि की चिंता रहेगी। मकान, वाहन क्रय करने के योग बनेंगे। शत्रु से परेशानी होगी। विश्वास करना हानिकारक रहेगा। उदर विकार से परेशानी के योग बनते हैं।

मकर- इस माह आपको आय में वृद्धि होगी। शत्रु परास्त होंगे, शुभ समाचार मिलेगा। नये संपर्क का लाभ होगा। विवाह संबंध योग में रुकावटे आएंगी। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। कोर्ट प्रकरण में विजय मिलेगी। अपने ही परायों जैसा व्यवहार करेंगे। चोट आदि का भय बना रहेगा। जीवन साथी को परेशानी रहेगी, आलस्य को छोड़ें वाद-विवाद से बचें।

कुंभ- यह माह आप के लिये प्रसन्नतादायक रहेगा। नये संपर्क बनेंगे। उत्साह का वतावरण बना रहेगा। संतान सुख की प्राप्ति होगी। राजकीय पक्ष से मान-सम्मान एवं धन मिलेगा, जो भी कार्य करेंगे उनमें सफलता मिलेगी। मांगलिक कार्य में भाग लेंगे। पारिवारिक सुख, आनंद में समय व्यतीत होगा। भाग दौड़ अधिक बनी रहेगी। यात्रा का आनंद लेंगे। शत्रु से परेशानी रहेगी। वाद-विवाद में न पड़ें। चोट का भय बना रहेगा।

मीन- यह माह आपको मिश्रित फलदायक रहेगा। सामाजिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। मित्रों के सहयोग से रुके कार्य पूरे होंगे। अचानक लाभ के योग, शीघ्र निर्णय लेने से भी लाभ एवं उन्नति होगी। विद्यार्थी वर्ग को परीक्षा परिणाम में सफलता मिलेगी। संतान के कार्यों से मन प्रसन्न बना रहेगा। जीवन साथी से वैचारिक मतांतर बने रहेंगे। विरोधियों से सावधानी आवश्यक है, खर्च अधिक रहेगा। झूठे आरोप लगने से मानसिक तनाव बना रहेगा। अचानक यात्रा होगी।

श्रीमती शर्मिला राठी को मातृशोक

भाटापारा। प्रतिष्ठित उद्योगपति दुर्गादास मुंधड़ा की धर्मपत्नी एवं माहेश्वरी डॉट ओआरजी की संचालिका श्रीमती शर्मिला राठी की मातुश्री श्रीमती दुर्गादेवी का हृदयगति रुक जाने से गत दिनों 82 वर्ष की अवस्था में देहावसान हो गया। आप गंगादास व वसंत तापड़िया (रायपुर) की बहन थीं।

श्रीमती वीणादेवी माहेश्वरी

बंगाईगांव (असम)। हनुमानगढ़ राजस्थान के मूल निवासी ओमप्रकाश माहेश्वरी (मोहता) की धर्मपत्नी श्रीमती वीणादेवी माहेश्वरी का 74 वर्ष की अवस्था में स्वर्गवास गत 30 अप्रैल को हो गया है। आप अपने पीछे 3 पुत्र-पुत्रवधू सहित 4 पौत्र-पौत्री का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्री भंवरलाल काबरा

उदयपुर। ख्यात समाजसेवी स्व. श्री सोहनलाल काबरा के ज्येष्ठ पुत्र प्रतिष्ठित व्यवसायी श्री भंवरलाल काबरा का असामयिक निधन गत 11 मई को हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं। इनके निधन से समाज में शोक की लहर फैल गई।

श्रीमती शशिकला चांडक

धामणगांव। प्रतिष्ठित व्यवसायी अशोक चांडक, प्रमोद चांडक और स्व. डॉ. ओमप्रकाश चांडक की माता श्रीमती शशिकला चांडक का हृदयाघात से 80 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। आप अपने पीछे 2पुत्र और 3 पुत्रियाँ का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

हरिवल्लभ बाहेती

भीलवाड़ा। रुपाहेली निवासी प्रहलाद राय व कैलाशचंद्र बाहेती के पिता श्री हरिवल्लभ बाहेती का स्वर्गवास गत 14 जून को हो गया। श्री बाहेती व्यवहारिक, धार्मिक समाजसेवी के साथ कांग्रेस पार्टी के एक कर्मठ कार्यकर्ता भी थे।

श्री रामेश्वरलाल नवाल

ब्यावर। धार्मिक साहित्य-कार व वरिष्ठ समाजसेवी श्री रामेश्वरलाल नवाल का गत 24 अप्रैल को निधन हो गया। श्री नवाल ने धार्मिक साहित्य के क्षेत्र में अपनी एक विशेष पहचान बना रखी थी। आपके द्वारा रचित कलश रामायण, सुंदरकांड समीक्षा गीता सार, हनुमान चालीसा विश्लेषण आदि धार्मिक साहित्य के कारण लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स एवं इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा आपको प्रशंसा पत्र दिया गया था। उनके द्वारा रचित सद्साहित्य से समाज को सदैव मार्गदर्शन मिलता रहेगा।

श्रीमती गोदावरी देवी राठी

भीलवाड़ा। समाज सदस्य दौलतराम, प्रहलादराय, सुरेशचंद्र, रामगोपाल, कैलाशचंद्र, शांतिलाल व गोविंराम राठी की माता श्रीमती गोदावरी देवी का स्वर्गवास गत दिनों हो गया। आप 101 वर्षीय थीं। आप अपने पीछे 7 पुत्रों सहित, पौत्र, पौत्री, प्रपौत्र, प्रपौत्री आदि का भरापूरा परिवार छोड़ कर गई हैं।

मोहिनी देवी सोमानी

डूंगरगढ़। अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति स्व. चुन्नीलाल सोमानी की धर्मपत्नी व लक्ष्मी-नारायण, रतन, श्याम, राधाकिशन की मातोश्री श्रीमती मोहिनीदेवी सोमानी का गोलोकवास 17 जून, 2016 को हो गया। आप धार्मिक स्वभाव एवं मिलनसार रही हैं। 'श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि।

श्री बंकटलाल मालानी

भीलवाड़ा। वयोवृद्ध समाजसेवी व भामाशाह श्री बंकटलाल मालानी का 92 वर्ष की अवस्था में गत 27 मई को देहावसान हो गया। आप अपने पीछे पुत्र-पुत्रवधू तथा पौत्र-पौत्रवधुओं से भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्री बद्रीनारायण खडलोया

हैदराबाद। सिकंदराबाद के वरिष्ठ कपड़ा व्यवसायी श्री बद्रीनारायण खडलोया का स्वर्गवास गत 13 मई को 84 वर्ष की अवस्था में हो गया। आपने महारुद्र यज्ञ समिति के प्रधान संयोजक के रूप में गत 30 साल में 9 सप्तदिवसीय पंचकुंडात्मक महारुद्र यज्ञ का सफलतापूर्वक आयोजन समाज के सहयोग से किया। पुत्र माहेश्वरी चैतन्य आंध्रप्रदेश के संयोजक रमेश खडलोया व दो पुत्री सहित आप पौत्र-पौत्री, दोहित्र आदि का भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं।

श्री गौरीशंकर पेड़ीवाल

सरदारशहर। वरिष्ठ सदस्य श्री गौरीशंकर पेड़ीवाल का 90 वर्ष की अवस्था में गत दिनों देहावसान हो गया। आप अपने पीछे चार पुत्रों सुरेश कुमार, विनोद कुमार, जगदीश प्रसाद व मनोज कुमार पेड़ीवाल का भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं। संगरिया निवासी प्रियंका-कपिल करवा उनके पौत्री-दामाद हैं।

ऋषिमुनि समूह द्वारा काल गणना की प्राचीन नगरी उज्जयिनी से प्रकाशित

श्री अवन्तिका पञ्चाङ्ग

इतना सरल की अपने घर के पंडित आप खुद बन जाए

व्रत-पर्व देखना हो या शुभ मुहूर्त या विवाह के लिए पत्रिका का करना हो मिलान कहीं जाने की जरूरत नहीं, स्वयं देखें अपने पञ्चाङ्ग में

सम्पर्क- 90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

श्री शिवराज सिंह चौहान
मा. मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

यशोधरा राजे सिंधिया
मा. मंत्री, खेल और युवा कल्याण
मध्यप्रदेश शासन

मध्यप्रदेश की बेटियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्णिम सफलता!

बधाई!

मध्यप्रदेश शूटिंग अकादमी की खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन से स्वर्ण एवं रजत पदक जीत प्रदेश को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किया गौरवान्वित।

खिलाड़ी	प्रतियोगिता	वर्ग	पदक
प्रगति दुबे मनीषा कीर	8वां इंटरनेशनल जूनियर शॉटगन 2016 ऑरिमाटिला (फिनलैंड)	ट्रेप जूनियर (टीम)	1 स्वर्ण
चिंकी यादव	26वीं मीटिंग ऑफ शूटिंग होप्स 2016 पिल्ज़न (चेक रिपब्लिक)	25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल जूनियर (टीम)	1 रजत

खेल और युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश

महेश नवमी के पावन पर्व पर सभी समाज बन्धुओं का
हार्दिक अभिनन्दन एवं शुभकामनाएँ

पद्मश्री बंशीलाल राठी

पूर्व सभापति
अखिल भारतवर्षीय महासभा

GBR Metals Private Ltd.

Manufacturers of M.S. Ingots & TMT Bars

Regd. Office-
#4, Ramanan Road, Chennai - 600 079
Ph. : 25292644, 25292151,
Fax : 2591095
E-mail : myco@eth.net

Factory-
#295, G.N.T. Road, Peravallur Village,
Ponneri - 601204 (T.N.)
Ph. : 27984719, 27984729,
Fax : 27984729

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2016
Despatch Date - 02 July, 2016

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah),
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. 0734-2526561, 2526761, Mo. : 94250 91161
E-mail : smt4news@gmail.com

FREE REGISTRATION AT www.srimaheshwarimelapak.com